आर्यसमाज साहित्य सर्वस्व

(बिबलिओग्रफ़ी)

प्रथम खंड

संपादक

गौरीशङ्कर सिंह

एम० ए० (प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व), एल० एं० एस०, एल० लिब० एस-सी०

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

रामलीला मैदान, नई दिल्ली

आर्यसमाज साहित्य सर्वस्व

(बिबलिओग्रफी)
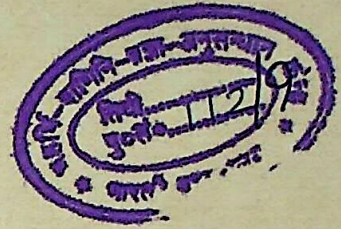
प्रथम खंड
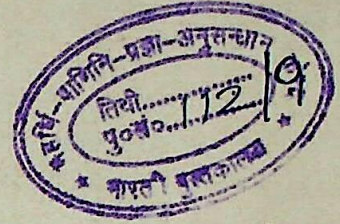
श्री ओउम् प्रकाश जी वर्मा
को सप्रेम भेंट.
द्वारा.
श्री सीताराम आर्य
कलकत्ता.

संपादक

गौरीशङ्कर सिंह

एम० ए० (प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व), एम० ए० यस०, एम० लिब० यस-सी०

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

रामलीला मैदान, नई दिल्ली

नवादित्य ग्रंथमाला सं०–१

प्रकाशक
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
रामलीला मैदान, नई दिल्ली

एक हजार प्रति
प्रथम संस्करण–१५ दिसंबर, १९७५
मूल्य पचास रुपया

गौरीशंकर सिंह, संपा.
आर्यसमाज साहित्य सर्वस्व (बिबलिऑग्रफी). नई दिल्ली,
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७५.
६, १६० पृ०, २८ से. (नवादित्य ग्रंथमाला. संख्या १)
दयानन्द सरस्वती व आर्य समाज पृ० १–११३.
राममोहन राय व ब्राह्म समाज पृ० ११४–१४४.
इंडेक्स पृ० १४५–१६०.

मुद्रक
श्री शंभुनाथ वाजपेयी
नागरी मुद्रण
नागरीप्रचारिणी सभा, काशी

आमुख

'आर्यसमाज साहित्य सर्वस्व' कई खंडों में प्रकाशित करने की योजना है.

प्रथम खंड व द्वितीय खंड : देश-विदेश के ग्रंथालयों में उपलब्ध आर्यसमाज साहित्य का विवरण.

तृतीय खंड : आर्यसमाज साहित्य की पत्रिकाओं की सूची (इंडेक्स).

महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा बंबई में १८७५ ई० में आर्यसमाज की स्थापना से लेकर अब तक प्रकाशित ग्रंथों का विवरण प्रस्तुत है. कलकत्ता आर्यसमाज, कलकत्ता; आर्यसमाज खिदिरपुर, कलकत्ता; आर्यसमाज बड़ाबाजार, कलकत्ता; एशियाटिक सोसायटी, कलकत्ता; नेशनल लाइब्रेरी, कलकत्ता; आर्यभाषा पुस्तकालय (नागरीप्रचारिणी सभा), वाराणसी; काशी आर्यसमाज, वाराणसी; काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; पाणिनी कन्या महाविद्यालय, वाराणसी; संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी; सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली; के पुस्तकालयों में सुलभ ग्रंथों एवं पत्र-पत्रिकाओं का देखकर तथा लाइब्रेरी ऑव इंडिया आफिस, लंदन; ब्रिटिश म्यूजियम, लंदन; न्यूयार्क पब्लिक लाइब्रेरी, न्यूयार्क एवं लाइब्रेरी ऑव कांग्रेस, वाशिंगटन की मुद्रित सूचियों (कैटलॉग्स) से प्रविष्टियाँ तैयार की गई हैं.

यह संदर्भ ग्रंथ केवल आर्यसमाज के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण हिंदी जगत् के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. आर्यसमाज स्थापना शताब्दी समारोह के अवसर पर इसे प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि देश-विदेश के आर्यसमाज अपने ग्रंथालयों में संगृहीत आर्यसमाज साहित्य का विवरण हमें उपलब्ध कराएँ जिससे प्रस्तावित योजना कार्यान्वित की जा सके, साथ ही सभी आर्यसमाज अपने पुस्तकालय में आवश्यक रूप से इसकी प्रतियाँ रखें।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली, कलकत्ता आर्य समाज एवं काशी आर्यसमाज के अधिकारीगण इसके प्रणयन में प्रेरणास्रोत रहे हैं एवं समयानुसार आवश्यक सहायता प्रदान करते रहे हैं, हम उनके कृतज्ञ हैं। आचार्य श्री विश्वनाथप्रसाद मिश्र (भूतपूर्व प्रो. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, मगध विश्वविद्यालय, गया एवं विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन) के हम कृतज्ञ हैं जिन्होंने इस ग्रंथ को आद्योपांत देखने की कृपा की एवं इसके संबंध में विद्वत्तापूर्ण 'दो बोल' लिखे. अनन्य श्री विद्युतकुमार आचार्य चौधुरी, सदस्य, काशी आर्य समाज, बुलानाला, वाराणसी के सौहार्द्रपूर्ण साहाय्य के लिये धन्यवाद. प्रस्तुत ग्रंथ के मुद्रण में नागरीप्रचारिणी सभा, काशी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा है.

उपयोगविधि :

पुस्तक का संपूर्ण विवरण निम्नलिखित प्रकार से दिया गया है :

१. **लेखक** : लेखकों के नाम अकारादिवर्णानुक्रम से दिए गए हैं. संपादक एवं संकलनकर्ता भी लेखक क्रम में रखे गए हैं.
   योरोपीय भाषाओं की प्रविष्टियाँ रोमन वर्णानुक्रम में हैं.
   यथास्थान संस्थाओं को लेखक का स्थान दिया गया है.
   जिन ग्रंथों के लेखक अज्ञात हैं उनकी प्रविष्टि शीर्षक में ही दी गई है. छद्मनाम कोष्ठक ( ) में दिये गये हैं।

२. **शीर्षक** : शीर्षक अकारादिवर्णानुक्रम से संस्करण एवं प्रकाशन वर्ष के क्रम में रखे गए हैं.

३. **प्रकाशक** : यदि एक प्रकाशनस्थल है तो वही, अन्यथा अनेक होने पर प्रत्येक का विवरण दिया गया है. प्रकाशक के अभाव में मुद्रक, लेखक, संपादक, अनुवादक आदि को प्रकाशक के स्थान पर रखा गया है. प्रकाशन वर्ष ईसवी सन् में दिया गया है. कहीं-कहीं आर्य संवत्सर भी अंकित हैं. रिक्त ऋजुकोष्ठक [ ] उपर्युक्त सूचनाओं का अभाव प्रदर्शित करते हैं एवं जो सूचना ऋजुकोष्ठक [ ] में दी गई है वह मुखपृष्ठ के अतिरिक्त अन्यत्र से ली गई है. ति. न. (तिथि नहीं) संकेत प्रकाशन वर्ष का न होना सूचित करता है।

४. पृष्ठ संख्या, चित्र (छवि) एवं आकार के साथ ग्रंथमाला विवरण भी दिया गया है.

५. आवश्यक होने पर विषयसूची या विशेष विवरण भी दिया गया है.

६. पुस्तक विवरण के अंत में प्राप्तिस्थल (पुस्तकालय का संक्षिप्त नाम) अंकित है.

७. भारतीय लेखकों के नाम की प्रविष्टि मूलनाम (फोरनेम), [कहीं-कहीं वंशनाम (सरनेम)] तथा विदेशी लेखकों के नाम, वंशनाम (सरनेम) प्रथम एवं मूलनाम (फोरनेम) अल्प विराम (,) के बाद की गई है.
   राममोहन राय एवं ब्राह्म समाज साहित्य विवरण भी इसके साथ संलग्न है.

वाराणसी
१५.१२.७५

गौरीशङ्करसिंह

दो बोल

हिंदी में शोध अधिक हो रहे हैं, शोधप्रबंध नित्यप्रति लिखे जा रहे हैं और शोधकर्ताओं की लंबी कतार दिखाई दे रही है. पर शोध के लिये क्या क्या व्यवस्था अपेक्षित है इसे न शोध करानेवाले संस्थान ही सोच रहे हैं और न शोध सामग्री का भांडागार रखनेवाले एवम् शोधार्थियों का साहाय्य करनेवाले ग्रंथागार ही. हिंदी भाषा और साहित्य में चाहे जिस युग का अवलंब लेकर शोध किया जाए सबसे पहली अपेक्षा होती है कि उस युग के संवद्ध विषय की हस्तलिखित या मुद्रित सामग्री सबसे पहले ज्ञात हो कि कहाँ कहाँ उपलब्ध है. हस्तलेखों का संरक्षण रजवाड़ों और धार्मिक स्थानों में ही प्रायः हुआ करता था, व्यक्तिगत संग्रह-संकलन भी होते थे. उनकी खोज का कार्य कई संस्थाओं के द्वारा हुआ है और उनकी विवरणिकाएँ भी प्रकाशित हुई हैं. पर वह केवल सूची-संग्रह ही हुआ है. शोध की दृष्टि से उसका संकलित विवरणात्मक विषय विभाजित आकलन अभी तक किसी ने नहीं किया है. मुद्रित ग्रंथों की सामग्री-सूची के लिये तो कुछ भी प्रयास नहीं हुआ है. जो कुछ हुआ भी उसमें शोध की दृष्टि ही नहीं दीखती. परिणाम यह है कि अनुसंधायक चक्कर काटते रहते हैं, भांडागारों का आलोड़न करते रहते हैं. ग्रंथराशि के पछोड़ने-फटकारने पर जो प्राप्ति-उपलब्धि होती है वह श्रमसाध्य तो होती ही है, समय-सापेक्ष भी होती है. जो शोध दो वर्षों में होना चाहिए उसमें ४-६ वर्षों से कम केवल इसलिए नहीं लगते कि सामग्री ही का पता लगाने में सप्ताह-पक्ष-मास-वर्ष निकलते चले जाते हैं. शोधकर्ता का कार्य संधान नहीं है, अनुसंधान है. आरंभिक खोज या संधान कार्य पुस्तकालय-विज्ञान में अभिरुचि रखने वालों का है और शोध-संस्थानों का कर्तव्य है कि वे इस प्रकार का समायोजन कराएँ.

हिंदी साहित्य के अतीत की ग्रंथराशि की विवरण-तालिका, शब्दसूची आदि प्रस्तुत करना तो किसी विस्तृत, सुनियोजित कार्यक्रम के ही अंतर्गत हो सकता है, किंतु उसके आधुनिक या वर्तमान का काम अपेक्षाकृत अधिक सुसाध्य है. सौ-पचास वर्षों के अनंतर तो इसकी भी स्थिति धीरे धीरे दुरूह हो जाएगी. संप्रति ही इसमें कठिनाई होने लगी है. आधुनिक युग की शोध-सापेक्ष सामग्री का विवरण-संग्रहण कहाँ से किया जाए पहले भाषा की ओर हाथ बढ़ाए जाएँ या साहित्य की ओर, यह सब न कोई सोचता है न समझता है. इसलिए हिंदी में किसी ऐसे बृहत् शोध संस्थान की स्थापना यथासंभव शीघ्र होनी चाहिए जो इसप्रकार के कार्य करने-कराने का सुचिंतित संभार करे. पर ऐसा संस्थान कब बनेगा, कौन बनाएगा, कहा नहीं जा सकता. हिंदी की मान्य संस्थाओं की दशा तो इस दृष्टि से अत्यंत शोचनीय है. जिस आधुनिक वास्तविकता या आधुनिक बोध को स्वीकार करने की बात कही जा रही है वह उनमें छाई हुई है. सारस्वत-साधना और शोध की प्रस्तावना या आधार फलक के लिए उसमें कितना अवकाश है और जो भी पारंपरिक और नियमों की सरणि के कारण थोड़ा-बहुत है भी वह कितने दिनों तक रह सकेगा, यह कह सकना कठिन हो रहा है. हिंदी में तो संस्थाओं की अपेक्षा व्यक्तियों ने ही साहित्य या शोध के लिए उपयोगी कार्यों में प्रायः पहले हाथ डाला है.

प्रस्तुत प्रयास एक व्यक्ति या कुछ व्यक्तियों का है. इसका आरंभ भी बड़ी सूझ-बूझ के साथ किया गया है. हिंदी भाषा और नागरी लिपि की अखिल भारतीय अपेक्षा-अनिवार्यता का चिंतन अहिंदीभाषियों ने ही किया है. हिंदी का विकास सर्वभारतीय स्तर पर हुआ है तथा प्रादेशिक भाषा का संवर्धन प्रादेशिक-प्रांतिक अपेक्षा से ही. इसलिए प्रत्येक प्रादेशिक भाषाभाषी जब सर्व-भारतीय स्तर पर कार्य करने का अभिलाषी होता था तो वह स्वयम् कल्पना करता था कि कौन सी भाषा और कौन सी लिपि अपनाऊँ. हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं का संबंध भाषा-विभाषा का था. संप्रति जो चिंतना हो रही है वह वस्तुतः आधुनिक वास्तविकता का फूलने-फलने और फैलने वाला वृक्ष ही है जिसे अपनी बाढ़ देखनी है, क्या सर्वतोभावेन ठीक और मांगलिक है इसके लिए वह अवसर ही नहीं दे रहा है.

प्रातःस्मरणीय महर्षि दयानंद सरस्वती ने भारतीय समाज को भारतीय बनाए रखने और मानव को मानवता का सच्चा पाठ पढ़ाने के लिए जो भी किया उसके लिए उन्होंने आर्यभाषा और नागरी लिपि का अवलंबन गुजराती भाषाभाषी और संस्कृत भाषा पारंगत होते हुए किया. उनके द्वारा प्रवर्तित आर्यसमाज ने हिंदी को प्रचारित करने में ही योग नहीं दिया, उसका संवर्धन भी किया. न जाने कितने शब्द जो आज चल रहे हैं वे उन्हीं ने दिए हैं. 'हिंदी भाषा को आर्यसमाज की देन' विषय पर शोध महत्वपूर्ण और साथ ही रोचक भी होगा. पर ऐसे विषयों की ओर कोई इलसिए नहीं बढ़ पाता कि उसे पता ही नहीं है कि कौन सी सामग्री कहाँ मिलेगी. अतः श्री गौरीशंकर सिंह ने **आर्यसमाज साहित्य सर्वस्व** प्रस्तुत करके बहुत ही हितकारी कार्य किया है. यह इसका प्रथम खंड है. आशा है, वे अपने सत्प्रयास से इसके अन्य सभी खंड क्रमशः प्रकाशित करने-कराने में यथापूर्व निरत रहेंगे. वे इस महदुपयोगी कार्य के लिए साधुवाद के आस्पद हैं. मेरा दृढ़ विश्वास है कि शोध दृष्टि संपन्न सभी के बीच इसका स्वागत और संग्रह होगा.

धनुसंक्रांति, २०३२ वैक्रम
वाणी-वितान भवन,
ब्रह्मनाल, वाराणसी.

—विश्वनाथप्रसाद मिश्र

विषय-क्रम

संकेत-सूची

अनु.	अनुवादक	बं. सा. प.	बंगीय साहित्य परिषद्, कलकत्ता.
आ. पु.	आर्यभाषा पुस्तकालय, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी.	बड़ा.	बड़ाबाजार आर्यसमाज, कलकत्ता.
आ. प्र. स.	आर्य प्रतिनिधि सभा.	बिब.	बिबलियॉग्रफी
इ. आ.	लाइब्रेरी आॅव इंडिया आफिस, लंदन (ग्रेट ब्रिटेन)	बी. एच. यू.	बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी.
उ. प्र.	उत्तर प्रदेश	ब्रि. म्यू.	ब्रिटिश म्यूजियम, लंदन (ग्रेट ब्रिटेन).
ऋ.	ऋग्वेद.	भाष्य.	भाष्यकार
एड., एडि.	एडिशन.	मं.	मंडल
ए. सो.	एशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता.	म. प्र.	मध्य प्रदेश
कं.	कंपनी.	यन. डी.	नो डेट
कंपा.	कंपाइलर, कंपाइल्ड.	ले.	लेखक.
कल.	कलकत्ता आर्यसमाज, कलकत्ता.	वा.	वाल्यूम.
काशी.	काशी आर्यसमाज, काशी.	वै. पु. प्र. फं.	वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड.
का. हि. वि.	काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी.	व्याख्या.	व्याख्याकार
खिदि.	खिदिरपुर आर्यसमाज, कलकत्ता.	संक.	संकलनकर्ता.
टीका.	टीकाकार.	संग्र.	संग्रहकर्ता.
ति. न.	तिथि नहीं.	संपा.	संपादक.
ने. ला.	नेशनल लाइब्रेरी, कलकत्ता.	संशो.	संशोधक, संशोधित.
न्यू. प. ला.	न्यूयार्क पब्लिक लाइब्रेरी, न्यूयार्क (अमेरिका).	संस्क.	संस्करण.
परि.	परिवर्द्धित.	स. स. वि.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी.
पा. क.	पाणिनि कन्या महाविद्यालय, वाराणसी.	सार्व.	सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली.
पृ.	पृष्ठ.	से.	सेंटीमीटर.
पे.	पेज.	हि. सा. स.	हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद.

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ	कालम	अशुद्ध	शुद्ध
१	१	हिन्दुतानी	हिन्दुस्तानी
१	१	प्रकुत	प्राकृत
२	१	ईश्वररादि	ईश्वरादि
३	१	गोकरुणाधि	गोकरुणानिधि
४	२	दयानंद	दयानंद
६	१	में	के
१०	१	मिज	निज
१३	१	दयाबंद	दयानंद
१६	१	आर्य, ज. आर.	आर्य, जे. आर.
१६	२	नरासिंहपुर	नरसिंहपुर
१७	२	मत्री	मंत्री
१८	२	कृण्वन्ता	कृण्वन्तो
२०	२	ईद्रदेव	इंद्रदेव
२२	१	गियमावली	नियमावली
२३	१	वैद	वेद
२४	१	यंत्रालम	यंत्रालय
२८	१	कानयुर	कानपुर
२८	२	गिरधारौ लाल	गिरधारी लाल
३०	२	ओर	और
३१	१	प्रेसीडेंड	प्रेसीडेंट
३२	२	त्नयशंकर	त्रियशंकर
३८	१	संमार्गदर्शिनी	सन्मार्गदर्शिनी
५३	२	ग्रंगांतर्गत	ग्रंथांतर्गत
५९	२	उताध्याय	उपाध्याय
६३	१	दीवालहाल	दीवानहाल
७२	१	सची	सूची
७४	१	सामवेव	सामवेद
७७	१	सग्रह	संग्रह
७९	१	१८३८	१८८३
७९	१	वैंदि	वैदिक

पृष्ठ	कालम	अशुद्ध	शुद्ध
८३	१	माधन	माधव
८६	१	दयानंय	दयानंद
८९	—	भाषायें	भाषाएँ
९०	२	एं	ए
९१	२	तेलगु	तेलुगु
९३	२	सरस्वतती	सरस्वती
९४	१	तत्वविवेच	तत्वविवेचक
९४	१	डिचांच्या	भिडचांचे
९६	—	भाषायें	भाषाएँ
९७	२	एस.	यन.
९९	२	कैंटेकिज्म	कैंटेसिज्म
१००	१	निज़ामम्स	निज़ाम्स
१०१	१	प्रचाशन	प्रकाशन
१०१	१	अनाद	ऑन द
१०१	२	हेदाज़	वेदाज़
१०१	२	दवाज़	देवाज़
१०६	१	सरस्वतीफ़	सरस्वतीज़
११४	१	बाङल	बाङला
११८	१	उघेश्य	उद्देश्य
१२२	२	परमेश्वरर	परमेश्वरेर
१२७	१	पौट्टलिक	पौत्तलिक
१२७	१	स्टीफेंस	स्टीफेन
१२७	२	जोगेंद्र	जोगेंद्र
१२७	२	इनक्रोटमेंट्स	इनक्रोचमेंट्स
१२७	२	प्रीसेम्प्ट्स	प्रिसेप्ट्स
१२८	२	डज़	डेज़
१२८	२	ह्विटज	ह्विच
१२९	१	वेडद्स	वेद्स
१३७	१	हॉमनी	हॉर्मनी
१३८	२	मोनोहर	मनोहर
१४०	१	विटवीन	बिट्वीन

दयानन्द सरस्वती

दयानन्द सरस्वती, १८२४–१८८३.

आर्यत्वप्रकाश, आर्य धर्म पर दयानन्द सरस्वती के विचार, संग्र. इन्द्रमणि. मुरादाबाद, १८८६.
२ भाग, २४ से.
भाग १–हिन्दी और हिन्दुतानी
भाग २–हिन्दूस्तानी. ब्रि. म्यू.

आर्य सिद्धान्त दर्पण, सेलेक्शन्स फ्राम द 'सत्याथ प्रकाश' (चैप्टर १०) एण्ड अदर वर्क्स आव दयानन्द, कम्पायल्ड एण्ड एडिटेड वाई लाला रामलाल आव द आर्य हाईस्कूल लुधियाना. लुधियाना, लाहौर (मुद्रित), १९१४. ३९९ पृ. २४ से. ब्रि. म्यू.

आर्याभिविनय : प्राकृत (हिन्दी) भाष्यानुवाद सहित : श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिना ऋग्वेदादि वेद मंत्रैर्विरचितः. वम्बई, आर्यमण्डल प्रेस, १८७६. ३,७४ पृ. २० से. इ. आ.

आर्याभिविनय : प्राकृत (हिन्दी) भाष्यानुवाद सहित : श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिना ऋग्वेदादि वेद मंत्रैर्विरचितः, द्वि. संस्क. प्रयाग,वैदिक यन्त्रालय, १८८३. २४६, २ पृ. १० से. आ. पु.

आर्याभिविनय : प्रकृत (हिंदी) भाष्यानुवाद सहितः श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना ऋग्वेदादि वेद मंत्रैर्विरचितः, चतु. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८८. ३५५ पृ. १६ से. ब्रि. म्यू.

आर्याभिविनय : प्राकृत (हिन्दी) भाष्यानुवाद सहितः··· दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः. अजमेर वैदिक यंत्रालय, १९०९. १४४ पृ. २४ से. इ. आ., काशी.

आर्याभिविनयः प्राकृत (हिन्दी) भाषानुवाद सहितः श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः. अजमेर वैदिक यंत्रालय, १९१२. ३,१३८ पृ. २४ से. इ. आ.

आर्याभिविनयः का हिन्दीपद्यानुवाद, लेखक श्री ब्रह्मभद्रजीतजी 'भद्र'. [ ], १९२४.
प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश, पृ. १–७६.
(जन्म शताब्दी संस्करण) आ. पु., इ. आ., सार्व.

आर्याभिविनयः का हिन्दी पद्यानुवाद, अनु. ब्रह्म भद्रजीत जी 'भद्र'. कानपुर, रघुनन्दन प्रेस, १९२५. ७२ पृ. १७ से. इ. आ

आर्याभिविनियः, प्राकृतभाषानुवाद सहितः श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः, अष्टम् संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९२६. ७,१७४ पृ. १२×१० से. इ. आ., सार्व.

दयानंद सरस्वती

आर्याभिविनयः. प्राकृत (हिन्दी) भाष्यानुवाद सहितः, श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः. अजमेर, वैदिक प्रेस, १९२९. ६,१३८ पृ. २४ से. इ. आ.

आर्याभिविनयः. प्राकृत भाष्यानुवाद सहितः श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः, तृतीय संस्क. लाहौर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९३७. २६,८,२६७ पृ. १३ से. (रामलाल कपूर ग्रंथमाला, ग्रंथांक ३) आ. पु.

आर्याभिविनयः प्राकृत भाषानुवाद सहितः दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः, चतुर्थ संस्क. लाहौर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९४१. १६,२७० पृ. १२ से. (रामलाल कपूर ग्रंथमाला) काशी., सार्व.

आर्याभिविनयः प्राकृत भाष्यानुवाद सहितः श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९५१. ९९ पृ. सं. वि.

आर्याभिविनयः प्राकृत भाष्यानुवाद सहितः, संपा. जगत्कुमार शास्त्री. देहली, गोविन्दराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९५७. १२८ पृ. १६ से. खिदि.

आर्याभिविनयः प्राकृत भाष्यानुवाद सहितः दिल्ली गोविंदराम हासानंद, १९६६. ९६ पृ. १८ से. कल.

आर्याभिविनयः (ऋषि व्याख्या के अतिरिक्त वेद मंत्रों के शब्दार्थ व ७ उपयोगी परिशिष्टों सहित). दिल्ली, आर्य प्रकाशन, १९७३. २१२ पृ. १८ से. पा. क.

अथार्याभिविनयोपक्रमणिका विचारः. १३८ पृ. २४ से. मुखपृष्ठ नहीं है. सार्व.

आर्योद्देश्य रत्नमाला श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिनिर्मिता ईश्वरादि तत्वलक्षण प्रकाशिका आर्यभाषा प्रकाशोज्वला, तृ. संस्क० अजमेर वैदिक यंत्रालय, १८९३. २४ पृ. १८ से. खिदि.

आर्योदेश्य रत्नमाला श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामि निर्मिता ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका आर्यभाषा प्रकाशोज्ज्वला, चतु. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९८. २८ पृ. १७ से. ब्रि. म्यू.

आर्योद्देश्य रत्नमाला ··· ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका, आर्यभाषा (हिन्दी) प्रकाशोज्ज्वला. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०२. १६ पृ. १७ से. आ. पु.

आर्योद्देश्य रत्नमाला ··· ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका, ५ वाँ संस्क० अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०७. ११ पृ. १८ से. खिदि,.

आर्योद्देश्य रत्नमाला ईश्वरादि तत्व लक्षण–प्रकाशिका आर्यभाषा प्रकाशोज्ज्वला, दशम् संस्क०. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०९. १६ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

आर्योद्देश्य रत्नमाला ... ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका आर्य भाषा प्रकाशोज्ज्वला, द्वि० संस्क०. अजमेर, आर्य साहित्य मण्डल, १९३७. १३ पृ. १८ से.
आ. पु.

आर्योद्देश्य रत्नमाला ... ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका, आर्य भाषा (हिन्दी) प्रकाशोज्ज्वला. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९३८. १३ पृ. १८ से. आ. पु.

आर्योद्देश्य रत्नमाला दयानन्द स्वामि निर्मिता ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका आर्यभाषा प्रकाशोज्ज्वला, १७ वाँ संस्क० अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा, १९५०. १६ पृ. १८ से. सार्व.

आर्योद्देश्य रत्नमाला (विषयसूची तथा टिप्पणी सहित). फतेहगढ़, आदर्श साहित्य मण्डल, १९५२. १६ पृ. १८ से.

श्रीयुत महाराजा विक्रमादित्यजी के संवत् १९३४ (१८७७) के श्रावण महीने के शुक्ल पक्ष सप्तमी बुधवार के दिन स्वामी दयानन्द सरस्वती आर्यभाषा में सब मनुष्यों के हितार्थ 'आर्योद्देश्यरत्नमाला' पुस्तक प्रकाशित किया.
सार्व.

आर्योद्देश्य रत्नमाला दयानन्द स्वामि निर्मिता ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका. देहली, गोविन्दराम हासानन्द, आर्य साहित्यभवन, १९५३. १८ पृ. १८ से. खिदि.

आर्योद्देश्य रत्नमाला ईश्वरादि तत्व लक्षण प्रकाशिका. दिल्ली, सार्वदेशिक प्रकाशन, १९५९. १२ पृ. १८ से.
कल.

आर्योद्देश्य रत्नमाला की व्याख्या—वैदिक सिद्धान्त रत्नावली, लेखक सत्यपाल शास्त्री. मेरठ, सुशील बंधु, १९७१. ५९१ पृ. १८.५ से. पा. क.

आर्योद्देश्य रत्नमाला का हिंदी अनुवाद, अनु० भूदेव शास्त्री, हकीम बीरूमल 'आर्य प्रेमी'. अजमेर, वीरूमल, १९७४. १५ पृ. १८ से. सार्व.

आर्योद्देश्य रत्नमाला. नई सड़क दिल्ली, शारदा मंदिर लि०, ति. न. १५ पृ. १७.५ से. आ. पु.

उपदेश मंजरी, अनु० बदरी दत्त शर्मा. बांस बरेली, श्यामलाल वर्मा बुकसेलर, १९१०. १७५ पृ. २१ से. १८७५ में पूना में दिये गये श्री १०८ स्वामी दयानंद सरस्वतीजी के १५ व्याख्यानों का हिन्दी अनुवाद. आ. पु.

उपदेश मंजरी, हिन्दी अनु. बद्रीदत्त शर्मा, द्वि. संस्क. बांसबरेली, लखनऊ, १९११. १, २५० पृ. २१ से. सन् १८७५ में पूना में दिये गये स्वामी दयानन्द के १५ भाषणों का हिंदी अनुवाद. काशी., वि. म्यू.

उपदेश मंजरी अर्थात् श्री १०८ स्वामी दयानन्द सरस्वतीजी के १५ व्याख्यानों का हिंदी अनुवाद जिसको स्वामीजी ने पूनानगर में वर्णन किया था, अनु. बद्रीदत्त शर्मा, चतु० संस्क०. बरेली, श्यामलाल वर्मा, १९१८. २३४ पृ. १७ से. काशी.

उपदेश मंजरी, अनु० बद्रीदत्त शर्मा. बरेली, आर्य पुस्तकालय, १९२५. १७४ पृ. १८.५ से. श्री १०८ स्वामी दयानन्द सरस्वती के १५ व्याख्यानों का हिन्दी अनुवाद जिसको उक्त स्वामीजी ने पूना नगर में १८७५ में वर्णन किया था. का. हि. वि.

उपदेश मंजरी, अनु. बद्रीदत्त शर्मा, षष्ठ संस्क. बरेली आर्यपुस्तकालय, १९३१. २, १७६ पृ. १८.५ से. श्री १०८ स्वामी दयानंद सरस्वती के १५ व्याख्यानों का हिन्दी अनुवाद जिसको उक्त स्वामीजी ने पूना नगर में १८७५ में वर्णन किया था. आ. पु.

उपदेश मंजरी. महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती के १५ व्याख्यान. दिल्ली, आर्य प्रकाशन मंडल, १९५१. २२४ पृ. १८ से. बड़ा.

[उपदेश मंजरी] पूना प्रवचन अर्थात् उपदेश मंजरी, ऋषि दयानन्द के पूना के १५ प्रवचनोंका संग्रह. सोनीपत, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९६९. १५६, ८ पृ. २३ से.
पा. क., खिदि.

ऋषि दयानन्द का पत्र-व्यवहार, प्रथम भाग, सम्पा० मुंशीराम जिज्ञासु. जालंधर, सम्पादक, १९०९. ४५, ४७२ पृ. १७ से. काशी., खिदि.

ऋषि दयानन्द का पत्र-व्यवहार, सम्पा. चमूपति. कांगड़ी, (हरिद्वार), गुरुकुल विश्वविद्यालम, १९३५.
भाग २. १७, १७६, १९ से. ने. ला., ब्रि. म्यू.

ऋषि दयानन्द सरस्वती के पत्र और विज्ञापन. लाहौर, श्री रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९४५. २, १६, ४८, ५४४ पृ. चित्र, २५ से.
का. हि. वि., काशी., पा. क.

ऋषि दयानन्द सरस्वती के पत्र और विज्ञापन, सम्पा. भगवद्दत्त, द्वि. परिष्कृत तथा परिवर्धित संस्करण. अमृतसर, श्री रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९५५. २४, २, ३७, ५३४ पृ (रामलाल कपूर ट्रस्ट ग्रन्थमाला, १०).
का. हि. वि., खिदि., पा. क., सार्व.

ऋषि दयानन्द सरस्वती के पत्र और विज्ञापनों के परिशिष्ट, संक० युधिष्ठिर मीमांसक. अमृतसर, रामलाल कपूर, ट्रस्ट, १९५८. ४, ७२ पृ. २४ से. खिदि., पा. क.

ऋषिदर्शन—पूजा धर्म, संक. हंसराज. लाहौर, बलराज, १९२२. ४, २८७ पृ., १८ से. ने. ला.

काशी शास्त्रार्थ जो संवत १९२६ में स्वामी दयानन्द सरस्वती और काशी के स्वामी विशुद्धानन्द बालशास्त्री आदि के बीच दुर्गाकुंड के समीप आनन्दबाग में हुआ था सो ... प्रकाशित हुआ. काशी, वैदिक यन्त्रालय, १८८०. २, १४ पृ. ३२ से. आ. पु., ब्रि. म्यू.

दयानंद सरस्वती

काशी–शास्त्रार्थ जो संवत १६२६ में स्वामी दयानन्द सरस्वती और काशी के स्वामी विशुद्धानन्द बालशास्त्री आदि ··· के बीच ··· हुआ था सो ··· प्रकाशित हुआ, द्वि. संस्क. इलाहाबाद, वैदिक यंत्रालय, १८८२. २,१४ पृ. २५ से. इ. आ.

(शास्त्रार्थ) काशी शास्त्रार्थः, षष्ट संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६०३. १७ पृ. २२.५ से.

जो सम्वत् १६२६, (१८६६), मिती कार्तिक सुदी १२ मंगलवार के दिन स्वामी दयानन्द सरस्वतीजी और काशी के विशुद्धानन्द जी बालशास्त्री जी आदि पंडितों के बीच दुर्गाकुण्ड के समीम आनन्दबाग में हुआ था,सप्तम संस्क.१६०६. १६ पृ. २४.५ से.

आ. पु., काशी.

काशी के विद्वानों और दयानन्द जी का सच्चा-काशी शास्त्रार्थ, हिंदी. अनु. एवं सम्पा. मथुरा प्रसाद दीक्षित. बनारस, सम्पा. १६१६. ३,४६ पृ. २० से.

ब्रि. म्यू.

काशी शास्त्रार्थ का इतिवृत्त, लेखक. आचार्य विश्वश्रवा. लखनऊ, महर्षि दयानन्द काशी शास्त्रार्थ समारोह समिति, आर्य प्रतिनिधि सभा उ. प्र., १६२६. २२ पृ. १८ से.

खिदि.

काशी शास्त्रार्थ अर्थात जो संवत १६२६ (१८६६) में स्वामी दयानन्द सरस्वती और काशी के स्वामी विशुद्धानन्द जी बालशास्त्री आदि पंडितों के बीच दुर्गाकुंड के समीप आनन्दबाग में हुआ था, सम्पा. जगतकुमार शास्त्री, देहली, गोविन्दराम हासानन्द. १६५३. ४० पृ. १६ से. पा. क.

काशी शास्त्रार्थ : अर्थात जो संवत १६२६ में दयानन्द सरस्वती और काशी के स्वामी विशुद्धानन्द बालशास्त्री आदि पण्डितों के बीच दुर्गाकुंड के समीप आनन्दबाग में हुआ था, १२ वाँ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६५६. ३२ पृ. १८ से. खिदि.

गोकरुणानिधि :—गाय आदि पशुओं की रक्षा से सब प्राणियों के सुख के लिए अनेक सत्पुरुषों की सम्मति के अनुसार आर्याभाषा में बनाया है. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८२. २,२६ पृ. २४ से.

इसके अनुसार वर्तमान करने से संसार का बड़ा उपकार है.

आ. पु., काशी.

गोकरुणाधि :—गाय आदि प्राणियों की रक्षा से सब प्राणियों के सुख के लिए लिये अनेक सत्पुरुषों की सम्मति के अनुसार आर्य भाषा में बनाया है, तृ. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८६. २४ पृ. २२ से.

काशी., खिदि., ब्रि. म्यू.

दयानंद सरस्वती

गोकरुणानिधिः शताब्दी संस्करण. [१६२४]. पृ. ६१६–६४५. मुखपृष्ट नहीं है सार्व.

अथ गोकरुआनिधि : स्वामी दयानन्द सरस्वती निर्मित :, १३ वां संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६४८. १६ पृ. २५ से. बड़ा.

गोकरुणानिधिः, १७ वां संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६५०. २२ पृ. १४ से. खिदि.

गोकरुणानिधिः स्वामी दयानन्द सरस्वती निर्मितः, १२ वां संस्क. देहली, सार्वदेशिक प्रेस, १६५४. ३० पृ. १८ से. कल. खिदि.

गृहस्थाश्रम कर्तव्य शिक्षा. कलकत्ता, वैदिक पुस्तकालय, १६२७. २, ८८ पृ., १६ से. ने. ला.

गृहस्थाश्रम (महर्षि दयानन्द विरचित गृहस्थाश्रम प्रकरण), चतु. संस्क. देहली, गोविन्दराम हासानन्द, १६५४. ७२ पृ. १८ से. खिदि.

दयानन्द ग्रंथमाला शताब्दी संस्करण ·· प्रथम भाग. अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा, १६२५. ४२, ६०१ पृ. २४ से.

प्रथम भाग—भूमिका, महर्षिका संक्षिप्त जीवन वृत्तान्त, आर्याभिविनय, सत्यार्थ प्रकाश, काशी शास्त्रार्थ भूमिका, काशी शास्त्रार्थ, सत्यधर्म विचार, पंचमहायज्ञविधि, आर्योद्देश्य रत्नमाला का. हि. वि., ने. ला., सार्व.

दयानन्द ग्रन्थमाला शताब्दी संस्करण श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती विरचित, (द्वितीय भाग). अजमेर, वैदिक प्रेस, १६२५. २५६–६४५ पृ. २४ से.

नोट : ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, पृ. २५६–७२१, व्हारभानुः, पृ. ७२५–७६६, वेदविरुद्ध मतखंडनम् भीमसेन शर्मकृत भाषानुवादसहितम्, पृ. ७७१–८१४, शिक्षापत्रीध्वांत निवारणम्, पृ. ८१५–८४५, भ्रमोच्छेदन, पृ. ८४७–८६६, भ्रांतिनिवारणम्, पृ. ८७१–६१७, गोकरुणानिधि पृ. ६१६–६४५. का. हि. वि., ने. ला., सार्व.

दयानन्द जन्म शताब्दी स्मारक ग्रंथ—[ ]. २७६ पृ. २४ से. मुखपृष्ट नहीं है कल.

श्री दयानन्द वचनामृत, संपा. स्वामी सत्यानन्द. लाहौर, साहित्यसदन, बनारस (मुद्रित), १६२२. १, १०५ पृ. छवि, १८ से. ब्रि. म्यू.

दयानन्द उवाच (दयानन्द वचनामृत), संक. भवानीलाल भारतीय. अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा, १६७४. १८ पृ. १८ से. सार्व.

दयानन्द वाणी, सम्पा. रमेशचन्द्र शास्त्री. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १६५५. ३२,२०८ पृ. १८ से. खिदि., ने. ला.

दयानंद सरस्वती

दयानन्द शास्त्रार्थ संग्रह, संग्रहकर्ता एवं अनु. रघुनन्दन सिंह 'निर्मल'. दिल्ली, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९६९. १६,२७२ पृ. २३ से. खिदि.

दयानन्द सरस्वती के संस्कृत पत्र, हिंदी अनुवाद के साथ राईमल द्वारा सम्पादित. लाहौर, पंजाब प्रिंटिंग वर्क्स, १९०३. २,४६ पृ. २२ से. (दयानन्द लेखावलि, संख्या १) इ. आ.

श्री दयानन्द सरस्वती जी महाराज के व्याख्यान सम्पा. गणेश रामचन्द्र शर्मा उपदेशक मारवाड़ ने महाराष्ट्रीय से नगरी में उल्था किया, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य पुस्तक प्रचारिणी सभा, अजमेर, १८९३.

—व्याख्यान, १५ से.

व्याख्यान १. ईश्वर सिद्धि विषयक, १९ पृ. पूने के बुधवार पेठ में भिड़े के बाड़े में तारीख ४ जौलाई, सन् १८७५, रात्रिसमय का व्याख्यान

व्याख्यान २. धर्माधर्म विषयक प्रश्नोत्तर सहित, १८९३., २० पृ. : जौलाई, सन् १८७५,

व्याख्यान ३. धर्माधर्म विषयक. पूना. १८९३. २२ पृ. तारीख १० जौलाई १८७५.

व्याख्यान ४. वेद विषयक, १२ जौलाई, सन् १८७५. २२ पृ.

व्याख्यान ५. जन्मविषयक, १७ जौलाई, सन् १८७५. ३३ पृ.

व्याख्यान ६. यज्ञ, संस्कार विषयक, २० जौलाई, सन् १८७५. २९ पृ.

व्याख्यान ७. इतिहास विषयक, २४ जौंलाई सन् १८७५. २४ पृ.

व्याख्यान ८. इतिहास विषयक, २५ जौलाई, सन् १८७५. ८ पृ. आ. पु., खिदि.

दयानन्द सरस्वती जी का व्याख्यान, महाराष्ट्रीय से नागरी अनु. गणेश रामचन्द्र शर्मा. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९३.

—व्याख्यान १५ से.

व्याख्यान ५. जंम विषयक. ३३ पृ.

तारीख १७ जौलाई १८७५ ई. को दिया गया. कल.

दयानंद सरस्वती जी महाराज के व्याख्यान, जो ता. २५ जू० सन् १८७५ को श्री १०८ स्वामी दयानंद सरस्वतीजी ने दिया, जिसको गणेश रामचंद्र शर्मा ने महाराष्ट्रीय से नागरी भाषा में उल्था किया. अजमेर, आर्यपुस्तक प्रचारिणी सभा, १८९३.

—व्याख्यान, .१५ से.

व्याख्यान ६. यज्ञ, संस्कार विषयक, २४ पृ. आ. पु., कल:

दयानंद सरस्वती

··· दयानंद सरस्वतीजी महाराज के व्याख्यान जो ता० २५ जुलाई सन् १८७५ ई० श्री १०८ स्वामी दयानन्द सरस्वतीजी का व्याख्यान. अजमेर, आर्यपुस्तक प्रचारिणी सभा राजस्थान, १८९३. ८ पृ. १८ से.

—भाग, १५ से.

भाग ८. इतिहास विषयक. ८ पृ.

गणेशरामचंद्र शर्मा ने महाराष्ट्रीय से नागरी में उल्था किया. कल.

दयानंद सिद्धान्त भास्कर. रावलपिंडी, कृष्णचंद्र विरमानी, १९३३. १८६ पृ. का. हि. वि.

दयानंदोपदेश माला (यजुर्वेद भाष्यान्तर्गत अत्युपयोगी भावार्थ संग्रह,) संपा. मुनीश्वरदेव (आर्य प्र. स. पंजाब). कलकत्ता, आर्यसमाज, १९५५. ४४ पृ. १८ से. खिदि.

धर्म कल्पद्रुम, तृ. खण्ड, तृ. आवृत्ति. बनारस, भारत धर्म सिंडिकेट, १९२६. का. हि. वि.

धर्मशिक्षक, दयानंद सरस्वती के 'सत्यार्थ प्रकाश' एवं 'संस्कार विधि' से चुनकर संग्रहीत. लाहौर, १९०४. १८८ पृ. २५ से. ब्रि. म्यू.

[पंचमहायज्ञविधिः] संध्योपासनादि पंचमहायज्ञविधिः ··· श्रीमद्दयानंद सरस्वतीस्वामि विरचितेन भाष्येनानुगतः. लखनऊ, नवलकिशोर प्रेस, १८७५. १, १९ पृ. २६ से. इ. आ., ब्रि. म्यू.

अथ पंचमहायज्ञविधिः, संध्योपासना पंचमहायज्ञविधि का परिवर्द्धित संस्क०, हिन्दी व्याख्याकार दयानन्द सरस्वती. काशी, मेडिकल हाल प्रेस, १८७७. ६३ पृ. १८ से. संस्कृत + हिन्दी आ. पु., इ. आ., ब्रि. म्यू.

संध्योपासनादि-पंचमहायज्ञविधिः वेदविहिताचार धर्मनिरूपक श्री दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितेन भाष्येनानुगतः. लखनऊ, नवलकिशोर प्रेस, १८८२. १, ३८ पृ. २६ से. इ. आ., सार्व.

[पंचमहायज्ञविधिः] संध्याविधिः, जयगोविन्दकृत आर्यभाषा सहित. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८७. आ. पु.

अथ पंचमहायज्ञविधिः, संग्र. एवं हिन्दी व्याख्याकार दयानंद सरस्वती. प्रयाग, वैदिक प्रेस, १८८८. २२० पृ. १६ से. संस्कृत + हिन्दी ब्रि. म्यू.

पंचमहायज्ञविधिः (वैदिक) संध्या विधि, अनु. ब्रह्मानंद सरस्वती. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, लखनऊ, गंगाप्रसाद वर्मा ब्रादर्स प्रेस, १८९४. २, २२ पृ. १६ से. आ. पु.

[पंचमहायज्ञविधिः] आर्य संध्यापद्धति, संस्कृत मंत्रों की हिन्दी व्याख्या, व्याख्या. पंडित राजाराम एवं छज्जू सिंह. लाहौर, १८९७. ३२ पृ. १५.५ से. संस्कृत + हिन्दी ब्रि. म्यू.

अथ पंचमहायज्ञविधिः ··· श्रीमत् दयानंद सरस्वती स्वामि निर्मितः ··· वेदमंत्राणां संस्कृत, प्राकृत (हिन्दी) भाषार्थ सहितः. बनारस, मेडिकल हाल प्रेस, १६०६. २, ८०, ५ पृ. १६ से. संस्कृत + हिन्दी इ. आ.

अथ पंचमहायज्ञविधिः श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितः ··· वेदमंत्राणां संस्कृतः प्राकृत (हिन्दी) भाषार्थ सहितः, नवम संस्क०. अजमेर. वैदिक प्रेस, १६१०. ७, ८० पृ. १८ से. इ. आ.

[पंचमहायज्ञविधिः] काव्य सन्ध्याः सन्ध्या वंदन, हिन्दी पद्यानुवादक राधाकृष्ण त्रिपाठी. उन्नाव, लखनऊ मुद्रित, १६१३. ४४, १ पृ १७ से. त्रि. म्यू.

पंचमहायज्ञविधिः (हिन्दी व्याख्या समेतः), तृ० संस्क०. आगरा, आर० जी० बंसल एण्ड कं०, १६२३. ५० पृ. १२×१० से. इ. आ.

पंचमहायज्ञ की वैदिक संध्या तथा हवन मंत्र (हिन्दी भाषानुवाद सहित), श्री १०८ स्वामी दयानन्द सरस्वती ने निर्मित किया, द्वि० संस्क०. लाहौर, अमृत प्रेस, १६२४. ३४ पृ. १४ से. इ. आ.

पंचमहायज्ञविधिः ··· श्रीमद् दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितः ··· वेदमंत्राणां संस्कृत, प्राकृत (हिन्दी) भाषार्थ सहितः, १२ वां संस्क०. अजमेर, वैदिक प्रेस, १६२६. ६, ४६ पृ. १८ से. इ. आ.

[पंचमहायज्ञविधिः] संध्योपासनविधिः श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मित पंचमहायज्ञविध्युद्धृतो वेद मंत्राणां संस्कृत प्राकृत भाषार्थ सहितः संध्योपासन नित्य कर्मानुष्ठानाम् संशोध्य मन्त्रयितः, षष्ठ संस्क०. लाहौर, रामलाल कपूर टस्ट, १६३६. ३१ पृ. १८ से. खिदि.

पंचमहायज्ञविधिः श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितः, ४था संस्क०. लाहौर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १६४०. ५७ पृ. १८ से. (लाला रामलाल कपूर ट्रस्ट ग्रन्थमाला—२) सार्व.

[पंचमहायज्ञविधिः] वैदिक संध्या. नई दिल्ली, आर्य साहित्य भवन, १६४१. १६ पृ. ११×१५ से. सार्व.

पंचमहायज्ञविधिः छन्दः शिखरिणी, संध्योपासना, अग्निहोत्र, पितृसेवा, बलि वैश्वदेवता तिथिपूजा नित्यकर्मानुष्ठानाय संशोध्ययन्त्रपितः, चतुर्दश संस्क०. अजमेर, वैदिक यन्त्रालय, १६४८. ५२ पृ. १८ से. सार्व.

[पंचमहायज्ञविधिः] संध्योपासनाविधि, संपा. सत्यकाम सिद्धान्तशास्त्री, १६४६. २२पृ १८ से. सार्व.

पंचमहायज्ञविधिः छन्दः शिखरिणी वेदमन्त्राणां संस्कृत प्राकृत भाषार्थ सहितः, पंचदश संस्क०. अजमेर, वैदिक

यन्त्रालय, १६५१. ५२ पृ. १८ से. खिदि., सार्व.

पंचमहायज्ञविधि, सप्त. संस्क०. बनारस, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १६५२. ६० पृ. १८ से. खिदि., पा. क.

[पंचमहायज्ञविधिः] वैदिक संध्या-पद्यानुवाद भावार्थ सहित, अनु०. इष्टानन्द सरस्वती, चतुर्थ संस्क. वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, १६६१. १६ पृ. १८ से. खिदि.

पंचमहायज्ञ-प्रदीप-पंचमहायज्ञविधि (सरल विस्तृत स्वतन्त्र हिन्दी व्याख्या सहितः), व्याख्या. मदनमोहन विद्या सागर. १६६८. २४४ पृ. १८ से. कल.

पंचमहायज्ञविधिः वेदमन्त्राणां संस्कृत प्राकृत भाषार्थ सहितः दिल्ली, गोविन्दराम हासानन्द, १६६६. ५२ पृ. १८ से. खिदि.

[पंचमहायज्ञ विधिः] सन्ध्यापद्धतिः (ऋषिकृत अर्थ सहित), तृ० संस्क०. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधिसभा, १६७०. २६ पृ. १८ से. सार्व.

पंचमहायज्ञविधि : छन्द : शिखारिणी दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितः वेदमंत्राणां संस्कृत प्राकृत भाषार्थ सहित : संध्योपासनाग्निहोत्र पितृसेवावलिवैश्व देवातिथिपूजा-नित्यकर्मानुष्ठान संशोध्य मंत्रापितः, षष्ठदश संस्क. अजमेर, वैदिक पुस्तकालय, १६७३. ५५ पृ. १८ से. सार्व.

पंचमहायज्ञविधि : दिल्ली, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १६७४. ६० पृ. १८ से. कल.

[पंचमहायज्ञविधि] संध्या के दो मंत्रों की व्याख्या, व्याख्या० अमरस्वामी. गाजियाबाद, अमर स्वामी प्रकाशन, ति. न. २६ पृ. १८ से. सार्व.

(पंचमहायज्ञविधिभाष्यम्) संध्यापद्धति मीमांसा (गायत्री मंत्र के जप करने की सांगोपांग प्राचीन पद्धति), भाष्यकार आचार्य विश्वश्रवा. बरेली, वेद मन्दिर, ५६, ४०२ पृ. १८ से. खिदि.

प्रतिमापूजन विचार, सम्पा० ताराचरण तर्करत्न. बनारस, गोपीनाथ पाठक, लाइट प्रेस, १८७३. २, २७ पृ. २२ से.

श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामी और ताराचरण तर्करत्न का शास्त्रार्थ जो कि हुगली में हुआ था. उसे बाबू हरिश्चन्द्र की आज्ञा से ··· गोपीनाथ पाठक ने मुद्रित किया. लिथो. आ. पु.

प्रार्थना प्रकाश, संकलनकर्ता महर्षि दयानन्द, टीका लेखक जगदीश विद्यार्थी. दिल्ली, गोविन्दराम हासानन्द, १६६३. ११४ पृ. १६ से. मूल संस्कृत के साथ हिन्दी टीका. ला० कां०

भागवत खंडनम् युधिष्ठिर मीमांसक विहिता आर्यभाषा-नुवाद सहितम्. अजमेर, भारतीय प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, १९६१. २६ पृ. २५ से. वड़ा.

भ्रमोच्छेदन. लक्ष्मीकुंड, काशी, वैदिक यन्त्रालय, १८८०. ३२ पृ. २४ से.

जो राजा शिवप्रसाद सितारेहिन्द के 'निवेदन' के उत्तर में श्रीमत्स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सज्जन आर्यों के हितार्थ निर्माण किया है मुन्शी बख्तावर सिंह के प्रबन्ध से छप कर प्रकाशित हुआ. आ० पु०, ब्रि० म्यू०

भ्रमोच्छेदन जो राजा शिवप्रसाद सितारेहिन्द के 'निवेदन' में उत्तर में श्रीमत्स्वामि दयानन्द सरस्वती जी ने सज्जन आर्यों के हितार्थ निर्माण किया है, द्वि० संस्क० प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८७. ३२ पृ. २४.५ से. लिथो. काशी.

भ्रमोच्छेदन जो राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के 'निवेदन' के उत्तर में ··· निर्माण किया है, तृ० संस्क० अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९८. १९ पृ. २५ से. ब्रि. म्यू.

भ्रमोच्छेदन जो राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के 'निवेदन' के उत्तर में दयानन्द सरस्वती ने सर्वहिताय निर्माण किया, ६वाँ संस्क० अजमेर, वैदिक पुस्तकालय, १९६२. २८ पृ. १८ से. खिदि.

भ्रांतिनिवारण अर्थात् पण्डित महेशचन्द्र न्यायरत्न आदि कृत 'वेदभाष्य परत्व प्रश्न' पुस्तक का स्वामी दयानन्द सरस्वती की ओर से प्रत्युत्तर. शाहजहांपुर, १८८०. ५६ पृ. २५ से. लिथो. इ० आ०, ब्रि० म्यू०

भ्रांतिनिवारण अर्थात् पंडित महेशचंद्र न्यायरत्न आदि कृत 'वेदभाष्य परत्व प्रश्न' पुस्तक का स्वामी दयानन्द सरस्वती की ओर से प्रत्युत्तर, द्वि. संस्करण. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८३. ३४ पृ. २५ से. आ. पु., खिदि.

भ्रान्तिवारण नामक आशय आर्यसमाज के एक सभासद ने लोक भ्रांति निवारणार्थ लिखा. मेरठ, विद्या दर्पण यंत्रालय, १८८५. १६० पृ. २१ से. काशी.

भ्रांतिनिवारण अर्थात् पंडित महेशचंद्र न्यायरत्न आदि कृत 'वेदभाष्य परत्व प्रश्न' पुस्तक का स्वामी दयानन्द की ओर से प्रत्युत्तर, द्वि. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालम, १८८६. ३४ पृ. २५ से. ब्रि. म्यू.

भ्रांतिनिवारण अर्थात् महेशचंद्र न्यायरत्न आदि कृत 'वेद-भाष्यपरत्व प्रश्न' पुस्तक का पंडित दयानन्द सरस्वती जी की ओर से प्रत्युत्तर. अजमेर, यज्ञदत्त शर्मा, प्रबन्धक वैदिक यंत्रालय, १८९१. ३४ पृ. २५ से. कल., सार्व.

भ्रांतिनिवारण अर्थात पंडित महेशचंद न्यायरत्न आदि कृत 'वेदभाष्य परत्व प्रश्न' पुस्तक का स्वामी दयानन्द जी महाराज की ओर से प्रत्युत्तर, ७वाँ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०९. ४९ पृ. १८ से. खिदि.

मंत्र-योग-साधना, संक० सच्चिदानन्द सरस्वती वाराणसी, पातंजल योग साधना केन्द्र, १९७०. ८,४० पृ. १८ से. खिदि.

महर्षि दयानन्द के विचार. दिल्ली, प्रिंट्स इंडिया, १९६९. २०० पृ. १९ से. ने. ला.

महर्षि दयानन्द जन्म शताब्दी का प्रेमोपहार—ऋषिकृत, संध्या, हवन तथा उत्तम भजनों का संग्रह, संपा० विश्वंभर प्रसाद शर्मा, १९२४. ३० पृ. १८ से. कल.

मूर्तिपूजा-विचार. देहली, गोविंद राम वर्मा, १९२४. १५ पृ. १८ से.

मूर्तिपूजा-खंडन. ने. ला.

योगी का आत्मचरित (३९ वर्ष की अज्ञात जीवनी) संस्कृतमे प्रवक्ता योगेश्वर महर्षि दयानन्द सरस्वती, संस्कृत से बंगला में कराने वाले ईश्वरचंद विद्यासागर ब्रह्मानन्द, केशवचंद्र सेन आदि बंगाल के मूर्धन्य विद्वद्वृन्द, संस्कृत से बंगला में लेखक संस्कृत बंगला विशेषज्ञ मण्डल, हिन्दी अनुवादक दीनबन्धु शास्त्री, सच्चिदानन्द सरस्वती. रोहतक, पातंजल योग साधना संघ, वैदिक भक्ति साधक आश्रम, १९७०. ३४४ पृ. छवि २४ से. खिदि., बड़ा.

वेदतत्व प्रकाश. कलकत्ता, गोविंदराम हासानन्द, १९३५. १८,९२७ पृ. १८ से. ने. ला.

वेद विरुद्धमतखंडनोऽयङ्ग्रंथः श्रीमत् स्वामि दयानन्द सरस्वती निर्मितं तच्छिष्य भीमसेन शर्मणाकृत भाषानुवाद सहितः, द्वि. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८७. ५३ पृ. २१ से. आ. पु., खिदि.

वेदविरुद्धमतखंडनोऽयङ्ग्रंथ : श्रीमत्स्वामि दयानन्द सरस्वती निर्मितः, भीमसेन शर्मा कृत हिन्दी भाषानुवाद सहितः, पंचम संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१०. ३६ पृ. २४ से. इ. आ., ब्रि. म्यू.

वेदविरुद्धमतखंडनोऽयङ्ग्रंथः श्रीमत्स्वामि दयानन्द सरस्वती निर्मित : भीमसेन शर्मा कृत हिन्दी भाषानुवाद सहित. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१७. ६३ पृ. १८ से. इ. आ.

वेदविरुद्ध मतखंडनम् [शताब्दी संस्करण.] १९२४. पृ. ७७१—८१४
मुख पृष्ठ नहीं है. सार्व.

वेदान्तिध्वांत निवारणम् अर्थात् आधुनिक वेदांतियों के मत में वेदादि सत्य शास्त्रों के पठन-पाठन छूटने से जो

ध्वांत नाम अंधकार फैल गया है उसका निवारण जिसमें श्रौत मार्गानुकूल वादानुवाद सहित वेदांत मत का निरूपण, वेद के सम्बन्ध में हिन्दी में शास्त्रार्थ. बम्बई, १८७५. १७ पृ. २१ से. इ. आ., ब्रि. म्यू.

वेदांतिध्वांत निवारणम् अर्थात् आधुनिक वेदांतियों के मत में वेदादि सत्य शास्त्रों के पठन-पाठन छूटने से जो ध्वांत नाम अंधकार फैल गया है उसका निवारण जिसमें श्रौत मार्गानुकूल वादानुवाद सहित वेदांत मत का निरूपण, वेद के सम्बन्ध में हिन्दी में शास्त्रार्थ. द्वि० संस्क० प्रयाग, १८८२. २४ पृ. १५ से. आ. पु., ब्रि. म्यू.

वेदांतिध्वांतनिवारणम् अर्थात् आधुनिक वेदांतियों के मत में वेदादि सत्य शास्त्रों के पठन-पाठन छूटने से जो ध्वांत नाम अंधकार फैल गया है उसका निवारण जिसमें श्रौत मार्गानुकूल वादानुवाद सहित वेदांत मत का निरूपण, तृ० संस्क० प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८८. २८ पृ. १८ से. काशी., ब्रि. म्यू.

वेदांतिध्वांतनिवारणम् अर्थात् वेद के सम्बन्ध में शास्त्रार्थ, हिन्दी में, संस्कृत सूक्तियों के साथ, चतु० संस्क० अजमेर, १८९६. २८ पृ. १४ से. ब्रि. म्यू.

वेदान्तिध्वांतनिवारणम्, हिन्दी अनु० बावा० अर्जन सिंह. अजमेर, १८९९. --पृ. १२ से. ब्रि. म्यू.

वेदांतिध्वांतनिवारणम् अर्थात् आधुनिक वेदांतियों के मत में वेदादि सत्य शास्त्रों के पठन-पाठन छूटने से जो ध्वांत नाम अंधकार फैल गया है उसका निवारण. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१९. २३ पृ. १९ से. पा. क.

वेदांति-ध्वांत-निवारणम् अर्थात् आधुनिक वेदांतियों के मत में वेदादि सत्य शास्त्रों के पठन-पाठन छूटने से जो ध्वांत अर्थात् अंधकार फैल गया है उसका निवारण जिसमें श्रौत मार्गानुकूल वादानुवाद सहित वेदांत मत का निरूपण, नवम संस्क० अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९४८. २० पृ. १८ से. सार्व.

वेदांतिध्वांतनिवारणम् श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितम्, संपा० जगतकुमार शास्त्री. देहली, गोविन्द-राम हासानन्द, ति. न. ३६ पृ. १७ से. सार्व.

शांति निवारण. शाहजहांपुर, आर्यदर्पण प्रेस, १८८०. ५६ प. २० से. लिथो.

द्वि० संस्क०. प्रयाग, वैदिक यंत्रालथ, १८८५. ३४ पृ. २४ से. ब्रि. म्यू.

अथ शास्त्रार्थ और सद्धर्म-विचार (हिन्दी अनुवाद समेत), श्री दयानन्द सरस्वती स्वामी के प्रति. बनारस, लाइट प्रेस, १८६९. २४,५० पृ. २० से. इ. आ.

शिक्षापत्री ध्वांत निवारणम् अर्थात् स्वामि नारायण मत दोष दर्शनात्मकम् लोकोपकाराय दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितम्, पंच० संस्क०. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९४७. ३७ पृ० १८ से. खिदि.

दयानंद सरस्वती

शिक्षापत्री ध्वांत निवारणम् अर्थात् स्वामि नारायण मत दोष दर्शनात्मकम् दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितम्, षष्ठ संस्क० अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५०. ३७ पृ. १८ से. सार्व.

अथ संस्कार-विधिः ... आर्य (हिन्दी) भाषा व्याख्या सहितः ... श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिना निर्मितः ... बम्बई, एशियाटिक प्रेस, १८७७. ४,१६० पृ. २४ से. इ. आ.

अथ संस्कार विधिः वेदानुकूलैर्गर्भाधानाद्यन्त्येष्ठिपर्यन्तैः षोडश संस्कारैः समन्वितः आर्यभाषाभ्यां प्रकटीकृतः दयानन्द सरस्वती स्वामिना-निर्मितः, मूल संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या सहित, चतु० संस्क० अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९९. २,२५५,२ पृ. १९ से. ब्रि. म्यू.

[संस्कार विधिः] विवाह पद्धतिः, हिंदी अनुवाद सहित. अजमेर, १९०१. ५६ पृ. २१ से.

संस्कारविधिसे संकलित. ब्रि. म्यू.

संस्कार विधिः अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०२. २,२५४ पृ. २४ से.

गर्भाधान से अंत्येष्टि पर्यंत १६ संस्कारों का वर्णन. आ. पु.

अथ संस्कार विधिः (हिंदी) व्याख्या सहितः. वेदानुकूलैरगर्भाधानद्यऽअंतेष्टि पर्यन्तैः षोडशसंस्कारैः ... श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना नीमितः अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०६. ३,२७८ पृ. २४ से. इ. आ.

[संस्कार विधिः] संस्कार चन्द्रिका अर्थात् महर्षि दयानन्द सरस्वती प्रणीत 'संस्कार विधि' के संस्कृत भाग का अनुवाद तथा व्याख्या जिसको भीमसेन शर्मा तथा आत्माराम राधाकृष्ण ने किया. देहरादून, स्वामी यंत्रालय, १९१३. १६,७७ पृ. २३ से. खिदि.

[संस्कार विधिः] हवन मंत्राः अर्थात् ईश्वर-स्तुति, स्वस्ति-वाचन ... आदि सहित सरल आर्य (हिन्दी) भाषा में अनुवादित, अनुवादक और प्रकाशक पंडित क्षेमकरणदास त्रिवेदी ... इलाहाबाद, ओंकार प्रेस, १९१३. २,५१ पृ. २४ से. इ. आ.

[संस्कार विधिः] संस्कार चंद्रिका अर्थात महर्षि दयानंद सरस्वती प्रणीत 'संस्कार विधिः' के संस्कृत भाग का अनुवाद जिसे भीमसेन शर्मा एवं राधाकृष्ण ने किया, द्वि. संस्क. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९१६. ४,७९६ पृ. ३२ से. ब्रि. म्यू.

अथ संस्कार विधिः षोडस संस्कारैः समन्वितः आर्य (हिंदी) भाषया प्रकटीकृतः ... दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः. अजमेर, वैदिक प्रेस, १९२५. २,३१६ पृ. १८ से. इ. आ.

दयानंद सरस्वती

[संस्कार विधिः] हवनमंत्रा हिंदी भाषार्थ सहित ··· महर्षि दयानंद संकलितः (संस्कार-विधिः ग्रंथात् पृथक् कृत्य). लाहौर, एजूकेशनल प्रिंटिंग वर्क्स, १९२६. ६४ पृ. १७ से. सं.+हिं. इ. आ.

[संस्कार विधिः] संस्कार-प्रकाश अर्थात् महर्षि दयानंद सरस्वती प्रणीत संस्कार विधिः ··· (हिंदी) भाषा टीका सहित, सम्पा. रामगोपाल विद्यालंकार. कलकत्ता, वैदिक यंत्रालय, १९२७. १४, २६३ पृ. २४ से. सं+हिं. इ. आ.

अथ संस्कार विधिः वेदानुकूलैर्गर्भाधानाद्यन्त्येष्टि पर्यन्तैः षोडशसंस्कारैः समन्वितः आर्यभाषयाप्रकटीकृतः दयानंद स्वामिना निर्मितः सर्वथा राजनियमे नियोजितः, एकोनविंशतिवार. अजमेर, वैदिक यंत्रालये, १९३४. २९८ पृ. १८ से. संस्कृत सार्व.

संस्कार विधिः वेदानुकूलैर्गर्भाधानाद्यन्त्येष्टिपर्यन्तैः षोडश संस्कारैः समन्वितः आर्यभाषा प्रकटीकृतः, तृ. सं. स्क० अजमेर, वैदिक प्रेस, १९४१. २६६ पृ. १८ से. बड़ा.

[संस्कार विधिः] उपनयन संस्कार—दयानंद सरस्वती प्रणीत 'संस्कार विधि' के उपनयन संस्कार की विस्तृत व्याख्या, व्याख्याकार भीमसेन शर्मा तथा आत्माराम राधाकृष्ण, षष्ठ-संस्क. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९५१. ३२ पृ. २३ से. (वैदिक संस्कार माला–१०). 'संस्कार चंद्रिका' से पुनर्मुद्रित सार्व.

[संस्कार विधिः] कर्णवेध संस्कार-स्वामी दयानंद सरस्वती प्रणीत 'संस्कार विधि' के कर्णभेद संस्कार की विस्तृत व्याख्या, व्याख्याकार भीमसेन शर्मा तथा आत्माराम राधाकृष्ण, षष्ठ संस्क. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९५१. १६ पृ. २३ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] नामकरण संस्कार, व्याख्या. भीमसेन शर्मा (आगरा) तथा आत्माराम राधाकृष्ण (अमृतसर), षष्ठ संस्क. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९५१. १२ पृ. २३ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] निष्क्रमण तथा अन्नप्राशन संस्कार, व्याख्या. भीमसेन शर्मा, आत्माराम राधाकृष्ण, षष्ठ संस्क. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९५१. १८ पृ. २३ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] वेदारंभ संस्कार, व्याख्या. भीमसेन शर्मा (आगरा) तथा आत्माराम राधाकृष्ण (अमृतसर), षष्ठ संस्क. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९५१. ५० पृ. २३ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] विवाह पद्धतिः ··· दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितात् संस्कारविध्याख्यग्रंथात् पृथक्कृत्य. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९६१. ९३ पृ. १८ से. खिदि.

दयानंद सरस्वती

[संस्कार विधिः] अन्नप्राशन तथा कर्णवेध संस्कार, (महर्षिदयानंद कृत 'संस्कार विधि' के अनुसार), संपा. विश्वप्रकाश. इलाहावाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९६६. २४ पृ. १८ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] चूड़ाकर्म (मुंडन) संस्कार (महर्षि दयानंद कृत 'संस्कार विधिः' के अनुसार), संपा. विश्वप्रकाश. इलाहावाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९६६. २४ पृ. १८ से. सार्व.

संस्कार विधिः वेदानुकूलैर्गर्भाधानादरभ्यान्त्येष्टिपर्यन्तैः षोडश संस्कारैः समन्वितः दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः, युधिष्ठिरमीमांसक विजयपालाभ्यां संपादितः तस्येदं सत्यप्रकाश-स्मृति संस्करणम्, द्वि. संस्क. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, वाराणसी, ज्योतिष प्रकाश प्रेस, १९६८. २०, ३७८ पृ. १८ से. (रामलाल कपूर ट्रस्ट माला–३३) खिदि.

[संस्कार विधिः] आर्य विवाह पद्धति (महर्षि दयानंद की 'संस्कार विधि' के अनुसार), संपा. विश्वप्रकाश, द्वि संस्क. इलाहावाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९७०. ६८ पृ. १८ से. खिदि., सार्व.

[संस्कार विधिः] उपनयन तथा वेदारंभ संस्कार, (महर्षि दयानंद रचित 'संस्कार विधि' के अनुसार, संपा. विश्वप्रकाश, परि. संस्क. इलाहावाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९७०. ३२ पृ. १८ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] मृतक संस्कार (महर्षि दयानन्द की संस्कार विधि के अनुसार) संपा. विश्वप्रकाश, द्वि. परि. संस्क. इलाहावाद, वैदिक प्रकाशन मन्दिर, १९७०. ३० पृ. १८ से. सार्व.

[संस्कार विधिः] संस्कार समुच्चयः, सरस्वती भाष्य सहितः, अनु. मदनमोहन विद्यालंकार. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९७०. १७, ६२४ पृ. छवि, २२ से. (रामलाल कपूर ट्रस्ट ग्रंसमाला. ४१) हिंदी व संस्कृत ला. कां.

संस्कारविधिः वेदानुकूलैगर्भाधानादारभ्यान्त्येष्टिपर्यन्तैः षोडशसंस्कारैः समन्वितः, श्री पंडित युधिष्ठिर मीमांसकविजयपालाभ्यां संपादितः तस्तेदं पल्लिप्तपाठ विरहितं शुद्धं, तृ. संस्क. बहालगढ़ (सोनीपत हरियाणा), १९७१. ३५६ पृ. १८ से. कल.

[संस्कार विधिः] विवाह संस्कार के महत्वपूर्ण मंत्रों का सरल भाषानुवाद., अनु. धर्मवीर वेदालंकार. देहली, ति. न. ८ पृ. १८ से. ला. रतनलाल और विमला के शुभ विवाह-उपलक्ष में प्रकाशित सार्व.

अथ संस्कारविधेर्भूमिका. [ ]. २५६ पृ. २१ से. मुख पृष्ठ नहीं हैं सार्व.

सत्यधर्म विचार. ए डिसकसनअपान टू रेलिजन, कैरड आन एट चांदापुर आन मार्च १६ एण्ड २०, ए. डी. १८७६ बिट्वीन दयानन्द सरस्वती, मुहम्मद कासिम एण्ड द रे. जे. जें. स्काट एण्ड अदर क्रिश्चियन मिशनरीज, कम्पायल्ड एण्ड पब्लिश्ड वाई बख्तावर सिंह. बनारस, १८८०. ३८ पृ. २१ से. लिथो
हिंदी एवं हिंदुस्तानी में ब्रि. म्यू.

सत्यधर्म विचार अर्थात धर्मचर्चा ब्रह्म-विचार—चांदापुर, तृतीय संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८९०. २४ पृ. २४.५ से.
स्वामी दयानन्द सरस्वती जी और मौलवी मुहम्मद कासिम साहब और पादरी स्काट साहब के बीच १६, २० मार्च सन् १८७६ में हुआ था काशी.

सत्यधर्मविचार अर्थात धर्म चर्चा—ब्रह्मविचार चांदापुर, षष्ट संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०३. २५ पृ. २२.५ से.
जो स्वामी दयानन्द सरस्वती जी और मौलवी मुहम्मद कासिम साहब और पादरी स्काट साहब के बीच हुआ था. आ. पु.

सत्यधर्म विचार अर्थात धर्म चर्चा ब्रह्मविचार चांदापुर जो कि स्वामी दयानन्द सरस्वती और मौलवी मुहम्मद बख्श साहब और पादरी स्काट साहब के बीच हुआ था, विद्वानों द्वारा संशोधित, १२ वां संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५१. ३६ पृ. १८ से. खिदि.

सत्यधर्म विचार (मेला चाँदपुर), संपा. सुरेंद्रकुमार 'हिंदी'. दिल्ली, वेद-प्रचारक मंडल, ति. न. ३२ पृ. १८ से.
१८७७ के आरंभ से दिल्ली दरबार के दिनों में सर्वधर्म सम्मेलन हुआ. स्वामी जी धार्मिक मेले में पहुँचे थे. यह प्रसिद्ध मेला १८ मार्च १८७७ से २० मार्च १८७७ तक होना था. स्वामी जी, मुसलमानों और इसाइयों के प्रतिनिधि बड़े-बड़े मौलवी और पादरी भी आ पहुँचे. मेले का उद्देश्य धर्माधर्म का निर्णय करना था. सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश. बनारस, राजा जयकृष्णा दास, स्टार प्रेस, १८७५. ४, ४०७ पृ. २५ से.
वेदों एवं धर्मशास्त्रों की व्याख्या. आ. पु., इ. आ.

अथ सत्यार्थ प्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्रप्रमाणै समन्वितः श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामि विरचितः अजमेर वैदिक प्रेस, १८८२. ७, ६३५ पृ. २३ से.
भूमिका लेखक स्वामी० दयानंद सरस्वती स्थान महाराणा जी का, उदयपुर भाद्रपद शुक्ल पक्ष संवत १९३९.
मुख पृष्ट नहीं है। खिदि., बड़ा.

सत्यार्थ प्रकाशः, वेदादि विविधसच्छास्त्रप्रमाणैः समन्वितः श्रीमदपरमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानंद सरस्वती

स्वामि विरचितः, पंडित ज्वालादत्त, भीमसेन शर्माभ्यां संशोधितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८४. ४, ८, ५९२, पृ. आ. पु., खिदि.

अथ सत्यार्थ प्रकाश : (हिंदी भाषा-ग्रंथः) ··· श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामि विरचितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८७. ६०८, २ पृ. २५ से.
संस्कृत वेद मंत्रों की वास्तविक व्याख्या हिन्दी में. इ. आ., ब्रि. म्यू., ना. म. पु.

सत्यार्थ प्रकाश संग्रह, संग्र० दुर्गाप्रसाद. लाहौर, १८९१. ५६, १ पृ. १८ से. (दयानंद एंग्लोवैदिक रीडर्स हिन्दी सेरीज ... रीडर नं. ६). ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाणैः समन्वितः ··· श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामि विरचितः, पंचम संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९४. ४, ७, ६३६ पृ. २२ से. आ. पु.

शंकासमाधान सहित सत्यार्थप्रकाश. कलकत्ता, वैदिक प्रेस, २० कर्नवालिस स्ट्रीट, १९००. आ. पु.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविधसच्छास्त्र प्रमाणैः समन्वितः ··· श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामि विरचितः, षष्ट संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०२. ४, ७, ६२८ पृ. २२ से. आ. पु.

[सत्यार्थप्रकाश] आर्य सिद्धांत दर्पण, सत्यार्थ प्रकाश के दसवें अध्याय से संकलित, संक. एवं संपा. लाला रामलाल. लुधियाना, लाहौर (मुद्रित), १९१४. ३९९ पृ० २५ से. ब्रि. म्यू.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः सर्वथा राजनियमे नियोजितः अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१५. ६३० पृ. २४ से. सार्व.

पद्यात्मक सत्यार्थप्रकाश, लेखक रामलाल अग्निहोत्री. शाहाबाद (हरदोई), लखनऊ (मुद्रित), १९१५. भाग १. ४, २३ पृ. १६ से. (आर्य ग्रंथमाला न. १). ब्रि. म्यू.

असली सन् १८७५ का प्रथमावृत्ति सत्यार्थप्रकाश श्री स्वामी दयानंद रचित जिसे १८७५ में राजा जयकृष्ण दासजी ने स्टार प्रेस बनारस में छपवाया था. कालूराम शास्त्री महोपदेशक सनातन धर्म ने लोकोपकार्थ धर्म प्रेस मेरठ सिटी में मुद्रित कराया. मेरठ, कालूराम शास्त्री, १९१६. ४, २, ७, ४, ४०७ पृ. २३.५ से.
कालूराम शास्त्री ने सन् १८७५ के सत्यार्थप्रकाश को जिसमें आर्य समाज की असलियत का इजहार होता है दुवारा बहुत रुपया लगाकर छपवाया है ··· मौजूदा सत्यार्थ प्रकाश में विलकुल बहुत-सी बातों को बदल दिया है. इससे १८७५ के सत्यार्थप्रकाश को जरूर पढ़ना चाहिए। आ. पु., सार्व.

सत्यार्थप्रकाश: वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः··· दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः सर्वथा राजनियमे नियोजितः, १३ वां संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६१८.
प्रथम उल्लास से नवम् उल्लास पर्यन्तम्.
पृष्ट संख्या भिन्न. २४ से
अपूर्ण. पुस्तक मात्र दायें पृष्ट पर छपी है बायाँ पृष्ट आद्यो-पांत कोरा है सार्व.

सत्यार्थप्रकाश: वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः बनारस, १६१८.
ने. ला.

बालसत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानन्द सरस्वती कृत 'सत्यार्थ-प्रकाश' के आधार पर पं. शिव शर्मा उपदेशक ने आर्य बालकों के हितार्थ लिखा, ६ ठां संस्क. मुरादाबाद, शंकरदत्त शर्मा, १६२३. १३६,३ पृ. १८ से.
कल.

सत्यार्थप्रकाश: वेदादि विविध सत्शास्त्र प्रमाणयुक्त, परि-शिष्ट, प्रमाण, सूची तथा विषयानुक्रमणिका, लेखक जयदेव विद्यालंकार, संपा. जयदेव शर्मा. कलकत्ता, गोविन्दराम हासानन्द, वैदिक पुस्तकालय, १६२४. २१,४१८ पृ. २४ से.
ने. ला.

सत्यार्थप्रकाश: (संस्कृतानुवादः) वेदाविविविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः, शंकरदेव पाठक देवगिरालंकृतः.
बरेली, दयानन्द जन्म शताब्दि परिषदध्यक्षेण नारायण स्वामिना प्रकाशित, १६२४. ५०८ पृ. छवि, २४ से.
संस्कृत कल., पा. क., सार्व.

सत्यसागर. मकबूलगंज, लखनऊ, आदर्श ग्रंथमाला, शुक्ला प्रिंटिंग प्रेस, १६३०. १६, १६२ पृ. १८ से.
(आदर्श ग्रंथमाला, नं. १०)
पूर्वार्द्ध 'सत्यार्थप्रकाश' का रामायणी अनुवाद सत्यसागर, तीनो काण्ड, तुलसीकृत 'रामचरितमानस' की शैली पर सत्यसागर ग्रंथ की रचना जिससे अबोध देहाती भी पूरा लाभ उठा सकें. रचनाकार गदाधर प्रसाद.
श्रीमती यशोदा देवी ने मिज व्यय में से संचय कर १००रु. देकर आदर्श ग्रंथमाला की नींव डाली थी। आ. पु.
चतुर्थ संस्क. १६, ५६२ पृ. १८ से. (आर्य आदर्श ग्रंथमाला नं. ७) काशी.

बाल सत्यार्थप्रकाश, नवम संस्क. मुरादाबाद, शंकर दत्त शर्मा, १६३१. १२० पृ. १८ से.
दयानन्द सरस्वतीकृत 'सत्यार्थप्रकाश' के आधार पर.
आ. पु.

सत्यार्थ प्रकाश: वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः दयानन्द स्वामि विरचितः. अजमेर, आर्य साहित्य मण्डल, १६३३. ७६४ पृ. १८ से.

श्रीमद्दयानन्द निर्वाण-अर्द्ध-शताब्दी-संस्करण सार्व.

सत्यार्थ प्रकाशका कथात्मक पद्यानुवाद 'सत्यसागर', अनु. गदाधर प्रसाद 'इष्ट', चतु० संस्क. लखनऊ, आर्य आदर्श ग्रन्थमाला, १६३३. ३०, ५६२ पृ. २४ से.
(आर्य आदर्श ग्रन्थलाला, ७).
प्रत्येक तरंग के आदि में जो भावमय भूमिकाएँ बांधी हैं वह सत्यार्थ प्रकाश में नहीं है. कल., ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश: ··· श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विर-चितः, २६वां संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६३४. ४,४,३८६ पृ. २४ से. आ. पु.

सत्यार्थ प्रकाश, द्वि० संस्क० कलकत्ता, गोविंदराम हासानन्द, वैदिक प्रेस, १६३४. १०, ८५२ पृ. १८ से.
अजमेर वैदिक यंत्रालय के बाइसवें संस्करण के अनकूल.
आ. पु.

सत्यार्थ-प्रकाश भाष्य, प्रथम समुल्लास, हिन्दी भाष्य० वाच-स्पति. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, १६३४. २, ३, २, ६२ पृ. २४.५ से. आ. पु.

सत्यार्थ-प्रकाश भाष्य समुल्लास १–२, भाष्यकार वाचस्पति. लाहौर, आर्य प्रा० प्र० सभा, १६३५.
४, १५६, ३ पृ. २४.५ से. आ. पु.

सत्यार्थ-प्रकाश: ··· श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विर-चितः, तृ० संस्क० अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १६३६. २, ४, ६, ६६२ पृ. चित्र, १८ से.,
आ. पु., सार्व.

बाल सत्यार्थप्रकाश, लेखक विश्वनाथ विद्यालंकार (गुरुकुल कांगड़ी), तृ० संस्क० लाहौर, आर्य पुस्तकालय वा सरस्वती आश्रम, १६३६. १५६ पृ. १८ से.
सार्व.

महिला सत्यार्थप्रकाश (महर्षि दयानन्द कृत सत्यार्थ प्रकाश का महिलाओं के लिए सरल संस्करण), सम्पा० विश्वप्रकाश, द्वि० संस्क० इलाहाबाद, कला प्रेस, १६४०. १५२ पृ. १८ से. सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश चतुर्दश समुल्लास से उद्धृत कुर्आन की आयतों का देवनागरी में उल्था और अनुवाद, ले० रामचन्द्र पण्डित. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १६४३.
३६ पृ. २४ से. पा. क.

सत्यार्थ प्रकाश: वेदादि विविध सच्छात्र प्रमाण समन्वितः, श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः, २७वां संस्क० अजमेर, वेदिक यंत्रालय १६४४. ३८६ पृ. २४ से.
सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश: वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः, २८वां संस्क० अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६४६.
८, ३८६ पृ. २४ से. ने. ला., सार्व.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः ··· दयानन्द स्वामि विरचितः, ३०वां संस्क०. अजमेर, वैदिक पुस्कालय, १९५०. १०, ३८६ पृ. २४ से. का. हि. वि., सार्व.

सत्यार्थप्रकाशः (परिशिष्ट सहित विशेष संस्करण) वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः, पंचमावृत्ति. अजमेर, आर्य साहित्य मण्डल, १९५१. ७६०, ८७ पृ. १८ से.

सत्यार्थप्रकाश परिशिष्ट शंकासमाधान तथा (सत्यार्थ-प्रकाश की प्रमाण सूची एवं विषय शब्दानुक्रमणिका सहित) सत्यार्थ प्रकाश पर किये जाने वाले आक्षेपों का समाधान 'दयानन्द तिमिर' भाष्कर व 'भाष्कर प्रकाश' के आधार पर सार्व.

सत्यार्थप्रकाश, द्वि० संस्क० दिल्ली, सार्वदेशिक प्रकाशन, १९५४. ७, ६३५ पृ. १८ से. ने. ला.

सत्यार्थ प्रकाश, हिन्दी टीका० एवं सम्पा० स्वामी वेदानन्द. दिल्ली, विरजानन्द यन्त्रालय, १९५६. ६१० पृ. ३५×२६ से.
भूमिका एवं टिप्पणी. ने. ला.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः, ३२वां संस्क० अजमेर, वैदिक यन्त्रालय, १९५८. १२, ५०८ पृ. २४ से. खिदि.

सटिप्पणः सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्रप्रमाण-समन्वितः श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानन्दसरस्वती स्वामि विरचितः, टिप्पणीकर्ता स्वामी वेदानन्द (विरजानन्द वैदिक संस्थान संस्थापकः), तृ० संस्क० गाजियावाद (उ० प्र०), विरजानन्द वैदिक शोध संस्थान, १९६१. ३०, ६४८ पृ. ४० से. खिदि.

सत्यार्थप्रकाश वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः ··· दयानन्द विरचितः रोहतक, हरयाणा साहित्य संस्थान, १९६१. ४२८ पृ. २४ से. सार्व.

[सत्यार्थप्रकाश] अष्टोत्तरशत नाम मालिका व्याख्यान्सहिता लेखक विद्यासागर शास्त्री, सम्पा० युधिष्ठिर मीमांसक. अजमेर, संचालक भारतीय प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, १९६३. ३, १३, ३, २२९, २ पृ. २८ से. (भीमराज सिंह ग्रन्थमाला–३).
विविलियोग्राफी. ला. कां.

महिला सत्यार्थप्रकाश (महर्षि दयानन्द कृत सत्यार्थप्रकाश का महिलाओं के लिए सरल संस्करण). इलाहाबाद, कला प्रेस, १९६३. ६४ पृ. १८.५ से. खिदि.

सत्यार्थ प्रकाश, वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः, सम्पा० भगवद्दत्त, देहली, गोविन्दराम हासानन्द, १९६३. १६, ८२८ पृ., रंगीन चित्र, २५ से.
विविलियोग्राफी. ला. कां.

सत्यार्थ प्रकाश. देहली, देहाती पुस्तक भण्डार, १९६३. ४, ७२४ पृ. २५ से. ने. ला.

सत्यार्थ प्रकाश वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितः, आठवां संस्क० दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, १९६५. २०, ७६४ पृ. १७ से. काशी.

सत्यार्थ प्रकाश उपदेशामृत, संग्र० चतुरसेन गुप्त. शामली, मुजफ्फरनगर, सत्यार्थ प्रकाश धर्मार्थ ट्रस्ट, १९६५. २०० पृ. १८ से. वड़ा., सार्व.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाणैः समन्वितः श्री मद्दयानन्द सरस्वती स्वामि विरचितः. अजमेर, वैदिक पुस्तकालय, १९६६. ५६७ पृ. चित्र, २६ से.
विवलियोग्राफी ला. कां.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामि निर्मितः, ९ वां संस्क. दिल्ली, आर्यसाहित्य भवन, १९७०. १८, ६१२ पृ. १९ से. खिदि.

सत्यार्थप्रकाशः वेदादि विविधसच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिविरचितः, तृ. संस्क. नई दिल्ली, जनज्ञान प्रकाशन, १९७२. ४०६, २ पृ. २४ से. खिदि.

सत्यार्थ-प्रकाशः वेदादिविविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः श्री मत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिविरचितः, चतु. संस्क. नई दिल्ली, दयानन्द संस्थान, १९७२. ३९९, १ पृ. २४ से.
राजसंस्करण खिदि.

सत्यार्थप्रकाश, द्वितीय समुल्लास. ज्वालापुर, सहारनपुर, सार्वदेशिक दयानन्द सन्यासी वानप्रस्थ मंडल, (हरिद्वार), १९७४. १२ पृ. १८ से. सार्व.

बालसत्यार्थप्रकाश, ले. विश्वनाथ विद्यालंकार, (गु. कांगढ़ी). दिल्ली, राजपाल एण्ड संस, ति. न. ६, ११२ पृ. १८ से.
आर्यकुमारों व कुमारियों के लिए सत्यार्थप्रकाश का सरल और सुबोध संक्षिप्त संस्करण. खिदि.

सत्यार्थप्रकाश प्रथम अंक. सिलीगुड़ी, आर्यसमाज, ति न. १८ पृ. २१ से. सार्व.

स्वमन्तव्यामंतप्रकाशः, चतु. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१६. ७ पृ. २३ से.
पचास धार्मिक शब्दों की व्याख्या. ब्रि. म्यू.

स्वमंतव्यामंतप्रकाश अर्थात श्री १०८ स्वामी दयानन्द सरस्वती जी महाराज का मुख्य सिद्धांत, द्वि. संस्क. अजमेर,

दयानंद सरस्वती

वैदिक यंत्रालय, १९२४. १० पृ. २३ से. खिदि.

स्वमन्तव्यामंतव्यप्रकाशः वेदादिविविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्विता, द्वि. संस्क. दिल्ली, सार्वदेशिक प्रेस, १९५४. ८ पृ. १८ से. खिदि.

स्वमंतव्यामंतव्यप्रकाशः, द्वादश संस्क. अजमेर, वैदिक पुस्तकालय, १९६६. १२ पृ. १८ से. सत्यार्थ प्रकाश के अन्त में प्रकाशित खिदि.

स्वमंतव्यप्रकाशः श्रीमद्दयानन्द सरस्वती स्वामिनिर्मितः. सहारनपुर, सार्वदेशिक दयानन्द सन्यासी वानप्रस्थ मंडल, (हरिद्वार), १९७४. १० पृ. १८ से. सार्व.

स्वस्तिवाचक शांतिकरण मंत्र, देवदत्त जी शास्त्री कर्तृक भाषानुवाद सहित. लखीमपुर, आर्यभास्कर यंत्रालय, १८९६. २,४८ पृ. १४ से. आ. पु., खिदि.

स्वस्तिवाचक शांतिकरण मंत्र, देवददत्त जी शास्त्री कर्तृक भाषानुवाद सहित, द्वि. संस्क. शाहजहाँपुर, द्वारकाप्रसाद अत्तार, १९०९. ३६ पृ. १६ से. खिदि.

दयानंद सरस्वती

स्वस्ति वाचन-सभाष्यम्, भाष्यकार मेधाव्रत स्वामी. देहरादून, संस्कृतज्ञ समाज, १९६२. ६४ पृ. १८ से: पा. क.

स्वामी दयानन्द का वैदिक स्वराज्य, संक. चंद्रमणि विद्यालंकार. लाहौर, संकलनकर्ता, १९२२. ७५ पृ., २३ से. ब्रि. म्यू.

स्वामी दयानन्द सरस्वती दिग्विजय कीर्ति, (प्रथम-तृतीय खंड, १–१२ मयूखः). [ ], १८८१. ३६८ पृ. २३ से. मुखपृष्ट नहीं है। कल.

स्वीकार पत्र, तृ. संस्क. अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९८. ५ पृ. २३ से. काशी., ब्रि. म्यू., खिदि.

च. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०३. ५ पृ. २३ से. आ. पु., काशी.

स्वीकारपत्र तथा नियमोपनियम् परोपकारिणी सभा के रूल्स रेगूलेशंस सहित. अजमेर, १९१०. १६,१५ पृ. १४ से. ब्रि. म्यू.

आर्य समाज

अंबिकादत्त व्यास

अथ अबोध निवारणम्, ले० अंबिकादत्त व्यास और रामकृष्ण वर्मा, स्वामी दयानन्द सरस्वती के 'वाक्यप्रबोध' में हुई भूलों की विवेचना. बनारस, १८८१. २,१२ पृ. २१ से. आ. पु., ब्रि. म्यू.

दयानन्द मत मूलोच्छेद, अंग्रेजी और हिन्दुस्तानी अनुवाद के साथ, संपा० साहब प्रसाद सिंह. बाँकीपुर, खंगविलास प्रेस, १८८५.

दयानन्दियों के खेमे में १६ नवम्बर १८८५ को बाँकीपुर में दिया गया भाषण. ब्रि. म्यू.

मूर्तिपूजा. भागलपुर, व्यास प्रेस, १८९१. २, ६, १३२ पृ. २१ से.

मूर्तिपूजा के विषय पर वक्तृता जो कलकत्ते से लाहौर तक के नगरों में हुई और जिससे सहस्रों शंकावालों की शंका मिटी. आ. पु.

अखिलानन्द शर्मा

आर्य नियमोदय काव्यम्, लेखक कृत 'भारत प्रदीपिनी' संस्कृत टीका एवं भाषा के सहित. मेरठ, स्वामी मशीन मुद्रणालय, १९०७. २७ पृ. २० से. काशी., ब्रि. म्यू.

अखिलानंद शर्मा

आर्य शिरोभूषण काव्यम्, लेखक कृत 'सुबुद्धि वर्द्धिनी' संस्कृत टीका एवं हिन्दी भाषा टीका सहित. मेरठ, स्वामि मशीन यन्त्रालय, १९०७. ७५, ४ पृ. २० से. काशी.

कर्म और भोग. मेरठ, आर्यसमाज लालकुर्ती, १९६३. १४४ पृ. १८ से. सार्व.

दयानन्द दिग्विजयम् महाकाव्यम् तत्कृत हिन्दी भाषानुवाद समेतम्, सुबोधचन्द्र शर्मा कृत लेखक की जीवनी (संस्कृत एवं हिन्दी) के साथ. प्रयाग, १९१०. ४४, ६१५, १३ पृ. २६ से. इ. आ., ब्रि. म्यू.

दयानन्द दिग्विजयम् महाकाव्यम् तत्कृत हिन्दी भाषानुवाद समेतम्. शामली (उ. प्र.), आर्यधर्म प्रकाशन, १९७०. ४७, ६१५ पृ. छवि, २३ से. खिदि., पा. क.

श्री दयानन्द लहरी. सहसवान, जिला बदायूँ, ग्रंथकार, १९१३. आ. पु.

श्री दयानन्द लहरी, दयानन्द सरस्वती के जीवन एवं शिक्षाओं की प्रशंसा में लिखे संस्कृत में तिरसठ पद्य एवं लेखक कृत पद्यात्मक अनुवाद 'मनोमोदिनी' के साथ, द्वि. संस्क. मेरठ, स्वामि यन्त्रालय, १९२४. ३५ पृ. १६ से. ब्रि. म्यू.

अखिलानंद शर्मा

दयावन्द लहरी. लखनऊ, हिन्दी साहित्य भण्डार, १९६१. ६४ पृ. १८ से. ने. ला.

भामिनीभूषण काव्यम् सतिलकम्. मेरठ, १९१०. २, ५२ पृ. २१ से.

११ सर्गों का महाकाव्य, हिन्दी पद्यात्मक टीका 'विनयप्रद' एवं संस्कृत टिप्पणी के साथ. स्त्रियों के उद्धारार्थ वैदिक शिक्षाप्रद काव्य.

मुखपृष्ट नहीं है. खिदि., ब्रि. म्यू.

ब्राह्मण महत्त्वादर्श काव्यम्, सात सर्गों में संस्कृत काव्य, लेखक की व्याख्या के साथ. चन्द्र नगर, बदायूँ, प्रयाग (मुद्रित), १९१४. ५, १२० पृ. २४ से. ब्रि. म्यू.

लघुकाव्य संग्रह, लेखककृत 'सत्यार्थ प्रकाशिकया' संस्कृत टीकया भाषा टीकया च समेतः. मेरठ, स्वामि मशीन यन्त्रालय, १९०७. ४५ पृ. २० से. काशी., खिदि.

वैदिक वर्ण व्यवस्था. चन्द्रनगर, पो० रजपुरा जिला बदायूँ, ग्रंथकार, १९१६. आ. पु.

वैदिक सिद्धान्त-वर्णन-काव्यम् कविरत्न श्री मदाखिलानन्द शर्म्मप्रणीतम् तत्कृत भाषानुवाद समेतम्. प्रयाग, इंडियन प्रेस, १९१२, १२४ पृ. चित्र, १८ से.

राणा हीरा सिंह वर्मा को सादर समर्पित. आ. पु., खिदि., ब्रि. म्यू.

वैधव्य विध्वंसन—चंपू. [ ], १९०८. ११५ पृ. २१ से.

मुखपृष्ठ नहीं है कल०

वैधव्य विध्वंसन—चंपू भाषानुवाद समेता, संस्कृत कथा (गद्य-पद्यात्मक), काव्यकार कृत हिन्दी व्याख्या सहित. प्रयाग, १९१०. ३, ११५ पृ. २३ से. ब्रि. म्यू.

अग्निवेश स्वामी

आर्य राष्ट्र. दिल्ली, राजधर्म प्रकाशन, ति. न. ८६ पृ. १८ से.

'राजधर्म' में प्रकाशित लेख पुस्तकाकार रूप में. खिदि.

वैदिक समाजवाद. रोहतक, राजधर्म प्रकाशन, १९७४. ८८ पृ. २१ से. खिदि.

अच्युतानन्द सरस्वती

व्याख्यान माला, अनु. यज्ञदेव शास्त्री. देहली, गोविंद राम हासानन्द, ति. न. १७४ पृ. २४ से. खिदि.

अजमेर और ऋषि दयानन्द—महर्षि दयानन्द के ७५वें निर्माण दिवस पर आयोजित ऋषि मेले के उपलक्ष्य में, ऋषि मेला कार्तिक कृष्ण १३ (धनतेरस) रविवार से का० शुक्ल

अजमेर और ऋषि दयानंद

१, बुधवार २०१५, ९-११-५८ से १२-१२-५८. अजमेर, ऋषि मेला समिति, १९५८. ३४ पृ. १८ से. खिदि.

अजितकुमार जैन

सत्यार्थ प्रकाश, द्वादश समुल्लास, दयानन्द सरस्वती के 'सत्यार्थ प्रकाश' के बारहवें समुल्लास पर जैन धर्म के बचाव में प्रकाश, तृ. संस्क. मुल्तान, १९३७. ९, ३४५ पृ. (चम्पावती जैन पुस्तक माला–९) कल., ब्रि. म्यू.

अत्रिदेव गुप्त विद्यालंकार

संस्कार विधि विमर्श—चिकित्सा-प्रजनन और प्रजाशास्त्र के आधार पर. बनारस, नरेन्द्र शर्मा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, १९५१. ८, १२५ पृ. १८ से. खिदि.

अनुभवानन्द

आर्यसमाज का परिचय. कलकत्ता, आर्यकुमार सभा ट्रैक्ट प्रकाशन समिति, १९२६. ७२ पृ. २० से. कल.

अबला सन्ताप. ९६ पृ. १६ से.

मुखपृष्ठ नहीं है खिदि.

अभयदेव विद्यालङ्कार

वैदिक विनय (प्रथम खंड). मुजफ्फरनगर, उ० प्र०, अरविन्दनिकेतन, ति. न. ३०५ पृ. १८ से. बड़ा.

वैदिक विनय (द्वितीय खंड), चतुर्थ संस्क. हरिद्वार, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, १९५६. ३०४ पृ. १८ से. बड़ा

अमर सिंह 'आर्य पथिक'

गीता में ईश्वर का स्वरूप, द्वि. संस्क. कलकत्ता, आर्य समाज, १९५६. ३२ पृ. १८ से. कल.

जीवित पितर जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि—पितर का अर्थ—जीवित माता-पिता आदि ही है मरे हुए नहीं. बुलन्दशहर, ओमप्रकाश आर्य, १९६०. १०२ पृ. १८ से. सार्व.

पशु महासभा, मूक पशुओं के मुखड़ों का दिग्दर्शन. नागपुर, लेखक, १९२२. ८० पृ. १७ से. (पाली राजपूत ग्रंथमाला) खिदि.

विधर्मियों की शुद्धि अर्थात् भारतीयकरण, द्वि. संस्क. कलकत्ता, आर्यसमाज, १९५९. ३३ पृ. १८ से. कल., खिदि.

वेदपथ के पथिक ऋषि दयानन्द जी के विषय में लोकमत. हवड़ा, लालचन्द बाहरी ट्रस्ट, १९६२, ८० पृ. १८ से. खिदि.

अमर सिंह 'आर्य पथिक'

स्वामी दयानन्द का वैदिक ईश्वरवाद. दिल्ली, आत्मा राम एण्ड संस, १९७०. १३, १८८ पृ. १८ से.
आगरा विश्वविद्यालय द्वारा पी एच. डी. डिग्री के लिए स्वीकृत शोधप्रबन्ध. ने. ला.

हनुमान आदि वानर बन्दर थे या मनुष्य, भूमिका लेखक नरदेव शास्त्री तथा हरिशंकर शर्मा. कलकत्ता, दी बंगाल प्रिंटिंग वर्क्स, १९५९. १२, १५८ पृ. १८ से.
खिदि., सार्व.

अमृत या वैदिक सिद्धान्तों की गुंजार, देहली, आर्य समाज, ति. न. ४८८ पृ. १८ से. कल.

अमृतानन्द सरस्वती

ओंकार दर्शनम्. लखनऊ, आर्य प्रतिनिधि सभा उ. प्र., १९५१. ५२ पृ. १८ से. सार्व.

अयोध्या प्रसाद

बुद्ध भगवान वैदिक सिद्धान्त के विरोधी नहीं थे. कलकत्ता, आर्य समाज, २९ पृ. १८ से.
खिदि.

अलाराम स्वामी

गौरक्षा प्रकाश जिसको अनेक ग्रंथों से अवलोकन करके स्वामी अलाराम ने संग्रह किया. आगरा, अयोध्या प्रसाद, १८८७. २७ पृ. २४. ५ से. आ. पु.

दयानन्द मिथ्यात्व प्रकाश. प्रयाग, इण्डियन प्रेस, १८९६. २,१२ पृ. २४ से.
इसमें आर्य मंतोक्त ग्रन्थों को मिथ्यात्व का अति संक्षेप से दिखाना और वेदोक्त सनातन हिन्दू धर्म का सिद्धान्त लिखा है कि जिसके पढ़ने से सर्वसाधारण मनुष्य मात्र को दयानन्द का आभ्यांतरिक अभिप्राय बोध हो सकता है राजभक्ति में दृढ़ता तथा गवर्मेण्ट के पूरे शुभचिन्तक वन सकते हैं. आ. पु.

निराकार ध्यान खण्डन और जीवेश्वर स्वरूप. इटावा, भीमसेन शर्मा, ब्रह्म प्रेस, १९०७. आ. पु.

भजन गोरक्षा. इलाहाबाद, १८९२.
३ भाग.

पोयम डाइरेक्टेड अगेंस्ट द स्लाटर आव कैटिल एण्ड अदर एनीमल्स. इ. आ.

वेदोत्पत्ति मंडन. इटावा, भीमसेन शर्मा, ब्रह्म प्रेस, १९०६. आ. पु.

श्राद्ध दर्पण. वम्बई, खेमराज श्री कृष्णदास, वेंकटेश्वर प्रेस, १८९६. ३२ पृ. १५ से. आ. पु.

सनातन धर्म व्याख्यान दर्पण, सम्पा. भीमसेन शर्मा. इटावा, भीमसेन शर्मा, ब्रह्म प्रेस, १९०७.
५६ व्याख्यान, २३.५ से.
व्याख्यान १. जगदुत्पत्तिमण्डन, १८ पृ.
व्याख्यान २. वेदोत्पत्तिमण्डन, १८ पृ.

अलाराम स्वामी

व्याख्यान ३, ४. निराकार ध्यान खण्डन और जीवेश्वर-स्वरूप, १८ पृ. आ. पु.

अवधबिहारी लाल

आर्य रत्नमंजूषा (मनु, वाल्मीकि, व्यास आदि महर्षियों के सुभाषित रत्नों का बालोपयोगी संक्षिप्त संकलन), द्वि० संस्क० कलकत्ता, आर्यसमाज, १९५८. ५२ पृ. १८ से.
प्र० संस्क० १९५०. खिदि.

प्रार्थना पुस्तक, द्वि० संस्क० कलकत्ता, लेखक, १९५८. ९४८ पृ. १८ से. खिदि.

हम आर्यसमाजी क्यों वनें? कलकत्ता, आर्यसमाज, १९३९. ५३ पृ. १८ से. कल.

आचार्य प्रभाकर अर्थात् महाब्राह्मण मेरठ, आचार्य ट्रैक्ट सोसाइटी, ति. न. २९ पृ. १५.५ से. (ट्रैक्ट नं० ३). आ. पु.

आत्मस्वरूप उदासीन

अवोधध्वांत मार्तण्ड. वांकीपुर, खंगविलास प्रेस, १८९२. ४,१०० पृ. २३ से.
वेदमन्त्र प्रमुख से ईश्वर की साकारता तथ्य, भगवद् अवतार तथा प्रतिमा पूजनादि का निरूपण. नियोग, विधवा विवाह प्रभृति दयानन्दीय कुतर्कों का खण्डन.
आ. पु.

आत्मानन्द सरस्वती

अजपा जप (योग), द्वि० संस्क० मुंगेर, विहार, योग विद्यालय, १९६८. १२ पृ. १८ से.
खिदि.

आत्मानन्द—लेखमाला (प्रथम भाग), संपा० रामचन्द्र जावेद. जालंधर, चमूपति साहित्य प्रकाशन, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब, १९६४. ८,१२४ पृ. १८ से.
खिदि.

आदर्श ब्रह्मचारी, द्वि० संस्क० देहली, वैदिक साहित्य सदन, १९५१. २० पृ. १८ से.
उत्तम ब्रह्मचर्य का सेवन करके पूर्ण अर्थात् ४०० वर्ष पर्यन्त आयु को बढ़ावें. खिदि.

मनोविज्ञान तथा शिवसंकल्प, तृ० संस्क० झज्झर, रोहतक, विश्वंभर वैदिक पुस्तकालय, १९५८. ३२४ पृ. १८ से. खिदि.

आत्माराम (अमृतसरी)

अवतार रहस्य, अनु० आत्मारामजी. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९२२. १२४ पृ. १८ से. कल०

ऋषि पूजा की वैदिक विधि. बड़ौदा, महेन्द्र प्रताप कम्पनी, १९२४. ३२ पृ. १८ से. सार्व.

आत्माराम (अमृतसरी)

तुलनात्मक धर्म विचार, अनु० आत्माराम (अमृतसरी), वड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १६२१. १५२,४ पृ. १८ से. (समाजी साहित्य-माला–८०) कल०

दिग् विज्ञान–संध्या के मनसा परिक्रमा मंत्रों की वैज्ञानिक व्याख्या. वड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १६२५. २४० पृ. १८ से. कल०

महर्षि दयानन्द के जीवन चरित्र का उपोद्घात् (मास्टर आत्मारामजी लिखित). अमृतसर, लेखक, १६०३. १३५ पृ. २३ से. खिदि.

महर्षि दयानन्द से पूर्व का भारत. देहली, गोविन्दराम हासानन्द, १६५६. १५४ पृ. २४ से. कल., खिदि.

आत्माराम महेश्वरी

अथ रत्न संहार. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८६. –भाग, २० से.
भाग १. २३ पृ. आ. पु.

ब्रह्मयज्ञ, स्तुति, प्रार्थना, उपासना. जालंधर, कन्या महाविद्यालय, लाहौर एकोनोमिकल प्रेस, १८६७. २,१२८,१ पृ. २० से. आ. पु., काशी.

आनन्दकुमार

आत्मविकास, च० संस्क० दिल्ली, राजपाल एण्ड संस, १६५५. ४०८ पृ. १८ से.
प्र० संस्क० १६४६. खिदि.

मनुष्य का विराट् रूप (लोक व्यवहार सम्बन्धी विश्व कोष), तृ० संस्क० दिल्ली, राजपाल एण्ड संस, १६६०. २७१ पृ. १८ से. खिदि.

आनन्द स्वामी (खुशहालचन्द)

आनन्द गायत्री कथा, अनु० विष्णु शर्मा, षष्ट संस्क० देहली, गोविन्दराम हासानंद, १६६०. १४१ पृ. १८ से. सार्व.

आनन्द भागवत कथा अर्थात् वैदिक सत्यनारायण व्रत कथा, नवम संस्क० दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, ति. न. ८० पृ. १८ से. काशी.

आनन्द भागवत कथा अर्थात सत्यनारायण व्रत कथा. देहली, गोविन्दराम हासानंद, ति. न. ७६ पृ. १८ से. आयताकार. खिदि.

एक ही रास्ता, आनंद स्वामी के सात दिन के उपदेशों का संग्रह, अनु० जनार्दन विद्यार्थी, षष्ठ संस्क०. देहली, गोविन्दराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १६६२. १३७ पृ. १८ से.
उर्दू 'मिलाप' पत्र से. संग्रहकर्ता रणवीर. खिदि.

एक ही रास्ता, आनंद स्वामी के सात दिन के उपदेशों का संग्रह, अनु० जगदीश विद्यार्थी. दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, आर्य साहित्य सदन, १६६६. १२८ पृ. १८ से०

आनंद स्वामी (खुशहाल चंद)

उर्दू 'मिलाप' पत्र से. संग्रहकर्ता रणवीरजी. खिदि.

घोर घने जंगल में. दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, १६६३. २५१ पृ. १८ से. खिदि.

जाग ऐ मानव (हैदराबाद की एक सरस प्रेरणाप्रद कथा), अनु० जगदीशचन्द्र. दिल्ली, देहाती पुस्तक भंडार, १६४६. १६४ पृ. १८ से. खिदि.

तत्त्वज्ञान, द्वि० संशो० परि० संस्क० देहली, गोविन्दराम हासानंद, १६५६. ६,२६४ पृ. १८ से. खिदि.
६ वाँ संस्क०, १६७३. २६३ पृ. १८ से. कल., खिदि.

त्यागमयी देवियाँ. दिल्ली, आर्यप्रकाश पुस्तकालय, १६७१. १०० पृ. १८ से. खिदि.

दो रास्ते. दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, १६७२. १६६ पृ. १८ से. खिदि.

प्यारा ऋषि. सोनीपत (हरियाणा), श्री रामलाल कपूर ट्रस्ट, १६३६. १६,५८, ६ पृ. १८ से. काशी.

तृ० संस्क०. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, वाराणसी, वेदवाणी कार्यालय, १६६१. १०० पृ. १८ से. खिदि.

प्रभु दर्शन, तृ० संशो० परि० संस्क० देहली, गोविन्दराम हासानंद, १६५६. ८,२४२ पृ. १८ से. खिदि.

प्रभु भक्ति. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा पंजाव सिंध विलोचिस्तान, १६३६, १६७ पृ. १८ से. आ. पु., सार्व.

प्रभु भक्ति, तृ० संशो० संस्क० लाहौर, लाला केशवराम अधिष्ठाता, वीर मिलाप प्रेस, १६४४. २,१४६ पृ. चित्र, १८ से. आ. पु.

प्रभु भक्ति, संशो० परि० अष्टम संस्क० लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा पंजाव, सिंध, बिलोचिस्तान १६५६. १८४ पृ. १८ से. खिदि.
१५ वाँ संस्क० दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, १६७३. १२६ पृ. १८ से. कल., खिदि.

प्रभुमिलन की राह. दिल्ली, गोविन्दराम हासानन्द, १६६८. २३१ पृ. छवि, १८ से.
अप्रैल और मई १६६८ में पंजाबी बाग, दिल्ली, आर्यसमाज मन्दिर की कथाओं का संकलन कल., खिदि.

भक्त और भगवान—मनोहर कथा, अनु. जगदीश विद्यार्थी, देहली, गोविन्दराम हासानन्द, १६५६. १५१ पृ. १८ से. खिदि.

आनंद स्वामी (खुशहाल चंद)

चतु. संस्क. १९६६. १३० पृ. १८ से.

कल.

भगवान शंकर और दयानन्द–आध्यात्मिक और रोचक कथा, अनु० जगदीशचन्द्र. देहली, गोविन्दराम हासानन्द, १९६७. ८० पृ. १८ से. कल., खिदि.

भगवान शंकर और दयानन्द––आध्यात्मिक और रोचक कथा, सातवीं बार. दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, १९७१. २,७७ पृ. १८ से. (आनन्द कथामाला नं० ३)

काशी.

मन्दिर प्रवेश (यम नियम विवेचन). मथुरा, सत्य प्रकाशन, ति. न. २६ पृ. १८ सें. (आनंद स्वामी ग्रंथमाला––२) खिदि.

महामंत्र (गायत्री विषयक अपूर्व आध्यात्मिक ग्रंथ). दिल्ली, राजपाल एण्ड संस, १९५६. १६,१७६ पृ. १८ से. खिदि., बड़ा.

मानव और मानवता : सोलह प्रवचन, द्वि. संस्क. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९७०. ३७२ पृ. १८ से. कल., काशी.

मानव जीवन गाथा या जीवनगीत, अनु. जगदीश चन्द्र. दिल्ली, गोविन्दराम हासानंद, ति. न. २७२ पृ. १४ से. स्वामीजी के सात दिन के उपदेशों का संग्रह

खिदि.

यह धन किसका है ? दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९७१. २४० पृ. १८ से.

कल०, खिदि.

आर्यगान पुस्तक लाहौर, १९०५. ४८८ पृ. १६ से.

ए कलेक्शन आव ४४६ आर्यसमाजी सांग्स. ब्रि. म्यू.

आर्ग-चर्पट पंजरिका तुलसीराम स्वामीकृत भाषार्थ सहित. मेरठ, अनुवादक, इटावा, सरस्वती यंत्रायल, १८९६. ८ पृ. १५.५ से. आ. पु.

आर्य जगत शिकोहाबाद, राजपूत बुकडियो, कटरा बाजार, १९२८. ८ पृ. १८ से.

जिसमें साप्ताहिक अधिवेशन तथा प्रातः व सायंकाल के गाने योग्य अच्छे–अच्छे भजनों का समूह है। आ. पु.

आर्य, जे. आर.

आप वैदिक धर्मी हैं। ज्वालापुर लेखक, १९७४. ३४ पृ. १४

सार्व.

आर्य तत्व प्रकाश, द्वि. संस्क. प्रयाग, नार्थ इंडिया क्रिश्चियन ट्रैक्ट एण्ड बुक सोसाइटी १८८८.

व्याख्यान माला

व्याख्यान १,२,४ एवं ६

मूल अंग्रेजी 'द प्रिंसिपुल्स एण्ड टीचिंग्स आव आर्य समाज' का हिंदी रुपांतर आ. पु., ब्रि.म्यू.

आर्य तत्व प्रकाश. इलाहाबाद, नार्थ इंडिया क्रिश्चियन ट्रैक्ट एण्ड बुक सोसाइटी, १९००.

मूल अंग्रेजी 'द प्रिंसिपुल्स एण्ड द टीचिंग्स आव आर्यसमाज' का हिन्दीं रुपान्तर

लेक्चर १. ओरिजिन एण्ड द एज आव द वेदाज़ ३२ पृ. १८ से. आ. पु.

आर्य दीपिका प्रथमो विभागः टंकारा, महर्षिदयानंद स्मारक ट्रष्ट, ति. न. २८ पृ. १८ से. खिदि.

आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा-पंजाब सिन्ध, बिलोचिस्तान, लाहौर

आर्यभजन संग्रह चतुर्थ संस्क० लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, आर्य साहित्य विभाग, ३ भाग, १८.५ से.

भाग १. ८, ८२ पृ. १९३७

भाग २ + ३. १२, २०९ पृ. १९३५ (आर्य-साहित्य विभाग ग्रंथमाला ३–४)

आ. पु.

धर्मशिशक लाहौर, डी.ए.वी. कालेज, १९०६. २,१८८ पृ. २० से.

यह पुस्तक आर्य्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा पंजाब, सिंध व बलोचिस्तान की आज्ञानुसार स्वामी दयानन्द जी महाराज के 'सत्यार्थ प्रकाश' और 'संस्कार विधि' से धर्मशिक्षा प्रचा- रार्थ संकलन की गई आ. पु.

वैदिक सत्संग पद्धति (ऋषिबोधोत्सव). जालंधर, लेखक, १९७१. ९२ पृ. १८ से. खिदि.

आर्यप्रतिनिधि सभा मध्यप्रदेश तथा विदर्भ प्रांत (बरार) के नियम और उपनियम. सन् १९०० ई. के पदाधिकारियों तथा सभासदों की नामावली सहित. नरसिंहपुर, सरस्वती यंत्रालय, १९००. १७ पृ. २२ से.

खिदि.

आर्यप्रतिनिधि सभा, बंग, आसाम

आर्य समाज के नियम उपनियम. कलकत्ता, लेखक, १९४५, १७ पृ. १८ से. खिदि.

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत,

आर्य-भजन-संग्रह. आगरा, आर्य भास्कर यंत्रालय, १९११. २,१२, १६० पृ०

जिसको श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रांत आगरा व अवध ने आर्य समाजों में प्रचारार्थ संग्रह कराकर प्रकाशित कराया.

काशी.

असपृश्यता निवारण, वेद प्रचार सप्ताह के उपलक्ष में. फतेहपुर, उमाशंकर, आगरा, आर्य भास्कर प्रेस ति. न. १२ पृ. १८ से. काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रदेश, आगरा और अवध का वर्ष १९२५ सम्बन्धी वार्षिक वृत्तान्त श्रीमद्दयानन्दाब्द

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत

१००–१०१, सम्पा. ब्रजनाथ मित्थल, मंत्री, सभा. मेरठ, विद्या प्रिंटिंग प्रेस, ति. न.
६४ पृ. ३६ से.
हिन्दी + इंगलिश

रिपोर्ट प्रथम युक्त प्रदेशीय आर्य शिक्षा सम्मेलन, कानपुर, दिसम्बर १९२५.

वर्ष १९२६, वार्षिक वृत्तान्त . काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रांत आगरा और अवध का १ अक्टूबर १९२७ से ३० सितम्बर १९२८ सम्बन्धी, संपा. रासविहारी तिवारी, मंत्री, सभा, १९२८.
९२. पृ. ३६ से. काशी.

१ अक्टूबर १९२८ से ३१ दिसम्बर सन् १९२९ सम्बन्धी.
९० पृ. ३६ से. काशी.

३९ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो तारीख १६ व १७ अप्रैल १९२७ ई. स्थान : डी. ए. वी. हाई स्कूल काशी, (बनारस) में संघटित हुआ, सम्पादक ब्रजनाथ मित्थल, मंत्री, सभा. आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, २६ पृ. ३६ से. काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रांत, आगरा व अवध के आर्य समाजों की सूची, सम्पादक उमाशंकर वकील. फतेहपुर मंत्री, सभा, १९३४. ३९ पृ. ३६ से. काशी.

१ अक्टूबर १९३६ से ३० सितम्बर १९३७ सम्बन्धी वार्षिक वृत्तांत, सम्पा. पीतमलाल, मंत्री, सभा. आगरा, भगवानदीन आर्यभास्कर प्रेस, १९३७. ८२ पृ. ३६ से. काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत का १ अक्टूबर सन् १९३७ से ३१ दिसम्बर १९३८ सम्बन्धी वार्षिक वृत्तांत. आगरा, कालीचरण, मंत्री, सभा, भगवानदीन आर्यभास्कर प्रेस, १९३७–१९३८. १४६, ७ पृ. ३६ से. काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत आगरा व अवध के बत्तीसवें वृहद्धिवेशन की कार्यवाही जो ३ अप्रैल १९२० स्थान डी. ए. वी. हाई स्कूल, प्रयाग में संगठित हुआ, सम्पा. पूर्णचन्द्र, मंत्री, सभा आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, १९२०, ३८ पृ. ३६ से. काशी.

३८ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो ३ व ४ अप्रैल सन् १९२६ ई. स्थान डी. ए. वी. कालेज, देहरादून में संगठित हुआ, सम्पा. ब्रजनाथ मित्थल, मंत्री, सभा. आगरा, भास्कर प्रेस, १९२६. ३० पृ. ३६ से. काशी.

३९ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो १६ व १७ अप्रैल, १९२७. स्थान डी. ए. वी. हाई स्कूल काशी (बनारस) में संगठित हुआ, सम्पा. ब्रजनाथ मित्थल, मंत्री, सभा, १९२७. २८ पृ. ३३ से. काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत

४१ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही. ता. २५ व २६ दिसम्बर सन् १९२८ ई. स्थान गुरुकुल भूमि वृन्दावन (मथुरा) में संगठित हुआ, सम्पा. रासविहारी तिवारी, मंत्री, सभा, १९२८. ३८ पृ. ३६ से. काशी.

४२ वें वृहदधिवेशनशन की कार्यवाही जो १९ व २० अप्रैल सन् १९३० ई. स्थान गुरुकुल भूमि वृन्दावन (मथुरा) में संगठित हुआ, सम्पा. रासविहारी तिवारी. आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, १९३०. ४२ पृ. ३६ से, काशी.

४३ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो २६ व २७ दिसम्बर १९३० स्थान गुरुकुल भूमि वृन्दावन (मथुरा), में संगठित हुआ, सम्पा. रासविहारी तिवारी. आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, १९३०.
४३ पृ. ३६ से. काशी.

४४ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो २६ व २८ दिसम्बर १९३१ स्थान गुरुकुलभूमि वृन्दावन (मथुरा) में संगठित हुआ, सम्पा. रासविहारी तिवारी, मन्त्री, सभा. आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, १९३१. ५० पृ. ३६ से.

४५ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो ता. २६ व २८ दिसम्बर १९३२ स्थान गुरुकुल भूमि वृन्दावन (मथुरा) में संगठित हुआ, सम्पा. उमाशंकर वकील, मंत्री. आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, १९३२. ३३ पृ. ३६ से. काशी.

४६ वें वृहदधिवेशन की कार्यवाही जो २५ व २६ दिसम्बर १९३३ स्थान गुरुकुल भूमि वृन्दावन (मथुरा) में संगठित हुआ, सम्पा. उमाशंकर वकील. आगरा, आर्यभास्कर प्रेस, १९३३. ३४ पृ. ३६ से. काशी.

आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत आगरा व अवध के ५० वें वृहदाधिवेशन की कार्यवाही जो तारीख ३० दिसम्बर सन् १९३७ ई० को स्वर्ण जयन्ती पण्डाल (नौचदी का मैदान) मेरठ में संगठित हुआ, सम्पादक पीतमलाल, मंत्री सभा. आगरा, भगवानदीन आर्य भास्कर प्रेस, १९३७, ३१ पृ. ३६ से काशी.

वैदिक वैजयन्ती अर्थात श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रान्त के गत पच्चीस वर्षों की रिपोर्ट, लेखक मदन मोहन सेठ. लखनऊ, एंग्लो ओरियंटल प्रेस, १९१२. ६, २३५, ४० पृ., चार्ट्स, चित्र, २४ से. आ. पु.

आर्य प्रतिनिधि सभा, हैदराबाद राज्य का चौदहवाँ वार्षिक विवरण. २५-३-४४ से २८-२-४९ ई० तक. हैदराबाद, आर्य प्रतिनिधि सभा हैदराबाद, ति.न.
४७ पृ. २१ से. सार्व.

आर्य्य मुनि

आर्य मन्तव्य प्रकाश. लाहौर, ग्रंथकर्ता, अजमेर

आर्य्य मुनि

वैदिक यंत्रालय, १९०२. १८०५. २१ से.
काशी.

आर्य मन्तव्य प्रकाश, द्वितीय भाग. लाहौर, देवदत्त शर्मा, लाला जीवनदास पेंशनर, शाहग्रालमी दरवाजा, एंग्लो संस्कृत यंत्रालय, १९०३. २, २२८, २ पृ. २२ से.
आ. पु., खिदि.

आर्य्य मन्तव्य प्रकाश, प्रथम भाग, द्वि० संस्क. लाहौर, देवदत्त शर्मा, एंग्लो-संस्कृत यंत्रालय, १९०४. ८, १८३ पृ. १९ से. आ. पु., कल., खिदि. सार्व.

गीता योगप्रदीपार्य्य भाष्य जिसको आर्य मुनि ने निर्माण किया. लाहौर, देवदत्त शर्मा, एंग्लो संस्कृत यंत्रालय, १९०४. ८, ५९२ पृ. २३ से. खिदि.

योगार्य्यभाष्य, द्वि० संस्करण. काशी, देवदत्त शर्मा, १९१८. १३०, ८ पृ. २६ से. खिदि.

वेद मर्यादा अर्थात वेद विषय में मुख्य-मुख्य आक्षेपों का समाधान. कलकत्ता, आर्य समाज, १९१७. १०१ पृ. २२ से. (वैदिक अनुसन्धान कार्यालय कलकत्ता–न० १) कल., बड़ा.

आर्य विवाह ऐक्ट (संक्षिप्त इतिहास और विस्तृत व्याख्या). देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४६. ४२ पृ. १८ से. खिदि.

आर्य वीर दल पराबन्दी (प्रथम तथा द्वितीय भाग), तृ. संस्क० देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४०. ४४ पृ. १८ से. सार्व.

आर्य संकीर्तन कलकत्ता, आर्यसमाज, १९३६. २४ पृ. १७ से.
बड़ा.

आर्य संकीर्तन तथा वैदिक सत्संग, संशो० रमाकान्त शास्त्री. कलकत्ता, आर्य पुस्तक भवन, १९५४. ६४ पृ. १८ से.
खिदि.

प्रथम संस्क. कलकत्ता, आर्य समाज. २४ पृ. १७ से.
कल.

आर्य संगीत पुष्पावली, लाहौर, १८९३. ४१५, १९ पृ. १८ से.

हिन्दू धर्म के मंत्र अंशतः पंजाबी में इ. आ

आर्य संगीत पुष्पावली. लाहौर, अरोड़वंश प्रेस, १८९५. १३, २३८ पृ., १५.५ से.

लाला गंगाराम, अमीरचंद महता, मुंशी केवलकृष्ण इत्यादि कवीश्वरों के भजन का संग्रह आ. पु.

आर्य संगीत पुष्पावली, लाहौर, अरोड़वंश प्रेस, १८९९. १२, ३१२, ५८ पृ. १५.५ से.
ब्रि. म्यू.

आर्य संगीत पुष्पावली, सम्पा० रामदित्त मल एवं आनंद किशोर महता. लाहौर, १९०२. १३, २४० पृ. १६ से.
ब्रि. म्यू.

[आर्य संगीत पुष्पावली] गंजीना भजन अर्थात आर्य संगीत पुष्पावली. लाहौर, जोत सिंह एण्ड कंपनी, १९०७. २४, ३८८ पृ. १५.५ से. आ. पु.

आर्य समाज, करनाल

आर्य यन्त्री तथा दर्शपितृ (१९०३ ई०) पंजाब देशांतर्गत कर्णाल आर्य समाजेन प्रकाशिता. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०३. ११३ पृ. चार्ट, २४.५ से.
काशी.

आर्य समाज, कलकत्ता

वैदिक धर्म विजय जो पौराणिकों पर आर्य समाज ने २२ जनवरी सन् १८८१ ई० को सन्मार्ग सन्दर्शिनी सभा कलकत्ता पर पाया जिसको श्रीयुत पं० दयाराम तहसीलदार की आज्ञानुसार. मेरठ, स्वामि यंत्रालय में तुलसीराम स्वामी ने मुद्रित किया, १९०२. ३९ पृ. २३ से.
कल.

आर्य समाज, खिदिरपुर (कलकत्ता)

आर्य्य भजनावली. खिदिरपुर, (कलकत्ता) आर्य समाज, ११ सरकुलर गार्डेन रीच रोड कलकत्ता, १९४१. १७ पृ. १९ से. खिदि.

आर्य भजनावली–कृण्वन्तो विश्वमार्यम्. खिदिरपुर (कलकत्ता), आर्य समाज, १९५३. १२ पृ. १८ से.
खिदि.

आर्य समाज, दानापुर

सुखशांति का सच्चा मार्ग, द्वि० संस्क० दानापुर आर्य समाज, १९२४. १६ पृ. १५ से.
ऋषि दयानंद जन्म-शताब्दी संस्करण. आ. पु.

आर्य समाज दीवान हाल, दिल्ली

हैदराबाद राज्य में आर्य समाज का सत्याग्रह क्यों? देहली, लेखक, १९३८. ८ पृ. २१ से. काशी.

आर्य समाज, मिरजापुर

आर्य समाज के वर्षोत्सव की रिपोर्ट और मिर्जापुर के रईसों के प्रति गोरक्षा के लिए निवेदन. मिर्जापुर, आर्य समाज–मिर्जापुर, काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८६. १२, ४ पृ. १९.५ से. आ. पु.

आर्य सयाज, मुजफ्फरपुर

जयन्ती स्मारक ग्रंथ, संपा० रामरीझन रसूलपुरी. मुजफ्फरपुर, आर्य समाज, १९४७. १८१ पृ. १८ से.
खिदि.

आर्य समाज, लखनऊ

आर्य समाज, गणेशगंज, लखनऊ का इतिहास. लखनऊ, आर्य समाज गणेशगंज, १९०६. ३, ११, १२४ पृ., २३.५ से. आ. पु.

आर्य समाज शताब्दी समारोह, कानपुर ११-१३ अक्टूबर १६७४, उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित. कानपुर, उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा, १६७४. [पृष्ठ संख्या नहीं है] २७ × २२ से. सार्व.

आर्य समाज शताब्दी समारोह, मेरठ, २५-२८ मई १६७३. उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित. मेरठ, उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा, १६७३. [पृष्ठ संख्या नहीं है] २७ × २२ से. सार्व.

आर्य समाजों के नियम और उपनियम सब आर्य समाज तथा लोक हितार्थ प्रकाशित हुए. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८६६. १२ पृ. १६ से. खिदि.

आर्य सिद्धांत विमर्ष दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १६३३.
प्रथम आर्य विद्वत् सम्मेलन में पठित निबंध.
आ. पु., सार्व.

आश्रित, प्रभु (महात्मा टेकचंदजी महाराज)

अद्‌भुत वर्षण [प्रभु के साथ पत्र व्यवहार,], एक उपदेश. दिल्ली, कृष्णावन्ती तथा सत्यपाल खुंगर, १६५८. २८ पृ. १८ से. खिदि.

आध्यात्मिक अनुभूतियाँ. दिल्ली, प्रयाग निकेतन, १६६०. १०४ पृ० १८ से.

चारों वेदों के यज्ञ की पूर्णाहुति ४-१२-६० ई. रविवार के उपलक्ष में छपवाई. खिदि.

कर्मभोग चक्र, तीनो भाग, चतु० संस्क. देहली, यज्ञभवन, १६५६. ४११ पृ० १८ से. खिदि.

कर्म भोग-चक्र. रोहतक, वैदिक भक्ति साधन आश्रम, १६६८. ३३५ पृ० १८ से. खिदि.

गायत्री रहस्य अर्थात् गायत्री का गुप्तज्ञान. दिल्ली, यज्ञभवन, १६६५. ४६०, ४७ पृ० २० से.
कल., बड़ा.

गायत्री-रहस्य अर्थात गायती का गुप्तज्ञान. ज्वालापुर, श्रीमती शुभकरी वानप्रस्थ आश्रम, रोहतक, देवराज सूरी, १६६६. ४१४ पृ० १८ से.
खिदि.

गृहस्थ आश्रम प्रवेशिका-माता-पिता के उपदेश, च० संस्क. दिल्ली, यज्ञ भवन. ति. न. १२८ पृ० १८ से.
केवल गृहस्थियों के पढ़नेयोग्य है बच्चों कों न दीजिए.
खिदि., सार्व.

गृहस्थ सुधार, तृ. संस्क. देहली, यज्ञभवन, १६५७. ३६७ पृ० १६ से. खिदि.

चमकते अंगारे., द्वि० संस्क. रोहतक, वैदिक भक्ति-साधन आश्रम, १६५३. ७७ पृ० १८ से. खिदि.

आश्रित, प्रभु

[जीवन-चरित्र] महाप्रभु आश्रित जी का प्रामाणिक जीवन-चरित्र (प्रथम भाग). रोहतक, विद्याभूषण आर्य, १६६३. १८४ पृ० १८ से. खिदि.

जीवन चरित्र-प्रभु आश्रितजी महाराज (द्वितीय भाग), संपा. सत्यभूषण. रोहतक, वैदिक भक्तिसाधन आश्रम, १६६३. ३१३ पृ० १८ से.

जीवनसुधार. रोहतक, वैदिक भक्ति साधक आश्रम, १६६६. १०, १६८ पृ० १८ से.
खिदि.

यह पुस्तक 'जीवन-सुधार' नामी ब्रह्मलीन श्री महात्मा प्रभु आश्रितजी महाराजकी दैनन्दिनी (डायरी) से उद्धृत
खिदि.

पथप्रदर्शक संदेश, तृ. संस्क. सिजुआ, (बिहार), महिन्दर प्रतापजी, १६३६. १७१ पृ० १८ से.
खिदि.

बिखरे सुमन, प्रथम भाग (उपदेशों का संग्रह). देहली, यज्ञभवन, १६५७. १६६, ४ पृ० १८ से.
खिदि.

मंत्रयोग, प्रथम भाग, संपा. सत्यभूषण. देहली, यज्ञभवन, १६५२. २५४ पृ० १८ से.
खिदि.

मंत्रयोग, [प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग]. देहली, यज्ञभवन, १६५५. २५८ पृ० १८ से. खिदि.

मन्त्रयोग, तृतीय भाग. देहली, कृष्णावन्ती सत्यपाल खुंगर, १६५७. २७२ पृ० १८ से. खिदि.

यज्ञ रहस्य, च० संस्क. देहली, यज्ञभवन, १६३४. २२८, ६ पृ० १८ से. खिदि., सार्व.

यज्ञ रहस्य (द्वितीय भाग), कानपुर, नन्दलाल, १६६१. १४८, १२ पृ० १८ से. खिदि.

योग-युक्ति (भाग पहला), द्वि० संस्क. रोहतक, वैदिक भक्ति साधन आश्रम, १६६०. १३४ पृ. छवि, १८ से.
खिदि.

रचना चरित्र अर्थात भीतरी संसार की झाँकी, ति. न. उर्दू संस्करण १६३८.
हिन्दी संस्करण १६६०. खिदि.

राष्ट्र रक्षा के आधार. रोहतक, वैदिक भक्ति साधन आश्रम, १६६३. २० पृ. १८ से. खिदि.

वर-घर की खोज. दिल्ली, भारत ग्लास कम्पनी गणेशदास मल्लिक, १६५३. ११५ पृ. १८ से.
श्रीयुत जोधारामजी बुधराजा (डेरागाजी खां वाले) तथा

आश्रित, प्रभु

वेदकुमारी के शुभविवाह १३-१-१९५४ की पुण्य स्मृति में विनम्र भेंट. विनीत प्रयाग निकेतन, देहली
खिदि.

व्रत-अनुष्ठान-प्रवचन. पानीपत, लीलाकृष्णजी सावित्री देवी, १९६३. ७०, ४ पृ. १८ से.
कतिपय नवीन प्रवचनों का संग्रह. खिदि.

संध्या सोपान. मथुरादास भीमसेन अढ़तिया, १९४१. १९४ पृ. १८ से. सार्व.

सप्तरत्न. दिल्ली, यज्ञभवन स्त्री मंडल, १९५८. ७६ पृ. १७ से. खिदि.

सप्तसरोवर. दिल्ली, यज्ञभवन, १९६०. २३० पृ. १८ से. खिदि

सेवाधर्म (अत्युत्तम उपदेश), द्वि० संस्क. देहली, यज्ञ-भवन, १९३९. १२४ पृ. १८ से. खिदि.

स्वप्नगुरु तथा देवों का शाप. नई दिल्ली, गायत्री भवन, १९५९. १०८ पृ. १८ से. खिदि.

इंद्रदत्त शर्मा

ईश्वर प्रार्थना. बनारस, संग्रहकर्त्ता, चन्द्रप्रभा प्रेस, १९१७. १४ पृ. १४ से. (कन्या गुरुकुल पुस्तकालय काशी, ४) आ. पु.

कन्योपनयन संस्कार. ४, १०० पृ. १६ से.
मुखपृष्ठ नहीं है। खिदि.

बाइबिल-समीक्षा. बड़ागणेश-बनारस, आर्यवैदिक कर्म-काण्ड प्रचारक फंड, १९००.
—भाग, २१ से.
भाग १. ३२ पृ. आ. पु.

वैदिक शिक्षा दर्पण, प्रथम भाग. काशी, कृष्ण यंत्रालय, १९१९. ४९ पृ. १५ से. (कन्या गुरुकुल पुस्त-कालय काशी, लघु पु० सं० २) आ. पु.

इंद्र विद्यावाचस्पति

आर्य समाज का इतिहास. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५७.
२ भाग, २४ से.
काशी., ने. ला., पा. क., सार्व.

जीवन-संग्राम., द्वि० संस्क. दिल्ली, जीवन संग्राम कार्यालय, १९४६. ८, १०२ पृ. १८ से.
प्रथम संस्करण, १९४४. खिदि.

महर्षि दयानन्द (आर्यसमाज के संस्थापक का जीवन-चरित्र), द्वि० संस्क. दिल्ली, विजय पुस्तक भण्डार, ति. न. १८० पृ. १८ से. खिदि.

इंद्र विद्यावाचस्पति

राष्ट्रीयता का मूल मंत्र. हरिद्वार, गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९१४. २, ४३ पृ. १८ से. (राष्ट्रीय ग्रंथमाला—२)
काशी.

स्वराज्य संग्राम में आर्य समाज का भाग, द्वि० संस्क. दिल्ली, सार्वदेशिक सभा, ति. न. १६ पृ. १८ से.
कल.

ईद्रदेव वैद्य

दयानन्द रेखा से अंकित आर्यावर्त. पीलीभीत, लेखक, १९६३. २१ पृ. १८ से. पा. क.

ईश्वरीप्रसाद 'प्रेम'

गायत्री गौरव (गायत्री महामन्त्र पर सर्वदा मौलिक रचना), द्वि. संस्क. मथुरा, सत्यप्रकाशन, १९६५. २६ पृ. १८ से. खिदि.

रामायण एक सरल अध्ययन. मथुरा, सत्य प्रकाशन, ति. न. ३९० पृ. १८ से.
क्षात्रधर्म के पुण्य प्रतीक राष्ट्र-पुरुषराम का जीवन चरित्र
खिदि.

विषपान अमृतदान दयानन्द और आर्यसमाज—एक झांकी, सप्तम संस्क० मथुरा, सत्यप्रकाशन समिति, ति. न. २४ पृ. २१ से. खिदि., वड़ा.

वैदिक स्वर्ग की झांकियाँ, द्वि० संस्क० मथुरा, सत्यसाहित्य प्रकाशन, १९७२. १८२ पृ. १८ से. खिदि.

सुमंगली (वैदिक विवाह पद्धति), द्वि. संस्क. मथुरा, सत्यप्रकाशन, १९५०. १२०, १८ पृ. १८ से.
विवाह संस्कार की विधि एवं व्याख्या सम्वन्धी एक श्रेष्ठ रचना खिदि.

ईश्वरीप्रसाद शर्मा

कलियुगाचार्य दयानन्द स्तोत्र. मेरठ, संस्कृत पुस्तकालय, १८९४.
खण्डन-मण्डन. आ. पु.

उपनिषद-संग्रह

उपनिषद प्रकाश (ईश, केन, कठ, मुण्डक और मांडूक्य), भाष्यकार दर्शनानन्द सरस्वती, अनु० अवधविहारीलाल, संशो० आचार्य विश्वश्रवा. मथुरा, पुस्तक मन्दिर, १९५५. ४७५ पृ. २० से. खिदि.

धारावाही हिन्दी में सचित्र एकादशोपनिषत्, भाषा. सत्य-व्रत सिद्धान्तालंकार. देहरादून, विद्या बिहार, १९५४. १६, ६२७, ३ पृ. २४ से. खिदि.

उमाकांत उपाध्याय

अर्थशौच. कलकत्ता, आर्य समाज, ति. न. २४ पृ. १७ से. खिदि.

उमाकांत उपाध्याय

आर्यसमाज से परिचय. कलकत्ता, आर्य समाज, ति. न. १६ पृ. १८ से. खिदि. पा. क.

श्राद्ध-तर्पण; पितृपक्ष पर श्रद्धापूर्वक मननार्थ. कलकत्ता, आर्यसमाज बड़ाबाजार, ति. न. २० पृ. १७ से. खिदि.

गो-रक्षा या गोवध. कलकत्ता, आर्यसमाज, ति. न. १६ पृ. १६ से. खिदि.

देववाणी की मिथ्यावाणी. कलकत्ता, आर्यसमाज, ति. न. २० पृ. १७ से. खिदि.

भगवान श्रीकृष्ण. कलकत्ता, आर्य समाज, ति. न. ८ पृ. १७ से. खिदि.

मूर्तिपूजा समीक्षा. कलकत्ता, आर्यसमाज, ति. न. २० पृ. १७ से. खिदि.

श्रावणी उपाकर्म ऋषि तर्पण. कलकत्ता, आर्यसमाज, ति. न. १६ पृ. १६ से. कल., खिदि.

उमादत्त त्रिपाठी

प्रत्युत्तर पत्रिका. फतेहगढ़, १८८०. ५७ पृ. १४ से. लिथो

धर्मसभा, फर्रुखाबाद का स्वामी दयानन्द सरस्वती के सिद्धान्तों का उत्तर. ब्रि. म्यू.

उषर्बुध ब्रह्मचारी

वैदिक धर्म की अनादिता. देहली, आर्य समाज दीवान-हाल, १९५१. २२ पृ. १८ से. सार्व.

सुपथ दर्शन-श्रावणी से साढ़े चार मास पर्यन्त आर्यों के कर्तव्य. दिल्ली, आदर्श प्रकाशन, १९४९. १२ पृ. १८ से. सार्व.

एक आर्य

नियोगनिर्णय—जो पौराणिक भाइयों के भ्रमनिवारणार्थ पुराणशिरोमणि महाभारत, स्मृति और वेदवाक्यों से अलंकृत है जिसमे १५ नियोग सनातन धर्म से दर्शाये गए हैं जिसे परीक्षितगढ़ निवासी एक आर्य ने रचा. मेरठ, तुलसीराम स्वामी, स्वामिमेशीन यंत्रालय, १८९९. २,५९ पृ. १५·५ से. आ. पु., खिदि.

नियोग निर्णय. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९०५. २,५९ पृ. १६ से. आ. पु.

पंचकन्या चरित्र, द्वि० संस्क० मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९०३. १६ पृ. १५ से.

जिसको पढ़ते ही आर्य समाज के निन्दक पौराणिकों के महा-पातक दूर होते हैं और नियोग, पुनर्विवाह की निन्दा का मुख नहीं रहता.

तृ० संस्क०, १९०७. १६ पृ. १५ से. आ. पु., खिदि.

एक आर्य

महाशंकावली अर्थात श्री युक्त "भारत धर्म महा मण्डल" की सेवा में एक जिज्ञासु के थोड़े से प्रश्न. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, स्वामी यंत्रालय, १८९७.
२ भाग, १५.५ से.
भाग १, १३ पृ.
भाग २, १४ पृ. आ. पु.

एक आर्य समाजी

मनुष्य जन्म की सफलता. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९७. आ. पु.

एक धर्म जिज्ञासु

जैनमोक्ष मीमांसा. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १९२२.
३,२७ पृ. १९·५ से. आ. पु.

एक सभासद आर्य समाज, देहरादून

अप्रतिम निरूपण. देहरादून, ग्रंथकार, कालिकाता, बड़ा-बाजार राजाकटरा आर्यावर्त प्रेस मुद्रित, १८८६.
१६,१०८, ४ पृ. २२ से.
पंडित बालादत्त दुर्गादत्त कृत 'अप्रतिम प्रतिमा' नामक पुस्तक की आर्य समाज की ओर से समीक्षा.
आ. पु., काशी.

पुराणादर्श, आर्य समाज के एक सभासद ने लिखा. देहरादून, मदन सिंह, जुविली प्रेस, ति. न.
नं. १. अक्टोवर १८९०.
नं. २. नवम्बर १८९०.
नं. ३. जनवरी १८९१.
'सत्यमेव जयते नानृतमिति' सच ही की जीत होती है झूठ की नहीं। काशी.

एक सभासद आर्यसमाज, मेरठ

नित्य कर्म विधि. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, हिंदी प्रभा प्रेस, १८८९. ३२ पृ. १४ से.
आ. पु.

पौराणिक धर्म और थियासफी. मेरठ, स्वामी यंत्रालय, १९००. २२ पृ. १६ से. खिदि.

भ्रांतिनिवारण. मेरठ, आर्य समाज, १८८५. १६० पृ. २१·५ से. लिथो
अ.. पु.

उपदेश भजनावली. प्रयाग, सरस्वती प्रेस, १८९२.
—भाग, १४ से.
भाग ६. ८ पृ. आ. पु., खिदि.

ओमप्रकाश त्यागी

आर्य वीर दल शिक्षण शिविर कार्य तथा शिक्षण क्रम. देहली, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४६. ४२ पृ. १८ से. सार्व.

ओमप्रकाश त्यागी

आस्तिक-नास्तिक संवाद. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३. ८७ पृ. १८ से. सार्व.

एक ही मार्ग—भौतिकवाद एवं अध्यात्मवाद का समन्वय. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७४. २२ पृ. १८ से. सार्व.

चमड़े के लिए गोवध. दिल्ली, सार्वदेशिक प्रतिनिधि सभा, १९५३. ४८ पृ. १८ से. काशी.

धर्मचिन्तन, धर्म के आधारभूत मंतव्यों पर सुलझा मार्गदर्शन. १९७०. १५२ पृ. १८ से. खिदि.

कांग्रेस सरकार का सिरदर्द साम्प्रदायिकता और उसका इलाज. दिल्ली, आर्य वीर प्रकाशन मंडल, १९५८. १२८ पृ. १८ से. सार्व.

प्रार्थना प्रबोध (प्रार्थना के आठ मंत्रों की व्याख्या). खतौली, मुजफ्फरनगर (उ. प्र.), सुखदा स्मृति ग्रंथमाला कार्यालय, १९५७. ६७ पृ. १८ से. खिदि.

भारत में भयंकर ईसाई षड़यंत्र. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, ति. न. ११२ पृ. १८ से. सार्व.

विदेशी देन अस्पृश्यता. नई दिल्ली, अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ, १९७१. २६ पृ. १८ से. सार्व.

स्वामी दयानन्द, द्वि. संस्क. दिल्ली, लेखक, १९७०. १४४ पृ. १७ से. सार्व.

कर्णसिंह वर्मा

राजस्थान के क्षत्रियों के चालचलन पर एक सरसरी निगाह और एक क्षत्री ऐङ्गलोसंस्कृत पाठशाला के लिये संक्षेप अपील. अजमेर, वैदिक यन्त्रालय, १८९३. ५२ पृ. २१ से. काशी.

कन्यागुरुकुल (हरद्वार) कनखल का संक्षिप्त परिचय तथा आयुर्वेद विभाग की गियमावली. हरिद्वार, लेखक, ति. न. ७१ पृ. १४ से. खिदि.

कन्हैयालाल मास्टर

शुभ चिंतावली. कानपुर, ग्रंथकार, १९०८. ३१ पृ. १७ से.

गृहस्थ प्रशंसा, बाल-विवाह-खंडन, महात्मा-लक्षण विषय पर व्याख्यान. आ. पु.

करोलीलाल सेठ 'स्कंद'

यज्ञोपवीत (ब्रह्मसूत्र). जालंधर, थापर बुक डिपो, १९३८. ७६ पृ. १८ से. सार्व.

कलवर्ट, एच० (सिटी मजिस्ट्रेट)

सत्यधर्म प्रचारक पर पहिला मानहानि का अभियोग जिसमे पं० गोपीनाथ के पब्लिक जीवन का गुप्तभेद स्वयं ही खुल गया, उर्दू से नागरी अनु० मुन्शीराम जिज्ञासु. अजमेर, वैदिक यन्त्रालय, १९०१. २,३६, ५५१ पृ. १९ से. आ. पु.

कान्हसिंह, सरदार

आर्य भजन संग्रह, ले० सरदार कान्हसिंह और अमीरचन्द महता, हिन्दी अनु. देवदत्त शर्मा. फर्रुखाबाद, चिंतामणि बुकसेलर, १८८९. २,३४ पृ. १४.५ से. लिथो. हस्तनिर्मित

मूल उर्दू 'भजन प्रकाश' और 'संगीत सुधाकर' आदि का अनुवाद. आ. पु.

भजन प्रकाश. लाहौर, प्रधान भजन मण्डली लाहौर, ति. न. ८० पृ. ११ से. आ. पु.

कालिदास माणिक

भारत की प्राचीन झलक अथवा आर्यों का आत्मोत्सर्ग, दूसरा भाग, सम्पा. प्रो० कालिदास माणिक और हरिदास माणिक. काशी, माणिक कार्यालय, १९१२. ४,१२२ पृ. १८ से. काशी.

कालीचरण शर्मा

आर्यो का प्राचीन गौरव. आगरा, आर्य मुसाफिर बुक डिपो, १९३१. ५५ पृ. १८ से. खिदि.

धर्म प्रचार. अजमेर, आर्य समाज, ब्रह्मानन्द सरस्वती, १८९६. आ. पु.

कालूराम शास्त्री

वैदिक सत्यार्थ प्रकाश उपनाम आर्य समाज की अन्त्येष्टि. [कानपुर], कामता प्रसाद दीक्षित, १९३६. ४१८ पृ. २४ से. सार्व.

काशीनाथ खत्री

मनुष्य के लिए सच्चा सुख किसमें है और वह क्यों कर प्राप्त हो सका. सिरसा, इलाहाबाद, ग्रंथकार, १८८५. १४ पृ. २४.५ से.

एक व्याख्यान···१६ नवम्बर १८८४ को आर्य समाज प्रयाग के सामने दिया गया. आ. पु., हि. सा. स.

काशीनाथ शास्त्री

सत्य की खोज. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न. २० पृ. १७ से. सार्व.

कृपाराम शर्मा

आत्मिक बल. मुरादाबाद, वैदिक धर्म पुस्तकालय, आर्य भास्कर प्रेस, १८९७. १३ पृ. १४ से. आ. पु.

ईश्वर विचार, प्रथम भाग अर्थात् ईश्वर के होने का सबूत. कानपुर, कैलाश यन्त्रालय, ति. न. १४ पृ. १४ से. आ. पु.

ईश्वर विचार, द्वितीय भाग. मुरादाबाद वैदिक धर्म पुस्तकालय, १८९७. १४ पृ. १६ से. (ट्रैक्ट नम्बर ६).

ईश्वर के साकार-निराकार का विचार. आ. पु.

कनफुंकवे गुरु बैल की पूंछ, द्वि. संस्क. मुरादाबाद, आर्य पुस्तकालय, १८९७. ७ पृ. २१ से. (पुस्तक नम्बर ३३). आ. पु.

कनफुंकवे गुरु बैल की पूंछ, संपा. दर्शनानंद, तृ० संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२४. १६ पृ. १५.५ से. काशी.

मसीही मजहब के नियमों पर अक्ली नजर, द्वि० संस्क. इटावा, माताप्रसाद त्रिवेदी, आर्य बुक्सेलर, १९०५ १५ पृ. १५ से.

ईसाई मत परीक्षा. आ. पु.

मुवाहसा एक डाक्टर पादरी साहब भौंदू जाट का जिसको पण्डित कृपाराम शर्मा एडीटर 'आर्य मैगजीन', 'वैदिक धर्म' व 'वैदिक मैगजीन' ने छपवाकर प्रकाशित किया. सिकन्दराबाद, वैदिक धर्म प्रेस, १८९९. २,७६ पृ. १७ से. लीथो खिदि.

वेद किस पर नाजिल हुए. देहली, आर्य पुस्तकालय, १८९७. १४ पृ. १५.५ से. (ट्रैक्ट नम्बर १६). आ. पु.

श्राद्ध व्यवस्था, पितरों का जीते श्राद्ध हो या मरने पर उसका विचार, द्वि० संस्क. मेरठ, स्वामी यन्त्रालय, १८९७. १९ पृ. १५ से. खिदि.

कृपाराम इच्छाराम (खड़साड़ निवासी)

आर्यों जागृत हो—एक उत्तम व्याख्यान, एक आर्यपथिक अनुवादित. मेरठ, ब्रह्मानन्द सरस्वती, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, स्वामी यन्त्रालय, १८९८. ३८ पृ. १५ से. आ. पु.

कृष्ण, आचार्य

मृत्युंजय–सर्वस्व, (फल सर्वस्व). दिल्ली, आर्य समाज, १९७१. ५६ पृ. १८ से. खिदि.

कृष्ण, आर्योपदेशक

श्री स्वामी दयानंद सरस्वती जी का जीवन चरित्र. देहली, लेखक, लाहौर (मुद्रित), १९२४-२५. २ भाग, १७ से. ४, ७, १८६, ११, २६४ पृ. त्रि. म्यू.

कृष्णचन्द्र विरमानी

दयानन्द सिद्धान्त भास्कर. रावलपिंडी, संपादक, देहली, भदावर प्रेस, १९३३. १६, १८६ पृ. २३ से. आ. पु., सार्व.

दयानन्द-सिद्धान्त-भास्कर, सम्पादक कृष्णचंद्र विरमानी. रावलपिण्डी (पंजाब), संपादक, ति. न. १६, १८६, ८ पृ. २३ से. काशी.

वैदिक दान. डेरा इस्माइल खां, ग्रंथकार, १९२७. २, २, ५६ पृ. १७ से. आ. पु.

कृष्णदत्त ब्रह्मचारी

वैदिक प्रवचन (द्वितीय पुष्प), तृ० संस्क. नई दिल्ली, वैदिक अनुसन्धान केन्द्र, १९६९. १५५ पृ. छवि, १८ से. खिदि.

वैदिक प्रवचन (तृतीय पुष्प), तृ० संस्क. नई दिल्ली, वैदिक अनुसन्धान समिति, १९७१. १६३ पृ. छवि, १८ से. खिदि.

वैदिक प्रवचन (चतुर्थ पुष्प), तृ० संस्क. नई दिल्लीं, वैदिक अनुसन्धान समिति, १९६७. १४६ पृ. छवि, १८ से. खिदि.

वैदिक प्रवचन, तृ० संस्क. नई दिल्ली, वैदिक अनुसन्धान समिति, १९७२. १५६ पृ. १८ से. खिदि.

कृष्णप्रकाश सिंह, आखौरी

शांति और सुख, तृ० संस्क. औरंगाबाद (गया), लेखक, १९१८. ११२ पृ. १८ से. खिदि.

कृष्णानंद

कौन धर्म श्रेष्ठ है ? प्रयाग, ग्रंथकार, १९२७. २३ पृ. १८ से.

इस पुस्तक में वैदिक, बौद्ध, ईसाई, इस्लाम इन चार मजहबों का मुकाबला करके वैदिक धर्म को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध किया गया है. आ. पु.

चार धर्मों की तुलना अर्थात वैदिक, बौद्ध, इसाई और इस्लाम इन चार धर्मों के मुख्य-मुख्य सिद्धान्तों की तुलना करते हुए वैदिक धर्म को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध किया गया है, द्वि० संस्क. कलकत्ता, गोविंदराम, १९३९. ३४ पृ. १७ से. खिदि.

कृष्णानंद

छूतछात व जाति-पांति, पहला प्रकरण. शाहजहाँपुर, चिम्मनलाल बैश्य, १६२६. ३२ पृ. १८ से.
कल.

कृष्णानंद द्विवेदी

विद्याविनोद नाटक. कलकत्ता, भारतमित्र यंत्रालम, १८६४. ५४ पृ. २४ से.
७ अंकों में हिन्दी नाटक. खिदि.

कुंजविहारी लाल

सत्य भास्कर, द्वि० संस्क. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८६८. ४० पृ. १८ से. आ. पु.

कुंदनलाल आर्य

पूर्ण पुरुष का विचित्र जीवन चरित (एक जीवन में १०१ जीवन). जालंधर, लेखक, ति. न.
६११ पृ. १८ से. पा. क.

कुरान

कुर् आन् [सूरये-पकर] मूल तथा भाषानुवाद, अनु. तथा सम्पादक प्रेमशरण जी प्रणत, द्वि० संस्क. आगरा, प्रेम पुस्तकालय, तिथि न. १६० पृ. १८ से.
—सूरये माइदा तथा सूरये अन् आम्
४, ३५३-५१० पृ. १८ से. काशी.

केदारनाथ

आर्यसमाज फैजाबाद का इतिहास. फैजाबाद, आर्य-समाज फैजाबाद स्वर्ण-जयन्ती समिति, १६४१. ११८ पृ. चित्र, १७ से. आ. पु., का. हि. वि.

केवलकृष्ण

आर्य विनय पत्रिका, प्रथम भाग. लाहौर, शालिग्राम, आर्य पुस्तकालय, ति. न. ८६ पृ. १२ से.
आ. पु.

केवलानंद शर्मा

यतीन्द्र शतकम्. आजमगढ़, रामगोपाल 'आर्य्य', १६३८. ८, १११ पृ. १८ से.
दयानन्द सरस्वती काव्य ११० संस्कृत श्लोकों में
काशी.

केशवदेव शास्त्री

अमर जीवन अर्थात शारीरिक उन्नति, स्वास्थ्य और दीर्घायु प्राप्त करने के रहस्य. नई सड़क दिल्ली, शारदा मंदिर लिमिटेड, १६२५. २, २४० पृ. १८ से.
स्वाधीन विकासवाद के प्रचारक स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की पवित्र जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रेमाञ्जलि.
आ. पु., कल., काशी.
प्रार्थना विधि. काशी, ग्रंथकार, जार्ज प्रिंटिंग वर्क्स, ति. न. २, ४६ पृ. ११.५ से. आ. पु.

केशवदेव शास्त्री

श्री मद्दयानन्द जन्म शताब्दी वृत्तांत देहली, सार्व-देशिक भवन, १६२५. १२, २८४,७ पृ. चित्र २२ से.
(सार्वदेशिक-साहित्य ग्रंथमाला नं. १)
आ. पु., पा. क.

केशव शर्मा (चमोली)

संध्या विज्ञान अर्थात सायंस आव संध्या. चमोली (गढ़वाल), लेखक, १६३६. २२८ पृ. १८ से.
सार्व.

केशवानंदजी

प्रभु कीर्तन संतोपदेश. दिल्ली, आदर्श प्रकाशन मंडल, १६५०. ३८ पृ. १३ से. सार्व.

खुन्नीलाल शास्त्री

माँस भक्षण निषेध. लाहौर, विरजानन्द यंत्रालय, १८६२. ४५ पृ. १८ से.
पंडित खुन्नीलाल शास्त्री का व्याख्यान जो 'पंजाब मांस भक्षण वर्जिनी सभा' लाहौर में पढ़ा था. आ. पु.

गंगाधर शास्त्री

प्राचीन श्री सत्यनारायण कथा, द्वि० संस्क. पटना, आर्य प्रतिनिधि सभा, १६६६. ४८ पृ. १७ से.
खिदि.

गंगाप्रसाद

जाति-भेद उसकी उत्पत्ति और वृद्धि उससे हानियाँ और उनके उपाय, अनु० रघुनन्दन शरण. मेरठ, श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा (यू. पी.), १६१६.
१०७ पृ. १६ से. कल.
धर्म का आदि श्रोत, अनु० हरिशंकर शर्मा. आगरा, आर्य प्रतिनिधि सभा, १६१७. १०, १६० पृ. १८.५ से.
—तृ० संस्क. १६४४ काशी.
धर्म का आदि स्त्रोत (संसार के मुख्य-मुख्य मतों का तुलनात्मक विचार और उनके वेदमूलक होने का प्रतिपादन), अनु० हरिशंकर शर्मा, च० संस्क. देहली, राजपाल एण्ड संस, संचालक आर्य पुस्तकालय, १६५०.
१६० पृ. १८ से.
प्र० संस्क. १६१७. काशी., खिदि.
धर्म तर्क की कसौटी पर, द्वि० संस्क. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, तिथि, न. १२६ पृ. १८ से.
काशी.
पंचकोश और सूक्ष्म जगत, द्वि० संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १६६४. ६४ पृ. १८ से.
खिदि., सार्व.
मेरी आत्मकथा, श्री पंडित गंगाप्रसाद (भूतपूर्व प्रधान सार्व-देशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, देहली). अजमेर, आर्य

गंगा प्रसाद उपाध्याय

विवाह और विवाहित जीवन, अनु० रघुनाथप्रसाद पाठक, नयी दिल्ली, गोविंदराम हासानन्द १९५७.
२१६ पृ. १८ से.
अंग्रेजी 'मैरेज एण्ड मैरेड लाइफ' का हिंदी अनुवाद
खिदि.

वैदिक ईश्वरवाद, लेखक गंगाप्रसाद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर एवं घासीराम, संपा. इन्द्र. कांगड़ी, गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९१६. ४४ पृ. १८ से.
सार्व.

वैदिक मणिमाला, प्रथम भाग. प्रयाग, कला प्रेस, १९३६. ९० पृ. १७.५ से.
खिदि, पा. क.

वैदिक सिद्धांत विमर्श. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९७२. ४, ७३ पृ. १८ से.
काशी.

शंकर रामानुज और दयानन्द. इलाहाबाद, कला प्रेस. १९५०. २, ४४ पृ. १८ से.
काशी.

सनातन धर्म, द्वि. संशो. संस्क. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९७०. ४, ८८ पृ. १८ से.
काशी.

श्री स्वामी दयानन्द पर विचार. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९७. आ. पु.

गंगा प्रसाद उपाध्याय

आदि हिन्दू कौन है ? प्रयाग, आर्य समाज, १९३३. ८ पृ. १७ से. खिदि.

आर्य ट्रैक्ट माला. प्रयाग, आर्यसमाज; १९१८. ५० ट्रैक्ट्स, अलग-अलग पृष्ठ संख्या, १५ से.

१. ईश्वर और उसकी पूजा, २. हमारे बच्चों की शिक्षा, ३. प्राचीन आर्यावर्त, ४. हमारे धर्मशास्त्र, ५. हमारा धर्म, ६. घर की देवी, ७. राजा और प्रजा, ८. हमारी देश सेवा, ९. हमारे विछुड़े भाई, १०. सच्ची बात, ११. हमारा संगठन, १२. मुसलमानी मत और आलोचना, १३. राम भक्ति का रहस्य, १४. हमारे स्वामी, १५. इसाई मत की आलोचना, १६. कुम्भ माहात्म्य, १७. देवी देवता, १८. धार्मिक भूल-भुलैया, १९. जिंदा लाश, २०. हमारा भोजन, २१. दलितोद्धार, २२. वैदिक संध्या, २३. हवन विधि, २४. प्रार्थना भजन, २५. वैदिक प्रार्थना, २६. वेदोपदेश, २७. मूर्ति-पूजा, २८. अवतार, २९. आर्य-समाज क्या है ? ३०. जीव रक्षा, ३१. नशा, ३२. अछूतों का प्रश्न, ३३. ब्रह्मचर्य, ३४. हमारा बनाने वाला, ४

गंगा प्रसाद उपाध्याय

३५. संस्कार, ३६. आनन्द का श्रोत, ३७. हिन्दुओं के साथ विश्वासघात, ३८. स्वामी दयानंद की दो भारी भूलें ३९. हिन्दू जाति का भयंकर भ्रम, ४०. मुसलमान भाइयों को सोचने योग्य बातें, ४१. कलियुग, ४२. ग्रहण ४३. साधु-सन्यासी, ४४. जीव क्या है ? ४५. गुरु माहात्म्य, ४६. पुनर्जन्म, ४७. अद्‌भुत चमत्कार, ४८ पितृयज्ञ, ४९. लोग क्या कहते हैं ? ५०. स्वामी दयानंद की सूक्तियां. काशी.

ट्रैक्टमाला, तृ. संस्क. प्रयाग, आर्यसमाज, १९६८. विभिन्न पृष्ठ, १८ से.

प्रथम माला

१. भगवान की याद, धर्म क्या है ? २. वेद क्या है, हमारे बच्चों की शिक्षा, ३. प्राचीन आर्यावर्त, ५. हमारा धर्म, ६. घर की देवी, राजा और प्रजा, ८. हमारा संगठन, ९. हमारे विछुड़े भाई, मुसलमानी मत की आलोचना, १०. सच्ची बात, १३. रामभक्ति का रहस्य, १४. हमारे स्वामी, १५. कुंभ माहात्म्य, १६. कुंभ माहात्म्य, १७. देवी देवता, १९. जिन्दा लाश, २०. हमारा भोजन, २१. दलितोद्धार, २४. प्रार्थना भजन, २२. वैदिक संध्या, २५. वैदिक प्रार्थना, २६. वेदोपदेश, २७. मूर्तिपूजा २८. अवतार, २९. आर्य समाज क्या है ? ३०. जीवरक्षा ३१. नशा, ३२ अछूतों का प्रश्न, ३३. ब्रह्मचर्य, ३४. हमारा बनाने वाला, ३५. संस्कार, ३६. आनन्द का श्रोत ३७. हिन्दुओं के साथ विश्वासघात, ३८. स्वामी दयानंद, की दो भारी भूलें, ३९. हिन्दू जाति का भयंकर भ्रम, ४०. मुसलमान भाइयों के सोचने योग्य बातें, ४१. कलियुग, ४३. साधु सन्यासी, ४५. गुरु माहात्म्य, ४६. पुनर्जन्म, ४८. पितृ यज्ञ, ५०. स्वामी दयानन्द की सूक्तियां, ५२. पंचयज्ञ महिमा, ५३. वेदों में ईश्वर का स्वरूप, ५४. यज्ञोपवीत या जनेऊ, ५६. धर्म से होने वाली कल्पित हानियां, ५७. भेड़ियाधसान, ६१. इसाई मत समीक्षा, न० १. खुदा का बेटा, ६२. तुम कौन हो ? ६३. तुम्हारी भाषा क्या है ? ६४. तुम्हारा धर्म क्या है ? ६५. शुद्ध पद्धति, ६६. मुर्दा क्यों जलाना चाहिए ? ६७. गाजी मियां की पूजा और हिन्दू, ६८. दिशाशूल.

द्वितीय माला

१. मौलवी साहब और जगत सिंह ५. हिन्दू धर्म का नाश, ६. हिंदू जाति की रक्षा के उपाय, ७. दान की दुर्गति, ८. विधवायें और देश का नाश, ९. दहेज, १०. दुखदायी दुर्व्यसन, ११. मस्जिद के सामने

बाजा, १२. हिन्दू मुसलमानों के मेल का प्रश्न, १३. हिन्दुओं का हिन्दुओं के साथ अन्याय, १४. स्वामी श्रद्धानंद जी का धर्म बलिदान, १५. हिन्दुओं पर एक और आफत, १६. आदि हिन्दू सभा क्या है ? १७. आदि हिन्दू कौन हैं ? १९. आर्यसमाज के साप्ताहिक अधिवेशन का अन्तिम पाठ, २१ हिन्दू संगठन का मूल मंत्र २५. कीर्तन २७. इसाई क्यों बनते हैं ? २८. सितारों के गुलाम, ३०. कुंभ का मेला. बड़ा.

आर्य समाज : ऐन एकाउंट आव द आर्यसमाज, इट्स फाउण्डर (दयानंद सरस्वतीज़) प्रिन्सिपुल्स एण्ड एचीवमेंट्स. मथुरा, नारायण स्वामी, दयानन्द जन्मशताब्दी सभा, १९२५. ४, १६६ पृ. १४ छवि १८.५ से. (प्रथम दयानंद जन्म शताब्दि ग्रन्थमाला, नं. ९) आ. पु., ब्रि. म्यू.

आर्य्य समाज, द्वि. संस्क. देहली, सार्वदेशिक आर्य्य प्रतिनिधि सभा, १९४६. २, १६८ पृ. चित्र १८ से. आ. पु.

आर्य्य समाज की नीति (५४ प्रश्नों के उत्तर). देहली, सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधि सभा, १९७१. ३१ पृ. १४ से. सार्व.

आर्य समाज क्या है ?, सप्तम् संस्क. प्रयाग, आर्य समाज, १९४४. १६ पृ. १६ से. काशी.

आर्यस्मृतिः इलाहाबाद, कला प्रेस, १९४८. १०, १५७ पृ. १८ से. काशी.

आस्तिकवाद. इलाहाबाद, कला कार्यालय, कला प्रेस, १९२६. ४५१ पृ. १८ से. खिदि.

आस्तिकवाद, तृ० संस्क. प्रयाग, कला प्रेस, १९४४. ३४० पृ. १८ से. खिदि, बड़ा.

गंगा-ज्ञान-धारा, इलाहाबाद, कला प्रेस, १९१६. १६६ पृ. १४ से. खिदि.

जीव रक्षा. प्रयाग, आर्यसमाज, ति. न. १६ पृ. १८ से. खिदि.

दिशाशूल. प्रयाग, आर्य समाज, १९५६. १६ पृ. १८ से. (ट्रैक्ट नं. ६८) खिदि.

दूध का दूध-पानी का पानी. इलाहाबाद वैदिक प्रकाशन मंदिर, ति. न. १९ पृ० १८ से. खिदि.

धर्मराज. बनारस, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, १९४९. १२२ पृ. १८ से. सार्व.

धर्म शिक्षा पद्धति. प्रयाग, आर्यसमाज, १९३०. लड़कों की कक्षा के लिए पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी पुस्तक. सार्व.

धर्म शिक्षा पद्धति, द्वि. संस्क. प्रयाग, आर्यसमाज, १९३३. आर्यकन्या पाठशालाओं की कक्षा १ से ४ तक के लिए. सार्व.

धर्मसुधासार. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९६३. ११२ पृ. चित्र १८ से. ने. ला.

भागवत कथा (उपनिषदों के आधार पर). प्रयाग, कला प्रेस, ति. त. १५६ पृ. १८ से. सार्व.

भारतीय पतन और उत्थान की कहानी, द्वि. संस्क. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९७३. ११२ पृ. १८ से. खिदि.

मुक्ति से पुनरावृत्ति. देहली, सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधि-सभा, १९५०. ४५ पृ. १८ से. सार्व.

मूर्तिपूजा इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन १९६९. ६० पृ. १८ से. खिदि.

मैं और मेरा भगवान, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, ति. न. ८, १२४ पृ. १८५ से. काशी.

मौलवी साहब और जगत सिंह. प्रयाग, आर्यसमाज, ति. न. ८ पृ. १८ से. सार्व.

राष्ट्र निर्माता स्वामी दयानन्द. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मन्दिर, १९६३. ६४ पृ. १८ से. कल.

वेद और मानव कल्याण. प्रयाग, आर्यसमाज, १९५९. ६० पृ. १८ से. पा. क.

वेद प्रवचन. नई दिल्ली, दयानन्द ब्राह्म महाविद्यालय, हिसार, (पंजाब) अंतर्गत डी. ए. वी. कालेज प्रबंधकत्री सभा, १९६३. ४९६ पृ. १८ से. (दयानन्द ब्राह्म महाविद्यालय ग्रन्थमाला, ३) खिदि.

वेदों में ईश्वर का स्वरुप. प्रयाग, आर्यसमाज, ति.न. १६ पृ. १८ से. (ट्रैक्ट न, ५३) खिदि.

गंगा प्रदाद उपाध्याय

वैदिक उपनयन वेदारंभ पद्धति, लेखक गंगा प्रसाद उपाध्याय तथा सत्यव्रत उपाध्याय. प्रयाग, आर्यसमाज, १९३०. २९ पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक–मणि–माला चुने हुए वेद मंत्रों की सरल हृदयग्राही व्याख्या. इलाहाबाद, कला प्रेस, ति. न. ९० पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक सिद्धान्त विमर्श. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन, १९७२. ७३ पृ. १८ से. खिदि.

सनातन धर्म. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मन्दिर, १९६५. ८८ पृ. १८ से. ने. ला.

सरल संध्या विधि. अमरोहा, आर्यसमाज, १९५१. ८० पृ. १८ से.
आर्यसमाज अमरोहा की स्वर्णजयन्ती के उपलक्ष में प्रकाशित. सार्व.

सायण और दयानन्द. इलाहाबाद, विश्व प्रकाशन, कला प्रेस, १९५७. १७६ पृ. १७.५ से.
पा. क.

हम क्या खावें घास या मांस? प्रयाग, कला प्रेस, १९४५. १८ पृ. १८ से. काशी.

द्वि. संस्क. इलाहाबाद, कला प्रेस, १९५५. १४० पृ. १८ से. खिदि.

हमारा धर्म. प्रयाग, आर्यसमाज, १९५०. १६ पृ. १८ से. (ट्रैक्ट नं, ५)
खिदि.

हमारे बिछुड़े भाई. प्रयाग, आर्य समाज, १९२३. १६ पृ. १६ से. ब्रि. म्यु.

हिंदुओं जागो. प्रयाग, आर्यसमाज, ति. न. ८ पृ. १८ से. (ट्रैक्ट माला, ५)
सार्व.

हिंदू जाति का भयंकर भ्रम. प्रयाग, आर्य समाज, १९४९. १५ पृ. १८ से. (ट्रैक्ट सं., ३९)
खिदि.

हिंदूधर्म का नाश. प्रयाग, आर्यसमाज, ति. न. ८ पृ. १८ से. (ट्रैक्टमाला, ५.)
सार्व.

हिंदू जाति की रक्षा के उपाय. प्रयाग, आर्यसमाज, ति. न. ८ पृ. १८ से. (ट्रैक्टमाला, ६.)
सार्व.

गंगा प्रसाद उपाध्याय

हिंदू स्त्रियों की लूट का कारण. प्रयाग, आर्यसमाज, ति. न. ८ पृ. १८ से. (ट्रैक्ट न, ३.)
सार्व.

गंगा प्रसाद गुप्त

पुराणों में दशहजार मुसलमानों की शुद्धि. शाहजहाँपुर, आर्य पुस्तकालय, १९०९. ८ पृ. १७ से.
'आर्य गजट' से उद्धृत खिदि.

गंगा सहाय शर्मा

कर्म-प्रभाकर (आह्निक कृत्य). अजमेर, ओम्कार प्रेस, १९३३. १४४ पृ. १८ से.
आ. पु.

गणपति राय अग्रवाल

इस्लाम धर्म की समीक्षा. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९२४. ६, ५५ पृ. १७. ५ से.
काशी.

खूनी इतिहास, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्यसाहित्य मंडल, १९४१. ४, २, ११२ पृ. १८ से.
आ. पु.

खूनी इतिहास, चतुर्थ नवीन संशोधित संस्क. अजमेर, आर्यसाहित्य मंडल, १९६६. १२० पृ. १८ से.
प्रथम संस्क. १९२४. खिदि.

गणपति शर्मा

ईश्वर भक्ति विषयक व्याख्यान, द्वि. संस्क. मुरादाबाद, वैदिक पुस्तकालय, ति. न.
५९ पृ. १४.५ से. आ. पु.

गणेश दत्त शर्मा गौड़ 'इन्द्र'

आर्यसमाज की महत्ता (ट्रैक्ट). अजमेर, श्रीमती आर्य्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान और मालवा, बनारस, लक्ष्मीनारायण प्रेस, १९२७.
२० पृ. १८ से. काशी.

पुजारी जी नर्क में क्यों? लखनऊ, आर्य समाज, १९२१. १५ पृ. १७. से. आ. पु.

गणेश प्रसाद शर्मा

ईश्वर की सत्ता अर्थात परमेश्वर के होने के प्रमाण. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९९.
१६ पृ. १४ से. खिदि.

ईश्वर भक्ति और उसकी प्राप्ति. (लखनऊ) आर्य पुस्तक प्रचारिणी सभा, अवध, मेरठ, स्वामी यंत्रालय, १९००. २६ पृ. १८ से. आ. पु.

गणेश प्रसाद शर्मा

कुछ दिनचर्या. फतेहगढ़, चुन्नी लाल प्रेस, १८८७.
भा. म. पु.

जगत की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय. कानपुर, रसिक यंत्रालय, १८९७.
३८ पृ. २३ से. आ. पु., खिदि.

द्रोपदी कीचक अर्थात पातिव्रतधर्म विधायक उपन्यास जिसको पं. गणेश प्रसाद शर्मा, सम्पादक 'भारत सुदशा प्रवर्तक,' फर्रुखाबाद ने स्त्री जनों के उपकारार्थ लिखा. कानपुर, भवानदीन प्रेस, ति. न. ४८ पृ. १४ से.
काशी.

पुराणोत्पत्ति. फर्रुखाबाद, आर्यसमाज, १८९४.
८ पृ. २४.५ से. आ. पु.

पुराणोत्पत्ति. कानपुर, रसिक यंत्रालय, १८९५.
८ पृ. २५. से. बिबलियोग्रफी आ. पु.

भागवत व्यवस्था अर्थात प्रदर्श के लिये भागवत पुराण के स्थूल-स्थूल दोष, द्वि. संस्क. फर्रुखाबाद, भारत सुदशा-प्रवर्तक, १८९३. १२ पृ. २१ से.
आ. पु., खिदि.

मृतनिर्णय अर्थात मृतलीला, द्वि. संस्क. फर्रुखाबाद, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, मुरादाबाद, आर्यभास्कर प्रेस, १८९७. १८ पृ. २१ से. खिदि.

भोजन-विवेक अविद्या केनाश और देशके उपकारार्थ लिखा है. १५ पृ. २३ से.
खिदि.

मतनिर्णय अर्थात मुहम्मदी, इसाई, बौद्ध-जैनी, मूसाई, मजूसी (पार्सी) और पौराणिक आदि मतों से वैदिक मत की प्राचीनता का सुदर्शन. फर्रुखाबाद, गणेशप्रसाद शर्मा, सम्पादक भारतसुदशा प्रवर्तक, इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९८. १० पृ. २२ से.
काशी., खिदि.

मद्यदोष मदिरा (शराव) पीने से क्या-क्या हानि है उनको धर्मशास्त्र, वैद्यक, और डाक्टरी से बड़े-बड़े नामी यूरोपियन डाक्टरों अन्यान्य सुजनों के वचनों से सर्वोपकारार्थ दर्शाया है. फरुखाबाद, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, कानपुर, रसिक यंत्रालय, १८९७. ८ पृ. २४ से. 'भारतजीवन', ६ अप्रैल १८९६ से उद्धृत. काशी.

रजस्वला विवाह विवेक अर्थात ऋतुमती कन्या का विवाह शास्त्र सम्मत है या नहीं ? इस प्रश्न पर गणेश प्रसाद शर्मा सम्पादक 'भारत सुर्दशा प्रवर्तक' फर्रुखाबाद ने विचार किया है. कानपुर, भगवानदीन प्रेस, १९०३.
१५ पृ. २५ से. काशी.

वेद महिमा अर्थात आर्य समाज के तीसरे नियम की व्याख्या. फर्रुखाबाद, वैदिक पुस्तक प्रचारिणी सभा, गोधर्म प्रकाश प्रेस, १८९६. १, ४ पृ. २१ से.
आ. पु.

वेदसार का लेबेदपन, गणेश प्रसाद शर्मा ने राव रोशन सिंह वेगरा लिखित 'वेदसार' के खंडन में बनाया. इटावा, सरस्वती प्रेस, ति. न. २४ पृ. २४.५ से
काशी.

वैदिक विजय अर्थात सत्य सनानत वैदिक धर्मरूपी निर्मल ज्योति पर स्वार्थियों का धूल डालना और महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी महाराज का रक्षणोपाय कर उसे स्वच्छ दिखलाना. फर्रुखाबाद, आर्य समाज, कालाकांकर. हनुमत् प्रेस, (१९०२) आ. पु,

होमयज्ञ, इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९८.
४१, पृ. २३ से. काशी., खिदि.

होमयज्ञ. द्वि. संस्क. फर्रुखाबाद, आर्य गुर्जर पुस्तकालय, ति. न. १०, ६, ११२ पृ. २४ से.
आ. पु.

गणेशीलाल त्रिपाठी

सत्यसंगीत, तृ. संस्क. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९४. १३ पृ. १२ से. आ. पु., खिदि.

सत्यसंगीत, चतु. संस्क. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९६. १६ पृ. १४ से. आ. पु.

गदादर प्रसाद, पंडित

संस्कार-संगीत. लखनऊ, आर्य आदर्श ग्रन्थमाला, १९३६. ४, १०, १४४ पृ. १८ से. (आर्य आदर्श ग्रन्थयाला नं, ८) काशी.

गिरधारीलाल चौबे (ब्लाकटानंद)

ईसाईमत दर्पण. कानपुर, लेखक, १८९४.
आ. पु.

ईसाईमत मर्दन. कानपुर, ग्रंथकार, प्रयाग, धार्मिक यंत्रालय, १८९४. १२ पृ. १९ से.
आ. पु.

ईंट पत्थर की लड़ाई. इलाहाबाद, १८९६.
१२ पृ. इ. आ.

गिरधारीलाल चौबे (ब्लाकटानंद)

कलियुग वृत्तांत माला, तृ. संस्क. कानपुर, ग्रंथकार इलाहाबाद, धार्मिक यंत्रालय, १८९५.
१२ पृ. १९ से. आ. पु.

गोकुल चरित्र. मथुरा, काशी समान यंत्रालय, ति.न. पृ. लिथो, हस्तनिर्मित पत्र. आ. पु.

वल्लभकुल-चरित्र-दर्पण. दिल्ली, १८८९. ९० पृ.

वल्लभाचारी महाराजाओं के अधर कार्य.
इ. आ.

वल्लभकुल-चरित्र-दर्पण. प्रयाग, धार्मिक यंत्रालय, १८९५. ४, ७३ पृ. १९ से. आ. पु., इ. आ.

देशोद्धार कांग्रेस. कानपुर, लेखक, प्रयाग, धार्मिक यंत्रालय, १८९१. २० पृ. १९ से.
आ. पु.

मांस मद्य का दर्पण, द्वि. संस्क. प्रयाग, धार्मिक यंत्रालय, १८९५. १२ पृ. १९ से.
आ. पु.

गिरिवर सिंह वर्मा

पोपप्रदीप. आगरा. १८८९.
४६ पृ. १९ से. लिथो

एक आर्य समाजी द्वारा हिन्दू धर्म के चारों वर्णों में कट्टर-पंथी कर्मकाण्ड वर्णन. बि. म्यू.

पोपप्रदीप. बनारस, तिमिरनाशक प्रेस, १८८९.
२, ३३ पृ. १६ से. आ. पु.

गुप्त, एच. राय.

विश्वधर्म परिचय—संसार के समस्त प्रचलित मुख्य-मुख्य धर्मों और मत मतांतरों की ऐतिहासिक, सैद्धांतिक और तुलनातमक व्याख्या मुख्य रूप से वैदिकधर्म···आदि. सहारनपुर, लेखक, १९५४.
६३० पृ. २४ से. खिदि.

गुप्तनाथ सिंह

जैमिनी दर्शन (प्रवासी भारतीय समस्या के धार्मिक और सांस्कृतिक प्रचार प्रकरण की मीमांसा). भमुआ (बिहार), लेखक, वाराणसी, महाशक्ति यंत्र, १९३६.
१०, १२१ पृ. १८ से. (भ्रांति भंजन ग्रंथमाला, प्रथम मणि) आ. पु.

गुरुकुल महाविद्यालय, वृंदावन

पाठविधि—गुरुकुल विश्वविद्यालय, वृंदावन (वेदांग विद्यालय), संपा. आचार्य विश्वश्रवा वृंदावन लेखक, १९३९.
२१, १८, ६३ पृ. १९ से.
प्रथम श्रेणी से दशम श्रेणीतक काशी.

गुरुकुल विश्वविद्यालय, हरिद्वार

गुरुकुल वेद महाविद्यालय—पाठ विधि. हरिद्वार, लेखक, १९५३. ५४ पृ. १८ से.
संवत् २००७, २००८. खिदि.

गुरुदत्त विद्यार्थी

गुरुदत्त लेखावली, अनु. संतराम एवं भगवदत्त।
लाहौर, आर्य पुस्तकालय व सरस्वती आश्रम, १९१८.
१२, १, ३, ३१६ पृ. २५ से. (सरस्वती आश्रम ग्रन्थ-माला, ३१.) आ. पु.

गुरुदत्त लेखावली, अनु. संतराम तथा भगवदत्त.
देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६०.
४, १६२ पृ. २१ से. (गोविंदराम हासानंद स्मृति ग्रन्थमाला, २)
लेखक के कतिपय लेखों का हिंदी अनुवाद.
आ. पु.

महर्षि दयानंद. नई दिल्ली, भारती साहित्य सदन, १९६८. ८७ पृ. १० से.
ने. ला.

गुरु प्रसाद

ओंकार स्तोत्र सहारनपुर, आर्य वानप्रस्थ आश्रम, ति. न. १६ पृ. ८ से.
५५ दोहों में रचना.
प्रचार हेतु श्रीमती शांति देवी लूथरा ने विना मूल्य प्रसारित किया
खिदि.

गुलाब देवी 'चाचीजी' अभिनंदन ग्रंथ, जो ८० वीं वर्षगाँठ पर समर्पित किया गया, संपादक चाँदकरण शारदा. अजमेर, गुलाबदेवी अभिनंदन ग्रंथ समिति, केसर गंज, १९५४.
२२२ पृ. छवि २७ से.
कल.

गोपाल (पुत्र रामसहाय)

वेदार्थ प्रकाश, अनु. मुंशी शंभुनाथ और अन्य. मेरठ, १८७८. ४११ पृ. २८ से.
दयानंद सरस्वती की व्याख्या के साथ हिंदी एवं उर्दू मे प्रकाशित
ब्रि. म्यू.

गोपालरामहरि शर्मा

प्रस्ताव रत्नाकर. फर्रुखाबाद, चिंतामणि यंत्रालय, १८९०. ७२ पृ. २३ से.
यावत् सशंकित पुरुषों के भ्रम निवारणार्थ बनाया.
खिदि.

गोपाल सिंह वर्मा

आर्य समाज का ज्ञान दर्पण अर्थात् कल्याण का मार्ग दर्शक, सागर, आर्य समाज, सागर, १९५३.
३१८, १२ पृ. १८ से.
खिदि.

गोवर्धन आचार्य

आर्य सप्तशती. बम्बई, निर्णय सागर प्रेस, १८८६.
ल. वि. वि.

गोविंद प्रसाद शर्मा

सनातन शुद्धि शास्त्र और आर्यों का चक्रवर्ती राज्य. दिल्ली, रघुनाथ चंद्र आर्य, १९५७.
२१४ पृ. १८ से.
प्रथम बार १९२९. खिदि.

गोविंद राम

दयानंद मत मर्दन. लाहौर, १८७६
१०३,४ पृ.
दयानंद मत मर्दन. मुरादाबाद, १८८४. इ, आ.
—भाग
भाग १. ८३ पृ.
इ. आ.

घनश्याम शर्मा, गोस्वामी

अथ मांस निषेध. मुल्तान, लेखक, १८९२.
३० पृ. २१ से. खिदि.

घनश्याम सिंह

भारत विद्यादर्श. कांगड़ी, साहित्य परिषद, गुरुकुल कांगड़ी, १९१३ ८९पृ. १७ से.
गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी में छठें सम्मेलन में पठित.
आ. पु.

घनश्याम सिंह गुप्त

पंजाब की भाषा समस्या और आर्य समाज. दिल्ली, सार्वदेशिक भाषा स्वातंत्र्य समिति, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, ति. न. २,४०,८ पृ. २१ से.
काशी आर्य.

राष्ट्रीय एकीकरण और आर्य समाज. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६२, १६ पृ. १८ से.

घनश्याम सिंह गुप्त

शीर्षक अंग्रेजी में भी : नेशनल इंटेग्रेशन ऐंड आर्यसमाज
हिंदी एवं अंग्रेजी
काशी.

घासीराम

भक्ति सोपान. मेरठ, आर्य पुस्तकालय, ति. न.
१५६ पृ. १८ से.
काशी

महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन चरित्र. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३३,
२ भाग, २४ से.
भाग २ मात्र
ने. ला.

महर्षिदयानंद सरस्वती का जीवन चरित, तृतीय संस्क. अजमेर, आर्यसाहित्य मंडल, १९५०.
२ भाग.
१४,४३० पृ. छवि २२ से.
खिदि.

महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन चरित. बाबू देवेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय द्वारा संकलित सामग्री के आधार पर रचित जिसमें लेख राम कृत उर्दू ऋषि जीवन चरित तथा श्री स्वामी सत्यानंद जी कृत् दयानंद प्रकाश से भी सहायता ली गई हैं, च. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९६१.
२ भाग, २६ से.
प्रथम से षोड्स अध्याय भाग १. ८,४०५ पृ.
सप्तदश से अष्ठाविंश अध्याय. भाग २, १४,४३०,२ पृ.
काशी.

चंदगोपाल (ओवरसिया)

आर्यावर्त की भूत, वर्तमान और भविष्यत व्यवस्थाओं का वर्णन जिसको प्राचीन ग्रन्थों से संचित किया. अमृतसर, आर्य समाज, ति. न. ३९ पृ. २२ से. लिथो.
काशी.

चंदौसी शास्त्रार्थ जो कि आर्य कुमार सभा चन्दौसी की ओर से पं० देवेन्द्रनाथ शास्त्री ओर पं० अखिलानंद जी के बीच. ३१-७-१९३३ को हरिजन समस्या पर हुआ. चंदौसी, आर्य कुमार सभा, १९३३.
१६ पृ. १७ से.

सार्व

चंद्रमणि अलंकार

यर्हषि पतंजलि और तत्कालीन भारत. देहली, सद्धर्म प्रचारक यंत्रालय १६१४.
८० पृ. १४ से.

काशी.

स्वामी दयानन्द भाष्य की यजुर्वेदीय विषयानुक्रमणिका कांगड़ी. १६१७. ३८ पृ. २५ से.
यजुर्वेदीय वाजसनेयी संहिता की विषयानुक्रमणिका.

ब्रि. म्पू.

चंद्रिका प्रसाद

धर्म का कर्म करो सत्कर्म. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १६६७. ३४ पृ. १४ से.

खिदि.

मनुष्य सुधार महर्षि दयानंद के पुरुषार्थ का फल. मेरठ, लेखक, विश्वेश्वर प्रेस, १६१३.
१४ पृ. २४.५ से.

खिदि.

सत्य जीवन आदर्श. इलाहाबाद, कला प्रेस, १६६५.
६२ पृ. १४ से.

खिदि.

चंपाराम, लाला

धर्माधर्म विचार प्रथम भाग. बेलनगंज, मथुरा भूषण प्रेस, १८१६.
—भाग २१ से.
भाग १. ६, ८८ पृ.

आ. पु., इ. आ.

चंपावती जैन

क्या आर्य समाजी वेदानुयायी हैं ? काशगंज (एटा), विश्वंभरदास जैन, १६३०. ४० पृ. १८ से.
(चंपावती जैन पुस्तक माला नं, ३)

पा. क.

चतुरसेन, आचार्य

स्त्रीबोधिनी. अलीगढ़, पी. सी. द्वादशश्रेणी एण्ड कं. १६५४. ५०५ पृ. १४ से.

खिदि.

हमारी पुत्रियाँ कैसी हों ? इंदौर, नवयुग साहित्य सदन, १६५३. १४२ पृ. १४ से.

खिदि.

चतुरसेन गुप्त

नेहरू जी की आर्य विचारधारा उहीं के शब्दों में. दिल्ली, लेखक सार्वदेशिक प्रेस, १६५६.
४७ पृ. १४ से.

खिदि.

चतुरसेन गुप्त

राष्ट्रपति जी की सेवा में आर्य जाति की राष्ट्रीय समस्याओं पर कतिपय पत्र और उनका सारांश. दिल्ली, लेखक सार्वदेशिक प्रेस (मुद्रित), १६६२
१४ पृ. १७·५ से.

आ. पु.

चमूपति

देवयज्ञ पर आध्यात्मिक दृष्टि. लाहौर, राजपाल, १६२६ ६४ पृ. १४ से.

सार्व.

हमारे स्वामी (स्वामी दयानंद जी की वालपयोगिनी जीवनी), १४ वाँ संस्करण. दिल्ली, राजपाल, १६५४.
६४ पृ. १४ से.

खिदि.

चाँदकरण शारदा (चंद्रानंद वानप्रस्थी)

दलितोद्धार पर............भाषण. अजमेर, लेखक, १६२४. ६० पृ. १४ से.

सार्व.

संध्या आर्यों की दैनिक उपासना. अजमेर, शारदा भवन, १६५५. १२५ पृ. १४ से.

सार्व.

चाणक्य

चाणक्य सूत्र, अनु. रामदत्त शुक्ल एवं वासुदेव शरण अग्रवाल. लखनऊ, आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रांत, १६४१. १२, ८४ पृ. १४ से.

काशी.

चार उपनियमों का संग्रह, ए ड्राफ्ट ऑव रूल्स ड्रॉन अप फार अप्रूबल बाई द रीप्रजेंटेटिव्स ऑव द आर्य समाज सोसाइटीज ऐट अमृतसर, अजमेर, बम्बई एन्ड नार्थ वेस्टर्न प्राविंसेज एंड अवध. मेरठ, स्वामी यंत्रालय, १८८७. ६८ पृ. २४ से. लिथो.

ब्रि. म्यू.

चिन्मयानंद (उत्तरकाशी)

ध्यान और जीवन. नई दिल्ली, श्रीमती शीला पुरी, १६५५. १६७ पृ. १८·५ से.

खिदि.

चिम्मन लाल वैश्य

नारायणी शिक्षा अर्थात् गृहस्थाश्रम (स्त्री शिक्षा का प्रसिद्ध गन्थ), २१ वाँ संस्क. अलीगढ़, चिम्मनलाल एन्ड सन्स, १६५८. ६, ५२८ पृ. छवि १८ से.

खिदि.

नीति शिरोमणि जिसमें परम महात्मा विदुर जी का वह सत्योपदेश है जो उन्होंने विपत्ति ग्रस्त महाराजा धृतराष्ट्र

चिम्मन लाल वैश्य

को किया है जिससे धर्म की यथार्थ व्यवस्था प्रकट होता है. शाहजहाँपुर, आर्यदर्पण यंत्रालय, १८९४.
८८ पृ. २१ से.

खिदि.

पुराण-तत्व-प्रकाश. आगरा, आर्यभास्कर यंत्रालय, १९०६.
२ भाग. २४ से.
२ भाग ८, २९८ पृ.
भाग २ १९२ पृ.
जिसमें श्रीमद्भागवत, देवी भागवत, पद्म, विष्णु, शिव, लिंग, अग्नि, कूर्म, वाराह, विष्णु, भावष्य, ब्रह्मवैवर्त, वामनादि, पुराणों से सभ्यता पूर्वक यह दर्शाया है कि अठारह पुराण महर्षि व्याय प्रणीत नहीं हैं।

आ. पु.

शिष्टाचार अर्थात् श्रेष्ठ वृद्धि जनों के शिष्टाचार पर चलना परमार्थ है और अश्रेष्ठ, अन्यायी, अधर्मी जनों के अनाचार पर चलना महापाप है. फर्रुखाबाद, निर्णय सिंधु प्रेस, १८९३.
१२ पृ. १९ से.

खिदि.

चौधरी, जे. पी.

अवतारवाद मीमांसा. बनारस, चौधरी एण्ड संस १९३२. २४२, ४ पृ. १८ से.

आ. पु.

ऋषियों का खान-पान. मेरठ, रघुवीरशरण दुबंलिस, भास्कर प्रेस, १९१८. ६४, २ पृ. २१ से.
अर्थात् खीष्ट मतावलम्बी अध्यापक विनोद विहारी राय की बनाई हुई "ऋषियों का खान-पान" नामक पुस्तक की समीक्षा.

आ. पु.

(ऋषि) दयानन्द का सत्य स्वरूप. काशी, सद्धर्म प्रचारक आर्य समाज, १९३०,
७६ पृ. १४ से.

सार्व.

पुर्णियाँ शास्त्रार्थ जिसमें कोयरी, काछी, मुराव, कछवाहा आदि जातियों के वर्ण पर विचार किया गया है और 'वर्ण विवेक चन्द्रिका' नामक नकली पुस्तक का प्रमाणों द्वारा खंडन कर दूसरों को सदा वर्ण संकर कहने वाले आधुनिक ब्राह्मण देवताओं की वर्ण संकरता का प्रकाश किया गया है. बनारस, कंचन सिंह वैद्यशास्त्री, काशी गुरुकुल, ति. न.
१४६ पृ. १८ से.

सार्व.

चौधरी, जे. पीं.

मूर्तिपूजा वेद-विरुद्ध. वाराणसी वैदिक पुस्तकालय, १९६४. ५६ पृ. १८ से.
पं० ज्वालाप्रसाद ने गलत अर्थ करके जनता को गुमराह किया था उसकी आलोचना पूर्णरूप से कर दी गई है

खिदि.

वर्ण व्यवस्था समुच्चय. बनारस चौधरी एण्ड संस०, १९३३. ७,२९५ पृ. चित्र. १९ से.

आ. पु.

वेद और पशुयज्ञ. काशी चौधरी एण्ड संस, ति. न.
६४ पृ. २१ से.
एक " महाशय द्वारा लिखित 'ईसाई ऋषियों के खान-पान' नामक पुस्तक की समालोचना

काशी.

वैदिक धर्म शिक्षा. वाराणसी, जन प्रकाशन, १९१७.
९२ पृ. १८ से.

सार्व

शुद्धि सनातन है. बनारस, चौधरी एण्ड संस, १९३०.
१४१, ३ पृ १८ से.

छज्जू राम

दयानंदाष्टकम्, हिंदी अनुवाद के साथ. अमृतसर, १८८८. ८ पृ. २१ से. लिथो
स्वामी दयानंद सरस्वती के शिक्षाओं पर व्यंग्यात्मक पद्य. संस्कृत कलेक्शन ऑव नाइन संस्कृत ब्रिस्टवूस डिरेक्टेड ऐज ए सटायर अगेंस्ट व टीचिंग्स ऑव दयानंद सरस्वती इन हिंदी

ब्रि. म्यू.

छुट्टनलाल, स्वामी

आर्य समाज ने क्या किया ? मेरठ, श्रीमती आर्य विद्वत्सभा भारतवर्ष कुम्भप्रचारार्थ, १९१५.
१५ पृ. १८ से.

खिदि.

एक कन्या के २९ विवाह. होशंगाबाद (म. प्र.), आर्यसमाज, मेरठ, स्वामी प्रेस, १९१५.
१३ पृ. १६ से.

खिदि.

नारद यात्रा. गढ़मुक्तेश्वर, जगन्नाथ शर्मा, ति. न.
१४ पृ. १४ से.

खिदि.

सत्य निर्णय. दिल्ली, सार्वजनिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३३. ४,१४,३७६,१५ पृ. चित्र १८.५ से.
सत्य-निर्णय अर्थात् महात्मा गांधी जी के आर्य समाज और उसके प्रवर्तक पर किये आक्षेपों तथा महात्मा जी के माने हुए हिन्दू-धर्म की असलियत.
हिंदी संस्करण.

आ. पु., काशी

छुट्टनलाल, स्वामी

नियोग निर्णय, जो पौराणिक भाइयों के भ्रम निवारणार्थ . . . १५ नियोग सनातन धर्म से दर्शाये हैं, तृ० संस्क. मेरठ, तुलसीराम स्वामी, १९३५. ४६ पृ. २०. सार्व.

पुराण परिचय, पं० कालूराम कृत 'पुराण कलंक का भासमार्जन' का उत्तर, लेखक पं. छुट्टनलाल स्वामी. मेरठ, लेखक, १९१७. ३२ पृ. २३ से. खिदि.

श्रीमद्भागवत समीक्षा, सनातनधर्मियों के भ्रम निवारणार्थ वेद प्रकाशक के संपादक छुट्टनलाल ने बनाया. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९०५. २, ९० पृ. २३ से. (पुराण समीक्षामाला, सं. १) आ. पु., खिदि.

श्रीमद्भागवत समीक्षा, द्वि. संस्क. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९१७. ४२ पृ. २४ से. खिदि.

भागवत परीक्षा, चतुर्थ संस्क. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, ति. न. १६ पृ. १६ से. खिदि.

भजनेंदु, प्रथम भाग. लखीमपुर, हिंदी प्रभा प्रेस, १८९२. ४४ पृ. १४ से. खिदि.

विवाह-वयो-दर्पण. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९००. ३२ पृ. १५.५ से. आ. पु., खिदि.

छोटेलाल शर्मा

जाति निर्णय. जयपुर, हिंदू धर्म व्यवस्था निर्णय, कासगंज, यू. पी, आर्ट प्रिंटिंग प्रेस, [१९१४]. १६, ३०४ पृ. छवि. २१ से. खिदि.

जगतकुमार शास्त्री

ऋषिकृत वेदभाष्य का महत्व. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न. १६ पृ. १६ से. खिदि.

देवयज्ञ-प्रदीप भाषार्थ सहित. दिल्ली, साहित्य मंडल, ति. न. ७६ पृ. १८ से. सार्व.

भक्तिवाद की रूपरेखा. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न. १६ पृ. १६ से. सार्व.

जगतनारायण शर्मा

आर्यभजन संग्रह. बंबई, गोसेवक प्रेस, १८९३.
—भाग. १६ से.
भाग १. ३२ पृ. आ. पु.

ईसाई मत परीक्षा. बनारस, भारत जीवन प्रेस, १८८५. ३० पृ. १९ से. आ. पु.

गऊ की नालिश. बंबई, धर्मामृत यंत्रालय, १८९०. आ. पु.

गाजीमियाँ की पूजा, द्वि. संस्क. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९८. १२ पृ. १८ से. खिदि.

गाजीमियाँ की पूजा, पं. संस्क. इटावा, बाबूराम शर्मा, सरस्वती यंत्रालय, १९०५. १६+४ पृ. १६ से. आ. पु.

जगतनारायण शर्मा

गोरक्षा काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८४. ४, १०२, २ पृ. १६ से. आ. पु.

गोविलाप, द्वि. संस्क. हरद्वार, गोरक्षिणी सभा, १८८७. १६ पृ. चित्र १२ से. लिथो-हस्तनिर्मित पत्र. आ. पु.

गो हितकारी भजन. वाराणसी, १८८८. आ. पु.

गौ विनती. बंबई, १८९६. १६ पृ. १५ से.

हिंदू आर्गूमेंट्स अगेंस्ट कैटिल स्लाटर. इ. आ.

दयानंदियों की अपार महिमा. अमृतसर ,हरनाम सिंह, कानपुर, शुभचिंतक प्रेस, १८८७. ६ पृ. २० से. आ. पु.

हिंदुओं का वर्तमानी धर्म. दशाश्वमेध—वाराणसी ,कृष्णदास आर्य, वंशी यंत्रालय, १८८७. २४ प. १७ से. आ. पु

जगदीश चंद्र 'वसु'

महर्षि दयानंद तथा स्त्री व शूद्र जाति. मेरठ, ब्रह्मानंद शर्मा, १९६५. ३२ पृ. १८ से. खिदि.

जगदीश विद्यार्थी

अनमोल मोती, द्वि. संस्क. दिल्ली, आर्यकुमार सभा, १९६१. ६४ पृ. १८ से. खिदि.

अमर सेनानी स्वामी श्रद्धानंद. दिल्ली, आर्यकुमार सभा, मधुर प्रकाशन, श्रद्धानंद बलिदान दिवस, १९६९. १२८ पृ. छवि १८ से. काशी.

आदर्श परिवार. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९७२. १६० पृ. १८ से. खिदि.

दयानंद दर्शन; महर्षि दयानंद सरस्वती की काव्यात्मक गाथा, रचयिता जगदीश विशारद. अटरू, अरविंद प्रकाशन गृह, १९६५. ७५ पृ. १९ से. ला. कां.

[स्वामी] दयानंद सरस्वती—सचित्र आदर्श जीवन चरित्र, तृ. संस्क. नई दिल्ली, जनज्ञान प्रकाशन, दयानंद संस्थान, १९७२. २४६ पृ. छवि १८.५ से.
प्रथम संस्करण—अगस्त १९७१.
द्वितीय संस्करण—सितंबर १९७१ .
काशी., पा. क.

प्रार्थना प्रकाश. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६३. ११४ पृ. १८ से. खिदि.

प्रार्थनालोक. दिल्ली, आर्यकुमार सभा, १९५७. ४८ पृ. १६ से. ने. ला.

मर्यादा पुरुषोत्तम 'राम'. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६४. १४४ पृ. १८ से. खिदि.

जगदीश विद्यार्थी

वेदसौरभ. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६४. ८, १५२ पृ. १८ से. खिदि.

स्वर्ण-पथ. दिल्ली, आर्य प्रकाश पुस्तकालय, १९७१. १२६ पृ. १८ से. खिदि.

स्वर्ण सिद्धांत, द्वि. संस्क. दिल्ली, आर्यकुमार सभा, १९६८. ३२ पृ.० १८ से. खिदि.

जगदीश सिंह गहलोत

आर्यसमाज और हिंदू संगठन, द्वि. संस्क. जोधपुर, हिंदी साहित्य मंदिर, १९२६. २,१९ पृ. चित्र १८ से. आ. पु.

जगदीश शरण 'शीतल'

आर्य शीतल भजनावली. धनौरा, मुरादाबाद, आर्यसमाज मंडी, लेखक, ति, न. ३१ पृ. १८ से. सार्व.

जगदेव सिंह शास्त्री 'सिद्धान्ती'

वैदिक धर्म परिचय. देहली, वैदिक साहित्य सदन, १९५५. ८२ पृ. १७ से. आ. पु.

जगन्नाथ

मत प्रकाश, पूर्वार्द्ध. अरोहतक, देहली, रामजी लाल शर्मा, १८८६. २, ५८ पृ. २१ से. लिथो, हस्तनिर्मित पत्र अर्थात् सारे मतों का वर्णन किया है जिसको जगन्नाथ ने अनेक ग्रंथों करके संग्रह किया तथा जिसको शंभुनाथ जी ने शुद्ध किया बीच छापेखाने नहमूदुल मतादः के मिरज़ा आलामवेग प्रबंध से छपा. आ. पु., खिदि.

जगन्नाथ दास

आर्य प्रश्नोत्तरी (ए हंड्रेड क्वेश्चंस ऐंड आंसर्स आन द टिनेट्स आव द मुरादाबाद आर्य समाज बाई जे. डी, प्रेसीडेंड आव द सोसायटी) शाहजहाँपुर, आर्यभास्कर यंत्रालय, १८८२. २४ पृ. २१ से. ब्रि. म्यू.

आर्य प्रश्नोत्तरी. . .के चंद सवाल, जवाव व भजन. मुरादाबाद, आर्य भास्कर यंत्रालय, १८९८. २१ पृ. १५.५ से. आ. पु. ,खिदि.

दयानंद के मूल सिद्धांत की हानि (ए क्रिटिसिज्म ऑन दयानंद सरस्वतीज़ सत्यार्थ प्रकाश). मुरादाबाद, १९०२. ३२ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

दयानंद के मूल सिद्धांत की हानि. इटावा, भीमसेन शर्मा, १९०५. ३३ पृ. १५.५ से. आ. पु.

दयानंद के यजुर्वेद भाष्य की समीक्षा. मुरादाबाद, १८९९. ४७ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

दयानंद जीवन चरित्र और समालोचना. बंबई, १८९९. २, १२० पृ. १८ से. वि. म्यू,. ने. ला,

जगन्नाथदास

दयानंद पराजय, ए पैम्फलेट डाइरेक्टेड अगेंस्ट द टीचिंग्स् आव दयानंद सरस्वती. मुरादाबाद, १८९०. ५९ पृ. १८ से. लिथो. ब्रि. म्यू.

दयानंद मत दर्पण, ए पोयम एक्सपोजिंग द एरर्स आव दयानंदाज़ टीचिंग्स्. अमृतसर, १९००. १६ पृ. १६ से. गुरुमुखी लिपि ब्रि. म्यू.

दयानंद मत परीक्षा स्वार्थ प्रकाश समीक्षा, ए रीज्वाइंडर टु दयानंद सरस्वतीज़ रिप्लाई टु द आथर्स आव 'आर्य प्रश्नोत्तरी.' मुरादाबाद, १८८४. भाग १. ८३ पृ. १८ से. लिथो. ब्रि. म्यू.

दयानंद हृदय. कानपुर, १८९६. १३ पृ. १६ से.

दयानंद के धार्मिक उपदेशों की आलोचना. इ. आ.

जगन्नाथदास आर्य

दयानंद चरित और स्वर्ग सिद्धि. मुरादाबाद, मत्तलेउल्म अलीम प्रेस, १८९१. १६ पृ. २४ से. लिथो. हस्तनिर्मित पत्र. आ. पु.

मूर्ति तत्व निरूपण, द्वि. संस्क. शाहजहाँपुर, आर्य दर्पण प्रेस, १८८८. २, ३७ पृ. २१ से. आ. पु.

सत्यासत्य निर्णय, षष्ठ संस्क. शाहजहाँपुर, आर्य दर्पण प्रेस, १८८८. २३ पृ. २४ से.

आर्यों के हितकारी धर्म—निर्णय के भुजंग प्रयात छंद और भजन. आ. पु.

जगन्नाथ प्रसाद

आर्य और वेद, संपा. प्रकाशचंद्र गुप्त. जुही, कानपुर, सरस्वती साहित्य मंदिर, ति. न. ६, ११६ पृ. १८ से. आ. पु.

जगन्नाथ भारतीय

नवीन वेदांत नाटक; केवल कथन करने वाले वेदांतियों के वर्णन हैं. मेरठ, लाला रामचंद्र वैश्य, काशी सम ब्रह्म यंत्रालय, १८९०. २४ पृ. १६ से. लिथो, हस्तनिर्मित पत्र. आ. पु.

मनुष्य धर्म संहिता. देहली. मिर्जा आलम बेग, १८८७. २, १८ पृ. २३ से.

सतमत निरूपण मनुष्य मात्र के हित के लिए धर्म पुस्तक. आ. पु.

वैश्यप्रति यज्ञोपवीत व्यवस्था. मथुरा, व्रजभूषण यंत्रालय, १८८७. २, १६ पृ. १५.५ से. (पुस्तक नं. १८). आ. पु.

जगन्नाथ मिश्र

आर्य संप्रदाय प्रवर्तक. कलकत्ता, नारायण यंत्रालय, १८९८. २, ४८ पृ. २१.५ से. गायत्री भाष्य का हिंदी अनुवाद. आ. पु., ए. सो. भा. भ. पु.

जगन्नाथ सिंह

पोप लीला अर्थात् असत्य मत खंडन. मथुरा, बालकृष्ण, ब्रजभूषण प्रेस, १८८७. २, ३१ पृ. २४ से. आ. पु.

वेदांत प्रदीप. अजमेर, राजस्थान यंत्रालय, १८६१. ६, १६५ पृ. २२ से. आ. पु.

जनमेजय विद्यालंकार

सामाजिक क्रांति (सचित्र). अजमेर, महावीर प्रेस, १९२८. १६१ पृ. १८ से. कल.

जयदेव शर्मा

स्वामी दयानंद सरस्वती जी महाराज और पं० ब्रह्मदत्त जिज्ञासु के यजुर्वेद भाष्यों के संस्करणों की तुलना : अध्याय १ से १० तक. अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा, १९५०. १५९ पृ. २५ से. सार्व.

हैदराबाद सत्याग्रह का रक्तरंजित इतिहास, लेखक जयदेव शर्मा तथा सूर्यदेव शर्मा. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४७. २२, ३५३ पृ. १८ से. खिदि.

जीयालाल जैन

दयानंद छलकपट दर्पन, चौधरी मुंशी पंडित जैनी जीयालाल जी मैनेजर दफ्तर जैन प्रकाश और म्यौनिसिपिल फर्रुखनगर जिला गुणगाँव ने लिखा. अहमदाबाद, यूनियन प्रिंटिंग प्रेस, १८६४. २६० पृ. २६ से. का. हि. वि., सार्व.

जैमिनी महता

अमेरिका अर्थात् पाताल देश की यात्रा. आगरा, आर्य पुस्तकालय, १९३०. १४४ पृ. १९ से. कल., काशी.

अमेरिकन लेडी और भारतमाता. मेरठ, विश्वंभर सहाय 'प्रेमी', १९३३. २२४ पृ. १९ से. काशी.

जगद्गुरु दयानंद का संसार पर जादू, तृ. संस्क. आगरा, लेखक, १९२०. ६४ पृ. १८ से. पा. क.

जगद्गुरु दयानंद का संसार पर जादू. वाराणसी, आर्य समाज, सरस्वती प्रेस, १९२५. ५१ पृ. १७.५ से. (शताब्दि संस्करण, सं. ३). आ. पु., काशी.

दक्षिण अमेरिका की यात्रा डच और ब्रिटिश गयाना में वैदिक धर्म का डङ्का. आगरा, प्रेम पुस्तकालय, ति. न. २०६ पृ. १९ से. कल., काशी.

विदेश यात्रा पथ प्रदर्शक तथा विदेशों में भारतीयों की दशा. मेरठ, विश्वंभर सहाय 'प्रेमी', १९३३. ११२ पृ. १९ से. काशी.

जैमिनी महता

विदेशों में आर्य समाज. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३३. आ. पु.

विदेशों में आर्य समाज के प्रचार का प्रभाव तथा अमेरिका में वैदिक सभ्यता. मेरठ, विश्वंभर सहाय 'प्रेमी', १९३९. ७१ पृ. १८ से. चित्र. आ. पु.

जोधपुर दरबार, राजस्थान

आर्य समाज मंदिर, जोधपुर (रामपूताना) का अन्तिम न्याय निर्णय [जोधपुर दरबार का हुक्म तारीख १८ अगस्त १९३७] श्रावण सुदि ११ संवत् १९९४. जोधपुर, आर्य समाज, १९३७. ४५, ४१ पृ. १८ से. हिंदी + अंग्रेजी. आ. पु.

ज्ञानचंद्र आर्य

आचार्य ज्ञानचंद्र अभिनंदन ग्रंथ, संपा. सत्यप्रिय शास्त्री आदि. हिसार, दयानंद ब्राह्म महाविद्यालय, १९७३. १६० पृ. छवि २५ से. सार्व.

आर्य समाज की स्थिति. देहली, लेखक ,स्टार प्रेस, ति. न. ५० पृ. १७.५ से. का. हि. वि.

जगगणना १९४१ में हमें अपने को आर्य ही लिखवाना चाहिए. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४१. १८ पृ. १८ से. आ. पु.

वर्ण व्यवस्था का वैदिक रूप. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४९. २५, १९८, १६, ८ पृ. चित्र. १८ से. आ. पु.

श्रावणी उपाकर्म पर्व पद्धति. दिल्ली, आदर्श प्रकाशन मंडल, १९३१. १६ पृ. १७ से. सार्व.

सत्य-निर्णय अर्थात् महात्मा गांधी जी के आर्य समाज और उसके प्रवर्तक पर किये आक्षेपों तथा महात्मा जी के माने हुये हिंदू-धर्म की असलियत. दिल्ली, सार्वजनिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३३. ४, १४, ३७९, १५ पृ. चित्र. १८.५ से. आ. पु., काशी.

ज्वालादत्त शास्त्री

प्रायश्चित्तादर्श जिसमें वेदादि शास्त्रानुसार प्रायश्चित्त निरूपण, प्रथम भाग. मुरादाबाद, आर्य दर्पण यंत्रालय, १९००. ३६ पृ. २१ से. खिदि.

ज्वाला देवी

सुख की खान. मेरठ, लेखिका, आर्य सं. १९६०८५२९९६. १२ पृ. १६ से. आ. पु.

ज्वालाप्रसाद मिश्र

दयानंद तिमिर भास्कर अर्थात् सनातन धर्म कल्पतरू, संस्कृत भाषा टीका सहित. बंबई, खेमराज श्रीकृष्णदास, वेंकटेश्वर प्रेस, १९२०. १६, ४७२ पृ. २५.५ से.

दयानंद निर्मित सत्यार्थ प्रकाश के खंडन से वेद, ब्राह्मण, शास्त्र, पुराण, वैद्यकादि प्रमाणों से अलंकृत कर भारत धर्म महामंडल ने निर्माण किया। का. हि. वि

ज्वालाप्रसाद मुंशी,

आर्य समाज कानपुर (मेस्टन रोड) का पचास वर्ष का इतिहास. कानपुर, आर्य समाज, १९२९. ३, ११, ८०, २ पृ. २४ से. काशी.

ज्वालासहाय

आजकल के साधुओं की करतूत, अनु. श्री दुर्गा प्रसाद. लाहौर, वैदिक यंत्रालय, १८८८. ४० पृ. २३ से. खिदि.

ठाकुरदत्त धवन

वैदिक धर्म का महत्व, अनु. ब्रह्मानंद. दानापुर, आर्यावर्त प्रेस, १८९७. १६ पृ. २३ से.. खिदि.

उर्दू पुस्तक का अनुवाद.

टामसन साहब

ईसाई मत खंडन, अनु. रामकृष्ण वर्मा. काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८७.

३ भाग १८.५ से.

भाग १ २, ७० पृ.

भाग २ ९९ पृ.

भाग ३ ४३ पृ.

इसमें ख्रीष्ट मतावलंबियों की यथार्थ दशा झलकाई गई है. आ. पु.

वैदिक धर्म प्रचार. [लाहौर], आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १८८६.

—खंड.

प्रथम खंड. आ. पु.

वैदिक धर्म प्रचार. लखीमपुर, आर्य भास्कर प्रेस, १८९६. २, १५७ पृ. २४ से. आ. पु.

ठाकुरदास मूलराज ओसवाल

दयानंद सरस्वती मुख चपेटिका. बंबई, १८८२. ४८ पृ. १८ से. लिथो.

'सत्यार्थ प्रकाश' में जैन धर्म की आलोचना का प्रत्युत्तर. ब्रि. म्यू.

ठाकुर प्रसाद

एक पुराणपंथी के प्रलाप की प्रत्यालोचना अर्थात् तारीख़ ६ फरवरी सन् १९११ ई० के हमारे किये प्रश्नों के एक पौराणिक के बिला तारीख़ बेतुकी उत्तर का प्रत्युत्तर. दानापुर, ग्रंथकार, लाइल प्रेस, १९११. ८ पृ०. २४ से. आ. पु.

एक वेद विरोधी के धृष्टता का मर्दन. दानापुर, ग्रंथकार, १९१२. ५४ पृ. २४ से.

'एक नवीन पंथी के गप्प की समालोचना' नाम की पुस्तिका के उत्तर में... आ. पु.

डेविस, ऐ. जे.

आर्य समाज और उसके संस्थापक महर्षि श्री स्वामी दयानंद सरस्वती पर विचार, अनु. गंगा प्रसाद. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, मथुरा, बंबई मित्र प्रेस, १८९७. ८ पृ. १२ से. (पुस्तक संख्या १६). आ. पु.

तुलसीराम, स्वामी

अज्ञाननिवारण अर्थात् पादरी खंगसिंह के प्रथम व्याख्यान 'आर्यतत्वप्रकाश' का खंडन. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८९७. ५२ पृ. १२×१४ से.

पादरी साहब ने वेदों की प्राचीनता में निर्मूल शंका की है. खिदि.

ईश्वर और उसकी प्राप्ति—दूसरा प्रसिद्ध व्याख्यान जिसे तुलसीराम स्वामी ने काशी, मिर्जापुर, कानपुर...आदि नगरों में दिया, द्वि. संस्क. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८९९. ५८ पृ. १७ से. खिदि.

ऋगादि-भाष्य-भूमिके-न्दूपरागे द्वितीयोंशः बरेली निवासी ब्रह्मकुशलोदासीनरचितर्गादि भाष्य भूमिकेंदूत्तरभूतः. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९३. २४ पृ. २४.५ से. खिदि.

ऋगादि-भाष्य-भूमिकें-दुपरागे द्वितीयोंशः बरेली निवासी ब्रह्मकुशलोदासीनरचितर्गादि भाष्यभूमिकेंदुत्तरभूतः. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९४.

भाग २. १९ से. ब्रि. म्यू.

तुलसीराम स्वामी के चार व्याख्यान, तृ. संस्क. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १९०५. पृष्ठ संख्या विभिन्न. १६ से. १. वैदिक देव पूजा, २. ईश्वर और उसकी प्राप्ति, ३. मुक्ति और पुनर्जन्म, ४. नमस्ते. आ. पु.

दिवाकर प्रकाश अर्थात् 'धर्म दिवाकर' का उत्तर, द्वि. संस्क. मेरठ, स्वामि मशीन प्रेस, १९०६. ७० पृ. २४ से.

'सत्यार्थ प्रकाश' के विरुद्ध 'दयानंद तिमिर भास्कर' नामक पुस्तक पं. ज्वालाप्रसाद ने बनाया था, उसका उत्तर पं. तुलसीराम स्वामी ने 'भास्कर प्रकाश' पुस्तक द्वारा दिया था, उसके भी उत्तर में पंडित ज्वालाप्रसाद के भाई पं. बलदेव प्रसाद जी ने 'धर्म दिवाकर' पुस्तक बनाकर तीन समुल्लासों का विरोध किया, उसके दूर करने को यह 'दिवाकर प्रकाश'... आ. पु.

दिवाकर प्रकाश, च. संस्क. मेरठ, छुट्टनलाल शर्मा, १९२५. काशी.

नमस्ते इस वाक्य पर विचारपूर्वक पंडित तुलसीराम स्वामी की ठीक-ठीक सम्मति. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८९८. १५ पृ. ११ से. खिदि.

तुलसीराम, स्वामी

पिंड पितृयज्ञ. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९०६. ९४ पृ. २१ से.

तुलसीराम स्वामी का लेखवद्ध ५वाँ व्याख्यान. आ. पु.,. खिदि.

पिंडपितृयज्ञ, लेखवद्ध व्याख्यान, तृ. संस्क. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९१४. ९४ पृ. २५ से. कल.

भास्कर प्रकाश अर्थात् 'दयानंद तिमिर भास्कर' का उत्तर. मेरठ, १८९९. ६, ३३४, ९२ पृ. २१ से.

दयानंद के 'सत्यार्थ प्रकाश' के सिद्धांतों पर ज्वालाप्रसाद मिश्र द्वारा प्रहार का उत्तर. आ. पु., ब्रि. म्यू.

भास्कर प्रकाश अर्थात् 'दयानंद तिमिर भास्कर' का उत्तर, द्वि. संस्क. मेरठ, लेखक, १९०४. ४, ४२६ पृ. २३.५ से. खिदि.

भास्कर प्रकाश अर्थात् 'दयानंद तिमिर भास्कर' का उत्तर. मेरठ, लेखक, स्वामी मशीन प्रेस, १९१३. ४४४ पृ. २४.५ से. काशी.

मुक्ति और पुनर्जन्म तीसरा व्याख्यान जो काशी आदि नगरों में दिया गया था. मेरठ, स्वामी यंत्रालय, १८९९. ५४ पृ. १४ से. खिदि.

रामचंद्र वेदांती के प्रश्नों का उत्तर. मेरठ, ब्रह्मानंद सरस्वती, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९७. १२ पृ. १४ से.

भारतधर्ममहामंडलोपदेशक देहली निवासी के प्रश्नों का उत्तर. आ. पु.

वेदारंभ, प्रथम भाग, तृ. संस्क. मेरठ, लेखक, स्वामि यंत्रालय, १९१४. १३ पृ. १६ से. खिदि.

तेजसिंह चौधरी, आर्योपदेशक

भजन भास्कर. मथुरा, हिंदी पुस्तकालय, १९६३. १४४ पृ. १८ से. खिदि.

तेजूमल मुरलीधर कनल

वैदिक पाठ, हिंदी दूसरा खंड. शिकारपुर (सिंध), १९४०. ३२ पृ. १७ से. काशी., सार्व.

हमारी प्राचीन उन्नति अर्थात् हमारे देश के प्राचीन उन्नति पर एक दृष्टि. लाहौर, संपादक, १९१२. ३०, २ पृ. १७.५ से. (मातृ-श्राद्ध अर्थात् देश-सेवा सीरीज, नं. २). आ. पु.

तोताराम चतुर्वेदी

सदसद्विवेक. फर्रुखाबाद, चिंतामणि यंत्रालय, १८९०. ५६ पृ. २१ से. लिथो हस्तनिर्मित पत्र. आ. पु., खिदि.

त्रयशंकर लाल

वर्ण व्यवस्था जिसको श्री त्रियशंकर लाल ने श्रुति, स्मृति, इतिहास, पुराण से संग्रह करके छपवाया. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८९९, २६ पृ. २४ से. खिदि.

त्रिलोकचंद्र आर्य

गुरु विरजानंद, प्राक्कथन ले. युधिष्ठिर मीमांसक. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९५९. ६० पृ. १८ से. खिदि.

धर्मवीर पंडित लेखराम. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७०. ५५ पृ. १८ से. खिदि.

महात्मा हंसराज (बालोपयोगी जीवन चरित्र), तृ. संस्क. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९५४. ४८ पृ. १८ से. खिदि.

मुनिवर पंडित गुरुदत्त. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७१. ५० पृ. १८ से. खिदि.

त्रिवेणी शंकर काशिव

श्रीदान प्रवंधक कमेटी. दमोह, बनवारीलाल गुरु मालगुजार, १९२८. ३, १७ पृ. १९ से. आ. पु.

धर्म पुस्तक, द्वि. संस्क. दमोह, ग्रंथकार, १९३१. २, १० पृ. (गिनती में), १६ से. आ. पु.

प्रैक्टिकल स्कीम. दमोह, ग्रंथकार, १९२१. आ. पु.

शोचनीय दशा. दमोह, हरदयाल पंच कमेटी, १९२९. १२ पृ. १९ से. आ. पु.

थावरदास लीलाराम वासवानी

पथ प्रदीप, अनु. धर्मेंद्रनाथ शास्त्री. मेरठ, अनु., प्रभात पुस्तक भंडार, १९२४. १६७ पृ. १८ से.

ऋषि दयानंद और आर्य आदर्श के विषय में कतिपय विचार मूल अंग्रेजी 'टार्च वीयरर' का हिंदी अनुवाद आ. पु.

दयानंद आर्ष विद्यापीठ, झज्झर (रोहतक), हरियाणा

नियम तथा पाठ्यक्रम निर्दशिका. झज्झर (रोहतक,) लेखक, १९६७. १३६ पृ. १८ से. सं. २०२४ (१९६७(संस्थापित. खिदि.

वैदिक सिद्धांत. मथुरा, श्रीमद्दयानंद जन्म शताब्दी सभा, १९२५. २, २७३ पृ. २१ से. (श्रीमद्दयानंद जन्म शताब्दी स्मारक ग्रंथ, सं. १)

वैदिक सिद्धांतों पर निबंध संग्रह. आ. पु.

दयानंद साल्वेशन मिशन, होशियार पुर

आल इंडिया दयानंद साल्वेशन मिशन, होशियारपुर (पंजाब), सातवाँ वार्षिक विवरण, १९४०. होशियारपुर, देवीचंद्र प्रधान, ति. न. ५३ पृ. २३ से. काशी

दयाराम शर्मा

कुमारी भूषण, द्वि. संस्क. प्रयाग, भीमसेन शर्मा, १८९०. १३ पृ. २२ से.

मूल उर्दू का नागरी भाषानुवाद लेखक द्वारा. आ. पु.

महर्षि दयानंद चरितामृत (महर्षि दयानंद और उनके गुरु विरिजानंद सरस्वती का जीवन वृत्तांत). मेरठ, १९०४. —भाग. १८ से.
भाग १. ८८ पृ. ब्रि. म्यू.

वैदिक धर्म विजय. जालौन, ग्रंथकार, तहसीलदार जालौन, १९०२. ३९ पृ. २२.५ से.

जो पौराणिकों पर आर्य समाज ने २२ जनवरी सन् १८८१ ई. की संमार्गदर्शिनी सभा, कलकत्ता पर पाया. निम्नलिखित दश लोग सम्मिलित थे. १. पंडित महेचंद्र न्यायरत्न, प्रिंसिपल कालिज, २. पंडित तारानाथ तर्कवाचस्पति, ३. पंडित जीवानंद विद्यासागर, ४. पंडित भुवनचंद्र तर्करत्न नवद्वीप, ५. रामधन, जसरा, ६. पंडित बाँकेबिहारी बाजपेयी, कानपुर, ७. पंडित यमुना नारायण तिवारी, कानपुर, ८. सुदर्शनाचारी, वृंदावन, ९. विदोष मल्लू, तंजौर, १०. पंडित रामशुवा मद्रास इत्यादि ३०० पंडित थे. आ. पु.

दर्शनानंद, स्वामी

अकाल मृत्यु मीमांसा, द्वि. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२५. १६ पृ. १५ से. काशी.

अविद्या के चार अंग, द्वि. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, ति. न. ७२ पृ. १५ से. काशी.

आत्मशिक्षा. ज्वालापुर, (हरिद्वार), महाविद्यालय मैशीन प्रेस, ति. न. १४ पृ. १५.५ से. काशी.

आत्मिक बल. ज्वालापुर, (हरिद्वार), महाविद्यालय मैशीन प्रेस, ति. न. १४ पृ. १५.५ से.

आमिक बल, द्वि. संस्क. अजमेर, वैदिक ग्रंथालय, १९०७. १२ पृ. २१ से. काशी.

इसाई मत परीक्षा, पंचम संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२९. १२ पृ. १५.५ से. काशी.

ईश्वर विचार, प्रथम भाग अर्थात् ईश्वर के होने का सबूत, द्वि. संस्क. बदायूं, मैनेजर गुरुकुल, अजमेर वैदिक यंत्रालय, १९०४. १२ पृ. १६ से. आ. पु.

ईश्वर विचार, प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२९. १६, १६, १५ पृ. १६ से. काशी.

ईसाई विद्वानों से प्रश्न, द्वि. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९१९. ६ पृ. १६ से. खिदि.

दर्शनानंद स्वामी

कथा पचीसी (बच्चों के लिए २५ सरल कथाएँ). दिल्ली, आर्य प्रकाश पुस्तकालय, १९६९. ९६ पृ. १७ से. खिदि.

कर्म व्यवस्था, द्वि. संस्क. बदायूं, वैदिक धर्म प्रचारक मंडली, अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०३. २३ पृ. १५.५ से. (ट्रैक्ट नं. १२.) आ. पु., काशी.

क्या हम जीवित हैं ? बदायूं, वैदिक धर्म प्रचारक मंडली, गुरुकुल, बदायूं, अजमेर वैदिक प्रेस, १९०३. १६ पृ. १५.५ से. (ट्रैक्ट नं. १४). आ. पु.

गंज-ए-आज़ादी. जगरांव, लाहौर (मुद्रित), १९१३. २८ पृ. २३ से. लिथो.
मुख पृष्ठ फारसी लिपि में. आर्य समाजी भजन. ब्रि. म्यू.

गुरुकुल. बदायूं, मुंशी कन्हैया लाल, ति. न. १५ पृ. १५.५ से. (ट्रैक्ट नं. १३).

गुरुकुल, द्वि. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९१७. १६ पृ. १५ से. आ. पु.

गुरु शिक्षा जिसमें उपनिषदों का वह उपदेश लिखा गया है, जिसको गुरु समावर्तन संस्कार करने के पूर्व पढ़ाकर उपदेश किया करते थे. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२२ ३२ पृ. १९ से. काशी.

जैन तत्व प्रकाशिनी सभा इटावा के भूमंडल के समस्त आर्य समाजी विद्वानों से तारीख ११ जुलाई १९१२ के किए २० प्रश्नों का उत्तर और सरावगियों के प्रति हमारे २० प्रश्न. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१२. १५, ६ पृ. १८ से. खिदि.

दर्शनानंद ग्रंथमाला. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, वैदिक प्रेस, १९२७–२८.
२ भाग, १८ से.
भाग १. ४, ३९३ पृ.
भाग २. १९२८. २, ३९२ पृ.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

दर्शनानंद ग्रंथसंग्रह (पूर्वार्द्ध), आर्यभाषा में सरल अनुवाद सहित, द्वि. संस्क. कलखल (यू. पी.), भास्कर पुस्तकालय, १९२२. ४०० पृ. २८ से. कल.

दर्शनानंद-ग्रंथ-संग्रह (पूर्वार्द्ध). सहारनपुर, स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय, ज्वालापुर, (सहारनपुर), १९२७. २, २, ४०० पृ. चित्र १७.५ से. काशी.

दर्शनानंद-ग्रंथ-संग्रह (उत्तरार्द्ध), अनु. गोकुल प्रसाद दीक्षित 'चंद्र'. बरेली, श्यामलाल सत्यदेव वर्मा, वैदिक आर्य पुस्तकालय, १९३८. ३२४ पृ. १८ से.
कल., काशी., ब्रि. म्यू. सार्व,

दर्शनानंद-ग्रंथ-संग्रह. देहली, गोविंदराम हासानंद. आर्य साहित्य भवन, १९४१. ८, ४०० पृ. १८ से.
खिदि., सार्व.

दर्शनानंद-ग्रंथ-संग्रह, अनु. गोकुल चंद्र दीक्षित. आगरा, आर्य प्रकाश पुस्तकालय, रूपकांता देवी दीक्षित आर्योपदेशिका, आ. प्र. सभा, उ. प्र., ति. न. २६७ पृ. १८ से.
खिदि.

धर्मशिक्षा (बाल शिक्षा द्वितीय भाग), पंचम संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९३५. २० पृ. १६ से.
काशी.

नवीन व प्राचीन शिक्षा प्रणाली जिसमें विस्तार पूर्वक दर्शाया गया है कि प्राचीन शिक्षा प्रणाली से ये भारत सुधार हो सकता है. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२२. ४० पृ. २१ से.
काशी.

भौदू जाट और पादरी साहब : एक रोचक वार्ता. नई दिल्ली, आर्योदय हिंदी साप्ताहिक, ति. न. २३ पृ. १८ से.
खिदि., सार्व..

भौदू जाट और पादरी साहब : एक रोचक वार्ता, अष्टम संस्क. मुरादाबाद, वैदिक पुस्तकालय, १९३२. ४१ पृ. १८ से.
खिदि., सार्व.

पट शास्त्रों की उत्पत्ति का क्रम. ज्वालापुर, महाविद्यालय मशीन प्रेस, ति. न. १४पृ. १५ से.
काशी.

भोगवाद, चतुर्थ संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२२. १६ पृ. १५ से.
काशी.

महाअंधेर रात्रि, द्वि. संस्क. बदायूं, व्रजबिहारी लाल वकील, अजमेर वैदिक यंत्रालय, १९०४. १५ पृ. १५.५ से.
आ. पु.

मुक्ति और पुनरावृत्ति, अनु. शंकरदत्त शर्मा. मुरादाबाद, धर्म दिवाकर प्रेस, १९१२. ४२ पृ. १७ से.
खिदि.

मुक्ति व्यवस्था, द्वि. संस्क. बदायूं, रामजी मल, गुरुकुल, अजमेर वैदिक यंत्रालय, १९०४. १५ पृ. १५.५ से. मुक्ति के नित्य या अनित्य होने पर विचार किया गया है.
आ. पु.

मुक्ति व्यवस्था, तृ. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२५. १६ पृ. १५.५ से.
काशी.

वर्ण व्यवस्था, तृ. संस्क. ज्वालापुर, हरिद्वार, महाविद्यालय मैशीन प्रेस, ति. न. १५ पृ. १५.५ से.
काशी.

विचित्र ब्रह्मचारी, द्वि. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२५. २८ पृ. १७ से.
काशी.

वेद किसपर प्रकट हुए अर्थात् ब्रह्मा जी ने वेद रचे या अग्नि वायु, आदित्य, अंगिरा द्वारा परमात्मा ने प्रकट किये बदायूं, वैदिक धर्म प्रचारक मंडली, १९०३. १२ पृ. १ से.
आ. पु.

वेद किस पर प्रकट हुए अर्थात् ब्रह्मा जी ने वेद रचे या अग्नि, वायु, आदित्य, अंगिरा द्वारा परमात्मा ने प्रकट किये, तृ. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२५. १२ पृ. १५ से.
काशी.

वेदों की आवश्यकता. बदायूं, वैदिक धर्म प्रचारक मंडली, गुरुकुल, १९०३. १४ पृ. १५.५ से. (ट्रैक्टनं. १).
आ. पु., काशी.

वैदिक धर्म सब मतों की उत्तमताओं का केन्द्र है, तृ. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९३०. ३३ पृ. २१ से.
काशी.

श्राद्ध व्यवस्था अर्थात् पितरों का जीते श्राद्ध हो या मरने पर उसका विचार, पंचम संस्क. इटावा, बाबूराम शर्मा, १९१३. १३ पृ. १७ से.
खिदि.

सृष्टि प्रवाह से अनादि है, तृ. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२९. १२ पृ. १५ से.
काशी.

सुधारक. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९३२. १५ पृ. १५.५ से.
काशी.

स्वामी दयानंद का उद्देश्य. हरिद्वार, दयानंद ट्रैक्ट सोसाइटी, ति. न. १४ पृ. १५.५ से.
कल., काशी.

दामोदरप्रसाद शर्मा

दान दर्पण ब्राह्मण अर्पण अर्थात् तीर्थ दर्पण—पंडा अर्पण. मथुरा, ग्रंथकार, १९०९.
—भाग, २१ से.
द्वितीय भाग. सप्तमोध्याय. १८, २४४ पृ.
तृतीय भाग. १८, २१८ पृ.
आ. पु.

भोजन विचार. जालंधर, सद्धर्म विचारक यंत्रालय, १९०७. ५० पृ. २४ से. (कृष्णपुरी निवासी प्रधान ओल्ड आर्य समाज मथुरा का पंचम विज्ञापन).
आ. पु.

दीनदयाल शर्मा

देवलोक में भोज और स्वर्ग में सब्जेक्ट कमेटी. कानपुर, रसिक यंत्रालय, १८९५. ४० पृ.
इ. आ.

देवलोक में भोज और स्वर्ग में सब्जेक्ट कमेटी. वीरामऊ (कानपुर), ग्रंथकार, रसिक प्रेस, १९२७. ७२ पृ. २३ से.
आ. पु.

संध्या मंत्र, भाषानुवाद. नई दिल्ली, आर्य स्वाध्याय सदन, १९४२. २० पृ. १८ से.
सार्व.

संध्या–रहस्य अर्थात् संध्या मंत्रों का दार्शनिक, वैज्ञानिक, अनुभवात्मक भाषानुवाद, नई दिल्ली, आर्य स्वाध्याय सदन, १९४२. १७९ पृ. १८ से.
सार्व.

दीनानाथ सिद्धांतालंकार

अमृत पथ की ओर. दिल्ली, आर्य सत्संग अजमलखाँ बाग, १९५९. १७५ पृ. १८ से. सार्व.

दीपचंद

वर्ण व्यवस्था—वेद शास्त्रादि प्रमाणपुञ्जैः सुभूषिता, दीपचंद्राचार्येण प्रकाशिता संपादिता च. काशी, हितैषी प्रिंटिंग वर्क्स, १९३१.
१२, २१९, ६ पृ. छवि २५ से. काशी.

दीवानचंद

जीवन ज्योति, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, १९४१. १०० पृ. १८ से. सार्व.

वेदोपदेश, द्वि. संस्क. कानपुर, नानक चंद्र वजीर देवी ट्रस्ट, १९५६. ६० पृ. १८ से. खिदि.

दुर्गाप्रसाद (संपा. हरविंगर)

अप्रपिम प्रतिमा की परीक्षा. लाहौर, आर्य समाज, १८९६. ३२ पृ. १६ से.
श्रीयुत् पंडित बालादत्त दुर्गादत्त की 'अप्रतिम प्रतिमा' पुस्तक का उत्तर. लिथो. आ. पु.

मूर्तिपूजा खंडन, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १८९१. १६ पृ.
बालादत्त दुर्गादत्त की 'अप्रतिम प्रतिमा' के जवाब में. आ. पु., इ. आ.

स्वामी दयानंद सरस्वती जी का जीवन चरित्र. लाहौर, लेखक, विरजानंद प्रेस, १९१३.
१, १५१ पृ. छवि १८ से. ब्रि. म्यू.

देवदत्त शर्मा

आर्यमन रंजन. फर्रुखावाद, चिंतामणि बुक्सेलर, आर्य समाज, १८९१. २, ५८ पृ. १९ से.
लिथो.
जिसमें आर्य सामाजिक लोगों के गाने योग्य लावनी और भजनादिकों का संग्रह है. आ. पु.

ऋगादि भाष्य भूमिकेंदु परागः. कानपुर, ग्रंथकार, १८९३. २, २३ पृ. २४.५ से.
महंत ब्रह्मकुसलोदासीन जी ने जो स्वामी दयानंद सरस्वती जी रचित 'भूमिका' के खंडन में एक पुस्तक द्वारा वेदोत्पत्ति विषयक सिद्धांत का प्रतिवाद किया था उसके उत्तर में. आ. पु.

कर्मकांड चंद्रिका, तृ. संस्क. वनारस, जयनारायण रामचंद्र पोद्दार, १९२५. ४, ८२ पृ. २५ से. काशी.

देवप्रकाश

कुरआन-परिचय अर्थात् कुरआन पर अनुसंधानात्मक दृष्टि, द्वितीय खंड, संपा. शशि भोगलेकर. रतलाम, लेखक, १९७२. ५१४ पृ. १८ से. सार्व.

देवमुनि

वैदिक ईश्वरवाद और आधुनिक विज्ञान. दिल्ली, आर्य कुमार सभा, १९६०. ३६ पृ. १८ से. सार्व.

देवराज विद्यावाचस्पति

अग्निहोत्र (अग्निहोत्र संबंधी सारगर्भित निबंध). कांगड़ी, गुरुकल विश्वविद्यालय, १९५०.
१८० पृ. १८ से. सार्व.

देवराज, लाला

सप्ताकी प्रार्थना पुस्तक, हिंदी अनु. लाला रामचंद्र. मेरठ, अनुवादक, ति. न. १०४ पृ. ११.५ से. काशी.

देवराम सिद्धांतशास्त्री

ईश्वर की सर्वज्ञता और जीव की स्वतंत्रता. भिवानी, बाबूलाल आर्य, १९४९. ११७ पृ. १८ से. सार्व.

देवशर्मा 'अभय'

वैदिक उपदेशमाला, परिवर्द्धित संस्क., १९३८.
४, १०३ पृ. १७ से. काशी.

वैदिक विनय (प्रथम खंड). कांगड़ी, मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल कांगड़ी, १९३१. २२, २, २९६ पृ. १८.५ से. (स्वाध्याय मंजरी का तृतीय पुष्प). आ. पु.

वैदिक विनय (द्वितीय खंड), द्वि. संस्क. हरिद्वार, गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी, १९३५.
३ खंड. ८, ३०३ पृ. १८.५ से.
तृतीय खंड वर्षा ऋतु, शरद् ऋतुः श्रावण, भाद्र, आश्विन, कार्तिक मासः
प्रथम खंड, तृ. संस्क. २६, ३०७ पृ. (स्वाध्याय मंजरी, तृतीय पुष्प)
—तृतीय खंड, १९६०.
३ पृ. २८७ पृ. (स्वाध्याय मंजरी, पंचम पुष्प). काशी., सार्व.

वैदिक विनय (प्रथम खंड, द्वितीय खंड), च. संस्क. हरिद्वार, गुरुकुल कांगड़ी, १९४९.
३०७, ३०३ पृ. १८ से. खिदि.

देवव्रत धर्मेन्द्र

ऋषि की न सुनने का फल. दिल्ली, सार्वदेशिक प्रकाशन, १९५९. १४ पृ. १८ से. खिदि.

दैनिक यज्ञ प्रकाश. दिल्ली, सार्वदेशिक प्रकाशन, १९७२. ३१ पृ. १८ से. सार्व.

देवीदयाल शर्मा

जीवन यात्रा अर्थात् जीवन रूप यात्रा को सुगमता से समाप्त करने का क्रम. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९३. ६७ पृ. १८ से. खिदि.

देवी सिंह

मांस भोजन विचार. जोधपुर, ग्रंथकार, १८९४. आ. पु.

देवेंद्रनाथ मुखोपाध्याय

आदर्श सुधारक दयानंद, अनु. अनुभवानंद जी सरस्वती, द्वि. संस्क. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, १९३२. ६२ पृ. १८ से.
मूल बंगला 'आदर्श संस्कारक दयानंद' नामक बंगला पुस्तक का भाषानुवाद. खिदि.

दयानंद चरित, हिंदी अनु. घासीराम, द्वि. संस्क. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, १९३२. १२,३४७ पृ. १९ से. का. हिं. वि., ने, ला.

महर्षि दयानंद अपूर्व उद्धारक क्यों? कलकत्ता आर्य समाज, ति. न. ३९ पृ. १८ से. खिदि.

महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन चरित्र, प्रथम भाग, अनु. घासीराम, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५२. २०,३६६ पृ. छवि २६ से. खिदि.

देश विदेश के नेता महर्षि के चरित्रों में दिल्ली. सार्वदेशिक प्रेस, १९५०. १४ पृ. १८ से. खिदि.

देशोन्नति विषयक व्याख्यान देशानुरागियों के हितार्थ आर्यावर्त समाचार पत्र से उद्धृत कर प्रकाशितकिया गया. दीनापुर, शिवनारायण लाल, आर्यावर्त प्रेस, १८९५. ९ पृ. २१.५ से. काशी.

देशोन्नति विषयक व्याख्यान, द्वि. संस्क. भवानीपुर (कलकत्ता), आर्यावर्त प्रेस, १९०३. ९ पृ. २१ से.
देशानुरागियों के हितार्थ 'आर्यावर्त' समाचार पत्र से उद्धृत कर प्रकाशित किया गया. खिदि.

देहली शास्त्रार्थ, दूसरा भाग, जो २८, २९, ३० जुलाई सन् १९१७ आर्य कुमार सभा दिल्ली की ओर से नृसिंहदेव शास्त्री लाहौर और मक्खन-लाल शास्त्री के मध्य आर्य समाज मंदिर, चावड़ी बाजार, में हुआ. देहली, आर्यकुमार सभा, १९१७. ६,८० पृ. १८ से. सार्व.

दैनिक ईश्वर प्रार्थना उपासना. लखनऊ, जवाहरलाल आर्य, आर्य समाज, ति. न. १५ पृ.१० १२ से. खिदि. ६

द्वारकाप्रसाद अत्तार

संगीत रत्न प्रकाश, द्वादश संस्क. शाहजहाँपुर, १९२३. ९६ पृ. १७ से. खिदि.

धर्मदेव निरुक्ताचार्य

त्वाष्ट्री शरणम् के आख्यान का वास्तविक स्वरूप. लाहौर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९४६. ३७ पृ. १८ से. (वैदिक निबंधमाला, ६)

धर्मदेव विद्यामार्तंड पा. क.

दशम् सार्वदेशिक आर्य सम्मेलन हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) के अवसर पर आयोजित वेद सम्मेलन (९-११-६८) अध्यक्षीय भाषण. हैदराबाद, सार्वदेशिक सभा, १९६८. ३७ पृ. १७ से. खिदि.

वेदों का यथार्थ स्वरूप—वैदिक ऋषि, देवता, यज्ञ, सिद्धांतादि विषयक भ्रांति निवारण. हरिद्वार, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब द्वारा हरिद्वार प्रकाशन मंदिर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, १९५७. १९,५० पृ. २६ से. खिदि., सार्व.

वेदों का सार्वभौम संदेश. कांगड़ी, गुरुकुल विश्वविद्यालय, [१९५४]. ४३ पृ. १८ से.
श्री पं. धर्मदेव विद्यावाचस्पति का अध्यक्षीय भाषण, ११ अप्रैल, १९५४. वेद सम्मेलन के ५४वें वार्षिक महोत्सव के अवसर पर. सार्व.

वैदिक धर्म आर्य समाज प्रश्नोत्तरी, तृ. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९४४. ६४ पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक विवाह संस्कार के कुछ मुख्य मंत्रों का पद्यानुवाद. देहली, श्रद्धानंद बलिदान भवन, १९५२. ६ पृ. १८ से. सार्व.

धर्मदेव सिद्धांतालंकार

ऋषि दयानंद के मंतव्यों पर तुलनात्मक विचार. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९२४. ११५ पृ. १८ से. (ऋषि दयानंद शताब्दि ग्रंथमाला १०).
नोट—(१) ऋषि दयानंद और मध्वाचार्य, (२) ऋषि दयानंद के मंतव्यों का शास्त्रीय समर्थन. कल.

ब्रह्मपारायण यज्ञ की शास्त्रीयता, ले. धर्मदेव तथा वैद्यनाथ शास्त्री. बंबई, सेठ प्रताप सिंह शूरजी वल्लभ जी, १९५२. ५२ पृ. १८ से. सार्व.

भारतीय समाजशास्त्र. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३२. २५१ पृ. १८ से. बड़ा.

धर्मदेव सिद्धांतालंकार

महर्षि दयानंद और महात्मा गांधी, इन दो महापुरुषों के धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा दार्शनिक विचारों का तुलनात्मक अनुशीलन. दिल्ली, वैदिक साहित्य सदन, १९५१. २,१८४ पृ. १८ से. काशी., खिदि.

वैदिक कर्तव्य शास्त्र अथवा वैदिक वैयक्तिक, पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों पर सप्रमाण तुलनात्मक विचार, द्वि. संस्क. औंध (सतारा), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, १९२८. १९९ पृ. १८ से.
आ. पु.

वैदिक-कर्तव्यशास्त्र अथवा वैदिक, वैयक्तिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों पर सप्रमाण तुलनात्मक विचार, परिवर्द्धित संस्क. सहारनपुर, प्रकाशन मंदिर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, [१९५२].
७,२९७ पृ. १८ से. आ. पु., सार्व.

वैदिक धर्म आर्य समाज प्रश्नोत्तरी, द्वि. संस्क. नई सड़क, दिल्ली, शारदा मंदिर लि., १९३९.
९० पृ. १७.५ से. आ. पु.

वैदिक धर्म आर्य समाज प्रश्नोत्तरी, तृ. संस्क. १९४४.
२,९४ पृ. आ. पु.

वैदिक धर्म आर्य समाज प्रश्नोत्तरी. दिल्ली, राजपाल एंड संस, ति. न. ९३ पृ. १८ से. खिदि.

स्त्रियों का वेदाध्ययन और वैदिक कर्मकांड में अधिकार. देहली, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४८.
८,२३६ पृ. १८ से. आ. पु., सार्व.

धर्मपाल

तर्क इस्लाम, इसलाम का परित्याग अर्थात् धर्मपाल जी भूतपूर्व मुंशी अब्दुल गफूर साहब . . . के लेक्चर का भाषानुवाद, संपा. सत्यव्रत शर्मा द्विवेदी. इटावा, वेद प्रकाश यंत्रालय, [१९०३]. ७३ पृ. २१.५ से.
(लेक्चर) जो उन्होंने १४ जून सन् १९०३ ई. को गुजरांवाला आर्य समाज मंदिर में वैदिक धर्म को अंगीकार करते समय दिया . . . आ. पु., खिदि.

तर्क इसलाम, इसलाम का परित्याग अर्थात् धर्मपाल जी भूतपूर्व मुंशी अब्दुल गफूर साहब . . . के लेक्चर का भाषानुवाद, संपा. सत्यव्रत शर्मा द्विवेदी., द्वि. संस्क. मुरादाबाद, शंकरदत्त शर्मा, १९१२. काशी.

तर्क इस्लाम अर्थात् व्याख्यान, मि. धर्मपाल भूतपूर्व मुं. अब्दुल गफूर बी. ए. जो उन्होंने १४ जून १९०३ ई. को गुजरांवाला आर्य समाज मंदिर में वैदिक धर्म स्वीकार करते समय दिया था. शाहजहाँपुर, द्वारका प्रसाद अत्तार, १९१५.
७४ पृ. २४ से. कल,

धर्मपाल

यवन मतादर्श अर्थात् ब्रह्मचारी धर्मदास बी. ए., संपादक, इंद्रकृत तहज़ीबुल इस्लाम का भाषानुवाद, अनुवादक कर्ण कवि. मुरादाबाद, शंकरदत्त शर्मा, वैदिक पुस्तकालय, १९०४. भाग. १ ४,२४३ पृ. २३ से.
आ. पु.

धर्मानंद (पंडित धर्मवीर)

अमृतमय उपदेश. नई दिल्ली, धर्मवीर ग्रंथमाला प्रकाशन, ति. न. ४० पृ. १८ से. खिदि.

तरन-तारनी-पतित पावनी भगवती गायत्री का महत्व, तृ. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, ति. न.
१५ पृ. १८ से. सार्व.

वेद और जीवन. नई दिल्ली, धर्मवीर ग्रंथमाला प्रकाशन, १९६५. ३२ पृ. १८ से. खिदि.

धारेश्वर

वेद मंत्रार्थ प्रकाश: तत्र प्रथमो मंत्र: त्रैविद्याविषयक: संस्कृतार्यभाषयो: स च वेद प्रकाशातुद्धृत्य तुलसीराम स्वामिना संशोध्य, भाग १–२. मेरठ, स्वामी मशीन प्रेस, १९०६.
१८४ पृ. २० से. आ. पु.

नंदकुमार देवशर्मा

स्वामी दयानंद (मानसिक मुक्ति का प्रदाता और हिंदु समाज का संरक्षक). प्रयाग, ओंकारनाथ वाजपेयी, ओंकार प्रेस, १९१४. ९३ पृ. १७ से. खिदि.

स्वामी दयानंद, संपा. ओंकारनाथ वाजपेयी, द्वि. संस्क. इलाहाबाद, संपादक, १९१५. ६,९५ पृ. मुखछवि.
१८ से. ने. ला.

नत्थनलाल आर्य

हवन यज्ञ प्रदीपिका. अम्बाला, लेखक, १९२७.
२३६ पृ. १८ से. सार्व.

नथुनी प्रसाद साह

आर्यतत्व दर्पण. दानापुर, ग्रंथकार, दीनापुर सेंट्रल प्रेस, १८९०. ४२ पृ. १६ से. आ. पु.

नरदेव शास्त्री

आर्य समाज का इतिहास तथा स्वामी दयानंद सरस्वती का जीवन चरित्र. इलाहाबाद, रामजी लाल शर्मा, १९१८–१९.
२ भाग. २१ से. आ. पु., ब्रि. म्यू.

दक्षिण अफ्रीका में धर्मोदय (दक्षिण अफ्रीका में वैदिक धर्म के प्रचार का इतिहास), भूमिका ले. गंगाप्रसाद उपाध्याय. नाताल (दखन), आर्य प्रतिनिधि सभा, नाताल, १९५०.
१२,१३३ पृ. १८.५ से.

नरदेव शास्त्री

मूल अंग्रेजी 'रीलिजस अवेकनिंग इन साउथ अफ्रीका' का अनु. कल., काशी.

पत्र पुष्प. अलीगढ़, रामस्वरूप गुप्त, भारती भवन, १९३५. ५०६,४ पृ. १७.५ से. (वैदिक धर्म प्रचार ग्रंथमाला, नं. ८). काशी., पा. क.

सचित्र शुद्धबोध. ज्वालापुर, हरिद्वार, भास्कर प्रेस, १९३४. २५४ पृ. १८ से. काशी.

'नरवरी'

बलिदान—तेरह तपस्वियों की सच्ची कहानियाँ. दिल्ली, सार्वदेशिक सभा, १९४०. १५३ पृ. १८ से. कल.

बोदसार, टीका. पंडित दिवाकर, संपा. स्वामी दयानंद. बनारस, विद्या विलास प्रेस, १९०४–५. ४,६७२ पृ. २४ से. (बनारस संस्कृत सिरीज़, सं. २३) संस्कृत में वेदांत ग्रंथ. इं. आ.

नरेंद्र, पंडित

हैदराबाद के आर्यों की साधना और संघर्ष. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७३. ८,१९२ पृ. १८ से. (आर्य समाज स्थापना शताब्दी प्रकाशन, गोविंदराम हासानंद स्वर्ण जयंती प्रकाशन). खिदि.

नरेंद्रदेव शास्त्री

आर्य समाज का इतिहास, प्रथम भाग. प्रयाग, रामजी लाल शर्मा, १९१८. ६,३९३ पृ. चित्र. १७.५ से. आ. पु.

नवलसिंह वर्मा

श्राद्ध विवेक. मेरठ, आर्य समाज, राम प्रेस, १८८८. ७२ पृ. १२ से. लिथो हस्तनिर्मित पत्र. उर्दू से अनूदित. आ. पु.

सभा प्रसन्न. लाहौर, लाला सालिग राम, १८८४. ४,९८ पृ. १६ से. आ. पु.

सभा प्रसन्न, तृ. संस्क. लखनऊ, आर्य प्रतिनिधि सभा, युक्त प्रदेश, ति. न. ४,९८ पृ. १९ से. आ. पु.

ज्योतिष दर्शन. मेरठ, केदारनाथ जी, आर्य समाज, १८९४. ४८ पृ. २२ से. लिथो. पहले यह पुस्तक उर्दू अक्षरों में बनाया था अब उसका नागरी अक्षरों में उलथा कर दिया सन् १८८७ ई में. आ. पु.

नवीन आर्य गायन, द्वि. संस्क. लाहौर, रामदित्त मल एंड संस, १९१२.२४,४३२ पृ. १७ से. (इसमें गंजीना, भजन और आर्य संगीत पुष्पावली के भजन भी हैं) काशी.

नाथूलाल गुप्त

आर्य समाज में क्रांति करने वाली नई खोज त्रैतवाद संशोधन एवं पुरुषार्थवाद की भूमिका. शिवपुरी (मध्य भारत), १९५१. ५२,२ पृ. १८ से. काशी., सार्व.

नारायणदत्त सिद्धांतालंकार

महर्षि दयानंद : जीवन और दर्शन : महर्षि दयानंद का जीवन वृत्त और उनके प्रचारित सिद्धांतों और विचारों का परिचय. दिल्ली, नवभारती सहकार प्रकाशन प्रतिष्ठान, १९६७. २६२ पृ. १९ से. ला. का.

नारायण देवी (पत्नी व्रजनारायण शुकदेव)

भजन नारायणी, प्रथम भाग, चतुर्थ संस्क. कानपुर, लेखिका, १९१६. ३२ पृ. १६. ब्रि. म्यू.

भजन नारायणी, द्वितीय भाग. कानपुर, लेखिका, १९१५. ४,५२ पृ. १६ से. ब्रि. म्यू.

नारायण स्वामी

अमृत वर्षा (उपदेश और लेख), संपा. महानंद. लाहौर, राजपाल एंड संस, १९३१. १७८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

[अमृत वर्षा] नारायणी उपदेश, दूसरा भाग. लाहौर, राजपाल एंड संस, १९४६. १९८ पृ. ४ पृ. १८ से. सार्व.

अमृत वर्षा (उपदेश व लेख), संपा. महानंद, षष्ठ संस्क. दिल्ली, राजपाल एंड संस, १९५१. १७६ पृ. १८ से. खिदि.

श्री महात्मा नारायण स्वामी जी लिखित आत्मकथा, भूमिका लेखक ज्ञानचंद. देहली, आर्य समाज सदन, १९४३. १६,३७७ पृ. ३ प्ले. २३ से. ब्रि. म्यू.

आत्मदर्शन, पंचम संस्क. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३. ३४० पृ. १८ से. सार्व.

आर्य समाज क्या है ?, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९२७. ४,९६ पृ. १८ से. ऋषि दयानंद के जन्म शताब्दी के शुभ अवसर पर वैदिक धर्म प्रचार के लिए. का. हि. वि.

आर्य समाज क्या है ?, पंचम संस्क. देहली, शारदा मंदिर बुकडिपो, १९४५. ४,९८ पृ. १८ से. आ. पु.

आर्य समाज क्या है ? देहली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य आश्रम, ति. न. ९६ पृ. १८ से. आर्य समाज के नियमों, सिद्धांतों, मंतव्यों और उद्देश्यों का परि-

नारायण स्वामी

चय कराने के लिए और देश-विदेश में आर्य समाज का प्रचार करने के लिए उपयोगी पुस्तक. खिदि.

आर्य सिद्धांत विमर्श. दिल्ली, प्रयाग (मुद्रित), १९३४. ४,४४७ पृ. २४ से.

अक्टूबर १९३३ में दिल्ली में आयोजित आर्य विद्वत्सम्मेलन के प्रथम अधिवेशन में वैदिक विषयों पर पढ़े गए लेखों का संकलन. का. हिं. वि., ब्रि. म्यू.

कर्तव्य-दर्पण. वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, १९३०. ८,२२४ पृ. १८ से. काशी.

कर्तव्य-दर्पण. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९४२. २८२ पृ. १८ से. कल.

कर्तव्य-दर्पण, तृ. संस्क. देहली, शारदा मंदिर, १९५०. ४५६,८ पृ. १३ से. सार्व.

कर्तव्य-दर्पण, बीसवाँ संस्क. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९५६. ८,३८८ पृ. १२ से. खिदि.

गृहस्थ जीवन रहस्य. दिल्ली, राजपाल एंड संस, १९३३. २१२ पृ. १८ से. खिदि.

गृहस्थ जीवन रहस्य. लाहौर, सरस्वती आश्रम, १९३३. ४,४,२०५ पृ, चित्र. १७.५ से.
श्री मद्दयानंद-निर्वाण अर्द्धशताब्दि संस्करण.
आ. पु., खिदि.

पर्व पद्धति. मथुरा, शताब्दी कार्यालय, १९२४.
खलीफाओं की राजधानी बगदाद में स्थित आर्य समाज के प्रदातित धन से छपा है. आर्य समाज बगदाद ने प्रतिनिधि श्रीयुत् रामचंद्र द्वारा एक सहस्र रुपए शताब्दी कोश में भेजे थे इस पुस्तक के छपने पर व्यय किया गया। खिदि.

प्राणायाम विधि, तृ. संस्क. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, १९३२. ६२ पृ. १२ से. खिदि.

मृत्यु और परलोक अर्थात् शरीर अंतःकरण तथा जीव का स्वरूप और भेद..., षोडश संस्क. देहली, वैदिक साहित्य प्रचारिणी सभा, १९३४. २४५ पृ. १८ से. सार्व.

मृत्यु और परलोक अर्थात शरीर, अंतःकरण तथा जीव का स्वरूप..., बीसवाँ संस्क. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४८. ३०,२८७ पृ. १८ से. बड़ा.

मृत्यु और परलोक, बाईसवाँ संस्क. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६१. १८८ पृ. १८ से. सार्व.

नरायण स्वामी

मृत्यु रहस्य. बरेली, प्रेम पुस्तक भंडार, १९६४. ६४ पृ. १८ से. खिदि.

योग रहस्य, पंचम संस्क. देहली, सार्वदेशिक प्रकाशन, १९४९. ९,126 पृ. १८ से. खिदि.

विद्यार्थी-जीवन-रहस्य, चतु. संस्क. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४६. ३,९२ पृ. डायग्राम्स. २१ से.
विद्यार्थियों को अपनी जीवन-यात्रा में सहायता देने वाली पुस्तक. काशी.

वेद-रहस्य. बरेली, प्रेम पुस्तक भंडार, १९४४. ६,१६३ पृ. १९ से. काशी.

वेद-रहस्य, तृ. संस्क. बरेली, प्रेम पुस्तक भंडार, १९६०. ६,१६३ पृ. १८ से. कल., खिदि.

वैदिक धर्म क्यों ग्रहण करना चाहिए ? मेरठ, घासीराम, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९२९. ४० पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक सिद्धांत अर्थात् कतिपय वैदिक सिद्धांतों पर निबंध संग्रह. मथुरा, दयानंद जन्म शताब्दी सभा, १९२५. २७६ पृ. २१ से. कल., पा. क., सार्व.

सन्यासी-कर्तव्य-दर्पण. दिल्ली, आनंद भिक्षु सरस्वती, सन्यासी मंडल, १९३०. ३० पृ. १८ से. सार्व.

नारायणानंद

सत्संग गुटका. डीडवाना (मारवाड़), वैदिक धर्म सभा, ति. न. १० पृ. १३ से. सार्व.

नित्यानंद स्वामी

पुरुषार्थ प्रकाश. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३३. ४१६ पृ. १८ से. सार्व.

पुरुषार्थ प्रकाश. [ ]. ३३२ पृ. २१ से. मुखपृष्ठ नहीं है. कल.

महात्मा श्री स्वामी नित्यानंद सरस्वती जी का जीवन चरित्र, व्याख्यानों एवं पत्रों के साथ आत्माराम अमृतसरी की भूमिका के साथ संपादित. बंबई, रणछोड़दास भवन, १९१८. २४,१७१,१५१ पृ. चित्र २५ से. ब्रि. म्यू.

संध्या विनय अथवा पूजा के पुष्प. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९४०. १०० पृ. छवि १७ से. सार्व.

संध्या विनय अथवा पूजा के पुष्प, च. संस्क. देहली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९६०. १२८ पृ. १७ से. खिदि., सार्व.

नित्यानंद स्वामी

संध्या सुमन. हरिद्वार, गुरुकुल कांगड़ी, १९३९. २६,१५६ पृ. चित्र. १८ से. (गुरुकुल स्वाध्याय मंजरी, संख्या १०). ब्रि. म्यू.

संध्या सुमन, द्वि. संस्क. हरिद्वार, गुरुकुल कांगड़ी, १९५१. १५६ पृ. १८ संक. सार्व.

नोटोविच, एन.

भारतीय शिष्य ईसा, अनु. मास्टर हरिद्वारी सिंह 'बेदिल'. ज्वालापुर, भीमसेन शर्मा, १९१४. ४८ पृ. २४ से. (इतिहास-विज्ञान-माला, नं. १).
इस पुस्तक के पढ़ने से पता लगता है कि जिस ईसा का शिष्य सारा यूरप है वह इस बूढ़े भारत का शिष्य था. उसने अपने जीवन का अधिक भाग भारतवर्ष में ही व्यतीत किया. उसका तीसरे दिन जी उठना सर्वथा घटना के विरुद्ध है. काशी.

न्यायदत्त शर्मा

स्त्री भजन भंडार, स्त्रियों के लिये आर्य समाजी गीतों का संग्रह, द्वि. संस्क. धामपुर, विजनौर, १९१६. १२, २७६ पृ. १५ से. ब्रि. म्यू.

पन्नालाल 'पीयूष'

तेज प्रकाश भजनावली. जयपुर, पुस्तक भंडार, ति. न. ३७ पृ. १८ से.

आर्य समाजी भजन. खिदि.

परमानंद

आर्य समाज और कांग्रेस. लाहौर, आकाशवाणी पुस्तकालय, १९२५. ६६ पृ. १८ से. (आकाशवाणी पुस्तकमाला का चौथा फूल). आ. पु., काशी.

भारतमाता का संदेश, लाहौर, आर्य पुस्तकालय, सरस्वती आश्रम, ति. न. ८८ पृ. १८ से. काशी.

हिंदू-संगठन. लाहौर, आकाशवाणी पुस्तकालय कार्यालय, विरजानंद प्रेस, १९२३. २,२१२ पृ. १९ से. काशी.

पाणिनि

अष्टाध्यायी-भाष्यम्...दयानंद सरस्वती स्वामिना प्रणीतम्. (हिंदी) अनुवाद सहितम्. अजमेर, वैदिक प्रेस, १९२८. भाग १. ३,२४,१,३९२,१ पृ. २८ से. इ आ.

पाणिनीयाष्टकम् (पूर्वार्द्धकम्), गंगादत्त शास्त्री निर्मिता तत्वप्रकाशिकया व्याख्यया सनाथीकृतम्. जालंधर, सद्धर्म प्रचारक यंत्रालय, १९०५. ४३५ पृ. २५ से.
पाणिनीयाष्टकम् (उत्तरार्द्धम्). जालंधर, १९०७. ३४६ पृ. २५ से. खिदि.

पाणिनि

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्यायां दयानंद सरस्वतीकृत व्याख्या सहितः, द्वि. संस्क. प्रयाग वैदिक यंत्रालय, १८८४.
१५ भाग. २५ से.
भाग १. वर्णोच्चारण शिक्षा. १८ पृ. आ. पु., खिदि.

[वेदांग प्रकाशः] वर्णोच्चारण शिक्षा...श्रीमत् स्वामि दयानंद सरस्वतीकृत (हिंदी) व्याख्या सहिता, तृ. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८६. २३ पृ. २५ से. इ. आ., ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] वर्णोच्चारण शिक्षा अथ वेदांग प्रकाशः तत्रयः प्रथमो भागः वर्णोच्चारण शिक्षा पाणिनि मुनि प्रणीता श्रीमत् स्वामि दयानंद सरस्वतीकृत व्याख्या सहिता, प्रथमो भागः अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९२९. २,१८ पृ. २६ से. इ. आ.

वेदांग प्रकाशः तत्रयः प्रथमोभागः वर्णोच्चारण शिक्षा. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९६६. १०२ पृ. १८ से. पा. क.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्यायां दयानंद सरस्वतीकृत व्याख्या सहितः. काशी, वैदिक यंत्रालय, १८७९. भाग २. संस्कृतवाक्य प्रबोधः. ४,५०,२ पृ. आ. पु., इ. आ.

[वेदांग प्रकाशः] संस्कृत वाक्य प्रबोधः...श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वतीकृत हिंदी व्याख्या सहितः, तृ. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८८. ६२ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] संस्कृत वाक्य प्रबोधः...श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९६. ६२ पृ. २५ से. ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] संस्कृत वाक्य प्रबोधः...श्रीमद्दयानंद सरस्वती कृत (हिंदी) व्याख्या सहितः, पंचम संस्क. अजमेर, १९०९–१०. २,५० पृ. २५ से. इ. आ.

[वेदांग प्रकाशः] संस्कृत वाक्य प्रबोधः...श्रीमद्दयानंद सरस्वती कृत (हिंदी) व्याख्या सहितः, नवम संस्क. [ ], १९१३. ७० पृ. २४.५ से.
पठन-पाठन व्यवस्थायां द्वितीयं पुस्तकम्. काशी.

[वेदांग प्रकाशः] संस्कृत वाक्य प्रबोधः, एकादश संस्क. अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा, १९४१. ५२ पृ. २४ से. पा. क.

पाणिनि

[वेदांग प्रकाशः] संस्कृत वाक्य प्रबोधः, त्रयोदश संस्क. अजमेरं, वैदिक पुस्तकालय, १९६२. ५६ पृ. १८ से.
पठन-पाठन व्यवस्थायां द्वितीयं पुस्तकम्.
खिदि.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीत अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहिता. काशी, वैदिक यंत्रालय, १८७९.
भाग ३. व्यवहार भानुः. ४,३४,३ पृ. २५ से.
आ. पु., इ. आ.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती कृत (हिंदी) व्याख्या सहितः. बनारस, १८८१.
ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः, द्वि. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, (मुंशी शिवदयाल सिंह जी), १८८८.
३७ पृ. २५ से. कल.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९३. ५२ पृ. २२ से.
श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः पठन-पाठन व्यवस्थायां तृतीयं पुस्तकम्.
आ. पु., खिदि.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती कृत (हिंदी) व्याख्या सहितः, पंचम संस्क. अजमेर, १९००. ५० पृ. २५ से.
ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, तृ. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९११.
भाग ३. व्यवहार भानुः ५० पृ. २५ से.
ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितः पठन-पाठन व्यवस्थायां तृतीयं पुस्तकम्, चतुर्दश संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९३१.
२,५८ पृ. १८ से.
भूमिका—दयानंद सरस्वती :—काशी, फाल्गुन शुक्ल १५ सं. १९३६.
सार्व.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४०. ४७ पृ. १८ से.
आ. पु.

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६७. ४७ पृ. १८ से.
पठन-पाठन व्यवस्थायां तृतीयं पुस्तकम्.
खिदि.

पाणिनि

[वेदांग प्रकाशः] व्यवहार भानुः. दिल्ली, आर्य समाज, १९७३. ५३ पृ. १८ से.
खिदि.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. काशी, वैदिक यंत्रालय, १८८०.
भाग ४. संधि विषयः २,६४,३ पृ.
आ. पु., इ. आ.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८१.
भाग ५. नामिकः २,६६ पृ.
आ. पु., इ. आ., ब्रि. म्यू.,

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८१.
भाग ६. कारकीयः. १,४६ पृ.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८१.
भाग ६. कारकीयः. १,४६ पृ.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८१.
भाग ७. सामासिकः. ३,६३,४ पृ.
आ. पु., इ. आ., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः . . . सामासिकः द चैप्टर आन कंपोजीशन फ्राम पाणिनीज़ ग्रामर, विद ए हिंदी कमेंट्री बाई दयानंद सरस्वती, फार्मिंग पार्ट आव द लैटर्स वेदांग प्रकाश, तृ. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०८.
३,६७ पृ. २५ से.
खिदि., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, भीमसेन शर्मणा संशोधितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८१.
भाग ८. स्त्रैणतद्धितः. १७७,२ पृ.
आ. पु., खिदि., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, भीमसेन शर्मणा संशोधितः. प्रयाग, वैदिक मंत्रालय, १८८१.
भाग ९. अव्ययार्थः. १,२४ पृ.
आ. पु., इ. आ., ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] अव्ययार्थः स्वामी दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, द्वि. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८८४. २५ पृ. २५ से.
खिदि.

पाणिनि

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, चतु. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६१२.
भाग ६. अव्ययार्थः. २८ पृ. २५ से.
ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] अव्ययार्थः श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती कृत (हिंदी) व्याख्या सहितः. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६१६. २८ पृ. २५ × १६ से.
इ. आ.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८२.
भाग १०. आख्यातिकः. १,८,३६२ पृ.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, तृ. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६१२.
भाग १०. आख्यातिकः. १,८,३६२ पृ.
ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८२.
भाग ११. सौवरः. २,४,२ पृ.
आ. पु., इ. आ., ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाशः] अथ वेदांग प्रकाशः तत्रयः नवमो भागः सौवरः श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वति कृत व्याख्या सहितः पाणिनिमुनि प्रणीतायांमष्टाध्यायामष्टमो भागः पठनपाठन व्यवस्थायामेकादशं पुस्तकम्, द्वि. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८६१. २४ पृ. २१ से.
खिदि.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, पंडित ज्वालादत्त शर्मणा संशोधितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८२.
भाग १२. पारिभाषिकः. २,५६ पृ.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः तत्रयः द्वादशोभागः पारिभाषिकः पाणिनि मुनि प्रणीतायांमष्टाध्याय्यां नवमो भागः दयानंद स्वामी कृत व्याख्या सहितः, ज्वालादत्त शर्मणा संशोधितः, द्वि. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८६१. ५६ पृ. २२ से.
खिदि.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत सूचीपत्रेण सहितः, पंडित ज्वालादत्त शर्मणा संशोधितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८३.

पाणिनि

भाग १३. धातुपाठः. १,७१,१ पृ.
आ. पु., इ. आ., खिदि.

वेदांग प्रकाशः तत्रयःसप्तम भागस्य प्रथमः खंडः धातुपाठः पाणिनिमुनि प्रणीतायामष्टाध्याय्यां षष्ठ भागस्य प्रथमः खंडः स्वामि दयानंद सरस्वती कृत सूचीपत्रेण सहितः पठन-पाठन व्यवस्थायां नवम पुस्तकस्य प्रथमो भागः. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८६१. ७२ पृ. २१ से.
खिदि,. ब्रि. म्यू.

वेदांग प्रकाशः तत्रयः त्रयोदश भागः धातुपाठः अष्टाध्याय्यां दशमो भागः दयानंद सरस्वती कृत सूचीपत्रेण सहितः, षष्ट संस्क., अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६७०.
६६ पृ. १८ से. खिदि.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनी प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, ज्वालादत्त शर्माणा संशोधितः. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८४.
भाग १४. गणपाठः. ५,५६,१ पृ.
आ. पु.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां, दयानंद सरस्वती कृत व्याख्या सहितः, ज्वालादत्त शर्मणा संशोधितः. प्रयाग, वैविक यंत्रालय, १८८३.
भाग १५. उणादिकोशः. ४,१३८,१ पृ.
आ. पु.

वेदांग प्रकाशः, पाणिनि प्रणीतः अष्टाध्याय्यां . . .श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती कृत (हिंदी) व्याख्या सहितः, द्वि. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८६१.
भाग १५. उणादिकोशः. १६८ पृ.
इ. आ., खिदि.

पाराशर 'राजर्षि'

भारत में स्वर्ग. दिल्ली, राष्ट्र निर्माण ग्रंथमाला, गंगेश्वरी प्रिंटिंग, १६३८. १४०, १५ पृ. १८ से.
काशी.

पिंडीदास 'ज्ञानी'

१८५७ के स्वातंत्र्य संग्राम में स्वराज्य प्रवर्त्तक महर्षि दयानंद सरस्वती का क्रियात्मक योगदान. अमृतसर तथा देहली, आर्य प्रकाशन, १६७१. ३२,२२४,४ पृ. २३ से.
सार्व.

वैदिक-यज्ञ-विधान, संक. पिंडीदास 'ज्ञानी' तथा पंजाब हिंदू महासभा, अमृतसर. अमृतसर, आर्य समाज लोहगढ़, १६६७. १८८ पृ. १८ से. सार्व.

पृथ्वीसिंह 'आज़ाद'

विरजानंद स्मारक सम्मेलन के अवसर पर गुरुवर विरजानंद महाराज जी के चरणों में श्रद्धांजलि जो आचार्य पृथ्वीसिंह

पृथ्वीसिंह 'आजाद'

'आजाद' ने १८–११–१९७३ को भेंट की. करतारपुर, (जालंधर), विरजानंद स्मारक न्यास, १९७३.
२६ पृ. १८ से. सार्व.

पुत्तलाल जैन

वेद मीमांसा. सूरत, शीतल प्रसाद (संपा० जैन मित्र सूरत), १९१६. ६६ पृ. १८ से
कल.

पुरनमल शर्मा

धर्म शिक्षा सार, लेखक पूरनमल शर्मा तथा रामचरण लाल शर्मा 'आनंद'.
भाग १. द्वि. संस्क, १९६४. १२,४४ पृ. १८ से.
भाग २. द्वि. संस्क., १९६४. १२,४७ पृ. १८ से.
भाग ३. १९६४. १२,६० पृ. १९ से.
ने. ला.

पुराण–शिवपुराण

शिवलिंग पूजा विधान शिवपुराण के अनुसार, अनु. रामविलास मिश्र (आर्य समाज, हरदोई). मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, तुलसीराम स्वामी, १८९७. १६ पृ. १७ से.
आ. पु., खिदि.

पूर्णचंद्र

कर्म व्यवस्था अर्थात् पुरुषार्थ और प्रारब्ध का समन्वय. आगरा, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, १९४८.
३२२ पृ. १८ से. सार्व.

भ्रष्टाचार क्यों ? आगरा, आगरा जिला भ्रष्टाचार निरोधक समिति, १९६०. ३० पृ. १८ से.
सार्व.

मन-मंदिर. आगरा, जवाहिर केमिकल वर्क्स, १९४१.
११६ पृ. १८ से. सार्व.

युग निर्माण. नई दिल्ली––सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६६. ११६ पृ. १८ से.
सार्व.

विश्व की पहेली––ईश्वर-जीवात्मा-प्रकृति त्रैतवाद. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३७.
१९५ पृ. १८ से. बड़ा., सार्व.

विश्व की पहेली––ईश्वर-जीवात्मा-प्रकृति त्रैतवाद, द्वि. संस्क. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७०.
१२,२२३ पृ. १८ से. खिदि.

पौराणिक ढोल की पोल––वैदिक वर्ण व्यवस्था, वैदिक नियोग और विधवा विवाह तथा अछूतोद्धार के विरोधियों के लिए उनके ही माननीय ग्रंथों केप्रमाणों द्वारा मुंहतोड़ उत्तर. कलकत्ता, आर्य पुस्तक भवन, ति. न.
३२ पृ. १८ से.
बड़ा.

पौराणिक ढोल की पोल–वैदिक तोप––वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, ति. न. २६,८ पृ. १८ से.
खिदि.

प्रकाशचंद 'कविरत्न'

प्रकाश भजनावली. अजमेर, धर्मेंद्रवीर शिवहरे, १९३३.
५ भाग. १८ से.
भाग ३. ३० पृ. कल.

प्रकाश भजनावली, पाँचों भाग संपूर्ण, त्रयोदश संस्क. अजमेर, प्रकाश साहित्य प्रकाशन, १९७१.
१३६ पृ. १८ से. खिदि.

दयानंद प्रकाश (महाकाव्य), प्रथम खंड. अजमेर, प्रकाश साहित्य प्रकाशन, [१९७१].
५,१४८ पृ. चित्र. २२ से.
काशी., सार्व.

प्रकाशचंद्र 'कविरत्न' अभिनंदन समारोह समिति, अजमेर (राजस्थान)

प्रकाश अभिनंदन ग्रंथ, संपा. भवानी लाल भारतीय एवं सदाविजय आर्य. अजमेर, लेखक, दीपावली १९७१.
विभिन्न पत्र चित्र २४ से.
कल., काशी., खिदि.

प्रकाशवीर शास्त्री

गोहत्या या राष्ट्रहत्या. चंदौसी (मुरादाबाद), श्रद्धा प्रकाशन, १९५४. ८,१०३ पृ. छवि १८ से.
कल.

प्रकाशचंद, स्वामी

अमृत वर्षा. हरिद्वार, श्री साधु सभा, प्रयाग, इंडियन प्रेस, १९०७. २,२४ पृ. चित्र. १८ से.
आ. पु.

आया सो सुनाया. हरिद्वार, साधु सभा, कालाकांकर, हनुमत्प्रेस, ति. न. २३ पृ. २१.५ से.
आ. पु.

आया सो सुनाया. इलाहाबाद, इंडियन प्रेस, १९०९.
२,४८ पृ. १५ से. आ. पु.

ईश्वर से प्रार्थना करने की प्रतिज्ञा. देहरादून, बलदेव सिंह, ति. न. ८ पृ. १०.५ से.
आ. पु.

ईसाई मत ढोल का पोल तथा हरिकीर्तनसार. जोधपुर, आर्य समाज, आर्य संवत्सर १९२७,१९२८,१९२३.
२,२१५,१० पृ. १५.५ से. आ. पु.

प्रकाशानंद, स्वामी

गो माहात्म्य, पंडित देवीप्रसाद शर्म्मा शोधितः. फर्रुखाबाद, संशोधक, हरिद्वार, गोरक्षिणी सभा, १८८६. ३२ पृ. २४ से. काशी.

प्रार्थना श्रोत. लाहौर, १८९२. ७०;९२ पृ. आर्य समाजी प्रार्थना. इ. आ.

प्रताप सिंह शूरजी वल्लभ दास

१२वाँ सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलन पोर्टलुइस (मॉरिशस), श्री प्रताप सिंह शूर जी वल्लभ दास का अध्यक्षीय भाषण. मॉरिशस : २४, २५ और २६ अगस्त, १९७३. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३. १० पृ. २१ से. सार्व.

प्रभावती (आर्योपदेशिका)

नारी जागृति गान, पंचम संस्क. मथुरा, प्रदीप प्रकाशन, १९६५. ३२ पृ. १८ से. खिदि.

प्रभुदयाल, पंडित

समीक्षाकर अर्थात् नवीन सांख्य वेदांतादि के परस्पर विरुद्ध वादों का निराकरण और विरोधाभास का समाधान संस्कृत तथा देशभाषा में. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, स्वामि यंत्रालय, १८९६. २,७९,३ पृ. २२ से.

आ. पु.

प्रमाण सहस्त्री आचार-प्रकरण, द्वि. भाग, अनु. शुकदेव प्रसाद शर्मा, भूमिका ले. भीमसेन शर्मा. नैनीताल, अनुवादक, १९१४. ४४७ पृ. २१ से.

सार्व.

प्रयागदत्त अवस्थी

भजन भास्कर. मुरादावाद, आर्य भास्कर यंत्रालय, ति. न. २२ पृ. १४ से. खिदि.

प्रियदर्शन सिद्धांत

वैदिक-सत्संग-प्रकाश, द्वि. संस्क. कलकत्ता, आर्य स्त्री समाज, भवानीपुर, १९५९. १०,१२८ पृ. १८ से. खिदि.

प्रियरत्न आर्ष

ब्रह्म वेद का रहस्य (अथर्व वेद का प्रथम अनुवादक). लखनऊ, आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत, १९४०. ३२ पृ. १८ से. सार्व.

यम पितृ परिचय. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३३. ४३६,१० पृ. २५ से.

सार्व.

विश्वविज्ञान और परमात्मबोध अर्थात् मनसा परिक्रमा मंत्र व्याख्या. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९४१. ४२ पृ. १८ से. सार्व.

प्रियरत्न आर्ष

वेद में 'असित' शब्द पर एक दृष्टि. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३३. २८ पृ. १८ से. (प्रिय-ग्रंथमाला, सं. १२, (सार्वदेशिक-अनुसंधान-माला, संख्या २). आ. पु.

वैदिक-सूर्य-विज्ञान. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३७. २,२८ पृ. १८ से. (प्रिय ग्रंथ-माला का अट्ठारहवाँ पुष्प).

आ. पु., सार्व.

प्रेमचंद विद्याभास्कर

वीर नेता श्यामाप्रसाद मुकर्जी. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न. १६ पृ. १६ से.

सार्व.

वीर सावरकर क्रांतिकारी नेता की साहसपूर्ण जीवनी और व्याख्यान. देहली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९४५. २,१४० . १८ से.

काशी.

सचित्र हसन विन सव्वाह—८०० वर्ष पुराना एक अद्भुत रहस्यमय जीवन चरित्र, अनु. देवेंद्रनाथ शास्त्री. देहली, मुरारी ट्रैक्ट सोसाइटी, १९२७. ६२ पृ. १८ से.

कल.

प्रेमदास, कबीरपंथी

ग्रंथ तिमिर भास्कर (स्वामी दयानंद सरस्वती एवं 'सत्यार्थ प्रकाश' मत खंडन). होशंगाबाद, १९०९. २,२८७ पृ. १८.५ से. ब्रि. म्यू.

बद्रीनारायण गुप्त

शंका निवारण. रुड़की, लाला भगीरथ लाल जी, आर्य समाज, रुड़की, १८९०.
—खंड. १९ से.
प्रथम खंड. ५८ पृ.

आ. पु., काशी.

बद्रीनारायण शास्त्री

द्वैत या अद्वैत ? कोटा, लेखक, १९६४. ३२ पृ. १८ से. सार्व.

बद्रीप्रसाद शर्मा

अबला विनयः वेदादिसच्छास्त्रप्रमाणैः समन्वितः, संशो. भीमसेन शर्मा तथा तृषाराम शर्मा. इलाहाबाद, सरस्वती यंत्रालय, १८९२. ४, ९२ पृ. १९ से.

काशी.

बनवारी लाल 'सेवक'

हैदराबाद का खूनी इतिहास, आर्य-सत्याग्रह का सचित्र वर्णन. अजमेर, व्रताश्रम, १६३६. २,१०५ पृ. १७.५ से
आ. पु.

बलदेवप्रसाद

नीमच शास्त्रार्थ. नीमच, कुंवर रूपनारायण आर्य. १६२६. १२८ पृ. १८ से. सार्व.

बलदेवप्रसाद मिश्र (मुरादाबाद)

धर्म दिवाकर, ए हिंदी रिलिजस कांट्रोवर्सियल ट्रीटाइज़, रिटेन इन रेफ़्यूटेशन आव पार्ट I ऑव दयानंद सरस्वतीज़ 'भास्कर प्रकाश' एंड इन सपोर्ट ऑव ज्वाला प्रसाद मिश्राज़ 'दयानंद तिमिर भास्कर'. मुरादाबाद, १८६८.
३,६३ पृ. २३ से. ब्रि. म्यू.

शास्त्रार्थ पत्र, ए रिलिजस कंट्रोवर्सी कैरिड आन बाई लेटर्स इन संस्कृत बिट्वीन पंडित्स ऑव धर्मसभा ऑव मुरादाबाद एंड द आर्य समाज ऑव चंदौसी, विद हिंदी ट्रांसलेशंस. कानपुर, १८६६. २७ पृ. २१ से.
ब्रि. म्यू.

बलदेव, ब्रह्मचारी नैष्ठिक

भारतीय संस्कृति और गाय. मुजफ्फरनगर, वैदिक योगाश्रम, १६६६. १३३ पृ. १८ से. (संदेश ग्रंथमाला, ३). खिदि.

बलदेव शर्मा

दानकरण विधि. देहली, केदार नाथ गुप्त, रसिक काशी प्रेस, १८६०. ३६ पृ. १६ से.
आ. पु., खिदि.

बलदेव सिंह वर्मा

शांति सरोवर (भजन). इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८६८. ५८ पृ. १८ से. खिदि.

बलभद्र मिश्र

देशोपकारक. शाहजहाँपुर, शुभचिंतक प्रेस, १८८३. स्वामी दयानंद का पद्यमय जीवन चरित्र.
आ. पु.

स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज का पद्य में संक्षिप्त जीवन चरित. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८६७. २६,१ पृ. १५ से. (वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, २३).
आ. पु.

बलाईचंद मल्लिक आर्य

संक्षिप्त आर्ष धर्म्म 'आर्यमत प्रकाश', उद्धारक ऋषि दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, आर्यकुमार सभा, १६२८.
३२ पृ. १७ सें. खिदि., सार्व.

बलिदान-जयंती स्मृति-ग्रंथ जालंधर, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १६६२. १३६,६४ पृ. २४ से.
आर्य समाज के समस्त हुतात्माओं की पुण्यस्मृति में.
कल.

बसनजी मुकुंद

उदासी बालक राम का मुंबई में कोलाहल. मुंबई, आर्य समाज, रांची, कमलेश्वर प्रेस, १६००.
१,१० पृ. १८ से.
उदासी बालक राम और आर्य समाज मुंबई के शास्त्री नरहरि शर्मा का संवाद वृत्तांत. आ. पु.

बस्तीराम (आर्योपदेशक)

महर्षि दयानंद जीवन कथा (भजनो में). रोहतक, वैदिक पुस्तकालय, १६६०. ६४ पृ. १८ से.
खिदि.

बाइबिल के परस्पर विरोध, अनु. नंदकिशोर सिंह वर्मा. जयपुर, अनुवादक, राजपुस्तकालय, १८६७.
१,६७ पृ. १८ से.
'सेल्फ कंट्राडिक्शंस ऑव द बाइबिल' का हिंदी अनुवाद.
आ. पु.

बांकेबिहारी

सदाचार शिक्षा अर्थात् नित्य कर्म दर्पण, द्वि. संस्क. नागौद (सतना), संकलनकर्ता, १६२५.
६,११०,२ पृ. १७ से. काशी.

बाबूराम शर्मा

अन्त्येष्टि-कर्म-पद्धतिः, सशो. नंदकिशोर शर्मा. इटावा, वेदप्रकाश प्रेस, १६०३. ३० पृ. १६ से.
काशी.

ईसाई लीला, प्रथम भाग. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, लखीमपुरखीरी, हिंदी प्रभा प्रेस, १८६५.
७ पृ. १५ से. आ. पु.

कन्या सुधार, तृ. संस्क. इटावा, ग्रंथकार, ब्रह्म यंत्रालय, १६१८. २८ पृ. १६ से. आ. पु.

किरानी लीला—वेश्या लीला. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८६३. २० पृ. १४ से.
खिदि.

धर्म वलिदान—पथिक वियोग. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८६८. ४० पृ. २१ से.
धर्मवीर पंडित लेखराम शर्मा का स्वर्गवास.
आ. पु.

बाबूराम शर्मा

धर्म वलिदान—पथिक वियोग अर्थात् धर्मवीर पंडित लेखराम जी आर्यपथिक का स्वर्गवास, संशोधक सत्यव्रत शर्मा, सप्तम संस्करण, १६१२. २,४० पृ. २४.५ से.
खिदि.

मूर्तिपूजा विचार, चतु. संस्क. इटावा, ग्रंथकार, आर्य पुस्तकालय, १६०३. ८ पृ. १६ से.
आ. पु.

भारतवर्ष का प्राचीन इतिहास और उसकी सभ्यता अथवा भाषा रामायण का उपोद्‌घात. आगरा, आर्यभास्कर यंत्रालय. १६०७. २,१२५ पृ. २४ से. आ. पु.

वेश्यादोष दर्पण भजनावली, प्रथम भाग. इटावा, संकलन-कर्ता, १६०८. १६० पृ. १५.५ से.
काशी.

संगीत सुधा सागर. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८६७. ३२ पृ. १४ से. खिदि.

संजीवन बूटी अर्थात् वीर्यवर्णन, पंचदश संस्क. इटावा, लेखक, १६१३. भाग १ ६४ पृ. २२.५ से.
कल., काशी.

संजीवनी बूटी अर्थात् वीर्यवर्णन, अष्टदश संस्क. १६२८. भाग १. १२८ पृ. १८ से.
कल.

बालकृष्ण शास्त्री

आर्यों की वैज्ञानिक उन्नति. हरिद्वार, गुरुकुल विश्व-विद्यालय, १६१४. ४८ पृ. २१ से.
खिदि.

श्री मद्दयानंद शतसंवत्सरीय जन्ममहोत्सवान्तर्गतार्य-विद्वत्परिषत् सभायतेः पं० बालकृष्ण शास्त्रिणो भाषणम्. मथुरा, स्वामिनारायण, १६२५. ३२ पृ. १७.५ से.
कल.

बालमुकुंद मिश्र

आर्य समाज पर संसार क्यों झुका ? देहली, प्रकाशन विभाग, आर्य युवक संघ, १६४१. १६ पृ. १७.५ से.
आ. पु.

बालादत्त पुर्गादत्त, पंडित

द्वैतध्वांत निवारणम्, ए कांट्रोवर्सियल ट्रैक्ट आन द टीचिंग्स् ऑव द वेदाज़, बींग ए रिप्लाई टू द 'वेदांतध्वांतनिवारण' ऑव दयानंद सरस्वती. काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८६. २५ पृ. १६ से.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

बालादत्त दुर्गादत्त, पंडित

मूर्तिपूजा खंडन, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, विरजानंद यंत्रालय, १८६१. १६ पृ. १६ से.
पंडित बालादत्त दुर्गादत्त की 'अप्रतिम प्रतिमा' के उत्तर में...

विवलियॉग्रफी. आ. पु.

बिहारी लाल

अंगद चरण (ऋषि दयानंद के सिद्धांत अटल हैं). बरेली, प्रेम पुस्तक भंडार, १६७१. २४ पृ. २४ से.
काशी.

उद्‌वोधनांजलि. लाहौर, १८७५. १८ पृ. १६ से.
आर्यसमाजी प्रार्थना. इ. आ.

कर्म वर्णनम्: अर्थात् दुष्कर्मों का सर्वथा त्याग और सुकर्मों का सर्वदा सेवन. जबलपुर, शुभचिंतक प्रेस, १८६४. १५ पृ. १८ से.
उपनिषद्, भगवद्‌गीता और भानवधर्मशास्त्र से उद्धत कर भाषांतर किया. आ. पु.

बिहारीलाल, पंडित

दंभ-दमन, द्वि. संस्क. बरेली, आर्य समाज, १६७३. ६,४० पृ. १८ से. काशी.

बिहारी लाल शास्त्री

मूर्तिपूजा पर प्रामाणिक शास्त्रार्थ जो व्याख्यानवाचस्पति श्री पंडित बिहारीलाल जी शास्त्री तथा श्री पंडित माधवाचार्य जी के बीच हुआ, द्वि. संस्क. बदायूं, राजाराम 'जिज्ञासु', १६५१. ३४ पृ. १८ से. आ. पु.

वेदवाणी—महत्वपूर्ण लेखों का संग्रह, चतुर्थ संस्क. कानपुर, जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा, ति. न. ६,२१४ पृ. १८ से. काशी.

बुद्धदेव विद्यालंकार

देवयज्ञः—दैनिक अग्निहोत्र की व्याख्या. लाहौर, आर्य प्रतिनिधि सभा, १६३६. ६० पृ. १८ से.
सार्व.

पंच—यज्ञ-प्रकाश. [मेरठ, प्रभात आश्रम], १६४०. २११ पृ. १८ से.
सार्व.

पंच—यज्ञ-प्रकाश. देहली, लेखक, १६४७. २११ पृ. १८ से.
बड़ा.

मनु और मांस. हरिद्वार, गुरुकुलीय साहित्य परिषद्, गुरुकुल यंत्रालय, १६१५. १८ पृ. १७ से.
काशी.

बुद्धदेव 'मीरपुरी'

अवतारबाद मीमांसा, संशो. एवं परि. संस्क. लाहौर, दयानंद स्वाध्याय मंडल, ति. न. ८४ पृ. १८ से. कल.

ब्रह्मयज्ञ:, द्वि. संस्क. लाहौर, गुरुदत्त भवन, १९३३. ११५ पृ. १८ से. सार्व.

मूर्तिपूजा मीमांसा, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, पंजाब, साहित्य विभाग, १९१७. ३,२,१०४ पृ. १८ से. आ. पु.

बुलाकीराम शास्त्री

दयानंद लीला, स्ट्रिक्चर्स अगेंस्ट द टीचिंग्स् ऑव दयानंद सरस्वती. फर्रुखाबाद, १८८९. २० पृ. २१ से. लिथो. ब्रि. म्यू.

ब्रजमोहन शर्मा

महर्षि दयानंद और नवयुवक. लखनऊ, हिंदी पुस्तक भंडार, १९२३. १५ पृ. १७.५ से. (राष्ट्रीय ग्रंथमाला का तीसरा पुष्प). काशी.

ब्रह्मदत्त 'जिज्ञासु'

आर्य समाज गोरखपुर के वेद सम्मेलन के अवसर पर पं० ब्रह्मदत्त 'जिज्ञासु' का सभापति भाषण. गोरखपुर, आर्य समाज, १९५९. २४ पृ. १८ से. पा. क.

देवापि और शांतनु के वैदिक आख्यान का वास्तविक स्वरूप, द्वि. संस्क: अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९६९. ६४ पृ. १८ से.
ऋ. मं. १०, सूक्त ९८ का विवेचन,
खिदि.

निरुक्तसार और वेद में इतिहास. लाहौर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९४५. ६० पृ. १८.५ से. (वैदिक निबंधमाला, २). पा. क.

भारत के समस्त रोगों की अचूक औषधि ऋषि प्रणाली. वाराणसी, रामलाल कपूर, १९५९. ६३ पृ. १८ से. पा. क.

वेद सम्मेलन : सप्तम आर्य महासम्मेलन, मेरठ के अवसर पर होने वाले वेद सम्मेलन के सभापति पं. ब्रह्मदत्त जी 'जिज्ञासु' का सभापति भाषण. मेरठ, आर्य महासम्मेलन, १९५१. ३४ पृ. २२ से. पा. क.

वेदार्थ प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धांत गंभीर और खोजपूर्ण विवेचन. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट. १९५४. ७३ पृ. १८.५ से. पा. क.

ब्रह्ममुनि

निजजीवन-वृत्त वनिता. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६१. ७९ पृ. १८ से. सार्व.

बालजीवन सोपान, द्वि. संस्क. हरिद्वार, लेखक, १९६२. १२१ पृ. १८ से. कल.

मंत्रों के ऋषि. ज्वालापुर, आर्य वानप्रस्थाश्रम, १९७४. ३४ पृ. १८ से. सार्व.

रामायण दर्पण अर्थात् रामायण की विशेष शिक्षायें एवं कुछ अपूर्व बातें. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४७. १४,९८ पृ. १८ से. खिदि.

वैदिक वंदन, वेदों के आध्यात्म विषय, १४ सूक्त अध्याय और ईश्वर जीवात्मा. . .आदि, १३ विषयों के १५० प्रकीर्ण मंत्र अर्थ, व्याख्या सहित . ज्वालापुर, वेदानुसंधान सदन, १९५८. ४३६ पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक ईशवंदना. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५०. ३५ पृ. १८ से. सार्व.

ब्रह्मर्षि देश के आर्य समाजों के नियम और उपनियम, द्वि. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८५. १२ पृ. २१ से. काशी.

ब्रह्मर्षि देश के आर्य समाजों के नियम और उपनियम. मुरादाबाद, १८९७. १० पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

ब्रह्मर्षि देश के आर्य समाजों के नियम और उपनियम, नवाँ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९२८. १२ पृ. १८ से. काशी.

ब्रह्मानंद सरस्वती

आर्य समाज बुरा क्यों है ? संग्र. ब्रह्मचारी ब्रह्मानंद एवं चंद्रगोपाल मिश्र. मध्यप्रदेश, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९१५. ७५ पृ. १७.५ से. आ. पु.

आर्यावर्त का चक्रवर्ती राज्य तदंतर्गत मुसलमानों की टर्की में आर्यों का राज्य, प्रथम भाग. भैसवाल (हरियाणा), गुरुकुल विद्यापीठ, १९२६. १८ पृ. मानचित्र. २५ से. कल.

ईसाई मत खंडन, द्वि. भाग. लखीमपुर, वैदिक पुस्तक प्रचार फंड, आर्य संवत्सर १९६००८५२९९५. १,१५ पृ. १६ से. (वै. पु. प्र. फं., पुस्तक संख्या १०). ईसाईयों की बाइबिल की अनीतियों का वर्णन. आ. पु.

ब्रह्मानंद सरस्वती

प्राणायाम की सरल विधि महर्षि दयानंद एवं अन्य ऋषि कृत. वाराणसी, महादेव प्रसाद, दीपक प्रेस, ति. न. ३२ पृ० १८ से. खिदि.

भक्तराम उपदेशक

आर्ष पितृयज्ञ अर्थात् वेद तथा ब्राह्मणादि आर्ष ग्रंथ प्रतिपाद्य पितृयज्ञ विषयक विस्तार पूर्वक वर्णन. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, ति. न. ९२ पृ. २४ से. सार्व.

भक्तराम शर्मा

द्विवेदी युगीन काव्य पर आर्य समाज का प्रभाव. दिल्ली, वाणी प्रकाशन, १९७३. १९९,१० पृ. २४ से. सार्व.

भगवती देवी

अवलामति वेग रोधक संगीत. लाहौर, विरजानंद यंत्रालय, १८९३. २,८२ पृ. १८ से. आ. पु.

भगवद्दत्त

आर्य राजनीति के कतिपय तत्व. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६१. ५२ पृ. १८ से. खिदि.

भारतवर्ष का इतिहास—आदि युग से गुप्त साम्राज्य के अंत तक, द्वि. संस्क. माडल टाउन पंजाब, वैदिक अनुसंधान संस्थान, १९४६. ३५७ पृ. २५ से.

महामुनि दयानंद सरस्वती की पवित्र स्मृति में. बड़ा.

ऋषि दयानंद सरस्वती स्वरचित लिखित वा कथित जन्म चरित्र. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९४१. ४८ पृ. १८ से. पा. क.

भगवानदास

हिंदुओं का संग्रंथन और आत्मरक्षण. काशी, श्रीराम शर्मा, ज्ञानमंडल यंत्रालय, १९२२. १५ पृ. १७ से. ३० अक्टू. १९२२ के दैनिकपत्र 'आज' से उद्धृत. कल.

भगवानदेव

हरयाणे के वीर यौधेय, प्रथम खंड. रोहतक, हरियाणा साहित्य संस्थान, १९६८, ६,१८० पृ. छवि. २३ से. खिदि.

भोजन. झज्जर (रोहतक), विश्वंभर वैदिक पुस्तकालय, १९५५. १०० पृ. १८ से. खिदि.

भगवानदेव

व्यायाम का महत्व, तृ. संस्क. देहली, वैदिक साहित्य

भगवानदेव

प्रकाशन, १९५४. ३४ पृ. १८ से. खिदि.

स्वतंत्रता की वेदी पर. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, ति. न. ८८ पृ. छवि १८ से. सार्व.

हमारा शत्रु अर्थात् तंबाकू का नशा, पंचम संस्क. रोहतक, गुरुकुल झज्जर, १९६६. २४ पृ. १८ से. खिदि.

भट्टाचार्य, जी. पी.

महर्षि दयानंद सरस्वती की देन. कलकत्ता, महर्षि दयानंद आगमन शताब्दी समारोह, १९७२. १९ पृ. १८ से. खिदि., पा. क.

भद्रसेन 'मुमुक्ष'

प्रभु भक्त दयानंद. चित्तौड़, लेखक, १९३३. ९० पृ. १२ से. सार्व.

सुख की खोज (सुखस्यमूलं धर्मः). मुजफ्फरनगर (उ. प्र.), वैदिक योगाश्रम, १९७२. १०२ पृ. १८ से. खिदि.

भयानक षड्यंत्र

आगाखानियों की धोखेबाजी और चालाकी का प्रत्यक्ष नमूना, चतुर्थ संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, आगरा भगवानदीन आर्य भास्कर प्रेस, ति. न. २९ पृ. १७ से. आ. पु.

भरद्वाज, महर्षि

बृहद् विमानशास्त्र अर्थात् महर्षि भरद्वाज प्रणीत 'यंत्रसर्वस्व' ग्रंथान्तर्गत यतिबोधानंदकृत श्लोकबद्ध वृत्ति सहित 'वैमानिक प्रकरण', संपा. एवं भाषानुवादक, ब्रह्ममुनि परिव्राजक (गुरुकुल कांगड़ी). नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५९. ३६८ पृ. २६ से. सार्व.

विमानशास्त्र अर्थात् महर्षि भारद्वाज 'यंत्रसर्वस्व' ग्रंथांतर्गत वैमानिक प्रकरण, बोधानंद वृत्ति सहित, संपा. एवं अनु. प्रियरत्न आर्य. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४३. २,५८ पृ. १९ से. काशी.

भवानीदयाल नेटाल

दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास इंदौर, द्वारिका प्रसाद सेवक, सरस्वती सदन, १९१६. १२,१०१ पृ. छवि. २६ से. काशी.

भवानीदयाल, स्वामी

वैदिक प्रार्थना, चतु. संस्क. अजमेर, लेखक, १९४१. २,८० पृ. प्लेट्स. १८ से. पुस्तक-सूची. आ. पु.

भवानी प्रसाद, पंडित

आर्य्य-पर्व पद्धति. मथुरा, नारायण स्वामी शताब्दी सभा के प्रधान, १९२४.
३,४,२६२ पृ. चित्र. २१.५ से.
बग़दाद आर्य समाज के व्यय से प्रकाशित.
आ. पु., काशी.

आर्य-पर्व-पद्धति, मथुरा प्रसाद के प्राक्कथन के साथ, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३७.
१२,२६८ पृ. २१.५ से.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

आर्य-पर्व-पद्धति, तृ. संस्क. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४७. २९४ पृ. १८ से.
सार्व.

आर्य-पर्व-पद्धति, पंचम संस्क. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६७. २९५ पृ. १८ से.
कल.

आर्य पर्वावलि, संशो. सिद्ध गोपाल. मुरादाबाद, शर्मा मशीन प्रिंटिंग प्रेस, १९२४.
—भाग. १८ से.
भाग २. ३०,२४४ पृ.
आ. पु., ब्रि. म्यू.

आर्यभाषा पाठावली, ए क्लासीफाइड हिंदी रीडर फॉर द गुरुकुल एट कांगड़ी, द्वि. संस्क. कांगड़ी, १९१३.
२ भाग. २२ से. (गुरुकुल ग्रंथावली).
ब्रि. म्यू.

बिजनौर मंडल आर्य समाज का इतिहास (सचित्र). बिजनौर, बिजनौर मंडल आर्य सम्मेलन, प्रबंधकारिणी सभा, १९२९. १२,२०८ पृ. मुखछवि. १७.५ से.
बिजनौर मंडल आर्य समाज विवरण कोष्ठकावली, पृ. १–९. (फुलस्केप पेपर पर). आ. पु.

भवानीप्रसाद (सागर)

दयानंद मत विद्रावण अर्थात् 'सत्यार्थ प्रकाश' पर शंका प्रवाह भवानी प्रसाद ने 'दयानंद तिमिर भास्कर' की सहायता से 'सत्यार्थ प्रकाश' का अवलोकन करके बनाया और जिसको सनातन धर्म महोपदेशक पं. ज्वालाप्रसाद मिश्र ने शुद्ध किया. मुरादाबाद, तंत्रभास्कर प्रेस, १९००.
४४ पृ. २४ से.
'सत्यार्थ प्रकाश' पर शंका प्रवाह.
आ. पु., खिदि.

दयानंद मतविद्रावण अर्थात् 'सत्यार्थ प्रकाश' पर शंका प्रवाह, तृ. संस्क. इटावा, ब्रह्मदेव शर्मा, १९१४.
८३ पृ. २१ से. कल.

भवानीलाल, भारतीय

आर्य समाज के वेद सेवक विद्वान. सोनीपत (हरियाणा), रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९७४. १३८ पृ. २१ से.
आर्य समाज शताब्दी के उपलक्ष्य में. सार्व.

आर्य समाज के शास्त्रार्थ महारथी. अजमेर, श्रीमती परोपकारिणी सभा, १९७०. १२४ पृ. १८ से.
पा. क.

ऋषि दयानंद और आर्य समाज की संस्कृत साहित्य को देन. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९६८.
३८४,४ पृ. २३ से.
नोट : आर्य समाज का संस्कृत भाषा और साहित्य को योगदान का परिवर्द्धित संस्क. राजस्थान विश्वविद्यालय से पी. एचडी. डिग्री के लिए स्वीःकृति शोध-प्रबंध.
कल., ने. ला.

ब्रह्मवैवर्त पुराण (एक सरल समीक्षा). मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९६९. ७२ पृ. १८ से.
खिदि.

शुद्धगीता, संपा. ईश्वरी प्रसाद. मथुरा, सत्य प्रकाशन, ति. न. २४० पृ. १८ से.
(१) एक आलोचनात्मक सरल अध्ययन, (२) सुबोध भाष्य,
खिदि.

भानुचरण आर्षेय

सत्यार्थ प्रकाश—दार्शनिक विचार. वाराणसी, आर्ष ग्रंथ प्रकाशन मंडल, ति. न. २० पृ. १७ से.
काशी.

भारतीय हिंदू शुद्धि सभा, दिल्ली का वार्षिक विवरण १ जनवरी १९६७ से ३१ दिसम्बर १९६७ तक. दिल्ली, शुद्धि सभा भवन, ति. न. ३० पृ. १८ से.
खिदि.

भीमसेन शर्मा

अनुभ्रमोच्छेदन. बनारस वैदिक यंत्रालय, १८८०.
२३ पृ. २४ से.
राजा शिवप्रसाद जी के 'द्वितीय निवेदन' के उत्तर में.
यह ग्रंथ लाला सादीराम के प्रबंध से वैदिक यंत्रालय में छपा.
आ. पु., काशी.

अनुभ्रमोच्छेदन, द्वि. संस्क. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८७. १६ पृ. २५ से.
अनुभ्रमोच्छेद, चतुर्थ. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०७. १६ पृ. २४ से.

दयानंद के शिष्य भीमसेन शर्मा ने राजा शिवप्रसादजी के 'द्वितीय निवेदन' के उत्तर में बनाया. कल.

आश्वमेधिक मंत्र मीमांसा—अश्वमेध संबंधी मंत्रों पर वर्तमान आर्यसमाजी जो आक्षेप करते हैं उनका युक्तियुक्त समाधान. इटावा, ब्रह्म प्रेस, १९११. ८४ पृ. १६ से.
कल.

इष्टि संग्रहः—वेद, ब्राह्मण, श्रौत सूत्रानुसारेण लोकोपकारमत्या भीमसेन शर्मणा संगृहीतो महता परिश्रमेण संशोध्य प्रकाशितश्च. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९९.
१२,१२,३० पृ. २१ से. आ. पु., खिदि.

ईश्वर सिद्धिः. तिलहर, शाहजहांपुर, चिम्मनलाल वैश्य मुरादाबाद, आर्यमित्र यंत्रालय, १९००.
२,१६ पृ. १२ से. आ. पु.

अथ उपनयन पद्धति पारस्कर गृह्य सूत्रानुसारिणी लोकाभाषाश्च भीमसेन शर्मणा विशदीकृतः, हिंदी अनुवाद के साथ. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १९००. ५६ पृ. २१ से.
खिदि., ब्रि. म्यू.

गंगादितीर्थतत्वविचारः पं. गोकुल प्रसाद धर्मसमाजी के प्रश्नों का समाधान जिसको भीमसेन शर्मा ने सर्वसाधारण के भ्रम निवारणार्थ विशेषकर वेद मंत्रों पर व्यवस्था लगाकर लिखा.
३२ पृ. २४.५ से. काशी.

गर्भाधानादि नव संस्कार पद्धतिः अर्थात् गर्भाधान, पुंसवन, सीमंत, जातकर्म, नामकर्म, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, निष्क्रमण, कर्णवेध, इन नौ संस्कारों का इस पुस्तक में शुक्ल यजुर्वेद तथा पारस्कर गृह्यसूत्र के अनुसार सुगम रीति से संस्कृत और नागरी भाषा में व्याख्यान. इटावा, सरस्वती प्रेस, १९०१.
५० पृ. २१ से. खिदि.

दयानंदोपनिषद् अथवा दयानंद बोध, संपा. भीमसेन विद्यालंकार. लाहौर, राजपाल एंड संस, १९४६.
२४,१४० पृ. १७.५ से. आ. पु., काशी.

दर्शपौर्णमास पद्धतिः सर्व श्रौत कर्म प्रकृतिः. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९९. ९० पृ. २१ से.
वेद, ब्राह्मण और श्रौतसूत्र के अनुसार.
आ. पु., खिदि.

पुत्रकामेष्टिपद्धतिः, लोकोपकार मनीषया भीमसेन शर्मणा संकलिता. इटावा, पूर्णसिंह वर्मा, सरस्वती यंत्रालय, १८९७. २४ पृ. २२ से.
आ. पु., खिदि.

पुनर्जन्म जिसको वेद और न्यायशास्त्रियों के प्रमाण और प्रबल युक्तियों द्वारा अनेक शंकाओं का समाधान करके भीमसेन शर्मा ने बनाया, द्वि. संस्क. इटावा, लेखक, १९१४.
१०० पृ. १६ से.
कल.

ब्राह्ममत परीक्षा, ए रेफ्युटेशन ऑव द टीचिंग्स ऑव द ब्राह्म समाज, बींग ए रिप्लाई टु ए पैंफलेट इनटाइटिल्ड 'सद्धर्मी लोग वेदों को कैसे मानते हैं ?' प्रयाग, १८९१.
९६ पृ. १६ से. ब्रि. म्यू.

मांस भोजन विचार के प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग का उत्तर अर्थात् जोधपुर के नाम दिए एक उपदेशक ने आयुर्वेद, सुश्रुत के प्रमाणों से मांस भक्षण करना सिद्ध किया था उसका प्रमाणों द्वारा भीमसेन शर्मा ने उत्तर दिया. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९६. ३०,६०,७८ पृ. १८ से.
खिदि.

यज्ञपरिभाषा सूत्र संग्रहः व्याख्यातः भीमसेन शर्मा. इटावा, ब्रह्म यंत्रालय, १९०८. १४२ पृ. २३ से.
खिदि.

रत्न समुच्चय. बंबई, निर्णय सागर प्रेस, १८९०.
हि. सा. स.

विधवा विवाह मीमांसा, द्वि. संस्क. इटावा, ब्रह्मदेव शर्मा, १९१४. १२३ पृ. २२ से.

विधवा विवाह विषयक श्रुति, स्मृतिं, इतिहास, पुराण आदि के प्रमाणों तथा दृष्टांतों की ठीक-ठीक व्यवस्था और विधवा विवाह तथा नियोग का खंडन. काशी.

शास्त्रार्थ आगरा, ए करेसपांडेंस इन हिंदी ऐंड संस्कृत बिट्वीन भीमसेन शर्मा ऐंड द आर्य समाज ऑव आगरा ऑन द सब्जेक्ट ऑव श्राद्ध. मेरठ, १९०१. ५७ पृ. १८ से.

भीमसेन शर्मा, इटावा ने निम्नलिखित पत्र सर्वत्र फैलाया. वर्तमान आर्य समाज के मेरे पृथक् होने का कारण.
ब्रि. म्यू.

स्थावर में जीव विचार. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९७. ४७ पृ. १४ से.
'आर्य सिद्धांत' मासिक पत्र से उद्धृत. खिदि.

स्मार्त कर्म पद्धतिः. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १९००.
३,३७ पृ. २८ से.

गृह्याग्नि के स्थापन का विधान, स्मार्त अग्निहोत्र, स्मार्त दर्शपौर्णमास विधि और पंचमहायज्ञ नित्यकर्म इन सब गृह्याग्नि संबंधी कर्मों की विशेष कर पारस्कर गृह्यसूत्रानुसार पद्धति.
आ. पु., खिदि.

भूमित्र शर्मा

पितृ यज्ञ समीक्षा अर्थात् लाला हरद्वारीमल चोखानी भिवानी निवासी लिखित 'पितृ यज्ञ की संहृति' का उत्तर. मेरठ, भास्कर प्रेस, १९१७. ७२ पृ. २१ से.
सार्व.

पुराण कलंक प्रकाश अर्थात् पौराणिक पंडित कालूराम जी द्वारा रचित 'पुराण कलंका भासमार्जन' की यथोचित समीक्षा. मेरठ, भास्कर प्रेस, १९१७. ८० पृ. २१ से.
काशी.

मंगलदेव संन्यासी

आर्य जाति की पुकार, संशो. परि. संस्क. आगरा, प्रेम पुस्तकालय, कौरोनेशन प्रेस, १९२५.
६४ पृ. १७.५ से. आ. पु.

ईश्वर स्तुतिविचार. आगरा, आर्य सिद्धांत प्रचारिणी सभा, ति. न. ८ पृ. २२ से. आ. पु.

कुरीति निवारण जिसे स्वामी जी के आज्ञानुसार बाबूराम शर्मा ने प्रकाशित किया, चतुर्थ संस्क. इटावा, ब्रह्मदेव शर्मा, १९१०. २५ पृ. २४.५ से. काशी.

मंगलानंद पुरी, सन्यासी

अफ्रिका यात्रा, लेखक व प्रकाशक मंगलानंद पुरी सन्यासी. कानपुर, लेखक, भगवानदास गुप्त, कमर्शियल प्रेस, १९२८.
५३,६८० पृ. छवि १८ से.
बग़दाद के भारतीय सज्जनों की विशेष सहायता से छपी.
काशी.

क्या इस्लाम शांतिदायक है ? हिंदू मुस्लिम ऐक्यता का यथार्थ मार्ग. कानपुर, ग्रंथकार, आर्य समाज, १९२५.
३२ पृ. १७ से. आ. पु.

दयानंद जीवन काव्य अर्थात् श्री १०८ महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी महाराज का जीवन चरित्र भाषा कविताओं में. बंबई, दायाभाई खुशालभाई पटेल, १९१३.
५,४८,२८८,६ पृ. २१ से. आ. पु.

मंज़िल—वेद और कुरान की समानता . . . विरोध. [ ]
२४,५७,५ पृ. २० से.
कुरान की आयतों की व्याख्या.
(मुखपृष्ठ नहीं है). खिदि.

मक्खनलाल शर्मा

व्याख्यान सागर. काशीपुर (नैनीताल), ग्रंथकार, नायब कानूनगो तहसील काशीपुर, कलकत्ता, डॉ० वर्म्मन के मेडिकल प्रेस में छपी, १८९३. १४० पृ. १७.५ से.
आ. पु.

मथुराप्रसाद माहेश्वरी

धर्म शिक्षा की द्वितीय पुस्तक, आर्य पाठशालाओं के बालकों के धर्म शिक्षा के अर्थ, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य समाज, वैदिक यंत्रालय, आर्य संवत् १९७. २७ पृ. १५ से.
आ. पु.

मथुराप्रसाद, मुंशी

सत्य दर्पण, लखीमपुर, हिंदी प्रभा प्रेस, १८९१.
४० पृ. २२ से. आ. पु.

मथुराप्रसाद शिवहरे

आलर्म बेल अर्थात् खतरे की घंटी, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, ति. न. ५४ पृ. १७ से.

एक करोड़ हिंदुओं को मुसलमान बनाने के हथकंडों का विवरण.
——नवम् संस्क. १९४१. २,५० पृ. १७ से.
आ. पु., कल.

मदनजित आर्य

सामाजिक पद्धतियाँ, षष्ठ परि. संस्क. फिरोजपुर, आर्य समाज राणी तालाब, १९७३. १४,१३२ पृ. १८ से.
सार्व.

मदनमोहन विद्यासागर

आर्य समाज क्या मानता है ? जालंधर, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, ति. न. ३२ पृ. १२ से.
कल.

आर्य सिद्धांत मुक्तावली (ऋषिबोध). हैदराबाद, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५६. ११२ पृ. १८ से.
कल., सार्व.

आर्यस्तोत्र——प्रातः सायं परायण योग्य भक्ति-स्तोत्र. तेनाली (द. भा.), प्रेम मंदिर प्रकाशन, १९५१.
५६ पृ. १८ से. सार्व.

जनकल्याण का मूल मंत्र——गायत्री मंत्र, पंचम संस्क. हैदरावाद, क्रांतिदूत प्रकाशन, १९६५. ८,१२८ पृ. १८.५ से.

२४ दिस. १९६५ श्रद्धानंद बलिदान दिवस प्रकाशन.
कल., खिदि., सार्व.

वेदों की अंतःसाक्षी का महत्व (वेद विषय में). तेनाली (द० भारत), प्रेममंदिर प्रकाशन, स्वाध्याय मंडल, १९५१. ६१ पृ. १८ से.
कल.

मदनमोहन विद्यासागर

संस्कार महत्व. तेनाली (द. भारत), प्रेममंदिर प्रकाशन, १९५१. ९२ पृ. १८ से. सार्व.

संस्कार समुच्चयः, सरस्वती भाष्य सहित, लेखक मदनमोहन विद्यालंकार. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९७०. १७,६२४ पृ. चित्र. २२ से. (रामलाल कपूर ट्रस्ट ग्रंथमाला, ४१). ला. का.

मदनमोहन शर्मा

वेदसार परीक्षण. चंडीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय, १९६३. १६० पृ. १८ से. सार्व.

मदनमोहन सेठ

वैदिक वैजयंती. (लखनऊ), आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत, १९१२. आ. पु.

मधुसूदन गोस्वामी

आर्य समाजीय रहस्य, बंबई, आर्य पुस्तक प्रचारक मंडली, १८९३. आ. पु.

मनसाराम

शिवपुराण की आलोचना. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, सरस्वती आश्रम, १९२६. ३५५ पृ. १८ से. (पुराणालोचन ग्रंथमाला, दूसरा पुष्प). आ. पु.

मनु

आर्ष-मनुस्मृति (महर्षि दयानंदार्थगर्भयुता) मानवधर्मशास्त्र, दयानंद सरस्वती कृत (मूल संस्कृत), हिंदी अनुवाद सहित, संपा. चंद्रमणि विद्यालंकार. देहरादून, संपादक, १९३५. ६,३०२ पृ. छवि १८ से. ब्रि. म्यू.

मनुस्मृतिः (सरल भाषाटीका), व्याख्या. दर्शनानंद सरस्वती. मथुरा, पुस्तक मंदिर, १९५२. ४,६३६ पृ. १८ से. खिदि.

मांस भोजन विचार, प्रथम भाग जिसको महाराजा प्रतापसिंह राज मारवाड़ तथा प्रधान आर्य समाज जोधपुर की सत्यतानुसार मनु महर्षि का आशय एक उपदेशक ने निःस्वार्थ प्रकाशित किया. जोधपुर, आर्यसमाज, लाहौर,अरोडवंश, १८९४ २२० पृ. १४ से. काशी.

——द्वितीय भाग. ति. न. २६ पृ. २३ से. आ. पु, काशी.

मानवधर्म मीमांसा भूमिका, लोकोपकार मनीषया संस्कृत भाषया लोकभाषाय च भीमसेन शर्मणा व्याख्याता. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९२. ३६४,४ पृ. २५ से. खिदि.

मानवधर्मविचार अर्थात् मनुस्मृति का संक्षेप भाषानुवाद अविकोक्ति सहित जिसको जगन्नाथ दास आर्य ने संपूर्ण

मनु

आर्यों के हितार्थ संकलित किया. शाहजहाँपुर, आर्य-दर्पण प्रेस, १८८३. ३४ पृ. १८.५ से. काशी.

मनुदत्त शर्मा

यथार्थ धर्म निरूपण, प्रथम भाग. मुरादाबाद, आर्यभास्कर प्रेस, ति. न. २३ पृ. १५ से. आ. पु.

मनोहरलाल आर्य

ऋषि दयानंद का अन्यतम दृष्टिकोण. निजामाबाद, हैदराबाद, गणेश प्रसाद आर्य, १९४२. १४ पृ. १८ से. सार्व.

मनोहर सिंह, कुमार

अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद जी का शाखा (आल्हा) रूप में वर्णन. अजमेर, 'स्वाधीन', १९२७. १२ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

मयराष्ट्र नगरे सप्तम सार्वदेशिकार्य महासम्मेलनादसरे विनियुक्ता "राष्ट्रभृत्-यज्ञ-पद्धतिः" मेरठ, तुलसी प्रिंटिग वर्क्स, १९५१. ४६ पृ. १८ से. सार्व.

मलकराज भल्ला

क्या स्वामी दयानंद मक्कार था ?, अनु. रामविलास शर्मा. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, स्वामि यंत्रालय, १८९७. ३७ पृ १२ से. (पुस्तक सं., २०) आ. पु.

गंगा की नींद, द्वि. संस्क. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९७. १६ पृ. १६ से. (वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड पुस्तकमाला, २२). आ. पु.

महात्मा सुकरात की मृत्यु पंडित सूर्यप्रसाद मिश्र, मैनेजर आर्यभास्कर प्रेस ने अनुवाद करके छपवाया. लखीमपुर, आर्यभास्कर प्रेस, १८९६. ४७ पृ. ११ से. खिदि.

महादेवशरण

स्वामी रामानंद सन्यासी. दानापुर, आर्य प्रतिनिधि सभा, बिहार, नवजीवन पुस्तकमाला, १९३५. ५६,४ पृ. १८ से. कल.

महादेवी

धर्म पुस्तक, प्रथम भाग. देहरादूर, स्वामी प्रेस, १९१३. ४,२६ पृ. १४ से. आ. पु.

महावीर प्रसाद

छपरा वृत्तांत अर्थात् पं. अंबिकादत्त व्यास साहित्याचार्य का छपरे में छिपकर शास्त्रार्थ को टालना. कलकत्ता, लेखक, आर्यावर्त यंत्रालय, १८८८. ३१ पृ. २३ से. खिदि.

महावीर सिंह शर्मा

इसलाम की पुकार, मदीने की लताड़, तृ. संस्क. बिहारशरीफ, संग्रहकर्ता, १९२७. ८ पृ. १७ से. आ. पु.

श्रद्धानंद भजनमाला. बिहारशरीफ, ग्रंथकार, १९२६. १६ पृ. १७ से. आ. पु.

हिंदुओं के होश की दवा. बिहारशरीफ, ग्रंथकार, १९२७. १६ पृ. १७ से. आ. पु.

स्वामी नित्यानंद : जीवन और कार्य. होशियारपुर, वैदिक शोध संस्थान, १९६०. १३७ पृ. सं. सं. वि.

महेंद्रप्रताप शास्त्री

गंगाप्रसाद उपाध्याय अभिनंदन ग्रंथ. मथुरा, आर्य प्रतिनिधि सभा, उ. प्र., १९५४. ४८८ पृ. २४ से. पा. क.

नारायण अभिनंदन ग्रंथ—महात्मा नारायण स्वामी महाराज की ८०वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, संपा. महेंद्रप्रताप शास्त्री, धर्मदेव एवं विश्वंभर सहाय. देहली, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४५. ३८६ पृ. चित्र २४ से. सार्व.

महेशप्रसाद मौलवी

महर्षि दयानंद सरस्वती. इलाहाबाद, आलिम फाज़िल बुकडिपो, १९४१. २,१२४ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश की व्यापकता. लंका, (बनारस), आलम फाज़िल बुकडिपो, १९३८. ३९ पृ. १८ से. आ. पु.

स्वामी दयानंद और कुरान अर्थात् 'सत्यार्थ प्रकाश' के चौदहवें समुल्लास पर विशेष वक्तव्य, द्वि. संस्क. इलाहाबाद, आलिम फाज़िल बुकडिपो, १९४४. ४२ पृ. १८ से. सार्व.

मांगीलाल गुप्त

आर्य समाज के दश नियमों पर व्याख्यान. नीमच, ग्रंथकार, अजमेर वैदिक यंत्रालय, ति. न. २४ पृ. १९ से. आ. पु.

आर्य समाज क्या मानता है और क्या नहीं मानता ? नीमच, ग्रंथकार, ति. न. १२ पृ. १८.५ से. आ. पु.

मांगीलाल गुप्त

ऋषि चरित्र अर्थात् परम प्रसिद्ध श्री स्वामी दयानंद सरस्वती जी का जीवन वृत्तांत. नीमच (छावनी), मुलतान मल मुद्रणालय, १८९५. २५ पृ. २५ से. काशी.

भक्तमन-रंजन. नीमच (छावनी), दधीच कंपनी पुस्तकालय, १८९९. ४० पृ. १६ से.

निर्गुण सगुणोपासना और वैराग्य तथा भारत सुधार आदि पर उत्तमोत्तम भजन संग्रहीत. काशी.

माधोप्रसाद चतुर्वेदी

ईसाई तत्वदर्शन, प्रथम भाग. प्रयाग, जगन्नाथ शर्मा, धार्मिक यंत्रालय, ति. न. १२ पृ. २१ से.

जिसमें ईसाई धर्मावलंबियों की धर्म दशा अच्छी तरह झलकाई गई है. आ. पु.

मानसिंह वर्मा

सनातनी नियोग. कलकत्ता, आर्य समाज, वड़ा वाजार प्रेस, १९०९. ९ पृ. १२ से. खिदि.

मायादेवी चतुर्वेदी

कन्या धर्म शिक्षा. देहली, राजस्थान बुक डिपो, १९३८. १४७ पृ. १८ से. काशी.

मालाबार और आर्य समाज एन एकाउंट ऑव द मालाबार डिस्टर्वेंसेज़ ऑव १९२१, ऐंड ऑव द सर्विसेज़ रेंडर्ड टू डिस्ट्रेस्ड हिंदूज़ बाई द आर्य समाज विद प्रीफेस बाई हंसराज. लाहौर, १९२२. ११२ पृ. २१ से. —द्वि. संस्क. आगरा, १९२३. १०९ पृ. २१ से. ब्रि. म्यू.

मित्रसेन आर्य

आर्यसमाज के लोकोपकारी कार्य. देहली, आर्यकुमार सभा, १९६४. ३२ पृ. १८ से. (श्रद्धा पुष्पमाला, ३७) ने. ला.

मील के पत्थर धर्म, क्षमा, दमन, अस्तेय, शौच (स्वच्छता), इंद्रियनिग्रह, बुद्धि, विद्या, सत्य, अक्रोध. मथुरा, सत्य प्रकाशन, ति. न. ८६ पृ. १८ से. (आदर्श बाल साहित्य ग्रंथमाला–२). खिदि.

मुंशीराम शर्मा

आर्य्य-धर्म, संशो. परि. संस्क. अलीगढ़, गोविंद ब्रदर्स, १९३७. ८७ पृ. १८ से. सार्व.

मुंशीराम शर्मा

आर्य संगीतमाला ए कलेक्शन ऑव हीम्स फॉर द लिटर्जीज़ ऑव द आर्य समाज फालोड बाई सेलेक्टेड वेदिक मंत्राज़ ऑव बेनेडिक्शन इन संस्कृत विद हिंदी ट्रांसलेशन. जालंधर, १९००. ८,१४४,३१,२४ पृ. १८ से. लिथो.
ब्रि. म्यू.

मृतक श्राद्ध पर विचार जो हरिद्वार गुरुकुल आश्रम में हुआ. कांगड़ी, गुरुकुल यंत्रालय, १९१६. ५३ पृ. १८ से.
काशी.

विस्तारपूर्वक संध्या विधि. कांगड़ी, लेखक, १९१६. ४८ पृ. १८ से. (आर्य धर्म ग्रंथमाला, तृतीय गुच्छक).
सार्व.

मुनीश्वर देव

वेद में इतिहास नहीं. कलकत्ता, आर्यसमाज, १९५५. १३ पृ. १८ से.
खिदि.

श्रीमद्दयानंदोपदेशमाला (यजुर्वेद भाष्यांतर्गत अत्युपयोगी भावार्थ संग्रह). कलकत्ता, आर्य समाज, १९५५. ४४ पृ. १८ से.
खिदि.

हमारा जीवन लक्ष्य (ईश्वर दर्शन). कलकत्ता, आर्य समाज, १९५५. १५ पृ. १८ से.
खिदि.

हमारा नित्यकर्म [ ]. अंबाला, आर्य इलेक्ट्रिक प्रिंटिंग प्रेस, ति. न. ३२ पृ. १८ से. मुखपृष्ठ नहीं है.
खिदि.

हमारा सच्चा सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती, द्वि. संस्क. कलकत्ता, आर्य समाज, १९६१. २४ पृ. १८ से.
खिदि.

मुहम्मद जीवन चरित्र. [ ]. १०८ पृ. २७ से. मुखपृष्ठ नहीं है.
खिदि.

मुनिराम जी

वेदांत कथा. लाहौर, विरजानंद यंत्रालय, १८८८. १८ पृ. ११ से.
खिदि.

मुसद्दीराम, पंडित

यथार्थ शांतिनिरूपणम्. मुरादाबाद, आर्यभास्कर प्रेस, १९०२. १३३ पृ. १७.५ से.
आ. पु.

मूर्तिपूजा विचार, चतुर्थ संस्क. इटावा, ओंकार यंत्रालय, १९०३. ८ पृ. १६ से.
खिदि.

मूलचंद शर्मा

ईश्वर विचार—ईश्वर कौन है? कैसा है? कहाँ है? कैसे दिखाई देता है? और उसके दर्शन का फल क्या है? ये पाँच प्रश्न और संक्षेप से उनके उत्तर. इटावा, सरस्वती प्रेस, १८९७. १३ पृ. २० से.
खिदि.

नवीन आर्य भजनावली. हुसैनपुर (बिजनौर), ग्रंथकार, ति. न. १५ पृ. १८ से.
आ. पु.

मेधाव्रताचार्य

दयानंददिग्विजय महाकाव्यः, अनु. सत्यव्रत तीर्थ. सूवा (नवसारी), सुबोधचंद्र, १९४७.
उत्तरार्द्ध सचित्र (श्रीमद्दयानंद जीवन ग्रंथमाला, १).
सं. सं. वि.

दयानंद लहरी, ज्वालादत्त-दशनियम शिखरणी. आर्य भजन सिद्धांत, हिंदी अनुवाद, संपा. नारायण स्वामी. मुरादाबाद, १९२५. ४० पृ. २० से. (दयानंद जन्म शताब्दी ग्रंथमाला, ३).
ब्रि. म्यू.
संस्कृत काव्य.

दयानंद लहरी तस्य इयम् आभास व्याख्या-व्युत्पत्ति-भाषार्थ-समन्विता ज्योतिष्मती टीका. टीका. वेदानंद वेदवागीशः. रोहतक, हरियाणा साहित्य संस्थान, १९६८. ९० पृ. १८ से.
खिदि.

प्रकृतिसौंदर्यम् नाटकम्. वृंदावन, गुरुकुल, प्रयाग, ओंकार प्रेस, १९१६. ६१,४ पृ. २३ से.
खिदि.

मैक्समूलर, फ्रेडरिक

राजा राममोहन राय, केशवचंद्र सेन, स्वामी दयानंद, अनु. गंगा प्रसाद उपाध्याय. प्रयाग, कला प्रेस, १९३४. ११८ पृ. १८ से.
मूल अंग्रेजी से नागरी में.
पा. क.

राजा राममोहन राय, केशवचंद्र सेन, स्वामी दयानंद, अनु. गंगा प्रसाद उपाध्याय, द्वि. संस्क. इलाहाबाद, कला प्रेस, १९५४. २,७५ पृ. छवि १८ से.
ने,. ला.

मोतीचंद

मत और संप्रदाय. [ ], मारवाड़ी गजट, १८९८.
आ. पु.

मोतीलाल नेमा

पुरुष का भूषण क्या है? नरसिंहपुर, सरस्वती विलास यंत्रालय, १९०४. १६ पृ. १८ से.
खिदि.

मोतीलाल पहाड़या

आत्म आलोचना [अपने पापों का पछतावा], द्वि. संस्क.
वाराँ कोटा, राजस्थान, मांगीलाल १९४६.
२४ पृ. १८ से.
कविता. सार्व.

मोहनप्रसाद सिंह

यज्ञ से वर्षा. मुजफ्फरपुर, आर्य समाज, १९७१.
३० पृ. १८ से. खिदि.

यज्ञोपवीत क्या है ? अजमेर, शिवशरण सिंह, १९६५.
४४ पृ. १८ से. खिदि.

यज्ञोपवीत क्या है ? मुजफ्फरपुर, जिला आर्य सभा, बिहार राज्य, १९६९. ८२ पृ. १८ से.
खिंदि.

मोहनलाल

लाला लाजपतराय : जीवन और कार्य. होशियारपुर, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, १९६५.
१५९ पृ. छवि १८ से. (विश्वेश्वरानंद संस्थान प्रकाशन, ३५८) (सर्वदानंद विश्व ग्रंथमाला, ५०).
खिदि.

हिंदू अवश्य पढ़ें और विचारें. इटावा, ग्रंथकार, १९२१.
८ पृ. १६.५ से. आ. पु.

मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या

आर्य्य सिद्धांत मार्तण्ड—सिद्धांतत्रयी. अजमेर, राजस्थान यंत्रालय, १८९०.
प्रथम विषय ओड़म्कार. १३ पृ. २३ से.

आर्य सिद्धांत मार्तण्य—सिद्धांतत्रयी. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९२.
द्वितीय विषय, आर्य समाज. १४ पृ. २३ से.
आ. पु.

स्वामी जी श्री १०८ श्री दयानंद जी सरस्वती का गुरुत्व या आचार्यत्व. मेरठ, १९०१.
२४ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

यज्ञदत्त 'त्यागी'

दयानंद. दिल्ली, शारदा मंदिर लिमिटेड, १९३९.
८,१५२ पृ. ११ से.
पद्यात्मक जीवनी. आ. पु.

यज्ञपद्धति प्रकाशः नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, ति. न. ९८ पृ. १८ से.
सार्वदेशिक धर्मार्थ सभा द्वारा संपादित प्रामाणिक संस्करण.
खिदि., सार्व.

यज्ञोपवीत शंका समाधिः [ ]. ३६ पृ. १६ से.
खिदि.

यदुवंश सहाय

महर्षि दयानंद. इलाहाबाद, लोक भारती प्रकाशन, १९७१. ३४,३४८ पृ. २१ से.
का. हि. वि. सार्व.

यमुनादास शांडिल्य

महताब दिवाकर जिसमें सनातन धर्म मंडन और प्राकृत दयानंद मत खंडन, महताब सिंह देवजू बहादुर (मालव) ने यमुनादास शांडिल्य जी से रचना कराया. मुंबई, खेमराज श्रीकृष्ण दास, वेंकटेश्वर प्रेस, १८९५.
१०,५६० पृ. २४.५ से. काशी., ब्रि. म्यू.

यशपाल सिद्धांतालंकार

वैदिक सिद्धांत दर्पण. मुल्तानशहर, आर्य मिशन, १९३३.
८,२३५ पृ. १७.५ से.
इसमें वैदिक धर्म के मौलिक सिद्धांतों का युक्ति तथा शास्त्र से प्रतिपादन किया गया. आ. पु., सार्व.

शक्ति रहस्य अर्थात् मांस भोजन-मीमांसा. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९३३. १३५ पृ. १८ से.
सार्व.

यास्क

निघण्टुः यास्कमुनिनिर्मितो वैदिक कोषः दयानंद सरस्वती कृत शब्दानुक्रमणिकया सहितः, सप्तम संस्क. अजमेर, वैदिक पुस्तकालय, १९६१. ९२ पृ. १८ से.
पा. क.

निघंटुः निरुक्तः अथ वेदांग प्रकाशः तत्रयः चतुर्दशो भागः निघंटुः यास्कमुनि निर्मितो वेदिक कोषः श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती कृत शब्दानुक्रमणिकया सहितः पठन-पाठन व्यवस्थार्थं षोडष पुस्तकम्. अजमेर, वैदिक प्रेस, १९१२.
२,३,६४ पृ. २४ से. इ. आ.

युगपरिवर्तन और आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज, ति. न.
७ पृ. आयताकार.
खिंदि.

युधिष्ठिर मीमांसक

ऋषि दयानंद के ग्रंथों का इतिहास. अजमेर, मीरा कार्यालय, १९४९. ४,१४,२,२०१,९६ पृ. २१ से.
का, हि, वि., पा. क.

युधिष्ठिर मीमांसक

वैदिक स्वर-मीमांसा, द्वि. संस्क. अमृतसर, रामलाल कपूर, १९५७. ८,२४५ पृ. २२ से.

कल.

योगानंद सरस्वती

जीवन सफल कैसे हो ? अलवर (राजस्थान), लेखक, १९६८. ५१ पृ. १७ से. काशी.

ब्रह्मचर्य रक्षा ही जीवन है (शारीरिक और आत्मिक उद्धार). अलवर (राजस्थान), राम जी लाल शर्मा, ति. न. १२५ पृ. १८ से.
विद्यार्थियों के लिए अपूर्व ग्रंथ. खिदि.

मनुष्य पूर्ण नीरोगी कैसे हो ? अलवर (राजस्थान), रामजी लाल शर्मा, १९५७.
३ भाग. १८ से. खिदि.

महर्षि दयानंद सरस्वती का देश के नवयुवकों के लिए एक शुभ संदेश, वैदिक संध्या के रूप में (जीवात्मा और परमात्मा के बीच एक संधि-पत्र). अलवर (राजस्थान), रामजी लाल शर्मा, १९६७. १९६ पृ. १८ से.
एक वैदिक संध्यारूपी संधि-पत्र के नियमानुकूल ही जीवात्मा परमानंद सुखभोग का आनंद उठा सकता है.

काशी.

यज्ञ, हवन पद्धति (मनुष्य के अपने जीवन में कर्त्तव्य), प्रथम भाग, लौकिक तथा यौगिक मीमांसा, तृतीय संस्क. अलवर, लेखक, १९६८. ११० पृ. १८ से.

काशी.

वेदो हि परमोधर्मः. अलवर (राजस्थान), हजारीलाल शर्मा, १९५३. ४०० पृ. छवि. १८ से.

खिदि.

सप्तश्लोकी भगवद्गीता संबंधी लौकिक तथा यौगिक व्याख्या. अलवर (राजस्थान), रामजी लाल शर्मा, ति. न. ६४ पृ. १८ से. खिदि.

सुख और शांति कैसे प्राप्त हो ? नवयुवकों, व्यापारियों तथा जनसाधारण के लिए सफलता का रहस्य. अलवर, लेखक, १९७०. १२८ पृ. १८.५ से.

काशी.

रघुनंदन दास, महंत

पाखंड मत खंडन कुठार, द्वितीय भाग. काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८९. ३,३२,१ पृ. १८ से.
श्री दयानंद सरस्वती कृत 'ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका' की समीक्षा. आ. पु.

रघुनंदन शर्मा

वैदिक सम्पत्ति, चतुर्थ संस्क. बंबई, शेठ सूरजी वल्लभदास वर्मा, १९५१–५२.
१४,८३२,५ पृ. छवि २६ से.

खिदि., बड़ा.

रघुनाथ तिवारी

ईसू चरित्र, प्रथम भाग. प्रयाग, जगन्नाथ शर्मा, धार्मिक यंत्रालय, ति, न. १२ पृ. २१ से.
देखिए इसाइयों के ईसामसीह जिसको यहूदियों ने सूली दिया, बेतों से पीटा और अंगों पर थूका, शिर पर कांटों का मुकुट धर दिया, हाथ-पैर में कीलें ठोंका, इसपर भी ईश्वर भाव छी-छी. आ. पु.

रघुनाथ प्रसाद पाठक

दश नियम व्याख्या—आर्य समाज के नियमों का संक्षिप्त एवं प्रामाणिक स्पष्टीकरण, द्वि. संस्क. देहली, आर्य साहित्य सदन, १९५६. १६ पृ. १८ से.

खिदि.

नया संसार (संक्षिप्त विवेचन). देहली, आर्य साहित्य सदन, १९४६. ३० पृ. १८ से.

सार्व.

नैतिक शिक्षा. मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९६५. ७६ पृ. १८ से. खिदि.

नैतिक शिक्षा, संपा. ईश्वरी प्रसाद 'प्रेम', द्वि. संस्क. मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९६९. ७६ पृ. १८ से. (स्वाध्याय ग्रंथमाला का १३वाँ पुष्प). खिदि.

मांसाहार—घोर पाप और स्वास्थ्य विनाशक, षष्ठ संक. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७५. ४९ पृ. १८ से. सार्व.

रणवीर

श्री आनंद स्वामी सरस्वती—शांति और उजाले का मार्ग दिखानेवाले एक जीवन की कहानी. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७३. ३४७ पृ. छवि १८ से.

काशी., खिदि.

रणजित् शर्मा

आर्यसभा, आर्यसभा के उद्देश्य, मान्यताओं एवं कार्यप्रणाली पर शंकाओं के स्पष्ट एवं सरल समाधान. पीलीभीत, परमानंद जी आर्य, १९६४. १३ पृ. १८ से.

पा. क.

रत्नलाल शर्मा

अपूर्व शास्त्रार्थ (आर्य समाज डीडवाना के संक्षिप्त परिचय सहित). डीडवाना, आर्य समाज, १९५४. ११२ पृ. १८ से. आ. पु.

रमादत्त त्रिपाठी

शिक्षावली—द्वितीय पुस्तक. नैनीताल, मंत्री आर्य समाज, १८९३. १८ पृ. १६ से.
आ. पु.

शिक्षावली. मेरठ, लाला शंकरलाल जी गुप्त, आर्य व्यापारी मंडली, मेरठ, १८९७. १८ पृ. १६ से.
आ. पु.

रहतूलाल आर्य

शास्त्रार्थ प्रदीप. आगरा, प्रेम पुस्तकालय, १९४८. ५७ पृ. १८ से.
सार्व.

राकेश रानी

स्वामी दयानंद सरस्वती सचित्र आदर्श जीवन चरित्र, चतुर्थ संस्क. नई दिल्ली, दयानंद संस्थान, १९७३.
२३७ पृ. छवि १८ से.
प्रथम संस्क. १९७१.
द्वि. संस्क. १९७१.
तृ. संस्क. १९७२.
खिदि.

राजकिशोर पांडेय

लक्ष्मीनारायण गुप्त अभिनंदन ग्रंथ. हैदराबाद, लक्ष्मीनारायण गुप्त षष्टिपूर्ति समारोह समिति, १९६८. २९२ पृ. २४ से.
सार्व.

राजपाल

भक्ति दर्पण अर्थात् आत्मप्रसाद जिसे शहीदेधर्म महाशय राजपाल जी ने आर्य समाज के कई प्रसिद्ध विद्वानों के सहयोग से रचा, २६वाँ संस्क. दिल्ली, राजपाल, १९५३.
४३२ पृ. १३ से.
आज तक 'भक्ति दर्पण' का यह गुटका एक लाख पच्चीस हजार से ऊपर छप चुका है.
सार्व.

भक्ति दर्पण अर्थात् आत्मप्रसाद जिसे शहीदेधर्म महाशय राजपाल जी ने आर्य समाज के कई प्रसिद्ध विद्वानों के सहयोग से रचा, ३५वाँ संस्क. दिल्ली, राजपाल, ति. न.
३८३ पृ. १३ से.
११वाँ संस्क. १९२८.
खिदि.

राजपाल सिंह शास्त्री

सदाचार-बोध, द्वि. संस्क. दिल्ली, मधुर प्रकाशन, आर्य समाज मंदिर, १९६९. ४८ पृ. १८ से.
खिदि.

राजाराम, पंडित

आर्य्य जीवन. लाहौर, बांबे मशीन प्रेस, १९१८.
—भाग १८ से.
प्रथम भाग. ७,१९१,४ पृ.
काशी.

राजाराम पंडित

आर्य जीवन. लाहौर, बांबे मैशीन प्रेस, १९१९.
द्वितीय भाग अथवा दिव्य जीवन. ४,१२० पृ.
काशी.

आर्यदर्शन. लाहौर, ग्रंथकार, १९१८.
२,२१८ पृ. २०.५ से. (आर्ष-ग्रंथावली).
आ. पु.

आर्ष ग्रंथावली. लाहौर, एंग्लो संस्कृत प्रेस, १९०५.
२ भाग. २२ से.
भाग १. वेदोपदेश. १४४ पृ.
इसमें सर्वांतर्यामी और सर्वशक्ति एक ईश्वर का प्रतिपादन किया गया है.
काशी.

आर्ष ग्रंथावली. लाहौर, बांबे मैशीन प्रेस, १९१०.
२ भाग.
भाग २. वेदोपदेश अथवा स्वाध्याय यज्ञ. १५२ पृ.
कल.

ईश्वर प्रेम नामक प्राचीन पुस्तक. लाहौर, ग्रंथकार, आर्य समाज, १९०१. २९ पृ. १६ से.
आ. पु.

उपदेश. लाहौर, आर्य समाज, अनारकली, १८९७.
संख्या १. तप और दीक्षा. १६ पृ. १८ से.
वेद, उपनिषद्, मनु, गीता और महाभारत के प्रमाणों से भूषित.
आ. पु.

ओंकार की उपासना. लाहौर, आर्य समाज, अनारकली, १८९९. ३२ पृ. १८ से.
वेद, उपनिषद् और योग आदि के प्रमाणों से भूषित.
आ. पु., काशी.

वेदमंत्रों से स्तुति और प्रार्थना, संक. राजाराम और शिवनाथ अग्निहोत्री. फिरोजपुर शहर, आर्य समाज, ति. न.
९५ पृ. १५ से.
आ. पु.

स्वामी शंकराचार्य और उनकी शिक्षा. लाहौर, लेखक, पंजाब एकोनामिकल प्रेस, १९०२.
२०१ पृ. १७.५ से.
खिदि.

राजेंद्र 'जिज्ञासु'

आर्य समाज का नवनिर्माण. अतरौली, अलीगढ़, आर्य निवास, १९६२. २२ पृ. १८ से.
सार्व.

वीर सन्यासी (स्वामी स्वतंत्रानंद जी का जीवन चरित). दीमानगर (पंजाब), दयानंद मठ, स्वामी सर्वानंद, १९६६.
१०,२५४ पृ. १८ से.
खिदि.

राजेंद्रनाथ शास्त्री

सत्यार्थ प्रकाश के संशोधकों की समीक्षा अर्थात् ऋषि गांभीर्य का समर्थन. दिल्ली, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९६६.
२०५ पृ. १८ से.
कल., खिदि.

राजेंद्रनाथ शास्त्री

सनातन धर्म. अतरौली (अलीगढ़), वेदमंदिर प्रकाशन, १९६६. १०,३१६, ६ पृ. छवि १८ से.

खिदि.

राधाकृष्ण तोषनीवाल

जनसमुदाय की राम कहानी. अजमेर, राजस्थान हिंदी उपासना मंदिर, १९३७.
४,६० पृ. मुखछवि. १८ से. आ. पु.

भक्तिपुष्प. अजमेर, राजस्थान हिंदी उपासना मंदिर, १९३६. २,११ पृ. १७ से. आ. पु.

राधाकृष्ण नेवटिया

योग, प्रथम खंड. कलकत्ता, लेखक, १९६६.
८० पृ. १२ से. खिदि.

राधाकृष्ण राठौर

दयानंद गुणभजन डंडेवाले. उदयपुर, किशनलाल राधाकृष्ण आर्य, ति. न. १४ पृ. १८ से.

खिदि.

राधाचरण गोस्वामी

विदेश यात्रा विचार अथवा सर्वमान्य शास्त्र वचनों से देशांतर वा द्वीपांतर में आर्य जाति के गमनागमन का विधान, श्री राधाचरण गोस्वामी संपादित. वृंदावन, ग्रंथकार, मथुरा. व्रजभूषण प्रेस, १८८७. ६,२२ पृ. २४.५ से.

आ. पु.

रामगोपाल शालवाले

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के विवाद की वास्तविक स्थिति क्या है? नई दिल्ली, सार्वदेशिक सभा, ति. न. २० पृ. २१ से.

खिदि.

आर्य-समाज. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३. १२ पृ. २४ से.

सार्व.

पूजा किसकी! दिल्ली, आर्य समाज दीवालहाल, ति. न. १८ पृ. १३ से.

रामचंद्र जावेद

आर्यसमाज के महापुरुष, लेखक रामचंद्र जावेद. जालंधर, यूनिवर्सिटी पब्लिशर्स, १९६४.
७,१७० पृ. चित्र. १९ से. (आर्यसमाज ग्रंथमाला, पुष्प २). काशी.

रामचंद्र देहलवी

आर्य समाज के मंतव्य, च. संस्क. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६८. २० पृ. १८ से.

खिदि.

रामचंद्र देनलवी

दयानंद चरितम्. [ ], १९३१.

का. हि. वि.

वैदिक धर्म प्रवेशिका अर्थात् आर्यकुमारों की धर्म-शिक्षा. कानपुर, आर्य पब्लिशिंग हाउस, १९३६.
३,९६ पृ. २१ से. काशी.

दो सनातन सत्ताएँ, ले. रामचंद्र देहलवी सहायक बुद्धिप्रकाश. देहली, आर्यसमाज, नया बाँस, १९४५.
११२ पृ. १८ से.

मुकुंदलाल हीरालाल जी के दान से प्रकाशित.

सार्व.

दो सनातन सत्ताएँ, ले. रामचंद्र देहलवी एवं बुद्धिप्रकाश, द्वि. संस्क. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६१.
१०२ पृ. १८ से. खिदि., सार्व.

शास्त्रार्थ महारथी पंडित रामचंद्र देहलवी, द्वि. संस्क. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७२. ४,२९६ पृ.
लेखक के १६ लेखों का संग्रह. काशी.

हिंदू आर्य मीमांसा. पटना. सत्साहित्य प्रकाशक मंडल, १९२८. ८,६४,२ पृ. १८ से.
इस पुस्तक में वेद, स्मृति पुराण और नवीन ग्रंथों को प्रमाणों से अत्यंत विशद् रीति से सिद्ध किया गया है कि हमारी जाति का नाम 'आर्य' है. आ. पु.

रामचंद्र प्रसाद वर्मा

ईसाई सिद्धांत दर्पण. रामगंज (गाजीपुर), ग्रंथकार, वृंदावन, १९१५–१६. ७४ पृ. २१ से.
"सर्व सत्य का प्रचार कर सबको ऐक्यमत में करा द्वेष छुड़ा परस्पर में दृढ़ प्रीतियुक्त कराके सबसे सबको सुख लाभ पहुँचाने के लिए मेरा प्रयत्न और अभिप्राय है"—भगवान् दयानंद. आ. पु., कल.

रामचंद्र 'युक्त'

दयानंद रहस्य. गुड़गाँव, लक्ष्मणदास एंड संस, १९६१.
२८,२४० पृ. छवि १९ से. ने. ला.

रामचंद्र वर्मा

जीवनोद्धार अर्थात् सांसारिक दुःखों से निवृत्ति का उपाय. मेरठ, आर्यन ट्रैक्ट सोसाइटी, १८९७. १२ पृ. १८ से.

आ. पु.

रामचंद्र शर्मा

हिंदी : पंजाब में उसकी अवस्था और प्रचार के साधन. जालंधर, आर्य युवक समाज, १९२८.
५३ पृ. १८ से. सार्व.

रामचंद्र शास्त्री

पतितों की शुद्धि सनातन है. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १९२३. १८४ पृ. १७.५ से.
आ. पु.

रामचरणाचार्य

आचार्य प्रभाकर. मेरठ, दुर्गा प्रसाद वकील, ति. न.
आ. पु.

रामजीमल शर्मा

सत्योपदेशः, द्वि. संस्क. प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९२. ७ पृ. १४ से.
खिदि.

रामदयाल

मुहर्रम विचार. नरसिंहपुर, सरस्वती विलास प्रेस, १९०२. ७ पृ. १२ × १५ से.
कविता.
खिदि.

रामदुलारे लाल चतुर्वेदी

सत्यार्थ प्रकाश का चमत्कार अर्थात् सत्यार्थ प्रकाश की छीछालेदड़ का उत्तर. देहली, आर्य तर्कशालिनी सभा, आर्य समाज, चावड़ी बाजार, १९३०. ८४,२ पृ. १८ से.
सार्व.

अघमर्षण रहस्य. फतेहगढ़, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९२४. ५,१५४,३ पृ. १८ से.
आ. पु.

रामदेव उपाध्याय

पुराण मत पर्यालोचन, ले. रामदेव उपाध्याय तथा पं. जयदेव विद्यालंकार. कांगड़ी, गुरुकुल यंत्रालय, १९१९. २,४,५३६ पृ.
आ. पु.

रामनाथ, लाला

सतमत परीक्षा. अमृतसर, ग्रंथकार, आर्यकुतुव फरोसी, १८८६. ४८ पृ. १५.५ से. लिथो.
जो के उर्दू में तहक़ीकुल इल्माह नामी रिसाला लाला रामनाथ साहब मिम्बर आर्य्य समाज अमृतसर ने तसनीफ किया था जिसको उर्दू से भाषा में गृन्थकर्ता की आज्ञानुसार जगन्नाथ ने नागरी वालों के फायदे के लिये तर्जुमा किया.
आ. पु.

रामनाथ वेदालंकार

वैदिक वीर गर्जना. हरिद्वार, गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९४६. ७२ पृ. १८ से.
बड़ा.

रामनारायण मिश्र

बालोपदेश, संशो. परि. चतुर्थ संस्क. मथुरा, ब्रजभूमि प्रकाशन मंदिर, १९३८. ६,७७ पृ. १८ से.
काशी.

रामप्रकाश

पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी—जीवन एवं व्यक्तित्व. यमुनानगर (हरियाणा), वैदिक साधनाश्रम, १९६६. १६,१९३ पृ. १८ से.
कल., खिदि.

रामप्रसाद

वैदिक सिद्धांत अर्थात् आर्यसमाज का दिग्दर्शन, तृ. संस्क. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, १९४४. २५७,६ पृ. १८ से.
सार्व.

रामरतन लढ़ा

सत उपदेश. कलकत्ता, आर. एन. घोष, न्यू आर्य प्रेस, १८८१. १४,२,२६ पृ. २४ से.
आ. पु.

रामलाल, लाला

राधास्वामी मत परीक्षा, हिंदी भाषानुवाद चिम्मनलाल वैश्य. आगरा, नंदकिशोर शर्मा, १९०२. २४ पृ. २१.५ से.
आ. पु.

रामलाल श्रीवास्तव

धर्म्म बोध, प्रथम भाग, ले. रामलाल श्रीवास्तव और रामचरण विद्यार्थी. लखनऊ, लेखक, आर्यसमाज, १९२७. ३२ पृ. १७ से.
काशी.

रामविलास शारदा

. . . महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन चरित्र. अजमेर, लेखक, [१९०३]. ३६७ पृ. २३ से.
खिदि.

आर्य धर्मेंदु जीवन अर्थात् महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी का जीवन चरित्र, भूमिका लेखक आत्माराम. अजमेर. लेखक, १९०४. ११,१३५,३८५ पृ. २१ से.
ब्रि. म्यू.

आर्य धर्मेंदु जीवन अर्थात् महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी का जीवन चरित्र, भूमिका लेखक आत्माराम, (अमृतसर), द्वि. संस्क. अजमेर, लेखक, वैदिक यंत्रालय, १९०५. १०,१२१,३९१ पृ. छवि २१ से.
खिदि., ब्रि. म्यू.

स्वामी विरजानंद जी का जीवन चरित्र. अजमेर, लेखक [१९०३]. ३६७,३८ पृ. २३ से.
खिदि.

रामसिंह

महर्षि जीवन. घंदरां (कांगड़ा), लेखक, लाहौर (मुद्रित), १९१२. ४४ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

रामस्वरूप वानप्रस्थी

देवासुर संग्राम. वरेली, प्रेम पुस्तक भंडार, १९६२.
८,१२४ पृ. १८ से. खिदि.

संस्कार रहस्य. वरेली, व्रतपाल शास्त्री, १९५१.
३६ पृ. १८ से.
कविता. खिदि.

रामहर्ष सिंह वर्मा

आर्यसमाज गौरवादर्श. सुल्तानपुर, लेखक, १९०९.
८,६४ पृ. २१ से.
विविध प्रमाणादि और युक्ति पूर्वक सिद्ध किया गया है कि आर्य समाज वर्तमान राजनैतिक व राजविद्रोही प्रचारक सभा नहीं है. आ. पु.

राम सिंहासन तिवारी

स्वामी श्रद्धानंद दैहिक वलिदान, ए पैनेजिरिक पोयम अपॉन श्रद्धानंद ऐंड हिज़ सेल्फ सैक्रीफाइस. अजमेर, डायमंड जुबली प्रेस, १९२७. १,२० पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

रामानंद शास्त्री

आर्यत्व का स्वरूप. वाराणसी, स्वदेश पुस्तक एजेंसी, १९६५. ८,९२ पृ. १८ से. खिदि.
प्रगतिशील विचार. बनारस, वैदिक पुस्तकालय, १९४९.
२,५८ पृ. १८ से. खिदि.
भारतीय संस्कृति. गया, वैदिक प्रेस, ति. न.
१७८ पृ. १८ से. बड़ा.
राजधनवार (बिहार) के दो शास्त्रार्थ. पटना, आर्य प्रतिनिधि सभा, विहार, १९५३. ५६ पृ. १८ से.
६. प्रैल, १९५३ को धनवार, जिला हजारीबाग में पौराणिक प. माधवाचार्य जी और अखिलानंद जी और आर्यसमाज की ओर से पं. अमरसिंह जी आर्यपथिक का शास्त्रार्थ.
खिदि.

रामेश्वरानंद सरस्वती

महर्षि दयानंद और राजनीति. करनाल, गुरुकुल घरौंड़ा, विजयपाल शास्त्री, ति. न. ११२ पृ. १८ से.
खिदि.

राष्ट्र निर्माण राष्ट्र उन्नति और राष्ट्र सुरक्षा की वेदोक्त योजना. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९६३. २६ पृ. १८ से.
खिदि.

रुचिराम

अरब में सात साल अर्थात् अरब में वैदिक धर्म का प्रचार, अनु. ब्रह्मानंद जी. नई दिल्ली, सरल साहित्य सदन, १९३८. २२४ पृ. १८ से, खिदि.

रुद्रदत्त शर्मा

आर्यमत मार्त्तण्ड नाटक. दानापुर, महावीर प्रसाद न्यायाधीश, आर्य्यावर्त प्रेस, १८९५. ८४ पृ. २५ से.
चार अंकों का नाटक. कल., खिदि.

धर्मविषयक व्याख्यान, द्वि. संस्क. दीनापुर, महावीर प्रसाद, आर्यावर्त प्रेस, १८९५. ३१ पृ. २०.५ से.
आ. पु.

धर्म्म विषयक व्याख्यान अर्थात् मानव धर्म के दश लक्षणों का सविस्तार वर्णन. कलकत्ता, आर्य्यावर्त यंत्रालय, ति. न.
२५ पृ. २१ से. कल.

पाखंड मूर्ति. कलकत्ता, गोकुलचंद्र शर्मा, १८८८.
आ. पु.

पुराण परीक्षा. दानापुर, ठाकुर प्रसाद शाह कंपनी यंत्रालय, १८९८. ६७ पृ. १७ से.
जिसे श्रीयुत् ठाकुर प्रसाद शाह, मंत्री आर्य समाज, दानापुर ने पंडित रुद्रदत्त शर्मा से बनवाकर प्रकाशित किया.
खिदि.

पुराण परीक्षा, पंचम संस्क. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, वैदिक प्रेस, १९३५. ५० पृ. १७.५ से.
खिदि.

पुराण परीक्षा. इटावा, वेदप्रकाश यंत्रालय, ति. न.
५६ पृ. २२ से. आ. पु., काशी.

(पं.) रुद्रदत्त शर्मा ग्रंथावली, संपा. भवानीलाल भारतीय. मथुरा, सत्यप्रकाशन, १९६५.
—भाग. १८ से.
भाग १. १. स्वर्ग में सबजेक्ट कमेटी, २. स्वर्ग में महासभा, ३. कंठी-जनेऊ का विवाह. खिदि.

स्वर्ग में महासभा. दानापुर, महावीर प्रसाद, आर्यावर्त यंत्राधीश, १८९७. ४१ पृ. २१ से.
ब्रह्मादि देवर्षियों तथा श्रीकृष्णादि महात्माओं पर जो झूठे दोष लगाये गये हैं उनके निवारणार्थ तथा धर्म्मानुरागियों के हितार्थ . . . आ. पु., खिदि.

स्वर्ग में महासभा. कलकत्ता, आर्यावर्त प्रेस, भवानीपुर, १९०२. ४१ पृ. २१ से. खिदि.

स्वर्ग में महासभा. इटावा, वेदप्रकाश यंत्रालय, ति. न.
५७ पृ. २२ से. काशी.
स्वर्ग में सब्जेक्ट कमेटी—श्रीव्यासादि महर्षियों पर झूठे दोष लगाये गये हैं उनके निवारणार्थ धर्मानुरागियों के हितार्थ 'आर्य्यावर्त' पत्र से अद्धृत कर श्यामलाल के प्रबंध से छपा, द्वि. संस्क. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९८.
४८ पृ. २ से. खिदि.

लक्ष्मण आर्योपदेशक

ऋषि जीवन कथा. लाहौर, भारत पुस्तकालय, १९१७. ४,२६७ पृ. १८ से. (भारत पुस्तकालय ग्रंथमाला, १). ब्रि. म्यू.

दयानंद और शंकर मत. देहली, आर्य साहित्य पुस्तकालय, ति. न. १७६ पृ. १८ से. (निष्कलंक दयानंद, ५). कल.

नियोग प्रमाण. लाहौर, आर्य साहित्य पुस्तकालय, ति. न. ७८ पृ. १७.५ से. पा. क.

यथार्थ प्रकाश, तीनों भाग का युक्तियुक्त एवं सर्वांगपूर्ण उत्तर, राधास्वामी मत और वैदिक धर्म. देहली, वैदिक पुस्तकालय, आर्य समाज, ति. न. १६,४८८ पृ. १८.५ से. काशी.

राधास्वामी हवाई महल. देहली, वैदिक पुस्तकालय, ति. न. १९ पृ. १६ से. काशी.

वैदिक तर्क संग्रह अर्थात् वैदिक सिद्धांतों तथा विवादास्पद धार्मिक विषयों पर प्रबल एवं अकाट्य युक्तियों का संग्रह, द्वि. संस्क. देहली, वैदिक पुस्तकालय, १९३७. १६० पृ. १८ से. सार्व.

लक्ष्मीधर वाजपेयी

श्री स्वामी नित्यानंद. आगरा, नारायण दत्त शर्मा काश्यप, १९१३. ४४ पृ. १७ से. काशी.

लक्ष्मीनारायण गुप्त

हिंदी भाषा और साहित्य को आर्यसमाज की देन. लखनऊ, लखनऊ विश्वविद्यालय, १९६१. १६,२९२ पृ. २४ से. (लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा पी. एचडी. उपाधि के लिए स्वीकृत शोध-प्रबंध.) सार्व.

लाजपतराय, लाला

महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती और उनका काम. लाहौर, १८९८. ४७५ पृ. १८.५ से. ब्रि. म्यू.

महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती और उनका कार्य्य, द्वि. संस्क. १९१२. ५२१ पृ. २४ से. (संसार के महापुरुषों की वृत्तांतमाला, ४). ब्रि. म्यू.

लाला जी के लेख और व्याख्यान, संग्रहकर्ता और संपादक नंदकुमार देव शर्मा. कलकत्ता, कलकत्ता पुस्तक भंडार, ति. न. पृ. २६३–५०९. १८ से. काशी.

लालचंद

सामाजिक व्यवहार. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न. १२ पृ. १६ से. सार्व.

लालचंद शर्मा

सच्चे मोतियों की माला. फैजाबाद, आर्य समाज, ति. न. ११४ पृ. १८ से. खिदि.

लालताप्रसाद यादव

बाइबिल की विध्वंसकारी शिक्षा. कानपुर, दयानंद वैदिक शोध संस्थान, १९५४. १६ पृ. १२ से. आ. पु.

लालताप्रसाद शर्मा

भारतवर्ष की वीर और विदुषी स्त्रियाँ, प्रथम व द्वितीय भाग, नवम संस्क. बरेली, आर्य बुकसेलर, १९२८. १६८ पृ. १८ से. काशी.

लालसिंह आर्य (नशा निवारणानंद)

तम्बाकू और हर प्रकार के नशे छुड़ाने का डाक्टर, तृ. संस्क. बंबई, लेखक, १९६८. ९६ पृ. १८ से. खिदि.

लीलाधर हीरादास ठक्कर

सत्यासत्य विचार. लखनऊ, स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती, मुंशी गंगाप्रसाद ब्राह्मण प्रेस, १८९४. ४१ पृ. १६ से.

एक उत्तम व्याख्यान जोकि स्वर्गवासी शेठ लीलाधर हरीदास ठक्कर ने मुंबई आर्यसमाज में पढ़ा था... आ. पु.

लेखराम 'आर्य मुसाफिर'

अंत्येष्टि कर्म आवश्यक है अर्थात् मुर्दा जरूर जलाना चाहिए, अनु. शेरसिंह वर्मा कर्णवास. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९८. ३४ पृ. १७ से. खिदि.

आर्यपथिक ग्रंथावली, अनु. प्रेमशरण जी प्रणत. आगरा, आर्य पब्लिशिंग डिपो, प्रेम पुस्तकालय, ति. न. ८४८ पृ. १७.५ से. (श्री लेखराम––लेखावलिः, प्रथम पुष्प 'क' भाग). मूल हिंदुस्तानी 'कुलियात आर्य मुसफिर' का हिंदी अनुवादः. आ. पु., पा. क., सार्व.

उन्नीसवीं शताब्दी का सच्चा बलिदान अर्थात् श्रीमान् पंडित लेखराम जी आर्य्यपथिक के धर्म पर बलिदान का वर्णन और उनके स्मार्क चिह्न नियुक्त करने की तजवीज, अनु. लाल्ता प्रसाद अग्निहोत्री. मुरादाबाद, आर्यभाष्कर प्रेस, १८९७. ७ पृ. २१.५ से. (ट्रैक्ट नं., २१). आ. पु.

ऐतिहासिक निरीक्षण. १९ अक्टूबर, सन् १८९०. २,९२ पृ. १९ से. मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

लेखराम 'आर्य मुसाफिर'

ऐतिहासिक निरीक्षण अर्थात् पं. लेखराम शर्मा आर्य पथिक निर्मित तारीख दुनिया का उर्दू से देवनागरी भाषा में सर्वोपकारार्थ अनुवाद, अनु. कुंवर शेरसिंह वर्मा, द्वि. संस्क. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १९००. १२१ पृ. १७ से. आपु., खिदि.

कुलियात आर्य मुसाफिर, हिंदी अनुवादक जगत्कुमार शास्त्री तथा शांतिप्रकाश, संपा. रामचंद्र जावेद. जालंधर, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १९६३.
१२,४०१ पृ. छवि. २८ से. (आर्यपथिक ग्रंथमाला, १). खिदि.

कुलियात आर्य मुसाफिर, हिंदी अनुवादक जगत्कुमार तथा शांतिप्रकाश, संपा. रामचंद्र जावेद. जालंधर, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १९७२.
द्वितीय भाग, ४८० पृ. २३ से. (आर्यपथिक ग्रंथमाला, २). पा. क.

क्रिश्चियन मत दर्पण, [५वें अध्याय ईसाई मत संसार में कैसे फैला] का अनुवाद, अनु. रामविलास. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचार फंड, १८९७. ३४ पृ. १५ से. (वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, पुस्तक संख्या, १३)
आ. पु., खिदि.

देवी भागवत परीक्षा, द्वि. संस्क. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९८. १० पृ. १५ से. (वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, पु. सं., ३३).
मूल उर्दू से अनुवाद. आ. पु., खिदि.

धर्म प्रचार अर्थात् हिंदुओं की दुर्दशा पर एक यात्री की पुकार, अनु. पंडित कालीचरण शर्मा. मथुरा, बंबई मित्र प्रेस, आर्य संवत्सर १९६०८५२९९६. १६ पृ. १५ से. आ. पु., खिदि.

पतितोद्धारण, अनु. जगदंबा प्रसाद जी. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १९००. ३४ पृ. १५ से. (लेखराम सीरीज़ संख्या, ७). २,३४ पृ. १२ से. आ. पु.

पुराण किसने बनाए, द्वि. संस्क. लखीमपुर, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९६. २,१४ पृ. १२.५ से. (वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, पुस्तक संख्या, ६). आ. पु.

भारत गौरवादर्श अर्थात् ऐतिहासिक प्रमाणों से भारतवर्ष का गौरव निरूपण, प्रथम भाग, अनु. सूर्य्यप्रसाद मिश्र. मुरादाबाद, आर्य्य मित्र प्रेस, १९००. ६८ पृ. २१ से. खिदि.

लेखराम 'आर्य मुसाफिर'

महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन चरित्र (अमर शहीद पं. लेखराम द्वारा संकलित प्रामाणिक उर्दू भाषा का आर्य भाषा में अनुवाद), अनु. रघुनंदन सिंह 'निर्मल', संपा. हरिश्चंद्र विद्यालंकार. दिल्ली, आर्य समाज, नया बाँस, १९७२.
८,१०४० पृ. २५ से. सार्व.

मूर्तिप्रकाश जिसको ठाकुरप्रसाद शाह, दानापुर निवासी ने उर्दू से देशी भाषा में उलथाकर छपवाया. दानापुर, अनुवादक, १८९२. २० पृ. २१ से.
खिदि.

यवनमत परीक्षा, अनु. बदरीदत्त शर्मा. मुरादाबाद, आर्यमित्र यंत्रालय, ति. न. १३२ पृ. २१ से.
'हुज्जतुल इस्लाम' का अनुवाद.
आ. पु., कल.

सृष्टि का इतिहास (स्त्री शिक्षा, धर्मप्रचार, मुर्दा जरूर जलाना चाहिए, आर्य हिंदू नमस्ते का अनुसंधान), अनु. रामसुख पांडेय. बनारस सीटी, चौधरी एंड संस, १९२८.
२,३१६ पृ. १८.५ से. आ. पु.

सृष्टि का इतिहास, संपा. अमरसिंह आर्यपथिक. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९५७. १५१ पृ. १९ से.
खिदि.

हिंदू आर्य और नमस्ते का अन्वेषण, अनु. रामविलास शर्मा. [ ]. ४० पृ. १४ से.
मुखपृष्ठ नहीं. खिदि.

वंशीधर पाठक

भक्तिप्रदीप—प्राचीनतम ऋषि-मुनियों की दिनचर्या—पंचमहायज्ञ स्वाध्याय. बरेली, छदम्मीलाल, १९२४.
६५ पृ. १८ से. कल.

वजीरचंद विद्यार्थी

मृतक श्राद्ध विषयक प्रश्न. लखीमपुर, आर्य भास्कर प्रेस, १८९६. ८ पृ. ११ से. खिदि.

वासुदेव मिश्र

हिंदू धर्म प्रवेशिका, तृ. संस्क. कलकत्ता, १९३४.
१७८ पृ. १९ से. खिदि.

वासुदेव वर्मा

अठारह सौ सत्तावन और स्वामी दयानंद. नई दिल्ली, भारतीय लोकसमिति, १९६८. ६,१२३ पृ. २४ से.
खिदि.

वासुदेवानंद तीर्थ

ईशवर दर्शन का मार्ग. बुलंदशहर, दीवानहाल, आर्य समाज, १९७३. १२४ पृ. १८ से.
खिदि.

विज्ञानानंद, स्वामी

विज्ञान भजन संग्रह. बुदौन, आर्य समाज, १९६९. ४,३५ पृ. १८ से. ने. ला.

विद्यानंद विदेह

यज्ञोपवीत रहस्य. अजमेर, अभयदेव शर्मा, १९५२. १४ पृ. १४ से. सार्व.

वैदिक बाल शिक्षा (प्रथम भाग), तृ. संस्क. अजमेर, वेद संस्थान, १९५३. ६० पृ. १८ से. प्रथम प्रकाशन, १९५०. खिदि.

विद्यानंद शर्मा मंतिकी

व्याख्यान मुक्तावली, प्रथम भाग. वाराणसी, आर्य प्रकाशन, १९६९ ४,१५८ पृ. १८ से. (महर्षि दयानंद काशी शास्त्रार्थ शताब्दी संस्करण). कल., काशी. खिदि.

विधवा आश्रम आर्यसमाज, काशी

प्रमाण पत्र : यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीयुत्... के सुपुत्र श्रीयुत्...ग्राम...पो....जिला...के साथ श्रीमती...का पुर्नविवाह दोनों की इच्छानुसार ता....को स्थान...में अनेक प्रतिष्ठित सज्जनों की उपस्थिति में हुआ. हम आशा करते हैं कि परमात्मा की कृपा से यह संबंध अत्यंत सुखदायक और अटूट होगा.

प्रधान आर्यसमाज काशी — संयोजक विधवा आश्रम, आर्य समाज काशी.

संख्या ३४०–५८१ ता. २३–११–४५ से १–१२–४७ तक. काशी.

विमलचंद शर्मा

ऋषि गाथा महाकाव्य (पूर्वार्द्ध). मथुरा, शीतल चंद्र शर्मा, १९५३. ३५२ पृ. छवि १८ से. कल., बड़ा.

विश्वंभरसहाय 'प्रेमी'

उत्तराखंड के वन पर्वतों में ऋषि दयानंद. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५९. ६४ पृ. १९ से. सार्व.

प्रगतिशील आर्य. मेरठ, प्रेमी प्रिंटिंग प्रेस, १९४७. १३५ पृ. १८ से. बड़ा.

वैदिक संस्कृति (वैदिक धर्म का व्यापक स्वरूप). मेरठ., प्रेमी प्रिंटिंग प्रेस, १९३३. ८,१२८ पृ. १८ से. काशी., सार्व.

विश्वनाथ विद्यालंकार

आत्मिक उन्नति. अजमेर, महेश बुकडिपो, १९२५. ७८ पृ. १८ से.

सत्य आत्मविकास आदि का वर्णन कल.

विश्वनाथ विद्यालंकार

प्रार्थना सुमन. लाहौर, राजपाल एंड संस, ति. न. ४८ पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक जीवन. जयपुर, पुस्तक भंडार, ति. न. ८,२३१ पृ. १८ से. सार्व.

संध्या रहस्य. हरद्वार, गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९३७. १९६ पृ. १८ से. सार्व.

विश्वनाथ शर्मा

प्रकरण प्रमाण दर्शिका. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १९०८. ३७ पृ. २४ से.

दयानंद सरस्वती की रचनाओं में प्रयुक्त संस्कृत उद्धरणों की सूची. इ. आ.

विश्वनाथ शास्त्री

दयानंद जीवनी साहित्य. अजमेर, भारतीय प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, १९६१. २२ पृ. २४ से. पा. क.

यज्ञोपवीत-मीमांसा. कलकत्ता, वैदिक साहित्य पुस्तकालय, १९३८. १८,११२ पृ. १८ से. काशी., खिदि., सार्व.

विश्वप्रकाश

आर्य समाज के निर्माता. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९६४. २,१२८ पृ छवि. १८ से. काशी.

बहिनों की सीख. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९६५. ८० पृ. १८ से. ने. ला.

बाइबिल में चमत्कार. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९७२. १८ पृ. १८ से. खिदि.

मृतक संस्कार. इलाहाबाद, वैदिक प्रकाशन मंदिर, १९६५. २८ पृ. १८ से. ने. ला.

विश्वबंधु शास्त्री

आर्योदय, अर्थात् आर्य समाज के स्वरूप का प्रतिपादन, उसकी वर्तमान स्थिति का पर्यालोचन तथा भावी विकास का निरूपण. लाहौर, डी. ए. वी. कालेज, १९२७. ८,१९८ पृ. १८ से. आ. पु.

आर्य-दर्पण——आर्य समाज के स्वरूप का प्रतिपादन, उसकी वर्तमान स्थिति का पर्यालोचन तथा भावी विकास का निरूपण, द्वि. संस्क. होशियारपुर, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, १९६७. १६,२१० पृ. १८ से. (वि. सं. प्र., ४३३) (सर्वानंद विश्व ग्रंथमाला, ५२). खि दि.

विश्वबंधु शास्त्री

वेद-संदेश, प्रथम भाग. लाहौर, डी. ए. वी. कालेज, १९२६. ३१६ पृ. १८ से.
संवाद के रूप में. कल.

वेद-संदेश तृतीय भाग. (प्रभु संदेश), द्वि, संस्क. लाहौर, डी. ए. वी. कालेज, १९२९. १८६ पृ. १८ से.
कल.

सुखी संसार. होशियारपुर, विश्वेश्वरानंद संस्थान प्रकाशन, १९५३. ४४ पृ. १८ से. (विश्व कल्याण ग्रंथमाला, २). खिदि.

विश्वमित्र, दा.

वेदों का सत्य स्वरूप (महर्षि की वैदिक मान्यताओं के प्रतिपादन हेतु वैदिक शोध पत्रों का संग्रह). वाराणसी, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६८. १२,२७४ पृ. २२ से.
महर्षि दयानंद सरस्वती के काशी शास्त्रार्थ की प्रथम शताब्दी के शुभ अवसर पर विश्व को सप्रेम भेंट.
चुने हुए लेखों का संग्रह. खिदि., पा. क.

विश्वश्रवा, आचार्य

महर्षि का आर्य समाज की स्थापना का वास्तविक उद्देश्य और आर्य समाज का भूत, वर्तमान और भविष्य. कानपुर, आर्य समाज, १९६८. १६ पृ. १८ से.
कल.

यज्ञपद्धति मीमांसा. बरेली, वेदमंदिर, ति. न. २२४ पृ. १८ से. सार्व.

संध्या पद्धति मीमांसा (गायत्री मंत्र जप करने की सांगोपांग पद्धति). देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, ति. न. ४०२ पृ. १८ से. कल.

स्वामीजी की पाठविधि का वास्तविक स्वरूप. बरेली, वेद मंदिर कार्यालय, ति. न. ४० पृ. १७ से.
कल., खिदि., पा. क., सार्व.

विश्वेश्वरानंद

संत सुधार. दिल्ली, प्यारेलाल सोहनलाल, इम्पीरियल मेडिकल हाल प्रेस, १९०५. २,१७.पृ. १६ से.
संत पढ़ें और कर्तव्य में तत्पर हों. आ. पु.

विष्णुदयाल, वा. (मारीशस निवासी)

वेद-ज्ञान. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न. १८ पृ. १६ से. सार्व.

वेद भगवान बोले ! दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७२. २,१४४ पृ. १८.५ से. काशी.

विष्णु ब्रह्मचारी

वेदोक्त धर्म प्रकाश. बंबई, १८६६. ४,८६० पृ. २५ से. इ. आ.

वीरूराम

भजन भंडार. हवड़ा, आर्यसमाज, १९३६. १०६ पृ. १८ से.
हवड़ा आर्य समाज के १५वें वार्षिकोत्सव की स्मृति में आर्य जगत् के प्रसिद्ध कवियों तथा भजनोपदेशकों की सुंदर रचनाओं का संग्रह खिदि.

वृहद् हवन मंत्र (प्रार्थना, स्वस्तिवाचन, शांतिकरण, सामान्य प्रकरण, दैनिक तथा वृहद् हवन के मंत्र) यथार्थ और सरल व्याख्या सहित, व्याख्या. रामावतार शर्मा. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९६६. २,१६२,२ पृ. १८.५ से.
खिदि.

वृहद् हवन मंत्र (प्रार्थना, स्वस्तिवाचन, शांतिकरण, सामान्य-प्रकरण, दैनिक तथा वृहद् हवन के मंत्र) व्याख्या. रामावरतार शर्मा, द्वि. संस्क. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९६८. ४,१२५ पृ. १८ से. (रामलाल कपूर ट्रस्ट, ३४).
खिदि.

वेद

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मिता संस्कृतार्य्य (हिंदी) भाषायां समन्विता.
बनारस मेडिकल हाल प्रेस, १८८७.
संख्या ७–१२. ३७६,८ पृ. २४ से.
अपूर्ण.
—९७–१४४ पृ.
मुखपृष्ठ नहीं है.
इ. आ., खिदि., ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, वैदिक मंत्रों का संकलन, संस्कृत एवं हिंदी टीका के साथ स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा संकलित, द्वि. संस्क. अजमेर, १८९३.
२,३९४,३ पृ. १९ से. ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका (सरल संस्कृत गद्यात्मिका) दयानंद सरस्वती निर्मिता सेयम् संस्कृताध्येतॄणां सुवोधाय...
अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०३. २४३ पृ. २० से.
खिदि.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, दयानंद सरस्वती कृत हिंदी व्याख्या गुजराती अनुवाद के सहित, गुजराती अनुवादक बालकृष्ण शर्मा, इच्छाशंकर एवं प्रभाशंकर शर्मा. बंबई, १९०५.
३,२८८,३ पृ. १९ से. ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मिता संस्कृतार्य भाषाभ्यां समन्विता, षष्ट संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९२८. २,३९९ पृ. २५ से.
सार्व.

वेद

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मिता संस्कृतार्य भाषाभ्यां समन्विता. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३५. ४७० पृ. १८ से.
सार्व.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, दयानंद सरस्वती स्वामि निर्मिता संस्कृतार्य भाषाभ्यां समन्विता, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३८. ४७० पृ. १८ से.
सार्व.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मिता संस्कृतार्य भाषाभ्यां समन्विता, अष्टम संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५२.
४,४२६ पृ. २८ से. खिदि.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका. . . संस्कृतार्य भाषाभ्यां समन्विता. दिल्ली, सार्वदेशिक प्रकाशन, १९५९.
४,५०३ पृ. १८ से. सार्व.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका संस्कृत आर्य भाषाभ्यां समन्विता, नवम संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९६५.
४१० पृ. २४ से. पा. क.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मिता संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्विता, दशम संस्क. अजमेर, वैदिक पुस्तकालय, १९७०.
२,४१० पृ. २५ से. काशी.

वेद-अथर्ववेद

अथर्ववेदसंहिता वैदिक यंत्रालयस्थ पंडितैर्बहुसंहितानुसारेण, संशोधिता. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९००.
२,२९८ पृ. २३ से. खिदि.

अथर्ववेद संहितायाः मंत्राणां वर्णानुक्रम सूची. अजमेर. वैदिक यंत्रालय, १९०१. २,११२ पृ. २३ से.
खिदि.

अथर्ववेद पदानां अकारादि वर्णक्रमानुक्रमणिका श्रीमत्स्वामि विश्वेश्वरानंद नित्यानंदाभ्यां संगृह्य संस्कृता. बंबई, निर्णय सागर प्रेस, १९०७. २९८ पृ. २४ से.
खिदि.

अथर्ववेद संहिता भाषाभाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, संशो. विश्वनाथ विद्यालंकार, तृ. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५२.
चतुर्थ खंड. अष्टादशं कांडं–विंश कांडम्. १९५२.
१८,४५५ पृ. २१ से. खिदि.

वेद-अथर्ववेद

अथर्ववेद संहिता भाषा-भाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, तृ. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५५.
प्रथम खंड, प्रथम कांड–पंचम कांड.
४४,५६१ पृ. २१ से.
द्वितीय खंड, षष्ठं कांड–नवम् कांड.
४४,६९९ पृ. २१ से. खिदि.

अथर्ववेद संहिता भाषा भाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, संशो. विश्वनाथ वेदालंकार, च. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५४.
तृ. खंड, दशमं कांडं–षोडशं कांडं. ५०,५२० पृ. २१ से.
खिदि.

अथर्ववेद संहिता, ऋष्यादि संवलिता श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना संस्थापितया श्रीमत्या परोपकारिणी सभया प्रकाशिता. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५७.
४२८, ७२ पृ. २८ से. खिदि.

अथर्ववेद संहितायाः मंत्राणां वर्णानुक्रम सूची, चतुर्थ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५८. ९१ पृ. ३२ से.
खिदि.

अथर्ववेद (आर्य भाषा भाष्य), भाष्य. क्षेमकरण दास त्रिवेदी. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३.
प्रथम कांड से सप्तम कांड तक.
८८६ पृ. छवि. २४ से.
अष्टम कांड से बीस कांड तक.
१४५६ पृ. छवि. २४ से. खिदि.

अथर्ववेद संहिता अनेक वैदिकानां साहाय्येन विविध प्राचीन लिखित पुस्तक पाठानुसारेण च संशोध्य भट्टाचार्येण श्रीपाद शर्मणा दामोदर भट्ट सूनुना सातवलेकर कुलजेन संपादिता. पारडी, स्वाध्याय मंडल, ति. न. ४५६ पृ. २१ से.
प्रथमं कांडं–विंश कांडं-समाप्तम्.
मंत्रसंख्या–५९७७. खिदि.

वेद-अथर्ववेद-संकलन

अथर्ववेद शतकम्––अथर्ववेद के सौ मंत्रों का अनूठा एवं अपूर्व संकलन, संक. जगदीशचंद्र विद्यार्थी. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९६१. ११२ पृ. १८ से. (गोविंदराम हासानंद स्मृतिमाला, ६). खिदि.

वेद-ऋग्वेद

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषायां समन्वितम्. बंबई, निर्णय सागर यंत्रालय, १८७८.
पुस्तक (२०, अंक २–३).
खिदि., ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८०.
पुस्तक (४२, ४३, अंक २६–२७).
इ. आ., खिदि., ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्. काशी, वैदिक यंत्रालय, १८८०.
पुस्तक (३२–३३, अंक १६–१७).
इ. आ., खिदि., ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्. बंबई, १८७८–८०, बनारस, १८८१.
अपूर्ण. भाग १–१० एवं १३–१७ नहीं है.
ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्, प्रथमे मंडले प्रथमाध्यायादारंभ्य चतुर्थाध्यायपर्यंतम्. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८२. ११२ पृ. २३ से.
––प्रथम मंडले पंचमाध्यायादारंभ्य अष्टमाध्यायपर्यंतम् (द्वितीय भागात्मकम्). प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८२. २,११२६–२१६० पृ. २३ से. खिदि.

ऋग्वेदभाष्यम् दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृत आर्य भाषाभ्यां समन्वितम्. प्रयाग, अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८८२–९९.
––भाग. २४ से. ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदभाष्यम् दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्, प्रथम मंडलम् (तृतीय भागात्मकम्). प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८८. ९११ पृ. २३ सें.
खिदि.

ऋग्वेदभाष्यम् दयानंद स्वामि निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्, द्वितीय मंडलम् (चतुर्थ भागात्मकम्). प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८९. ११७–७५२ पृ. २३ से.
खिदि.

ऋग्वेदभाष्यम् दयानंद स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्, तृतीय मंडलम् (पंचम भागात्मकम्). प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८९०. ८७८ पृ. २४ से.
खिदि.

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्ये भाषाभ्यां समन्वितम्, चतुर्थमंडलम् (षष्ठ भागात्मकम्). प्रयाग नगरे संस्कृत यंत्रालये मुद्रितम्, १८९२. मं. (४)–७५१–१६४७ पृ. २३ सें. खिदि.

ऋग्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्, पंचम मंडलम् (सप्तम भागात्मकम्). प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८९४.
२,९२६ पृ. २३ सें. खिदि.

ऋग्वेद भाष्यम्, अष्टम भाग. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८९५.
९७५ से १६४७ पृ. तक.
द्वादश भाग, १८९०.
१८४९–१८८६ + १––३४४ पृ.
त्रयोदश भाग, १८८२. ३४५–७७२ पृ.
मूलग्रंथ का ३७० से ६५८ पृष्ठ तक.
का. हि. वि.

ऋग्वेद भाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिनां निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम् षष्ट मंडलम् (अष्टम भागात्मकम्). प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८९५.
२,९२७–१८८६ पृ. २३ से. खिदि.

ऋग्वेद भाष्यम् दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम् सप्तमे मंडले पंचमाष्टकस्य पंचमाध्याये तृतीय वर्गस्य द्वितीय मंत्र पर्यंतम् (नवम भागात्मकम्). अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९९.
२,७७२ पृ. २३ से. खिदि.

ऋग्वेद संहिता ऋष्यादि संवलिता वैदिक यंत्रालयस्य पंडितैर्बहुसंहितानुसारेण संशोधिता. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९००. २,६५८ पृ. २३ से. खिदि.

ऋग्वेद संहितायाः मंत्राणां वर्णानुक्रम सूची. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०१. २,१८७,२ पृ. २३ से.
खिदि.

ऋग्वेद भाष्य, दयानंद स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्, चतुर्थ भागात्मकम्. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०४. ११७–७५२ पृ. २४ से. कल.

ऋग्वेद पदानां अकारादि वर्णक्रमानुक्रमणिकाश्री मन्महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड सेनाखासमेल शमशेर बहादुर श्री वड़ोदाद्धीशैः संरक्षक पदांगीकार तयालंकृता श्रीमद्स्वामि विश्वेश्वरानंद-नित्यानंदाभ्यां संगृह्य संस्कृता. बंबई, निर्णय सागर मुद्रणालय, १९०८.
२,४८४ पृ. २४ से. खिदि.

ऋग्वेद मंत्र व्याख्या अर्थात् दयानंद विरचित ऋग्वेद भाष्य से अवशिष्ठ भागांतर्गत कुछ मंत्रों पर उन्हीं के किये भाष्य का संग्रह और उस पर व्याख्या, लेखक व प्रकाशक भगवदत्त. लाहौर, माडेल प्रेस, १९१७. ४,४४ पृ. २५ से.
इ. आ.

वेद-ऋग्वेद

नवम मंडलस्य ऋग्वेद भाष्यम् श्रीमदार्यमुनिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम् चतुर्थखंडात्मकम्. काशी. देवदत्त शर्मा, हितचिंतक प्रेस, १९२१.
६०१–११०० पृ. २५ से. खिदि.

ऋग्वेद के प्रथम मंत्र की व्याख्या, व्याख्या. दर्शनानंद सरस्वती, तृ. संस्क. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२४.
१६ पृ. १५ से. काशी.

ऋग्वेद भाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृत आर्य भाषाभ्यां समन्वितम्, चतुर्थ मंडलम्. अजमेर, अजमेर, वैदिक प्रेस, १९२६. ६४६ पृ. २५ से.
इ. आ.

ऋग्वेद भाष्यम् अष्टमंडलस्य षष्ठाध्यायात् द्वितीयाष्टकात् अष्टत्रिंशद्वर्गादारंभ्य षष्ठाध्याये पंचमाष्टके अष्टविंशत वर्गे नवम मंत्र पर्यंतम्, रविशंकर शर्मणा निर्मितम्. अजमेर वैदिक यंत्रालय, १९३०. ३२० पृ. २६ से.
खिदि.

ऋग्वेद संहिता भाषाभाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३५.
पंचम खंड. पंचमोष्टकः सप्तमं मंडलम्–षष्ठोऽष्टकः : अष्टमं मंडलम्. २९,८१५ पृ.
षष्ठ खंड. षष्ठोऽष्टकः नवमं मंडलम्–सप्तमोऽष्टकः-दशमं मंडलम्, ५७,६६४ पृ. २१ से.
खिदि.

ऋग्वेद भाष्य के प्रथम नौ मंत्रों का भाष्य, दयानंद स्वामिना निर्मितम्, तृ. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९४३.
१७ पृ. २५ से. पा. क.

ऋग्वेद संहिता भाषाभाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, संशो. विश्वनाथ विद्यालंकार, द्वि, संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५३.
द्वि. खंड. द्वितीयोऽष्टकः प्रथम, द्वितीय, तृतीय मंडल. १९,४९० पृ.
तृ. खंड. तृतीयोऽष्टकः तृतीयं मंडलम्–चतुर्थोऽष्टकः पंचम मंडलम्, १९५६. ३४,८१३ पृ. २१ से.
सप्तम खंड. अष्टमोऽष्टकः : दशम् मंडलम् (संपूर्ण), १९५२. ४६,४०६,७ पृ. २१ से. खिदि.

ऋग्वेद संहिता ऋष्यादि संवलिता मंत्राणां वर्णानुक्रम सूच्यलंकृता श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना संस्थापितया श्रीमती परोपकारिणी सभया प्रकाशिता, पंचम संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५३. ७८२,१५८ पृ. ३० से.
मंत्राणां वर्णानुक्रम सची पृ. १–१५८. खिदि.

वेद-ऋग्वेद

ऋग्वेद संहिता भाषा भाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, पंचम संशो. एवं परि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५६.
प्रथम खंड. प्रथम मंडल, प्रथमोऽष्टकः : ५६,७५१ पृ.
खिदि.

ऋग्वेद संहिता अनेक वैदिकानां साहाय्येन विविध प्राचीन लिखित पुस्तक पाठानुसारेण च संशोध्य मदाचार्येण श्री पादशर्मणा दामोदरदत्त सूनुना सातवलेकर कुलजेन संपादिता, तृ. संस्क. पारडी (सूरत), स्वाध्याय मंडल, १९५७.
९५२ पृ. २२ से.
ऋग्वेद मंडलानुसारेण (प्रथम–दशम मंडलम्) सूक्त संख्या १०१७, मंत्र संख्या १०४७२
खिदि.

ऋग्वेद हिंदी भाष्य, महर्षि दयानंद सरस्वती कृत. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७२–
४ भाग २४ से. (आर्य समाज स्थापना शताब्दी प्रकाशन).
खिदि.

ऋग्वेद भाषा भाष्य, भाष्य. महर्षि दयानंद सरस्वती. नई दिल्ली, दयानंद संस्थान, १९७३.
प्रथम भाग. प्रथम–छठा मंडल, पंचमाष्टक.
६०० पृ. १८ से. खिदि.

पुरुष सूक्त सटीक अर्थात् सर्वत्र परिपूर्ण 'पुरुष' परमेश्वर के विराट स्वरूप का वर्णन भाषानुवाद सहित. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, लखीमपुर, आर्यभाष्कर यंत्रालय, १८९६. २,१३ पृ. २१ से. आ. पु.

वेद-ऋग्वेद-संकलन

ऋग्वेद शतकम् ऋग्वेद के सौ मंत्रों का अनूठा एवं अपूर्व संकलन, संक. जगदीशचंद्र विद्यार्थी. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९६१. ११२ पृ. १८ से. (गोविंदराम हासानंद स्मृति माला, ३). खिदि.

वेद-यजुर्वेद

यजुर्वेद भाष्यम्, श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृत आर्य भाषाभ्यां समन्वितम्. बंबई, निर्णय सागर यंत्रालय, १८७८.
—भाग. २५ से.
भाग १. १३०४ पृ.
भाग २. १३०५–२३१०, ६५–१२८, ४४९–६३९ पृ.
इ. आ., ब्रि. म्यू.

यजुर्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृत आर्य भाषाभ्यां समन्वितम्. काशी, १८८०.
ब्रि. म्यू.

यजुर्वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृत प्रार्य भाषाभ्यां समन्वितम्. प्रयाग, १८८१–८३.
—पृ. २५ से. ब्रि. म्यू.

यजुर्वेदभाष्यम् दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभ्यां समन्वितम्. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १८८९.
४ भाग. २८ से.
भाग १. २१., ६५९ पृ. २८ सें. अध्याय १–१०.
आ. पु.

भाग २. अध्याय ११–२०. ६६१–२३१० पृ.
आ. पु., खिदि.

भाग ३. अध्याय २१–३०. ७८६ पृ.
आ. पु.

भाग ४. अध्याय ३१–४०. ७८७–१६६० पृ.
आ. पु.

यजुर्वेद संहिता ऋष्यादि संवलिता वैदिक यंत्रालयस्य पंडितै-र्मुद्रितसंहितानुसारेण संशोधिता. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९९. २,१५९ पृ. २३ से. खिदि.

यजुर्वेदसंहितायाः मंत्राणां वर्णानुक्रम सुची. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०१. २,४२ पृ. २३ से.
खिदि.

यजुर्वेदभाषाभाष्य, द संस्कृत टेक्स्ट्स ऑव द वाजसनेयी संहिता विद ए हिंदी ट्रांसलेशन ऑव दयानंद सरस्वतीज संस्कृत इंटरप्रेटेशन एंड कमेंट्री. अजमेर, वैदिक प्रेस, १९०५.
२ भाग. २५ से.
३२०,६३८ पृ. इ. आ., ब्रि. म्यू.

यजुर्वेदभाषाभाष्य, ए ट्रांसलेशन ऑव दयानंद सरस्वतीज कमेंट्री आन यजुर्वेद बाई सरदार अमर सिंह. लाहौर, १९०७. ७० पृ. २३ से.
गुरुमुखी लिपि. ब्रि. म्यू.

यजुर्वेद पदानां अकारादि वर्णक्रमानुक्रमणिका श्रीमन्महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड श्रीमत्स्वामि विश्वेश्वरानंद-नित्यानंदभ्यां संगृह संस्कृता. बंबई, निर्णय सागर मुद्रणालय, १९०८. २,११५ पृ. २४ से.
खिदि.

यजुर्वेद भाष्यम्. . .श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य्य भाषाभाष्यम् समन्वितम्. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९२३–२५.
—भाग. २५ से.
भाग २. (१९२३). ६०६–२१३६ पृ.
भाग ३. (१९२४). ७२६ पृ.
भाग ४. (१९२५). ७२५–११६३ पृ.
(पृ. ११००–११६३ पर पृष्ठ संख्या की भूल है).
इ. आ.

यजुर्वेद भाषाभाष्य (संपूर्ण चालीस अध्याय), महर्षि दयानंद सरस्वती कृत. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १८८९. ४,१२१६ पृ. छवि. २४ से.
(आर्य समाज स्थापना शताब्दी प्रकाशन).
मार्गशीर्ष कृष्ण १ शनी संवत् १९३९ (१८८२) में समाप्त किया वैशाख शुक्ल ११ शनी संवत् १९४६ (१८८९) में छपकर तैयार हुआ. खिदि.

यजुर्वेद-संहिता ऋष्यादि संवलिता श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना संस्थापित श्रीमती परोपकारिणी सभया प्रकाशित, सप्तम संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५०.
२,१९८ पृ. १८ से. खिदि.

यजुर्वेद संहिता भाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, तृ. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५३.
प्रथम खंड–प्रथमोध्यायः–सप्तदशोऽध्यायः.
३७,४४५ पृ. २१ से.
द्वि. खंड–अष्टादशोऽध्यायः–चत्वारिंशोऽध्यायः.
२४,६४६ पृ. २१ से. (१९५५). खिदि.

यजुर्वेद भाष्यम् महर्षि दयानंद सरस्वती स्वामिना निर्मितम् संस्कृतार्य भाषाभ्यां समन्वितम् ब्रह्मदत्त जिज्ञासु विरचित विवरणेन तद्भूमिकया च विभूषितं, तेनैव च संशोधितम्, महर्षि दयानंद स्वामिभिः स्वयं संशोधितैः हस्तलेखैः सम्मेल्य सम्यक् संशोध्य. अमृतसर, रामलाल कपूर ट्रस्ट, वाराणसी, ज्योतिष प्रकाश मुद्रणालय, १९५९.
१४२२,८७६,३३ पृ. ३२ से. (रामलाल कपूर ट्रस्ट, ६).
प्रथयोऽध्यायः–दशमोऽध्यायः. खिदि.

यजुर्वेद-भाष्य-संग्रह महर्षि दयानंद सरस्वती विरचित, संपा. युधिष्ठिर मीमांसक. टंकारा (सौराष्ट्र), महर्षि दयानंद स्मारक अनुसंधान विभाग, १९६०.
३२४ पृ. २२ से. सार्व.

महर्षि वेद भाष्य विवोध (यजुर्वेद के चालीसवें अध्याय के दयानंद कृत भाष्य की व्याख्या. व्याख्या. सुदर्शन देव. दिल्ली, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९६८.
७२ पृ. २५ से. पा. क.

यजुर्वेद संहिता अनेक वैदिकानां साहांय्येन विविध प्राचीन लिखित पुस्तक पाठानुसारेण च संशोध्य श्रीपाद शर्मणा दामोदर

वेद-यजुर्वेद

भट्ट सूनुना सातवलेकर कुलजेन संपादिता. पारडी, स्वाध्याय मंडल, ति. न. १६७ पृ. २१ से.
प्रथमोऽध्यायः–चत्वारिंशोऽध्यायः. खिदि.

मनुष्य समाज अर्थात् पुरुष सूक्त के ग्यारहवें मंत्र की व्याख्या. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, स्वामि यंत्रालय, १८६७. २१,१पृ. १४ से. (वेदमंत्र विवरण पुस्तक संख्या, २१). 'वैदिक ट्रैक्ट्स नं. १' का भाषानुवाद.
आ. पु.

मनुष्य समाज, तृ. संस्क. स्था. न., आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत, १६२५. २० पृ. १८ से.
'वैदिक ट्रैक्ट्स नं. १' का हिंदी अनुवाद.
आ. पु., काशी.

पुरुष-सूक्त (यजुर्वेद का इकतीसवां अध्याय), महर्षि दयानंद सरस्वती कृत भाष्य. दिल्ली, आर्य समाज, दीवानहाल, १९६३. ६८ पृ. १७ से. सार्व.

वर्ण व्यवस्था, यजुर्वेद के एक मंत्र की व्याख्या, व्याख्या. पं. कृपाराम शर्मा. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८६७.
१६ पृ. १४ से. (वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, ट्रैक्ट नं. १४).
आ. पु.

वेद के एक संदिग्ध प्रकरण का विवेचन "सविता प्रथमेऽहन् . . . विश्वेदेवा द्वारशे" (यजु. ३४।६) एवं समस्त उनतालीसवें अध्याय पर विचार, व्याख्या. ब्रह्म मुनि. अम्बाला, वैदिक साधन आश्रम, १९६०. २३ पृ. २० से.
सार्व.

वेद-यजुर्वेद-संकलन

यजुर्वेद शतकम्—यजुर्वेद के सौ मंत्रों का अनूठा एवं अपूर्व संकलन, संकलनकर्ता जगदीशचंद्र विद्यार्थी. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९६१. ११२ पृ. १८ से. (गोविंदराम हासानंद स्मृतिमाला, ४). खिदि.

वेद-सामवेद

सामवेद संहिता ऋष्यादि संवलिता वैदिक यंत्रालयस्य पंडितैर्बहुसंहितानुसारेण संशोधिता. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९००. २,१२० पृ. २३ से. खिदि.

सामवेव संहितायाः मंत्राणां वर्णानुक्रम सूची. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०१. २,४० पृ. २३ से.
खिदि.

सामवेदपदानां अकारादिवर्णक्रमानुक्रमणिका श्रीमत्स्वामि विश्वेश्वरानंद-नित्यानंदाभ्यां संगृह्य संस्कृता. बंबई, निर्णय सागर मुद्रणालय, १९०८. २,११२,२ पृ. २४ से.
खिदि.

वेद-सामवेद

सामवेद संहिता ऋष्यादि-संवलिता जयदेव शर्मणा विरचितया भूमिकया ऋषिगोत्र सारण्या च समेता. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४५. १४,४९६ पृ. १७ से
खिदि.

सामवेद संहिता ऋष्यादि संवलिता श्रीमद्दयानंद सरस्वती स्वामिना संस्थापितया श्रीमत्या परोपकारिणी सभया प्रकाशिता, षष्ठ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९४७. २,१४४ पृ. ३० से. खिदि.

सामवेद संहिता भाषा भाष्य, भाष्य. जयदेव शर्मा, चतु. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५१.
(पूर्वार्चिकः उत्तरार्चिकः). १६,६७२ पृ. २१ से.
प्रथम संस्क. १९२६, द्वि. संस्क,. १९३६, तृ. संस्क., १९४६.
खिदि.

सामवेद संहिता अनेक वैदिकानां साहाय्येन विविध प्राचीन लिखित पुस्तक पाठानुसारेण च संशोध्य श्रीपाद शर्मणा दामोदर भट्ट सूनुना सातवलेकर कुलजेन संपादिता, तृ. संस्क. पारडी, स्वाध्याय मंडल, १९५८. १५० पृ. २१ से.
पूर्वार्चिकः + उत्तरार्चिकः. खिदि.

सामवेद हिंदी भाष्य (संपूर्ण), तुलसीराम स्वामि कृत, द्वि. संस्क. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७२. ४७,८४८,३ पृ. २४ से.
आर्य समाज स्थापना शताब्दी समारोह १९७५ के अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित.
खिदि.

सामवेद संहितायाम् तृतीय उत्तरार्चिकः पं. हजारीलाल स्वामि सूनुना तुलसीराम स्वामिना कृते सामवेद भाष्ये उत्तरार्चिके द्वाविंशो अध्यायः समाप्तम्. ( ).
८४६–१७५८ पृ. २३ से.
मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

वेद-सामवेद-संकलन

सामवेद शतकम्—सामवेद के सौ मंत्रों का अनूठा एवं अपूर्व संकलन, संक. जगदीशचंद्र विद्यार्थी. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९६१. ११२ पृ. १७ से. (गोविंदराम हासानंद स्मृतिमाला, ५). खिदि.

कात्यायन श्रौत सूत्रम् कर्काचार्य विरचित भाष्य सहितम्. बनारस, चौखंभा प्रकाशन, १९०४.
८०१–९०० पृ. २१ से.
कुल.

वेद-संकलन

ज्ञान-ज्योति-वेदसागर से चुने हुए मोतियों का अनुपम संग्रह, . . . भाष्यसहित, भाष्य. एवं संपा. सत्यानंद. नई दिल्ली. जनज्ञान प्रकाशन, १९७०. ९८ पृ. १८ से.
सार्व.

यजुर्वेद, सामवेद भाषाभाष्य संपूर्ण, भाष्य. स्वामी दयानंद सरस्वती. नई दिल्ली, दयानंद संस्थान, १९७३. २९२,१८० पृ. ४८ से. खिदि.

वेद ज्योति––प्रत्येक वेद के सौ-सौ ईश्वर भक्ति के मंत्रों का अपूर्व संग्रह, शब्दार्थ, भावार्थ सहित, संक. अच्युतानंद सरस्वती. नई दिल्ली, जनज्ञान प्रकाशन, १९६९.
ऋग्वेद. ७६ पृ.
यजुर्वेद. ७७–१५० पृ.
सामवेद. ७८–२०९ पृ.
अथर्ववेद. २१०–२७० पृ. १८ से.
'जनज्ञान' अगस्त, १९६९. खिदि.

वेदपाठ––महर्षि दयानंद सरस्वती जी (द्वारा निर्मित ग्रंथों के आधार पर). शामली (उ. प्र.), आर्य प्रकाशन, ति. न., १४४ पृ. आयताकार
दशम् सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलन हैदराबाद के पुनीत अवसर पर आर्य जगत को भेंट. खिदि.

वेदोद्यान के चुने हुए फूल वेदोद्यानादवचितानि कुसुमानि), संग्र. प्रियव्रत वेदवाचस्पति. हरिद्वार, गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९५४. ८,२२३ पृ. २४ से.
सार्व.

वेदकुंवर देवी

छोटा मुंह बड़ी बात अर्थात् एक व्याख्यान जिसको आर्य कन्या पाठशाला, मेरठ की एक पुत्री ने आर्य समाज मेरठ के सत्रहवें वार्षिकोत्सव पर दिया. मथुरा, रामचंद्र वर्मा, मथुरा प्रेस, १८९५. १४ पृ. १६ से.
आ. पु.

वेदकुमारी

वह नये युग का उषाकाल था––मेरे संस्मरण. कलकत्ता, सत्यपाल थापर, १९६६. ४७ पृ. १८ से.
कल.

वेदगीतांजलि. हरिद्वार, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, १९३८. २४८ पृ. १७×२१ से.
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की ओर से संवत् १९९५ के लिए सप्रेम भेंट. सार्व.

वेदमुनि परिव्राजक

आदर्श परिवार, द्वि. संस्क. बिजनौर, वैदिक संस्थान, १९६३. १४ पृ. १८ से. कल.

वेदव्यास

आर्य समाज के नियम. फतेहपुर, वेदप्रकाश, १९६६. ६,५० पृ. १८ से. ने. ला.

वेदानंदतीर्थ, स्वामी

जीवन की भूलें. देहली, विरजानंद वैदिक संस्थान, ति. न. ७६ पृ. चित्र. १८ से. ने. ला.

वेदामृत, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १९२७. १५,४३२ पृ. २४ से.
आ. पु.

वेदोपदेश वैदिक स्वदेश भक्ति. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३२. ६,१४३ पृ. १७.५ से.
आ. पु.

सत्यार्थ प्रकाश का प्रभाव. गाजियाबाद, (मेरठ), विरजानंद वैदिक संस्थान, १९५९. १३० पृ. १८ से.
खिदि., पा. क., सार्व.

वेदानंद सरस्वती

(देव) दयानंद की अनोखी बातें. अजमेर, हकीम बीरुमल, १९६२. १० पृ. १८ से. खिदि.

(स्वामी) दयानंद की निराली बातें. अम्बाला, अभयानंद सरस्वती, १९५२. २० पृ. १३ से.
सार्व.

महर्षि श्री विरजानंद जी का जीवन चरित. देहली, वैदिक साहित्य सदन, १९५४. ६,१७९ पृ. १८.५ से.
खिदि.

श्रुतिसूक्तिशती. दिल्ली, वैदिक साहित्य सदन, १९५७. ५६ पृ. १० से. खिदि.

सर्वविध क्रांति के प्रवर्तक महर्षि स्वामी विरजानंद सरस्वती का जीवन चरित. दिल्ली, आर्य समाज मंदिर, बाजार सीताराम, १९७०. ६,१५२ पृ. १८ से.
काशी.

सावित्री प्रकाश अथवा गायत्री (गुरु) मंत्र व्याख्या. ज्वालापुर, विरजानंद वैदिक संस्थान, १९४८. १०६ पृ. १८ से. सार्व.

स्वाध्याय संग्रहः, द्वि. संस्क. देहली, आर्य प्रकाशन मंदिर, १९५१. ६,१७६ पृ. १८ से.
खिदि., सार्व.

स्वाध्याय संदोह. लाहौर, लाला केशोराम, १९४३. ६,६,४९० पृ. २४ से. का. हि. वि., खिदि.

स्वाध्याय संदोह. गाजियाबाद (मेरठ), विरजानंद वैदिक संस्थान, १९६८. २८,५१८ पृ. २६ से.
सार्व.

वेदानंद सरस्वती

स्वाध्याय-सुमन. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९४१. ४,२२८ पृ. १८ से. सार्व

वैदिक देवतावाद विषयक पत्र-व्यवहार, मंत्री परोपकारिणी सभा और श्रीपाद दामोदर सातवलेकर स्वाध्याय मंडल, औंध (सतारा) के मध्य हुआ. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९३९. १८ पृ. २५ से. सार्व.

वैदिक भक्ति स्तोत्र, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में वेद भक्तों के लिए भावपूर्ण उपहार. लाहौर, केशोराम, १९४३. १०८ पृ. १८ से. सार्व.

वैदिक सत्संग पद्धति. देहली, वैदिक साहित्य सदन, ति. न. ६८ पृ. १८ से. सार्व.

वैद्यनाथ तिवारी

दयानंद मत परीक्षा. बंबई, वेंकटेश्वर प्रेस, १९००. ३० पृ. १४.५ से.

इसमें संस्कार विधि आर्याभिविनय, जीवन चरित्र, स्वामी दयानंद सरस्वती तथा पतंजलि योगशास्त्र उन्ही के अनुयायी ग्रंथों से उनके मत को खंडन कर सनातन धर्म के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है. आ. पु.

वैद्यनाथ शास्त्री

आर्य्य सिद्धांत सागर (प्रमाण ग्रंथ), लेखक पंडित वैद्यनाथ जी शास्त्री, एवं ठाकुर अमरसिंह आर्यपथिक. लाहौर, महात्मा हंसराज जी साहित्य विभाग, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४३. १६.३३९ पृ. २४.५ से. काशी., सार्व.

कर्म मीमांसा, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५६. १०,२१७,८ पृ. १८ से. खिदि.

छः वैदिक दर्शनों का मतैक्य है. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७२. २४ पृ. १७ से. सार्व.

दयानंद-सिद्धांत-प्रकाश. दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६२. ६,२८२ पृ. १८ से.
'दयानंद रहस्य' का उत्तर,. काशी.

दर्शन-तत्त्व-विवेक, प्रथम भाग. बड़ौदा, उर्मिलादेवी शास्त्री, १९७३. २९६ पृ. २२ से. सार्व.

वैदिक ज्योति. राजवाड़ी (पोरबंदर), लेखक, १९५५. ८,२४३ पृ. २४ से. सार्व.

वैदिक युग और आदि मानव. देहली, वैदिक (सार्वदेशिक सभान्तर्गत) अनुसंधान विभाग, १९६४. २१४ पृ. २२ से. सार्व.

वैदिक विद्यालय, द रूल्स एंड स्कीम ऑव स्टडीज़ ऑव प्रपोज्ड स्कूल फॉर दस्टडी ऑव वेदाज़ टू बी फाउंडेड बाई द आर्य समाज. मुरादाबाद, १९००. २०,१८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

व्यासदेव, स्वामी

बहिरंग योग अर्थात् यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार संबंधी पुरातन व पूर्ण विज्ञान, द्वि. संस्क. गंगोत्री (ऋषिकेश), योग निकेतन ट्रस्ट, १९७०. ३४५ पृ. २४ से.
प्रथम संस्क. १९६१.
अंग्रेजी संस्क. १९७०. खिदि.

व्रजनाथ

आर्य समाज क्या है ? अर्थात् आर्य समाज के सिद्धांत, उसके महान् कार्य और उसके भविष्य पर एक विचार. [लखनऊ], आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रांत, १९०३. ३,१४० पृ. २०.५ से. आ. पु.

व्रतपाल स्नातक

गरुड़ पुराण की आलोचना. लाहौर आर्य पुस्तकालय, १९२७. ४,११० ,४ पृ. (पुराणालोचन ग्रंथमाला, ३). आ. पु.

शंकर दीक्षित

विज्ञान बोध. काशी. भारत जीवन प्रेस, १८९९. ७,२,६४ पृ. १९ से.
आर्य समाजी सज्जनों के द्वैतभ्रम निवारणार्थ वेदशास्त्रों का सार सिद्धांत. आ. पु.

शंकरनाथ, पंडित

धर्म्मवीर अथवा सच्चा वीर पुरुष किसे कहते हैं ? भवानीपुर (कलकत्ता), आर्य्यावर्त यंत्रालय, १९०८. ३२ पृ. १८ से. खिदि.

पुराण और व्यास जी अर्थात् अठारों पुराण एवं अठारों उपपुराण व्यास जी के बनाये हुए नहीं हैं और न यह सब पुराण प्रमाणीय ग्रंथ हैं वास्तव में यह सब पुराण नहीं परंतु नवीन ग्रंथ हैं. कलकत्ता, आर्य समाज, १९०६. १०३ पृ. १८ से.
आर्य समाज की आज्ञानुसार पंडित शंकरनाथ ने वंगभाषा से हिंदी में अनुवाद किया. खिदि.

हिंदू-संगठन और दलितोद्धार. कलकत्ता, आर्य प्रतिनिधि सभा, बिहार, बंगाल, १९२५. ४८ पृ. १७ से.
अस्पृश्यता निवारण करने और दलित भाइयों की सामाजिक और और नैतिक दशा को उन्नत करने की परम आवश्यकता विषय पर एक पुस्तिका. कल., काशी., खिदि.

शंकरलाल

इतिहास पुराण स्मृति नहीं-शिवकुमार जी ने जो इतिहास पुराण को स्मृति होना सिद्ध करा था उसका उत्तर श्रोत्रिय शंकर लाल विजनौर निवासी ने दिया. इटावा, वैदिक यंत्रालय, ति. न. १३ पृ. २२ से.
खिदि.

स्त्री अधिकार मीमांसा, आर्ष ग्रंथों से सग्रह. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १९०१. ५१ पृ. २१ से.
खिदि.

शंकर शरण 'कवि'

आर्य स्त्री धर्म अर्थात् श्रेष्ठ स्त्री धर्म, दोनों भाग, चतुर्थ संशो. परि. संस्क. लखनऊ, आर्य साहित्य आश्रम, १९४८. ३३८ पृ. १८ से. कल.

शंकराचार्य

प्रश्नोत्तर रत्नमाला, भाषा-टीका सहिता, तुलसीराम शर्मा. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९६. २८ पृ. १६ से. तुलसीराम स्वामी कृत 'आर्य विवाह मंगलाष्टक' इसी के साथ संलग्न है. पृ. १८–२८.
आ. पु., खिदि.

शकुंतला देवी

चेतावनी अर्थात् आर्य्य कन्या पाठलाशा, मेरठ की एक पुत्री का व्याख्यान जो आर्य समाज मेरठ के सोलहवें वार्षिकोत्सव पर हुआ. मथुरा, रामचंद्र वर्मा, मथुरा भूषण प्रेस, १८९५. २,८,२ पृ. १६ से. आ. पु.

शांतिविजय, मुनि

आर्य देश दर्पण. अहमदाबाद, १८८७. १६,६५ पृ. इ. आ.

शास्त्र चर्चा अर्थात् दिल्ली दिग्विजय. आगरा, विश्वंभरनाथ जी सेकसरिया, ति. न. १४८ पृ. १८ से.
सार्व.

शास्त्रार्थ आगरा. ता. १९, २०, २१ फेब्रुएरी सन् १९०१ ई. तक आर्य समाज आगरा और भीमसेन शर्मा से मृतक श्राद्ध विषय पर हुआ जिसको तुलसीराम स्वामी ने लेखबद्ध हस्ताक्षर युत प्रतिपद का संग्रह और अनुवाद कराकर स्वामि यंत्रालय मेरठ में छपाया, १९०१. ५७ पृ. २४.५ से.
काशी.

शास्त्रार्थ कंट्रोवर्सी बिट्वीन द आर्य समाज ऑव वज़ीराबाद एंड पंडित गणेश दत्त शास्त्री...आन द श्राद्ध सेरेमनी, विद द एंड पंडित ओपीनियन ऑव मैक्समूलर. लाहौर, १८९६. २६ पृ. १६ से. इ. आ., ब्रि. म्यू.

शास्त्रार्थ किराणा. परिक्षित गढ़ (मेरठ), छुट्टन लाल स्वामी, १८९४. २८ पृ. २१ से.

जो १५ दिसंबर से १६ दिसंबर सन् १८९३ ई. में आर्यों तथा हिंदुओं के मध्य मुजफ्फरपुर नगर में हुआ.
आ. पु.

शास्त्रार्थ खुर्जा. जो आर्यों और पौराणिकों में मूर्तिपूजा विषय पर ता. ११ मई से १३ मई सन् १८९० तक तीन दिन खुर्जा (बुलंदशहर) में हुआ, संशो. तुलसीराम, द्वि. संस्क. खुर्जा, आर्य समाज, प्रयाग, सरस्वती यंत्रालय, १८९३. ३८ पृ. १८ से.
खिदि.

शास्त्रार्थ देवरिया. पटना, भारतरत्न प्रेस, १९०२. ३६ पृ. १७ से. जो आर्य समाज देवरिया और धर्मसभा देवरिया की ओर से पं. रुद्रदत्त और पं. विष्णुदत्त जी मे मूर्तिपूजा विषय पर हुआ था.
काशी.

शास्त्रार्थ नीमच सत्यासत्य के निर्णयार्थ शेठ मुल्तानमल, प्रधान छावनी नीमच की आज्ञानुसार मास्टर शकुन चंद्र जी ने मुद्रित आर्य समाज कराया. नीमच, मुल्तान प्रिंटिंग प्रेस, १८९५. १८,४ पृ. २३ से.

२१–४–९५ को पंडित ज्वालादत्त ने ईश्वरानंद सरस्वती (जो पहले आर्य समाजी थे बाद में पौराणिक बन गए थे) को शास्त्रार्थ के लिए ललकारा किंतु वे नहीं आए. काशी.

शास्त्रार्थ पत्र (मुरादाबाद के धर्मसभा और चंदौसी के आर्य समाज के बीच धार्मिक वादाविवाद के संबंध में पत्र, कुछ पत्र संस्कृत में भी लिखे गये). कानपुर, १८९६. २७ पृ.
इ. आ.

शास्त्रार्थ फिरोज़ाबाद. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १८९८. १,५१ पृ. २१ से.

आर्य समाज फिरोजाबाद और जैन धर्म वालों के बीच श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा पश्चिमोत्तर प्रदेश व अवध देश की आज्ञा नुसार हुआ. आ. पु.

शास्त्रार्थ फिरोज़ाबाद. जोकि आर्य समाज फिरोजाबाद और जैन धर्मवालों से श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा, पश्चिमोत्तर और अवधदेश की आज्ञानुसार हुआ, चतुर्थ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१४. ५१ पृ. २१ से. सार्व.

शास्त्रार्थ फिरोज़ाबाद. जोकि आर्य समाज फिरोजाबाद और जैन धर्म वालों से श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा, पश्चिमोत्तर और अवध देश की आज्ञानुसार हुआ, षष्ठ संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९५८. ७४ पृ. १८ से. खिदि.

शास्त्रार्थ फिरोज़ाबाद. चैत्र संवत् १९४५ (१६ मार्च सन् १८८८) फिरोजाबाद में जैनियों और आर्य समाजियों के बीच हुआ था. फिरोजाबाद, आर्य प्रतिनिधि सभा, पश्चिमोत्तर प्रदेश, ति. न. ६४ पृ. २४ से. काशी.

शास्त्रार्थ विश्वबंधु शास्त्री, देवेंद्रनाथ शास्त्री तथा मौलवी हब्दुल हक़. [ ], कंपनी बाग, ति. न.
४८ पृ. १७ से.
मुखपृष्ठ नहीं है. कल.

शास्त्रार्थ विष्णुगढ़. कानपुर, दीनदयाल शर्मा, रसिक यंत्रालय, १८६२. १,३०,१ पृ. २१ से.
• स्थान विष्णुगढ़, जिला फर्रुखाबाद में आर्य समाज और धर्म सभा के मध्य. आ. पु.

शाहजादाराम

पुत्री शिक्षक, जिसको शाहजाद राम जी सभासद आर्य समाज (अनारकली) लाहोर ने कन्याओं के हित के लिए निर्माण किया. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२१.
१२२ पृ. १६ से.
ग्रंथ का अंग्रेजी नाम 'ए मदर्स एडवाइज टु द डाटर्स फार हाउस होल्ड ड्यूटीज़'. काशी.

वैदिक प्रार्थना पुस्तक. लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९२२. ३० पृ. १७ से. आ. पु.

शाहपुरा शास्त्रार्थ-प्रकाश. अर्थात् प्रश्नोत्तर जोकि पं. भगवान स्वरूप जी ने जैन पंडित वर्धमान जी शास्त्री से किए (ता. ८–५–१९२९ से १५–५–१९२९ तक). अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९३०. ५४ पृ. छवि २४ से.
सार्व.

शिवगुण

सतयुगाश्रम. गुजरातमुल्क, पंजाब, शिवगिरि शांत आश्रम, १८९८. ५२ पृ. १४.५ से.
आ. पु.

शिवचंद्र शर्मा

नास्तिक मत खंडन. देहली, ग्रंथकार, रसिक काशी यंत्रालय, १८८९. २४ पृ. १५.५ से. लिथो.

आर्य समाजियों की पुस्तक 'पोप लीला' के द्वितीय दिन के व्याख्यान के उत्तर में. आ. पु.

शिवचरण लाल सारस्वत जैतली

आर्य सामाजिक नियमों का वेद मंत्रों से सम्मेलन. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८९८. २६ पृ. १४ से.
खिदि.

वैश्य प्रतियज्ञोपवीतादर्श. इटावा, मोहनलाल रामकृष्ण, अजीतमल, मुरादाबाद, आर्य भास्कर यंत्रालय, १९०२.
१६ पृ. १५.५ से. आ. पु.

शिवदयालु

आर्य पर्व परिचय अर्थात् आर्य जाति के प्रमुख पर्वों का संक्षिप्त परिचय तथा कार्य क्रमादि का विधान. मेरठ, आर्य प्रतिनिधि सभा, उ. प्र., १९२४. ५३ पृ. १८ से.
कल., सार्व.

आर्य समाज की प्रगतियों एवं आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश का पचहत्तर वर्षीय इतिहास. लखनऊ, हीरक जयंती समिति, आर्य प्रतिनिधि सभा, उ. प्र., १९६३.
१८० पृ. १९ से. पा. क.

क्रांति का अग्रदूत स्वामी दयानंद. ज्वालापुर (सहारनपुर), आर्य वानप्रस्थ आश्रम, १९७१. १६ पृ. १८ से.
पा. क.

महान् दयानंद, द्वि. संस्क. लखनऊ, आर्य प्रतिनिधि सभा, उ. प्र., १९६५. ९६ पृ. १८ से.
पा. क.

माँ-गायत्री—१०१ गायत्री मंत्रों की अर्थ सहित आध्यात्मिक व्याख्या. नई दिल्ली, जनज्ञान प्रकाशन, ति. न.
१११ पृ. १८ .से. खिदि,

शिवनारायण

परम कल्याण गीता अर्थात् व्यवहार कार्य और परमार्थ कार्य की नियमावलियों, ब्रह्म व्याख्याओं, वर्ण, धर्म इत्यादि का मीमांसा..., कलकत्ता (भवानीपुर), पार्थव यंत्र, १८८८.
२,१०,२५४,१३ पृ. २१ से. आ. पु.

शिवनारायण झा

विश्वकर्म वंश निर्णयः. (आगरा, लेखक, १९०६).
२४,२८८ पृ. २३ से.
मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

शिवनारायण सिंह नेगी

भारत-आदर्श-रत्नमाला, माध्यमिक खंड. देहरादून लेखक, ति. न. ३,५४६,पृ. २१ से.
महर्षि दयानंद : पृ. १०५–१६३. काशी.

शिवपूजन सिंह कुशवाहा 'पथिक'

आर्य समाज के द्वितीय नियम की व्याख्या. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९५०. ३२ पृ. १८ से. (रुद्र ग्रंथमाला, ३). आ. पु.
वैदिक सिद्धांत मार्तंड (पौराणिक मत का कच्चा चिट्ठा), संपा. जगदीश विद्यार्थी. दिल्ली, आर्य समाज, नया बाँस, १९६३. २३२ पृ. ३८ से. खिदि.
शिवलिंग पूजा-पर्यालोचन. बड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, [१९६०]. २४ पृ. १८ से.
आ. पु.

शिवप्रसाद, राजा

निवेदन राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद का सज्जन आर्य पुरुषों को. बनारस, मेडिकल हाल प्रेस, १८३८.
१२ पृ. २०.५ से. ने. ला.

निवेदन (आर्य समाज के उपदेश). लखनऊ, १८८८.
२७ पृ. १६ से. इ. आ.

शिवशंकर शर्मा

अपौरुषेय वेद और स्वामी दयानंद. आगरा. प्रेम पुस्तकालय, ति. न. २० पृ. १८ से. काशी.

चतुर्दश भुवन. अजमेर, वैदि यंत्रालय, १९१०.
४८ पृ. १८ से. आ. पु.

वेद तत्व प्रकाश जिसको शिवशंकर शर्मा उपदेश श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब ने रचा. जालंधर, सद्धर्म-प्रचारक यंत्रालय, १९०६.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़, १).
भाग १. ओंकार निर्णय. ८८ पृ.
खिदि.

वेद तत्व प्रकाश, संपा. वेदानंद सरस्वती तथा जगत्कुमार शास्त्री. देहली, गोविंदराम हासानंद, १९५३.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सेरीज़).
भाग १. ओंकार निर्णय. १७० पृ.
कल.

वेद तत्व प्रकाश. जालंधर, सद्धर्म प्रचारक यंत्रालय, १९०७.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश, २).
भाग २. त्रिदेव निर्णय. २०४ पृ.
खिदि.

वेद तत्व प्रकाश. चुहटा, लेखक, १९१८.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़)
भाग २. त्रिदेवनिर्णय. २५४ पृ.
मिथिला संस्करण. सार्व.

वेद तत्व प्रकाश, तृ. संस्क. वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, १९५९.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़).
भाग २. त्रिदेवनिर्णय. २५४ पृ.
सार्व.

शिवशंकर

वेद तत्व प्रकाश. जालंधर, सद्धर्म प्रचार यंत्रालय, १९०७.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़).
भाग ३. जाति-निर्णय. १०,३३२ पृ.
आ. पु., काशी., खिदि., सार्व.

शिवशंकर शर्मा

वेदतत्व प्रकाश, द्वि. संस्क. बनारस. वैदिक पुस्तकालय, १९५६.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़).
भाग ३. जाति-निर्णय. १२,४१६,२ पृ.
खिदि.

वेद तत्व प्रकाश, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब की आज्ञानुसार. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९०८.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़).
भाग ४. श्राद्ध-निर्णय. २,१७९ पृ.
सार्व.

वेद तत्व प्रकाश, द्वि. संस्क. वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, ति. न.
——भाग. २४ से. (वेद तत्व प्रकाश सिरीज़).
भाग ४. श्राद्ध-निर्णय. २२८ पृ.
सार्व.

वेद तत्व प्रकाश, आर्य्य प्रतिनिधि सभा पंजाव की आज्ञानुसार गुरुकुल कांगड़ी, सद्धर्म प्रचारक यंत्रालय, १९०९.
——भाग. २४ से.
भाग ५. वैदिक-इतिहासार्थ-निर्णय. ५३,४९६ पृ.
खिदि.

वेदाऽखिलोधर्ममूलम्, गोस्वामी तुलसीदास जी की एक अलौकिक माला. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१०.
३४ पृ. १९.५ से. आ. पु., काशी.

वैदिक पीयूष विंदु, संपा. स्वामी वेदानंद. लाहौर, गुरुदत्त भवन, १९२७. ८,९६ पृ. १८ से.
आ. पु.

वैदिक पीयूष विंदु. मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९५०.
१०४ पृ. १८ से. (वेदोदय ग्रंथमाला, १).
खिदि.

वैदिक पीयूष विंदु, संपा. वेदानंद तीर्थ. मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९६२. १०४ पृ. १८ से.
खिदि.

वैदिक रहस्य, द्वि. संस्क. पटना, राजकिशोर वर्मा एंड ब्रदर्स, राजनीति प्रेस, १९१२.
३ भाग. १८ से.
प्रथम भाग, चतुर्दश भुवन. ४८ पृ.
द्वितीय भाग. वशिष्ठ नंदिनी. ५८ पृ.
तृतीय भाग, वैदिक विज्ञान. ६० पृ.
काशी.
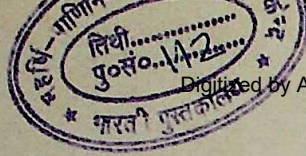
शिवशंकर शर्मा

वैदिक रहस्य. वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, १९६२. ३ भाग. १८ से.
भाग ३. वैदिक विज्ञान. १३८ पृ.
खिदि.

श्रीकृष्ण मीमांसा. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९१०. ४९ पृ. १८ से. आ. पु.

शिव शर्मा

चमन इस्लाम की सैर. दिल्ली, मोहम्मद रफी, ति. न. २,८० पृ. १८ से. काशी.

धर्म शिक्षा, सप्तम संस्क. संभल, आर्य बुकडिपो, १९२८. ४ भाग. १८ से.
भाग १. ३२ पृ.
भाग २. ७७ पृ.
भाग ३. ६३ पृ.
भाग ४. १२७ पृ. काशी.

धर्म शिक्षा. बरेली, प्रेमशंकर आर्य, १९६३. ४ भाग. १८ से.
भाग १. ३७ पृ. कल.

धर्म शिक्षा. वाराणसी, वैदिक पुस्तकालय, ति. न. ४ भाग. १८ से.
भाग २. ८० पृ.
कक्षा ६, ७, ८, ९ के लिए. कल.

वैदिक धर्म और इस्लाम. मुरादाबाद, श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा, उ. प्र., ति. न. २१६ पृ. १८ से. कल.

वैदिक धर्म शिक्षा. देहली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९५४. ३० पृ. १८ से. खिदि.

सत्यार्थ निर्णय, प्रथम खंड. देहली, आर्य साहित्य मंदिर, १९३८. ४४० पृ. १८ से. बड़ा.

शिवसागर रामगुलाम

११ वाँ सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलन, अलवर (राजस्थान), श्री डॉ. सर शिवसागर रामगुलाम, प्रधान मंत्री, मॉरिशस का अध्यक्षीय भाषण, अलवर, १९–२०–२१ मई १९७२. कलकत्ता, आर्य समाज, बड़ा बाजार, १९७२. १६ पृ. १७ से. सार्व.

शिवानंद सरस्वती

ओउम् (प्रणव रहस्य), अनु. स्वामी स्वरूपानंद, कलकत्ता, आर्य समाज, १९४३. ७२ पृ. १८ से. सार्व.

ब्रह्मचर्य ही जीवन है और वीर्य्य विनाश ही मृत्यु है, ३८वाँ संस्क. प्रयाग, छात्रहितकारी पुस्तकमाला, १९६६. १७०,६ पृ. १८ से. खिदि.

शीतलप्रसाद वैद्य

जाति का एक शत्रु. मुंगेर, ग्रंथकार, आर्य समाज, १९०९. २,४७ पृ. २२ से. आ. पु.

श्रीमत् दयानंद चरितावली. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, १९२५. ६,४८ पृ. २६ से. ने. ला.

शेरसिंह वर्मा, कुंवर

नमस्ते. दिग्विजयगंज (लखनऊ), ब्रह्मानंद सरस्वती, जी. पी. शर्मा ब्राह्मन प्रेस, १८९५. ३९ पृ. १८ से. (सामाजिक ग्रंथावली, २). आ. पु.

शौनक

ऋषि प्रसाद––शौनक का सत्योपदेश जो महाराज युधिष्ठिर को वन में दिया था. शाहजहाँपुर, आर्य दर्पण प्रेस, ति. न. १२ पृ. १९ से. खिदि.

श्यामकुमार, आचार्य

दैनिक पंच महायज्ञ. वाराणसी, विश्ववेद धर्म प्रचार संघ, ति. न. ५६ पृ. १८ से. काशी.

श्यामजी शर्मा

नियोग तत्व दर्पण. पटना, राजकिशोर वर्मा, राजनीति प्रेस, १९१५.
––भाग. २४.५ से.
भाग १. ५४ पृ.
इलाहाबाद से प्रकाशित 'मर्यादा' पत्रिका, भाग ५, संख्या ६ में प्रकाशित 'नियोग' के खंडन का यथोचित उत्तर,
आ. पु.

पतिव्रतामाहात्म्यम् महाभारत वनपर्वांतर्गत सावित्र्युपाख्यान-रूपम् तच्च स्त्रीजनोपकार मत्या भीमसेन शर्मकृत शोधञ्च. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १८९८. ५२ पृ. २१ से. खिदि.

श्यामसुंदर

मनु श्राद्ध मीमांसा अर्थात् मनुस्मृति में श्राद्धविषयक क्या उपदेश हैं ? मुरादाबाद, ग्रंथकार, १९०१. १६ पृ. २१ से. आ. पु.

ज्ञानमाला. कलकत्ता, मानव प्रकाशन, १९६२. ३७ पृ. १८ से. कल., खिदि.

श्रद्धानंद, स्वामी

आर्यों के नित्य कर्म. लाहौर, राजपाल एंड संस, ति. न. ७० पृ. १८ से. सार्व.

कल्याण मार्ग का पथिक. काशी, ज्ञानमंडल कार्यालय, १९२४. १२,२१५ पृ. छवि २४ से.
ऋषि दयानंद के चरणों में सादर समर्पित. खिदि.

स्वामी श्रद्धानंद जी महाराज के धर्मोपदेश, संग्र. लाला लब्भूराम जी नथ्थड़. कांगड़ी, श्रद्धानंद स्मारक निधि, गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९३६.
—भाग. १८ से.
भाग २. ८,१०८ पृ.
भाग ३. १२,१९२ पृ. आ. पु.

धर्म्मोपदेश, संग्र. लाला लब्भूराम नथ्थड़. कांगड़ी, हरिद्वार गुरुकुल विश्वविद्यालय, १९४१.
—भाग. १८ से.
भाग ३. ३,३,१,१९२ पृ. १८ से.
आ. पु., सार्व.

धर्मोपदेश, संपा. लाला लब्भूराम नथ्थड़. हरिद्वार, धर्मपाल विद्यालंकार, १९५९. १२७ पृ. १८ से.
ने. ला.

मुक्ति सोपान. दिल्ली, आर्य कुमार सभा, १९५९. ४१ पृ. १८ से. सार्व.

हिंदू संगठन क्यों और कैसे ? दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९२४. १२० पृ. १८ से.
खिदि.

श्रद्धाराम शर्मा 'फिल्लौरी'

धर्म संवाद, अनु. तुलसी देव. जालंधर, हरिज्ञान मंदिर, लाहौर, मित्रविलास प्रेस, १८९६.
१०८,१२ पृ. २१ से.
प्रश्नोत्तर का संग्रह जो सांसारिक और परमार्थिक विषयक श्री पं. श्रद्धाराम जी के संग प्रायः लोगों के होते औ भिन्न-भिन्न अखबारों में छपते रहे.
मूल उर्दू से अनूदित. आ. पु.

नित्य प्रार्थना, टीका. सिंहपाल शर्मा. जालंधर, हरिज्ञान मंदिर, १८९५.
२ भाग. आ. पु.

सतोपदेश अर्थात् १०० दोहा. फुल्लौर, श्रीमती महताब कुंवरि, १८९०. १४ पृ. १७ से.
(पद्य). आ. पु.

सत्य धर्म मुक्तावली. लाहौर, १८७५. २० पृ.
इ. आ.

श्रद्धाराम शर्मा 'फिल्लौरी'

सत्य धर्म मुक्तावली. लुधियाना, १८७५. १६ पृ.
इ. आ.

सत्य धर्म मुक्तावली. लुधियाना, १८७५. ६४ पृ.
(धार्मिक पद्य). इ. आ.

सत्य धर्म मुक्तावली भजनों की फूलमाला तीन भागों में. जालंधर, महताब कौर, देहली, रसिक काशी कीलक यंत्रालय १८८१. ४६६ पृ. २१ से.
आ. पु.

सत्यामृत प्रवाह. फिल्लौर, तुलसीदेव, देहली, रसिक काशी कीलक यंत्रालय, १८८८. २३,२६४ पृ. २४ से.
हिंदी भाषा का अद्वितीय निबंध जो मत-मतांतर के झगड़े मिटा-के दृढ़ युक्तियों के साथ इस बात को सिद्ध करता है कि मनुष्य को किस बात पर विश्वास करना चाहिए.
आ. पु.

सत्यामृत-प्रवाह, द्वि. संस्क. कलकत्ता, बालचंद नाहटा, बुद्धिवादी प्रकाशन, १९६५. १०,३११ पृ. १८.५ से.
जो मतमतांतर के झगड़े मिटाकर दृढ़ युक्तियों के साथ इस बात को सिद्ध करता है कि मनुष्य को किस बात पर विश्वास करना चाहिए.
रचनाकाल १८८०. आ. पु.

श्राद्ध के नाम पर अत्याचार. [ ].
१६ पृ. १८ से.
मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

श्रीराम आर्य

अवतारवाद पर इकतीस प्रश्न (प्रश्नों की दूसरी किश्त), पंचम संस्क. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६८. ८ पृ. १८ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, २०).
खिदि.

कबीर मत गर्व मर्दन. कासगंज, वैदिक प्रकाशन, १९६५. ६३ पृ. १८ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, २४).
खिदि.

कुरान की छानबीन, कुरान और उसकी मान्य खुदाई पुस्तकों (तौरात जबूर और इंजील) के आधार पर कुरान के खुदाई किताब के रूप में मान्यता पर हमारी सप्रमाण शंकाएँ संसार के निष्पक्ष विचाराधीन मुस्लिम विद्वानों के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९७२. १६,३९० पृ. १८ से. खिदि.

कुरान की विचारणीय बातें (हिंदुओं के लिए). कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६९. ३२ पृ. १९ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, ४०). खिदि.

श्रीराम आर्य

खुदा और शैतान, तृ. संशो. संस्क. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९७०. १६ पृ. १८ से.
खिदि.

गुरुडम के पाखंड (बीसवीं शताब्दी के अवतारों का पोल खाता). कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६८. ४० पृ. १८ से.
खिदि.

नृसिंह अवतार-बध अर्थात् पुराणों में शंकर जी द्वारा नृसिंह अवतार का कत्ल करना, तृ. संस्क. कासगंज, वैदिक प्रकाशन, १९६४. ९ पृ. १८ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, ७).
खिदि.

पुराणों के कृष्ण, च. संस्क. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६४. ३२ पृ. १८ से.
खिदि.

पौराणिक कीर्तन पाखंड है, द्वि. संस्क. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६४. २६ पृ. १८ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, १६).
खिदि.

पौराणिक गल्प दीपिका, द्वि, संस्क. कासगंज, वैदिक प्रकाशन, १९६५. ६० पृ. १८ से.
खिदि.

पौराणिक मुख चपेटिका (पौराणिक आक्षेपों का मुंहतोड़ उत्तर), तृ. संस्क. कासगंग, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६५. २० पृ. १८ से.
खिदि.

माता पुत्री का संवाद. कासगंज, आर्य समाज, १९७२. ८४ पृ. १८ से. (खंडन-मंडन पुष्प, ५६).
खिदि.

माधवाचार्य की चुनौती का उत्तर. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन संघ, १९६१. ४० पृ. २१ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, १७).
खिदि.

मृतक श्राद्ध, च. संस्क. कासगंज, वैददिक साहित्य प्रकाशन, १९६४. २४ पृ. १८ से.
खिदि.

शिवलिंग पूजा रहस्य. कासगंज, वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९५९. ७० पृ. १८ से.
खिदि.

सनातन धर्म में नियोग व्यवस्था, द्वि. संस्क. कासगंज. वैदिक साहित्य प्रकाशन, १९६३. २२ पृ. १८ से. (खंडन-मंडन ग्रंथमाला, १४).
खिदि.

श्री महता जैमिनी जी का जीवन चरित्र तथा उनका भूमंडल प्रचार. मेरठ, विश्वंभर सहाय 'प्रेमी', १९३३. २३९ पृ. २१ से.
काशी.

श्रुतिकांत शास्त्री

वाराह पुराण की आलोचना. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९२८. २,३,१२५ पृ. १७ से. (पुराणालोचन ग्रंथमाला पुष्प, ४).
आ. पु.

संतराम शर्मा

नमस्ते प्रकाश वा वैदिक सत्कार. लाहौर, ऐंग्लो संस्कृत प्रेस, १९०६. ३४ पृ. १९ से.
आ. पु.

लोकविजय. होशियारपुर, विश्वेश्वरानंद संस्थान प्रकाशन, १९५४. २८० पृ. १८ से.
सद्गुणों का विवेचन.
खिदि.

सतगुरु ऋषि. (इस ग्रंथ में वैदिक मंत्रों द्वारा ब्रह्मर्षिपद अथवा ईश्वरदर्शन प्राप्ति के अनुभूत साधन वर्णन किए गए हैं). इलाहाबाद, ओंकार प्रेस, १९४६. ४,९२,४ पृ. २६ से.
काशी.

सत्यकाम विद्यालंकार

चरित्र निर्माण, पंचम संस्क. दिल्ली, राजपाल एंड संस, १९५६. २०० पृ. १८ से.
खिदि.

वैदिक वंदना गीत. हरिद्वार, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, १९६३. ११९ पृ. १८ से.
कल.

सचित्र जीवन चरित्र—महर्षि दयानंद सरस्वती. देहाती पुस्तक भंडार, १९६२. ६,२०४ पृ. छवि १८ से.
ने. ला.

सत्यदेव

अर्श सवार. बनारस, धर्म दिवाकर कार्यालय, १९२४. २४२ पृ. १७.५ से.
मुहम्मद अली के अंग्रेजी कुरानानुवाद की 'अर्श' तथा 'हस्तवा' शब्दार्थ पर विचार.
आ. पु., बड़ा.

मौलवी मुहम्मद साहब के जमाकुरान पर एक दृष्टि—कुरान में परिवर्तन, द्वि. संस्क. काशी, आत्माराम शर्मा, जार्ज प्रिंटिंग वर्क्स, १९२४. ११२ पृ. २१ से.
आ. पु., कल.

सृष्टि उत्पत्ति. काशी, सत्समाचार कार्यालय, १९१४.
—भाग. २२ से.
भाग १. ११ पृ.
भाग ३. ७ पृ.
आ. पु.

सत्यदेव परिव्राजक

ज्ञान के उद्यान में, ज्वालापुर, सत्यनिकेतन, १९३७.
८,४५४ पृ. १८ से. (निकेतन रत्नमाला, ७).
काशी.

नई दुनिया के मेरे अद्भुत संस्मरण. ज्वालापुर, सत्यज्ञान निकेतन, १९३९.
८,३४८,६ पृ. १८ से. काशी.

मेरी कैलाश यात्रा. ज्वालापुर, सत्यज्ञान निकेतन, १९३७. २,१४६ पृ. मानचित्र (कैलाश). १९ से.
काशी.

मेरी जर्मन यात्रा, द्वि. संस्क. ज्वालापुर, सत्यग्रंथ माला आफिस, १९२६. ६,२०० पृ. १८ से.
काशी.

यात्री-मित्र. ज्वालापुर, सत्यज्ञान निकेतन, १९३६.
१०,१०५ पृ. १८.५ से. काशी.

योरुप की सुखद स्मृतियाँ. ज्वालापुर, सत्यज्ञान निकेतन. १९३७. १२,३४० पृ. १८ से.
काशी.

संजीवनी बूटी. ज्वालापुर, सत्यज्ञान निकेतन, १९३९.
—भाग. १८ से.
भाग २. ८,२५६,१४ पृ. काशी.

हिंदू धर्म की विशेषताएं. ज्वालापुर, सत्यज्ञान निकेतन, १९३६. ८,८४,४ पृ. १८ से.
आ. पु., काशी.

सत्यदेव विद्यार्थी

वैदिक धर्म का महत्व. (लाहौर) वजीरचंद आर्य पुस्तक प्रचार विभाग, पंजाब, १९०५. ३१ पृ. २२ से.
आ. पु.

सत्यदेव विद्यालंकार

आर्य सत्याग्रह. नई दिल्ली, लेखक, गीता विज्ञान कार्यालय, १९४२. २८,२९०,२ पृ. १८ से.
आ. पु., काशी.

जीवन संघर्ष—महाशय कृष्ण के संघर्षरत जीवन की प्रेरणाप्रद अमरगाथा, प्राक्कथन लेखक माधन श्रीहरि अणे. दिल्ली, राजपाल एंड संस, १९६४. २९५ पृ. २४ से.
खिदि

राष्ट्रवादी दयानंद, तृ. संस्क. इंदौर, दयानंद वैदिक मिशन, १९४६. १५२ पृ. १८ से.
ने. ला.

सत्यदेव विद्यालंकार

स्वामी श्रद्धानंद, अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद जी महाराज की पूर्ण प्रामाणिक और विस्तृत जीवनी, संपा. इंद्रविद्या वाचस्पति. देहली, विजय पुस्तक भंडार, १९३३.
२१,६४८ पृ. १८ से. आ. पु.

सत्यनारायण की प्राचीन कथा ऐहिक और पारलौकिक विषय सुनने और सुनाने योग्य उत्तम कथा, तृ. संस्क. कलकत्ता, आर्य साहित्य भवन, १९४८.
४० पृ. १८ से. आयताकार खिदि.

सत्यपाल शर्मा

कल्प सरित्. मेरठ, जवाहर बुकडिपो, १९५३.
२२,२१६ पृ. १८.५ से. काशी.

सत्यप्रकाश, स्वामी

ओउम् प्रत्यक्ष. मथुरा, श्रीमद्दयानंद जन्म शताब्दी सभा, १९२४. २१४ पृ. १८ से.
सार्व.

वेदों पर अश्लीलता का व्यर्थ आक्षेप. इलाहाबाद, कला प्रेस, १९३५. ११८ पृ. १८ से.
खिदि.

सत्यभूषण, आचार्य

देव यज्ञ मर्यादा यथार्थ में क्या है ?, द्वि. संस्क. रोहतक, लेखक, १९४९. ३८ पृ. १८ से.
खिदि.

देव यज्ञ मर्यादा यथार्थ में क्या है ?. रोहतक, लेखक, ति. न. ३० पृ. १८ से. सार्व.

अध्यात्म सुधा, तृ. संस्क. नागपुर, जीवना वाई, १९६०.
—भाग. १८ से.
भाग ४. सामाजिक यज्ञ पद्धतियाँ. २४० पृ.
खिदि.

उत्तरकाशी का प्रसाद. रोहतक, वैदिक भक्ति आश्रम, १९६०. १२९ पृ. १८ से. खिदि.

गायत्री माता. रोहतक, स्टूडेंट्स ऑन शॉप, १९५१.
१५६ पृ. १८ से. सार्व.

महात्मा प्रभु-आश्रित स्वामी जी का प्रामाणिक जीवनचरित्र. रोहतक, विद्याभूषण आर्य वैदिक भक्ति साधनआश्रम, १९६३.
२ भाग. १८ से.
भाग १. ६,१८४ पृ.
भाग २. ३१३ पृ. खिदि.

सत्यव्रत बेछर भाई कामदार

महर्षिचरितामृतम् नाटकम्. बंबई, १९६५.
६,१२७ पृ. छवि १९ से.
संस्कृत. ला. का.

सत्यव्रत विद्यालंकार

आर्य संस्कृत के मूल तत्व. देहरादून, विजयकृष्ण लखनपाल, 'विद्या विभाग', १९५३. २६७ पृ. १८ से. बड़ा.

सत्यव्रत शर्मा

गायत्री संदेश. (ज्वालापुर गुरुकुल महाविद्यालय), धामपुर, बिजनौर शिक्षा निकेतन, १९५४. ६,२३ पृ. १८ से. कल., खिदि.

प्रतिमा तत्व प्रकाश, इटावा. सरस्वती यंत्रालय, १९०१. ४,५४ पृ. २४ से.
मधुसूदन गोस्वामी कृत 'प्रतिमातत्व' नामक पुस्तक का सबल युक्ति तथा प्रमाणों से निराकरण. आ. पु.

सत्यार्थ-विवेक-निरीक्षणम्. इटावा, सरस्वती यंत्रालय, १९०१. ६८ पृ. २५ से.
साधुसिंह कृत 'सत्यार्थ विवेक' [सत्यार्थ प्रकाश के खंडनाभास रूप का] मुंहतोड़ उत्तर. काशी.

सत्यव्रत सिद्धांतालंकार

ब्रह्मचर्य संदेश, श्रद्धानंद जी लिखित भूमिका सहित, द्वि. संस्क. बंबई, शर्मा ट्रेडिंग कं., १९३४. १६,२५१ पृ. १८ से. पा. क.

सत्यानंद, स्वामी

आर्य समाज के नियमों की व्याख्या. देहली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९५७. ९६ पृ. १६ से. खिदि., ने. ला.

ईश्वर दर्शन (उसकी राह पर), संपा. ईश्वरी प्रसाद 'प्रेम'. मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९६२. १२५ पृ. १८ से. खिदि.

ईश्वरदर्शन (उसकी राह पर), संपा. ईश्वरी प्रसाद 'प्रेम', द्वि. संस्क. मथुरा, सत्य प्रकाशन, १९६५. १२५ पृ. १८ से. खिदि.

श्रीमद्दयानंद प्रकाश, चतुर्थ संस्क. लुधियाना, लेखक, १९२४. ने. ला.

श्रीमद्दयानंद प्रकाश (महर्षि दयानंद जी का सचित्र संपूर्ण जीवन चरित्र), अष्टम संस्क. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य भवन, १९६१. २०,५८३ पृ. छवि २५ से. खिदि., ने. ला.

श्री मद्दयानंद प्रकाश, महर्षि दयानंद जी का संपूर्ण जीवन चरित्र, प्रणेता स्वामी सत्यानंद जी, परामर्शदाता पन्नालाल कृष्णस्वरूप. नई दिल्ली, वेद प्रकाश प्रचारक मंडल, १९६४. ५६८ पृ. छवि १९ से.
सस्ता संस्करण. ला. का.

सत्यानंद, स्वामी

श्रीमद्दयानंद प्रकाश (महर्षि दयानंद जी का सचित्र संपूर्ण जीवन चरित्र). दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७३. ४५६ पृ. २५ से. का. हि. वि.

संध्या योग, पंचम संस्क. लाहौर, आर्य्य पुस्तकालय, १९२२. १२९ पृ. १२ से. खिदि.

सत्य उपदेशमाला अर्थात् पूज्यपाद श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज के भक्तिमार्ग पर ले जाने वाले पवित्र उपदेशों का संग्रह, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९२१. २०० पृ. १७ से. (सरस्वती आश्रम ग्रंथमाला, ४). आ. पु.

सत्संग गुटका—संध्या, हवन-मंत्र तथा सत्संग के भजन. दिल्ली, राजपाल, ति. न. ४६ पृ. १८ से.

सत्संग गुटका. नई दिल्ली, राजपाल एंड संस, ति. न. २४४ पृ. १८ से. खिदि.

सत्संग-पद्धति (साप्ताहिक सत्संगों के लिए संध्या-प्रार्थना-मंत्र, स्वस्तिवाचन, शांतिकरण, हवन मंत्र का अर्थ सहित संग्रह ईश्वर भक्ति के भजन व प्रातः उठने के मंत्र ओंकार स्तोत्र आदि. नई दिल्ली, जन ज्ञान प्रकाशन, १९७१. ८० पृ. १८ से. काशी.

सत्संग प्रकाश संध्या, स्वस्तिवाचन, शांतिकरण, प्रधान होम, भजनादि. कलकत्ता, आर्य समाज, जोड़ा साँकू, १९७३. ६४ पृ. १२ से. खिदि.

सत्संग भजनावली. कलकत्ता, आर्य समाज, गोविंदराम प्रधान मंत्री, १९३०. १६ पृ. १८ से. कल.

सद्धर्मी लोग वेदों को कैसे मानते हैं ? लाहौर, न्यू इंपीरियल प्रेस, १९४२. १,३७ पृ. १० से. आ. पु.

सन्नूलाल गुप्त

कृष्ण के क्राइष्ट. बुलंदशहर, श्याम मनोहर शुक्ल, सरस्वती मशीन प्रिंटिंग प्रेस, १९१३. २३४,२ पृ. २४ से.
भागवती कृष्ण की इंजीली क्राइस्ट नकल. आ. पु.

समर्थदान

आर्य समाज परिचय. रामगढ़ (सीकर, राजस्थान), ग्रंथकार, काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८७. २,५५,१ पृ. १९.५ से.

आर्य समाज और उसके उद्देश्यों आदि के विषय में प्रश्नोत्तर. (पद्य). आ. पु.

वेदांतिभ्रांतिनिवारण. प्रयाग, वैदिक यंत्रालय, १९२९. आ. पु.

समर्थदान

सद्बोध अर्थात् देश हितकारक उत्तम बातों का बोध करानेवाली. अजमेर, राजस्थान यंत्रालय, १८६०.
२,६,१ पृ. २१ से. आ. पु.

स्वधर्म रक्षा. काशी, भारत जीवन प्रेस, १८८८.
४,८३ पृ. १६.५ से.
इस देश में ईसाई मत फैलने के कारण, तज्जनित हानि और उससे अपना वैदिक धर्म बचाने के उपायों का वर्णन है. यह व्याख्यान १७ अगस्त १८८४ को एक बड़ी सभा के सामने कायस्थ पाठशाला भवन, प्रयाग में दिया.
आ. पु.

समर्पणानंद सरस्वती

पंच-यज्ञ-प्रकाश, तृ. संस्क. मेरठ, वर्णाश्रम संघ, १९६३.
२,१७६ पृ. १८ से. खिदि.

पंच-यज्ञ-प्रकाश. नई दिल्ली, राजधर्म प्रकाशन, १९७०.
१४८ पृ. १८ से. खिदि.

सरयूप्रसाद वाजपेयी

आनंद मार्गः. कानपुर, मदन गोपाल आर्य, १९०१.
१६० पृ. २१ से.
विविध विषय समन्वितः. आ. पु.

सर्वदानंद, स्वामी

आनंद उपदेशमाल (उपनिषदों का रहस्य). दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७१. ९२ पृ. १८ से.
खिदि.

आनंद उपदेश माला उपनिषदों का रहस्य. लाहौर, लाजपत राम एंड संस, ति. न. १४९ पृ. १७.५ से.
आ. पु.

आनंद संग्रह अर्थात् पूज्यपाद स्वामी सर्वदानंद जी महाराज के धर्मोपदेशों का संग्रह, संग्र. राजपाल, द्वि. संस्क. लाहौर, सरस्वती आश्रम, ति. न. २२४ पृ. १७ से.
(सरस्वती आश्रम ग्रंथमाला, ८). आ. पु.

आनंद संग्रह, तृ. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तकालय, १९२८. २८६ पृ. १८ से.
उपनिषदों एवं सत्य शास्त्रों के गूढ़ तत्वों की सरल व्याख्या.
आ. पु., सार्व.

आनंद संग्रह (सर्वदानंद जी के उत्तम उपदेश). देहली, राजपाल एंड संस, ति. न. १५८ पृ. १८ से.
खिदि., सार्व.

ईश्वर-मिलाप. देहली, आर्य प्रकाशन मंडल, ति. न.
४८ पृ. १८ से. सार्व.

कल्याण-मार्ग. लाहौर, राजपाल एंड संस, १९३८.
४,१५४ पृ. १८ से.

सर्वदानंद, स्वामी

...वचनामृत. लाहौर, आर्य पुस्तक भंडार, ति. न.
१६ पृ. १८ से.
'सन्मार्ग दर्शन' से कुछ पुष्प-वचन तथा दृष्टांत.
सार्व.

सन्मार्ग दर्शन, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य पुस्तक भंडार, १९३८. १२,६६२ पृ. १८ से.
सार्व.

सन्मार्गदर्शन, चतुर्थ संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९६०. १०,५८५ पृ. १८ से.
खिदि.

सन्मार्ग दर्शन. लाहौर, राजपाल एंड संस, आर्य पुस्तकालय, ति. न. ६६२ पृ. १८ से. बड़ा.

सत्य की महिमा. देहली, गोविंदराम हासानंद, ति. न.
१० पृ. १८ से. सार्व.

सर्वानंद (लक्ष्मीधर वाजपेयी)

हिंदू जाति का ह्रास. विजनौर, जानकी प्रसाद गुप्त, आगरा, आर्य भास्कर प्रेस, १९१५. २७ पृ. १७ से.
कल.

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, देहली

आर्य डाइरेक्टरी अर्थात् संवत् १९९७ विक्रमी की आर्य जगत की प्रगतियाँ का विवरण. देहली, लेखक, १९४१.
४०० पृ. २४ से. काशी., खिदि.

आर्य सिद्धांत विमर्श. देहली, सार्वदेशिक अखिल भारतीय आर्य-प्रतिनिधि सभा, १९३३.
२,२,४७७,४ पृ. १८ से.
प्रथम आर्य्य-विद्वसम्मेलन में पठित निबंध.
सम्मेलन तिथि १९ से २२ अक्टूबर १९३३.
आ. पु.

गो हत्या क्यों ?, द्वि. संस्क. दिल्ली, लेखक, १९५३.
७९ पृ. १७.५ से. काशी.

निजामशाही में धार्मिक स्वतंत्रता पर कुठाराघात अर्थात् "मजमूये-अहकाम-अमूरे मजहबी" (धर्म संबंधी आज्ञाओं का संग्रह) जो निजाम राज्य में १३४७ फसली यानी १९३८ में सरकारी मंजूरी से छापे गए हैं. देहली, लेखक, ति. न.
२,२४ पृ. १८ से.
फ़ारसी + नागरी लिपि. काशी.

विदेशों में आर्य समाज. दिल्ली, लेखक, १९३३.
७,९४ पृ. प्लेट्स. १८ से.
(श्रीमद्दयानंद निर्वाण अर्द्धशताब्दी के उपलक्ष में).
आ. पु., काशी.

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, देहली

वेद कथा विशेपांक, वर्ष १, अंक ३७, ३० अगस्त १९६६, संपा. रामगोपाल शालवाले और रघुनाथ प्रसाद पाठक. नई दिल्ली, लेखक, १९६६. १,२३९ पृ. १८ से. आ. पु.

सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलनों के अध्यक्षीय भाषण. नई दिल्ली, १९६१. ३८,२२८ पृ. चित्र १८ से. ने. ला.

सार्वदेशिक विशेपांक—महर्षि दयानंय जीवन विशेषांक, श्रावणी अंक, वर्ष २, अंक ३४, २० अगस्त १९६७, संपा. रामगोपाल शालवाले और रघुनाथ प्रसाद पाठक. दिल्ली, लेखक, १९६६. २७२,४८ पृ. १८ से. काशी.

सार्वदेशिक सभा का संक्षिप्त इतिहास, संपा. रघुवीर सिंह. नई दिल्ली, लेखक. १९६१. १५७ पृ. १८ से.
स्थापना १९०८ ई. १९३७ तक इतिहास नारायण स्वामी द्वारा लिखित. खिदि.

सार्वदेशिक सभा का सत्ताईस वर्षीय कार्य-विवरण. देहली, लेखक, १९३७. २८० पृ. २० से. सार्व.

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा का चौतीसवां वार्षिक विवरण, चैत्र १९९७ से फाल्गुन १९९८ तक. देहली, लेखक, १९४३. ५४ पृ. २१ से. सार्व.

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्णय, १९०८ से १९६० तक. नई दिल्ली, लेखक, १९६१. ७० पृ. १८ से. सार्व.

सावित्री

आदर्श महिलाएँ, संक. सावित्री एवं सुनील शर्मा. दिल्ली, आर्य प्रकाश पुस्तकालय, १९७०. ९६ पृ. १८ से. खिदि.

सिंह, बी. के.

स्वामी दयानंद, अनु. सुमंगल प्रकाश. नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट, १९७०. १५२ पृ. १८ से. ने. ला.

सिद्धगोपाल कविरत्न

दो बहिनों की बातें, पद्यानुवादकर्त्ता रूपराम शर्मा. मथुरा, दर्शनानंद ग्रंथागार, १९६०. १८९ पृ. १८ से. कल.

बहिनों की बातें. देहली, आर्य युवक संघ, १९४१. १२० पृ. १८ से. सार्व.

सीताराम निगम

स्वामी दयानंद सरस्वती और वर्ण-व्यवस्था. लखनऊ, आदर्श ग्रंथमाला, १९२८. २८ पृ. १८ से. (आदर्श ग्रंथमाला, ७). काशी.

सुखदेव विद्यावाचस्पति

आर्य संकीर्तन तथा आर्य सत्संग, संपा. सुखदेव विद्यावाचस्पति एवं सुरेंद्र नाथ विद्यालंकार. कलकत्ता, आर्य समाज, १९३६. ९४ पृ. १८ से. कल.

आर्य संकीर्तन तथा आर्य सत्संग, संपा. सुखदेव विद्यावाचस्पति एवं सुरेंद्रनाथ विद्यालंकार, द्वि. संस्क. कलकत्ता, आर्य समाज, १९३८. २,१२८ पृ. १८.५ से. काशी.

नमस्ते की व्याख्या. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९६४. २४ पृ. १८ से. खिदि.

नमस्ते की व्याख्या. दिल्ली, गोविंदराम हासानंद, १९७०. १७ पृ. १८ से. खिदि.

नमस्ते की शास्त्रीय व्यवस्था. कलकत्ता, सुरेंद्रनाथ विद्यालंकार, १९३५. २९ पृ. १७ से. खिदि.

पशुवलि निषेध की शास्त्रीय व्याख्या. कलकत्ता, आर्य समाज, १९३५. ३५ पृ. १८ से. कल.

सुखरामदास

क्या द्रौपदी के पाँच पति थे ?, अनु. ईशानदेव वाजपेयी. लाहौर (मोचीगेट), ग्रंथकार., १९०८. ९२ पृ. २४ से.
इस नितांत गूढ़ और आवश्यक प्रश्न का उत्तर ऐसी गंभीर और दृढ़ उक्तियों के द्वारा दिया गया है कि ५००) पुरस्कार नियत करने पर भी आज तक किसी ने इसके निषेध करने का साहस नहीं किया. लेखक ने अपनी उर्दू पुस्तक से पंडित ईशानदेव वाजपेयी से अनुवाद कराया. आ. पु.

सुखलाल आर्य, कुंवर

मुसाफिर की तड़प. वरेली, प्रेम पुस्तक भंडार, १९६५. ११६ पृ. १८ से. कल.

सुजानगढ़ शास्त्रार्थ. सुजानगढ़, आर्य समाज, १९३०. ३४ पृ. १८ से.
कालूराम शास्त्री सनातनी और आर्य समाज के बीच ६–९–२९ से ९–९–२९ तक. सार्व.

सुदर्शन (छद्मनाथ)

दयानंद नाटक अर्थात् महर्षि स्वामी दयानंद जी महाराज का पवित्र जीवन चरित्र. लाहौर, राम कुटिया, १९१७. ६,१४० पृ. (राम वुक सिरीज, ४).
दयानंद के जीवन पर आधारित नाटक—तीन अंकों में. ब्रि. म्यू.

सुदर्शनसिंह 'चक्र'

स्वामी दयानंद. होशियारपुर, वि. वै. शोध संस्थान, १९६०. ६० पृ. १८ से. (वि. संस्थान प्रकाशन, १८३). खिदि.

सुधाकर

उपदेशामृत, तीसरा भाग, द्वि. संस्क. दिल्ली, शारदा मंदिर, १९३५.

——भाग. १७ से. चित्र

भाग १. तृ. संस्क. २,४५ पृ.

भाग २. तृ. संस्क. २,६३ पृ.

भाग ५. २,९६ पृ. काशी.

उपदेशामृत, चौथा भाग, द्वि. संस्क. दिल्ली, शारदा मंदिर, १९३५. २,८३ पृ. १७ से. काशी.

सुनीति

वैदिक सांध्य गीत, द्वि. संस्क. हैदराबाद, क्रांतिदूत प्रकाशन, १९७१. ८० पृ. १८ से. कल.

सुनील शर्मा

हमारे कर्णधार. दिल्ली, आर्य प्रकाश कार्यालय, १९७०. ९६ पृ. १८ से. खिदि.

सुरेंद्र शर्मा

जीवन का आनंद, प्रथमो भागः, तृ. संशो. संस्क. देहली, आर्य पुस्तक भंडार, ति. न. २४८ पृ. १८ से. प्रथम संस्करण, १९३१, द्वि. संस्क, १९३९. खिदि.

जीवन का आनंद, द्वितीयोभागः, द्वि. संस्क. दिल्ली, राष्ट्रीय प्रकाशन भंडार, १९५०. १४३ पृ. १८.५ से. खिदि.

वेद और संसार के मत मतांतर, द्वि. संस्क. कलकत्ता, गोविंदराम हासानंद, १९३५. ३५ पृ. १८ से. खिदि., सार्व.

वेद-वेदांग अर्थात् चारों वेद और उनके अंगोपांग तथा उनकी ११३१ शाखाएँ. देहली, आर्य समाज, चावड़ी बाजार, १९३५. ३४ पृ. १८ से. सार्व.

सुरेशचंद वेदालंकार

आकर्षक व्यक्तित्व कैसे बने? देहली, गोविंदराम हासानंद, १९६३. १०० पृ. १८ से. खिदि.

मन की अपार शक्ति (शिव संकल्प सूक्त की व्याख्या). देहली, गोविंदराम हासानंद, आर्य साहित्य सदन, ति. न. ६४ पृ. १८ से. खिदि.

सुरेशचंद्र वेदालंकार

मातृभूमि वंदना. मथुरा, सत्य प्रकाशन, ति. न. ७४ पृ. १८ से. कल.

यम-नियम. दिल्ली, आर्यकुमार सभा, १९६३. ६८ पृ. १८ से. ने. ला.

साहसी बनो, कथाकार सुनील शर्मा. दिल्ली, आर्य प्रकाश पुस्तकालय, १९७३. ८० पृ. १८ से. खिदि.

सूर्यदत्त शर्मा

आर्य्य ज्ञानोदय अर्थात् वैदिक धर्म शिक्षा (षष्ठ भाग). होशंगाबाद (म. प्र), गुरुकुल विद्यालय, १९१४. ३६ पृ. २३ से. खिदि.

ईश्वर निराकार निरूपणम्. चुनार (मिरज़ापुर), १९०८. २,७१,४ पृ. २०.५ से. आ. पु.

गुरुकुल. नरसिंहपुर, गुरुकुल कमेटी, १९०८. पत्रिका संख्या १. १६ पृ. १६ से. आ. पु.

धर्मोपदेश रत्नमाला; प्रथम खंड. होशंगाबाद, सूर्यदत्त शर्मा, १९१३. ४४ पृ. २१ से. (आर्य ज्ञानोदय पुस्तक संख्या, १). आ. पु.

प्रश्नार्णव अर्थात् पौराणिक मत निराकरण प्रश्नावली. मध्यप्रदेश, गुरुकुल सभा, १९१०. प्रथम खंड. २,७५ पृ. २०.५ से. आ. पु.

वेद और पुराण की शिक्षा, अर्थात् वैदिक और पौराणिक सिद्धांतों की तुलना. मध्यप्रदेश, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९०६. ४६ पृ. १६.५ से. आ. पु.

वैदिक सिद्धांत दर्पणः अर्थात् वैदिक -धर्म-शिक्षा. चुनार (मिरज़ापुर), ग्रंथकार, १९२५. ३२ पृ. २१ से. (आर्य ज्ञानोदय, भाग ३ संख्या, ३). आ. पु.

सूर्यदेव शर्मा

खतरे का बिगुल, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४०. ६० पृ. १८.५ से. आ. पु.

ख़तरे का बिगुल, पंचम संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४७. ६० पृ. १८ से. खिदि.

सूर्यदेव शर्मा

धार्मिक शिक्षा, द्वि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९३८. १२८ पृ. १८.५ से.

धार्मिक शिक्षा, भाग १ से १० तक. कक्षा १ से कक्षा १० तक के विद्यार्थियों के लिए.
आ. पु., काशी.

धार्मिक शिक्षा, षष्ठ संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९४३. १२८ पृ. १८ से.
काशी.

स्वस्थ जीवन, द्वि. संशो. परि. संस्क. अजमेर, आर्य साहित्य मंडल, १९५६. १५६ पृ. १८ से.
खिदि.

सूर्यवली पांडेय

ईसाई मत और उसकी काली करतूतें. जौनपुर, आर्य समाज, ति. न. ३९ पृ. १८ से. (आर्य प्रकाशन विभाग, २).
काशी.

स्वतंत्रानंद सरस्वती

मेरी यात्रा (मारिशस यात्रा का वृत्तांत), संपा. प्रियदर्शन. कलकत्ता. [आर्य समाज], १९५८. २१ पृ. १८ से.
खिदि.

स्वतंत्रानंद लेखमाला, संपा. रामचंद्र जावेद. जालंधर, आर्य प्रतिनिधि सभा. पंजाब, १९६३. ८,२२८ पृ. १८ से.
खिदि.

स्वात्मानंद, स्वामी

मृतक श्राद्ध खंडन (पितर तर्पणादि के संबंध में मत-मतांतर). लाहौर, १८९३. १४ पृ. १५ से.
इ. आ.

मृतक श्राद्ध खंडन, द्वि. संस्क. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, १८९८. ३० पृ. १५ से. (वैदिक पु. प्र. फंड पुस्तक संख्या, २८).
आ. पु.

स्वामी दयानंद सरस्वती जीवन चरित, सिद्धांत, श्रद्धांजलियाँ,

अष्टम संस्क. नई दिल्ली, दयानंद संस्थान, ति. न. ११२ पृ. १८ से.
कल.

हजारीलाल

हिंदू धर्मशास्त्र अर्थात् सनातन धर्म अनार्यमत खंडन. लखनऊ, लेखक, ति. न. ७६ पृ. २१ से.
खिदि.

हनुमानप्रसाद शर्मा

मतपर्येषणा जिसमें प्राचीन पार्सी, प्राचीन मिस्री, प्राचीन यूनानी, प्राचीन रोमी, चीनी, मूसाई, ईसाई और मुहम्मदी आठ मतों को प्रत्येक मंतव्य वक्तव्य और कर्त्तव्य का मूल हिंदुस्तानी पौराणिक मत के भंडार में सपुष्ट प्रमाण दिखलाकर . . . सिद्ध किया गया है. मुरादाबाद, आर्य भाष्कर प्रेस, ति. न. १९२ पृ. २१ से.

श्रीमान् राजा फतहसिंह वर्मा की आज्ञानुसार पं. हनुमान प्रसाद शर्मा रचित.
खिदि.

शंका कोष वा शंका पंचशतक. (लखनऊ), आर्य प्रतिनिधि सभा, युक्त प्रदेश. मेरठ, स्वामि मशीन यंत्रालय, १९०४. ७४ पृ. २३ से.

जिसमें पौराणिक मतों पर ५०० शंकाएँ पं. हनुमान प्रसाद शर्मा, उपदेशक श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्त प्रदेश, आगरा और अवध ने संग्रह करके...
आ. पु.

हरदेव सहाय

देश के दुश्मन. हिसार, गोवंश रक्षिणी सभा, १९४७. ५४ पृ. १८ से.

'घी के नाम पर जो वनस्पति, तेल, घी या मक्खन की शकल में या उनके नाम से बेचा जाता है वह हिंदुस्तान के साथ किया जाने वाला धोखा है दगा है, इस बारे में जो धोखा देता है या इसे दरगुजर करता है वह हिंदुस्तान का दुश्मन बनता है'—गांधी.
कल.

हरिदेव

वैदिक धर्म की विशेषताएँ—संकटमोचन, लेखक हरिदेव तथा लोकनाथ. अम्बाला, वैदिक आश्रम, ति. न. ८ पृ. १८ से.
सार्व.

हरनाम दास

आर्य समाज क्या मानता है ? देहरादून, वैदिक साधन आश्रम, ति. न. २० पृ. १७ से.
खिदि.

हरमुकुंद शास्त्री

धर्म और शास्त्र की रक्षा. लाहौर, मित्रविलास प्रेस, १८९७.
आ. पु.

हरिशरण आर्य

ईसा की मृत्यु का रहस्य एवं क्या बाइबिल के पैगंबर चोर ? झज्झर (रोहतक), हरिशरण आर्य, १९६६. १६ पृ. १८ से.
खिदि.

हरिश्चंद्र विद्यालंकार

आर्य समाज का इतिहास (संक्षिप्त एवं सुबोध), संग्र. हरिश्चंद्र विद्यालंकार. देहली, संग्रहकर्ता, १९४१.
६,१४४ पृ. १६ से. आ. पु.

आर्य समाज का इतिहास (संक्षिप्त एवं सुबोध), द्वि. संस्क. देहली, सरकार ब्रदर्स, १९४५. १४४ पृ. १८ से.
बड़ा.

गाय का अर्थशास्त्र. होशियारपुर, अखिल भारतीय दयानंद सालवेशन मिशन, ति. न. २६ पृ. १८ से.
खिदि.

महर्षि दयानंद सरस्वती जन्म और वैराग्य (संवत् १८८१ से १९०३ तक), तृ. संस्क. दिल्ली सार्वदेशिक प्रकाशन, १९५३. ८,३२० पृ. १८ से.
ने. ला., बड़ा.

सनातन धर्म विजय. ए पोलेमिक अगेंस्ट दयानंद सरस्वती एंड हिज़ स्कूल इंक्लूडिंग ए सिरीज़ ऑव टेक्स्ट फ्राम संस्कृत एंड अदर अथारिटीज़. बांकीपुर, १९०२.
—भाग. १८ से.
भाग १. ब्रि. म्यू.

हिंदी वैदिक संध्या, अनु. गौरीलाल. कोटा, आर्य समाज, १९३२. ९ पृ. १८ से. सार्व.

हितैषी अलावलपुरी

सत्यार्थ प्रकाश (आंदोलन का इतिहास) जिसे पढ़कर मुसलमान भी आर्य समाजी बन गए, द्वि. संस्क. देहली, प्रकाश पुस्तकालय, १९४६. ९८ पृ. १८ से.
बिना पढ़े विरोधी प्रोपोगंडा से प्रभावित जो भाई 'सत्यार्थ प्रकाश' के संबंध में अपने दिल में घृणा के भाव और शंकाएँ रखे हों उन्हें इस पुस्तक के पढ़ने को साग्रह निमंत्रित किया जाता है.
सार्व.

हिमालय का योगी, जिसमें स्वामी योगेश्वरानंद जी महाराज के जीवन की विशेष घटनाओं और अनुभूतियों का वर्णन है.

हिमालयकायोगी

गंगोत्री (उत्तरकाशी), योग निकेतन ट्रस्ट १९६६. २०,३८८ पृ. छवि २८ से.
खिदि.

हीरालाल गोपाल शर्मा

शास्त्रार्थ अर्थात् वैश्य लोगों को वैदिक कर्म करने का अधिकार है या नहीं ? बंबई, १८८७. ४५ पृ. १७ से.
हिंदी और मराठी में. ब्रि. म्यू.

हीरालाल शर्मा, वैद्य

पुराण भेद अर्थात् अष्टादश पुराणों का परस्पर विरोध. आगरा, आर्य भाष्कर प्रेस, ति. न.
७,१५०,२ पृ. १७ से. आ. पु.

आर्य तत्व प्रकाश. इलाहाबाद, नार्थ इंडिया ट्रैक्ट सोसाइटी, १९००. आ. पु.

हुक्मसिंह वर्मा

आर्य्य समाज पर एक दृष्टि. इटावा, वेद प्रकाश प्रेस, १९०३. १६ पृ. १६ से.
आ. पु.

होमनिधि शर्मा

जाति परीक्षा. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १९०१.
८ पृ. २०.५ से.
आ. पु., खिदि.

वैदिक प्राणैपणां (स्वस्थ वृत्यधिकारात्मिका), होमनिधि शर्मा संकलिता, पंडित प्रेमनिधि संशोधिता. बुलंदशहर, संकलनकर्ता. खुर्जा, इंदिरा मुद्रणालय, १९१४.
४३,५२०,१० पृ. २५ से.
संस्कृत, हिंदी. खिदि.

हक्कादोष दर्पणे प्रथम द्वितीयो भागः प्रत्यक्षाद्यनेक प्रमाण निर्धारितानेक छंदोभिरन्वितः श्रीमद्वैद्यवर पंडित होमनिधि शर्मणा विरचितः. [ ].
८६,१४ पृ. २४ से.
मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

अन्य भारतीय भाषायें

कन्नड़

केशवय्य

श्री दयानंद सरस्वती यवरचरिते. मैसूर, डी. शेषगिरि राव, १९१०. ८ ६३ पृ. छवि १८ से.
ने. ला.

केशवय्य

महर्षि दयानंद सरस्वती. बंगलोर, सर्वमंगल ग्रंथमाला, १९४३. ६,१४३०,६ पृ. छवि १८ से. ने. ला.

गुजराती

दयानंद सरस्वती

आर्याभिविनयः (गुजराती भाषायां), अनु. ज्ञानेंद्र 'सिद्धांत-

दयानंद सरस्वती

भूषण'. मरोली (सूरत), महागुजरात पुस्तक प्रकाशन मंडपी, १६४२. १४,८७ पृ. १८ से. (ज्ञान पुष्प-माला, १६). सार्व.

आर्याभिविनय. बंबई, आर्य प्रतिनिधि सभा, १६४८. ६६ पृ. १६ से.
गुजराती अनुवाद के साथ. कल.

आर्याभिविनयः मूल संस्कृत के साथ गुजराती अनुवाद. बंबई, कन्हैयालाल गिरधरदास, ति. न.
नागरी एवं गुर्जर लिपि.
मुखपृष्ठ नहीं है. कल.

वेद-विरुद्ध-मत-खंडनोऽयम् ग्रंथः सम्मतिर अत्र वेदमतानुयायी पूर्णानंद स्वामिनः. . . कृष्णदास सुनूना श्यामजिना (गुजराती) भाषान्तरकृतम्. [ ], १६१०.
२३,२४ पृ. २५ से. इ. आ.

शिक्षा-पत्री-ध्वांत-निवारणोऽयम् ग्रंथः अर्थात् स्वामि नारायण मत-दोष-दर्शनात्मकः. . . कृष्णवर्म सूनुना श्यामजिना (गुजराती) भाषांतरम् कृतम्. . . वंबई, ओरियंटल प्रेस, १८७६. १२,१६ पृ. २१ से. इ. आ.

शिक्षा पत्री ध्वांत निवारणम् अर्थात् स्वामिनारायण मत दोष दर्शनात्मकम्, हिंदी अनुवाद के साथ. अजमेर, १६००.
१७,२४ पृ. . १६ से.

स्वामी सहजानंदादि मतों के प्रति प्रश्न और उनका खंडन. गुजराती से अनुवाद. प्रथम १५ पृष्ठ संस्कृत में. बाद के २१ पृष्ठ गुजराती से नागरी में अनूदित. ब्रि. म्यू.

शिक्षापत्री ध्वांत निवारणम् अर्थात् स्वामिनारायण मत दोष दर्शनात्मकम्, द्वि. संस्क. अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १६०६.
१५ पृ. २१ से.

सहजानंदादि मतों के प्रति प्रश्न और उन मतों का खंडन. गुजराती से अनुवाद. प्रथम १५ पृष्ठ संस्कृत में. बाद के २१ पृष्ठ गुजराती से नागरी भाषानुवाद.
आ. पु., इ आ.

[संस्कार-विधिः] श्रीमत्स्वामि दयानंद सरस्वती निर्मितः ' ' 'संस्कार-विधिः, गुर्जर भाषां अनुवादक पं. इच्छाशंकर पाठक अने रा. रा. गिरधर लाल गोविंदजी, द्वि. संस्क. अहमदाबाद, यूनियन प्रेस, १६१४.
८,२०२,५ पृ. २५ से. इ. आ.

सत्यार्थ-प्रकाश, मंचाशंकर जयशंकर द्विवेदी कृत, गुर्जर-भाषांतर. . . श्रीमद्दयानंद स्वामि विरचित. बंबई, जगदीश्वर प्रेस, १६०५. ११,५५६ पृ. २५ से.
गुजराती लिपि. इ. आ., ब्रि. म्यू.

दयानन्द सरस्वती

सत्यार्थ प्रकाश, मूल हिंदी उपरथी गुजराती भाषानुवाद, अनु. मयाशंकर शर्मा, षष्ठ संस्क. मुंबई, मुंबई प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा, १६३८. ४६५ पृ. २४ से.
सार्व.

आत्मस्वरूप उदासिन

अबोधध्वांत मार्त्तंड अथवा दयानंददंडीतुंडदंड. . . आत्म-स्वरूप उदासिन विरचित गुजराती भाषांतरकारि. बंबई, नारायणदास गोपालदास, गुजराती प्रेस, १६०८.
१८,६६ पृ. २१ से. इ. आ.

उपनिषद्-ईशोपनिषद्

ईशोपनिषद्. . . स्वामी दयानंद भाष्य सहिता गुर्जर भाषा-नुवाद—समवलिता शाम जी विश्राम शर्मणा. . . मुद्रयित्वा . . . वैदिक धर्मानुरागिभ्यः उपानीकृता. बंबई, निर्णय सागर प्रेस, १८६६. ६,२६ पृ. २७ से.
इ. आ.

गंगाप्रसाद उपाध्याय

ईश्वर प्रार्थना पंथे, अनु. जयंतीलाल भाईशंकर दवे. भावनगर, आर्य प्रादेशिक सभा, १६४६.
१६२ पृ. १८ से. सार्व.

गुलाम मुहम्मद इब्न हाजी हाफीज़ सादिक

ऐ रेफुटेशन ऑव द 'सत्यार्थ प्रकाश' ऑव पंडित दयानंद सरस्वतीः, भाग १ (एन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव गुजराती वर्क) बाई गुलाम मुहम्मद इब्न हाजी हफ़ीज सादिक. सूरत, १६१०. १३,१७६ पृ. १८.५ से.
ब्रि. म्यू.

ज्ञानेंद्र सिद्धांतभूषण

वैदिक धर्मणी सार्वभौमता. नरोडा, गुजरात पुस्तक प्रकाशक मंडल, १६३७. १५२ पृ. १८ से.
सार्व.

स्तवनांजलिः. मरोली (सूरत), अनिला देवी आर्य, आर्य प्रकाश मुद्रणालय, १६४२. ४८ पृ. १८ से.
सार्व.

झवेरदास कालिदास मेघाणी

दयानंद सरस्वती, द्वि. संस्क अहमदाबाद, गुर्जर ग्रंथ-रत्न कार्यालय, १६४६.
८,११७ पृ. छवि १८.५ से.
न्ने. ला.

देवशर्मा 'अभय'

वैदिक विनय सचित्र, अनु. सेवानंद, संपा. भिक्षु अखंडानंद. मुंबई, सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय, १९३६.
८२७ पृ. २२ से. सार्व.

नित्यानंद पटेल

जीवात्मा, द्वि. संस्क. इटावा, वेदप्रकाश यंत्रालय, १९२५.
२० पृ. १६ से.
मूल गुजराती भाषा में मुद्रित व्याख्यान का भाषानुवाद.
आ. पु.

मनुष्य जन्म की सफलता. मेरठ, वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड, स्वामि यंत्रालय, १८९७.
उक्त स्वामी जी का बंबई में १५–७–१८७३ को दिया गया व्याख्यान जिसे एक आर्यपथिक ने गुजराती से अनुवाद किया. आ. पु.

भोलानाथ साराभाई

अथ ईश्वर प्रार्थना, आर्य्य अर्थात् हिंदी भाषायां गद्य-पद्य गायन सहित गुजराती भाषायाः कुमर श्यामलाल सिंह वर्म्मणा अनुवादित. अहमदाबाद, अनुवादक, यूनाइटेट प्रिंटिंग यंत्रालय, १८८०. २,२०२ पृ. २१ से.
मूल गुजराती से हिंदी अनुवाद. आ. पु.

रमाकांत ह. शास्त्री

वैदिक कर्म मणिमाला, झगड़िया, आर्यसमाज, १९७०.
४,६८ पृ. १८ से. ने. ला.

महर्षि दयानंद चरितम्. मुंबई, लेखक, १९३१.
४० पृ. १९ से.
गुजराती + संस्कृत. सार्व.

राष्ट्रिय मेघदूतम् (गुर्जर भाषा टीका सहितम्). मुंबई, लेखक, १९३०. ३६ पृ. १८.५ से.
ये पुस्तक आर्य सुधारक प्रेस में छपी.
सार्व.

वेद-ऋग्वेद

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, दयानंद सरस्वती की हिंदी व्याख्या का गुजराती अनुवाद, अनु. बालकृष्ण शर्मा, इच्छाशंकर एवं प्रभाशंकर शर्मा. बंबई, १९०५.
३,२८८,५ पृ. २४ से. ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, वैदिक धर्म प्रमाण तथा अप्रमाण ग्रंथों श्री स्वामी दयानंद सरस्वती निर्मित ऋग्वेदादि भाष्य भूमिकानु प्रामान्याऽप्रामान्युं प्रकरण (गुजराती भाषांतर सहित). बंबई, आर्य प्रकाश प्रेस, १९२८.
२,३२ पृ. २५ से. इ. आ.

वेद-सामवेद

अथ सामवेदस्य दाहविधिः, द रिचुअल फॉर बर्निंग द डेड एकार्डिंग टु द सामवेद, विद गुजराती नोट्स, इन्ट्रिक्स, फालोड बाई ए संक्षिप्त दाहविधि. मोहमय्यां, १८९८.
४,१०४,२२ पृ. १९ से. ब्रि. म्यू.

संध्या यज्ञ, द्वि. संस्क. सूरत, आर्य सेवा संघ १९६०.
३२ पृ. १२ से. ने. ला.

सुरेशचंद्र वेदालंकार

यम-नियम, अनु. श्रीकांत भागजी. सूरत, आर्य सेवा संघ, १९६४. ६,६४ पृ. १८ से.
ने. ला.

तमिल

दयानंद सरस्वती

चट्टियास्तप्पिरकाचम् अल्लतु उनमैपोरुल विलक्कम्, अनु. एम. आर. जम्बुनाथ अय्यर. मद्रास, आर्य पुस्तकायलम्, १९२६.
२ भाग. २३ से.
भाग २ मात्र. ने. ला.

चाट्टयारत्तप्पिरकाचम् अल्लतु उणमैविलक्कम, तमिल अनु. कन्नैया. मद्रास, आर्य समाज, १९३५.
१२,९–४८० पृ. १८ से. ने. ला.

सत्यार्थ प्रकाश, अनु. एम. आर. जम्बुनाथ अय्यर. मद्रास, १९२५. १६,१५२ पृ. २४ से.
सार्व.

कन्नय्या

मकरिषि स्वामी तयानंद सरस्वतियारिन वाजक्कैयूम कर्पनैक-लूम. मद्रास, आर्य समाज, १९३४.
५,१५४ पृ. १८ से. ने. ला.

शुद्धानंद भारती

ऋषि दयानंदर, रामचंद्रपुरम्, अंबुनियलम्, १९४७.
२४ पृ. छवि. १८ से. ने. ला.

तेलगु

विश्वामित्र

ईश्वरुडुन्नाड़ा. सूर्यपेट, वैदिक धर्म ग्रंथ मंडली, ति. न.
१०० पृ. छवि १८ से. ने. ला.

नेपाली

दयानंद सरस्वती

सत्यार्थ प्रकाश (नेपाली भाषा को), अनुवादक र प्रकाशक श्रीयुत् पंडित दिलुसिंग राई. दार्जिलिंग, लेखक, १९३१.
१४,७६४. १८ से. सार्व.

दिलु सिंगराई

वि. सं. १९५६ साल कौ पैह्लोको सवाइ दिलूसिंग राई. दार्जिलिंग, आर्य समाज प्रचार विभाग, १९६६.
६,३१ पृ. छवि १८ से. खि दि.

पंजाबी

दयानंद सरस्वती, १८२४–१८८३

सत्यार्थ प्रकाश, पंजाबी अनुवादक लाला आत्माराम. अमृतसर, १८९९. २,७३२ पृ. २४ से.
गुरुमुखी लिपि. ब्रि. म्यू.

सत्यारथ प्रकाश. अमृतसर, वजीरसिंह प्रेस, १९०२. ७९२ पृ. २४ से.
गुरुमुखी लिपि. ने. ला.

सत्यार्थ प्रकाश, पंजाबी अनुवादकर्ता आत्माराम, द्वि. संस्क. लाहौर, आर्य समाज, १९१२. १६,७२० पृ. २४ से.
ने. ला.

वेद-यजुर्वेद

यजुर्वेदभाषाभाष्य, दयानंद सरस्वतीकृत यजुर्वेद का पंजाबी अनुवाद, अनु. सरदार अमर सिंह. लाहौर, १९०७. ७० पृ. २१ से.
गुरुमुखी लिपि. ब्रि. म्यू.

बाङ्ला

दयानंद सरस्वती, १८२४–१८८३

आर्याभिविनयः वंगभाषानुवाद सहितः हिंदी भाषानुवादेर, बंगानुवाद, अनु. शंकरनाथ पंडित. भवानीपुर (कलकत्ता), आर्य समाज, १९२०. १५१ पृ. १६ से.
खिदि.

दयानंदेर स्वरचित जीवनवृत्त, द आटोबायॅगफी ऑव स्वामी दयानंद; कानसिस्टिंग ऑव एन अड्रेस डेलिवर्ड एट पूना आन द १५ अगस्त १८७५ एंड आर्टिकल्स पबलिश्ड इन 'द थियोसाफिस्ट', १८७९–८०, ट्रांसलेटेड इनटू बंगाली एंड एडिटेड बाई देवेंद्रनाथ मुखोपाध्याय फ्राम इंगलिश वर्जन ऑव द आथर्स ओरिजिनल. कलकत्ता, १९०८. ४८ पृ. १६ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.

पंचमहायज्ञविधिः, बंगाली अनुवाद एवं भूमिका लेखक सत्यचरण राय. अजमेर, कलकत्ता (मुद्रित), १८९८. १२,५,१२२,२ पृ. १८ से.
बंगाली लिपि. ब्रि. म्यू.

पंचमहायज्ञविधिः, वाङ्ला अनुवाद के साथ सत्यचरण राय द्वारा संपादित. कलकत्ता, शंकरनाथ पंडित, १९०३. ८१ पृ. १६ से. ने. ला.

संस्कारविधि वेदिक षोडश संस्कार, बांगला अनुवादक शंकरनाथ पंडित. कलकत्ता, अनुवादक, १९२८. २८४ पृ. १८ से. ने. ला.

दयानंद सरस्वती

सत्यार्थ प्रकाश, ए ट्रीटाइज आन द इंटरप्रेटेशन एंड टीचिंग्स ऑव द वेदाज, ट्रांसलेटेड इनटू बंगाली फ्राम द हिंदी ओरिजिनल. कलकत्ता, १९०१. १६,८२९ पृ. २५ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

[सत्यार्थ प्रकाश] प्रतिमापूजा-विचार, लेखक के सत्यार्थ प्रकाश से संकलित एवं वंगभाषा में गोविंदराम वर्मा द्वारा अनूदित. कलकत्ता, अनुवादक, १९२३. १६ पृ. १८ से. खिदि., ने. ला.

सत्यार्थ प्रकाश (वंगानुवाद) वेदादिविविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः. . .दयानंद स्वामि विरचितः, तृ. संस्क. कलकत्ता, आर्य समाज, १९२६. १०,६३४ पृ. २४ से. सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश वेदादिविविध सच्छास्त्र प्रमाण समन्वितः. . . दयानंद सरस्वती स्वामि विरचित, चतुर्थ संस्क. कलकत्ता गोविंदराम हासानंद, १९३४. ५५४ पृ. २४ से.
वंगानुवाद. सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश, वंगानुवाद. कलकत्ता, वंग–आसाम, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९४७. १८,६९० पृ. २६ से.
खिदि., बड़ा

(स्वमंतव्यामंतप्रकाश) ओउम् खं ब्रह्म, बंगाली ट्रांसलेशन ऑव आथर्स 'स्वमंतव्यामंतव्यप्रकाश' ए डिफेंस ऑव हिज़ टीचिंग्स बाई शंकरनाथ पंडित. कलकत्ता, संपा, १९००. २३ पृ. १२ से. ने. ला.

अनुभवानंद, स्वामी

आर्य समाजपरिचय विद ब्रीफ लाइफ ऑव द फाउंडर दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, विश्वंभर प्रसाद शर्मा, आर्यकुमार सभा, १९२३. १०३ पृ. १८.५ से.
ने. ला.

गंगाप्रसाद उपाध्याय

ईश्वर व ताहार पूजा, अनु. मधुसूदन वंद्योपाध्याय. कलकत्ता, ट्रैक्ट प्रकाशन समिति, आर्यकुमार सभा, ति. नं. १३ पृ. १८ से.
हिंदी संस्क. प्रकाशक, आर्यसमाज, प्रयाग.
खिदि.

दान विषये आर्य्य शास्त्रेर मत. [ ]. १६ पृ. २ से.
मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

दीनबंधु वेदशास्त्री

दयानंद प्रशस्ति व आर्य समाज परिचिति. कलकत्ता, आर्य समाज, १९७०. १६ पृ. २१ से.
खिदि.

दीनबंधु वेदशास्त्री

वैदिक उपासना पद्धति. कलकत्ता, आर्य समाज, १९६९. ४८ पृ. १८ से. खिदि.

देवेंद्रनाथ मुखोपाध्याय

आदर्श संस्कारक दयानंद (ए कलेक्शन ऑव एसेज एडवोकेटिंग द रिफार्मर्स इंट्रोड्यूस्ड बाई दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, लेखक, १९२७, ५४ पृ. १८ से. ने. ला.

दयानंद चरित (लाइफ ऑव दयानंद सरस्वती). [ ], १८९५. ने. ला.

दयानंद चरित (ए लाइफ ऑव दयानंद सरस्वती), अनु. बाबू घासीराम. मेरठ, १९१२. २२,३३५,३२ पृ. २१ से. मूल बंगला से हिंदी अनुवाद. ब्रि. म्यू.

दयानंद चरित (लाइफ ऑव दयानंद सरस्वती). कलकत्ता, गोविंदराम वैदिक पुस्तकालय, १९२९. १२,२९८ पृ. १८ से. ने. ला.

दयानंद हिंदूर आदर्श संस्कारक (दयानंद एज़ ए सोशल रिफार्मर). कलकत्ता, दयानंद समिति, १८९९. ४९ पृ. १७ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वतीर जन्म स्थानादि निर्णय (ऐंन अटेंप्ट टु एसरटेन द बर्थ प्लेस एंड पेडिग्री ऑव दयानंद सरस्वती). कलकत्ता, लेखक, १९१६. १०४ पृ. १७ से. ने. ला.

नगेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय

दयानंद सरस्वतीर संक्षिप्त जीवनी. १८८६. ने. ला.

पार्थिव वो आध्यात्मिक उपदेश आर्य बालक व तरुण वयस्क युवक दिगेरप्रति. [ ]. १०५ पृ. १८ से. मुखपृष्ठ नहीं है. खिदि.

बलाइचांद मल्लिक

संक्षिप्त आर्यमत प्रकाश, इक्सपोजीशन ऑव द वैदिक सैक्रेड सिलेबुल ओउम्, द प्राणायाम् एंड प्रेयर एज़ इक्सप्लेंड बाई दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, आर्यमत प्रकाश, १९२४. २१ पृ. १६ से. ने. ला.

भारतेंद्रनाथ

विदेशी पादरीदेर भारत आक्रमण, अनु. प्रियदर्शन सिद्धांत-भूषण. कलकत्ता, आर्य समाज, १९६७. १७ पृ. १८ से. खिदि.

महर्षि दयानंद की मानितेन ? दिल्ली, आर्योदय कार्यालय, ति. न. ८ पृ. २१ से. 'आर्योदय' हिंदी साप्ताहिक से बंगलानुवाद. खिदि.

यजुनाथ मज़ूमदार

हिंदू समाजेर समस्या. यशोहर, हिंदू पत्रिका कार्यालय, कालीप्रसन्न चट्टोपाध्याय, १९१८. ७५ पृ. १८ से. खिदि.

योगींद्रनाथ सरकार

दयानंद सरस्वती (जीवन चरित्र). कलकत्ता, सिटी बुक सोसाइटी, १९०९. ११४ पृ. १ से. ने. ला.

वेद

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका. . . .स्वामी दयानंद सरस्वदती कृत ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका (वंगानुवाद)....आर्य सेवक श्री शंकर नाथ पंडित कर्तृक अनुवादित. कलकत्ता, आर्यावर्त प्रेस, १९०६. ६,४३६ पृ. २५ से. इ. आ.

वेद-ऋग्वेद

ऋग्वेद संहिता. . .ब्राह्मण-यास्कोवतसायण-शंकर-महीधर-दयानंद (दुर्गाचार्य) रमानाथ-घोष-सरस्वती रमेशचंद्र दत्तादि-नां व्याख्याया अनुवादेन च समलंकृता तथा श्री उमेशचंद्र विद्यारत्न कृत्या प्राकृतार्थं वाहिन्या टीकया तत् कृत वंगभाषा-नुवादेन च सहितः. कलकत्ता, विद्योदय प्रेस, [१९१७–]. भाग १–४. २४ से. इ. आ.

शंकरनाथ, पंडित

आमि के ? मानव जीवनेर कर्म उद्देश्य व परिणाम. कलकत्ता, भवानीपुर आर्यसमाज. १९२५. ३५ पृ. २३ से. खिदि.

ऋषि जीवन (दयानंद सरस्वती –जीवन चरित्र). कलकत्ता, लेखक, १९१४. ११२ पृ. २१ से. ने. ला.

धर्मवीर व प्रकृतवीर पुरुष के ? कलकत्ता (भवानीपुर), आर्य समाज यंत्रालय, १८९९. २४ पृ. १८ से. खिदि.

वेद व दर्शनादि मते परमात्मा वा ईश्वर निरूपण. [भवानीपुर कलकत्ता, आर्य समाज, ति. न.]. १०३ पृ. २३ से. खिदि.

स्वामी दयानंद व आर्य समाज. (संक्षिप्त परिचय एवं जीवन वृत्तांत). कलकत्ता, लेखक, १९२६. २४ पृ. १६ से. ने. ला.

मराठी

दयानंद सरस्वती

आर्य धर्मेंद्र दयानंद सरस्वती स्वाम्यां पुणें येथील व्याख्याने, अनु. हरिसखाराम तुंगार. कोल्हापुर, १९२५. ६,१२५ पृ. १८ से. ने. ला.

दयानंद सरस्वती

आर्योद्देश्य रत्नमाला, मूल हिंदी से मराठी अनुवाद.
अजमेर, वैदिक यंत्रालय, १९००. २८ पृ. १६ से.
ब्रि. म्यू.

ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका (अनुवादित) अर्थात् वैदिक धर्म स्वरूप, अनु. श्रीदास विद्यार्थी, संपा. लक्ष्मण जानोजी ओघले, द्वि. संस्क. बंबई, श्रद्धानंद स्मृति ग्रंथमाला, १९३३.
१२,२८६ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला., सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश, पूर्वार्द्ध, शुद्धि करणार शिवकर बापूजी तलपदे. मुंबई, श्यामरावकृष्ण आणि मंडली, १९०७.
२४,३०६ पृ. २१ से. ने. ला.

सत्यार्थ-प्रकाश, पूर्वार्द्धः—उत्तरार्द्धः हंम पुस्तक श्रीयुत् श्रीदास विद्यार्थी यान्नी महाराष्ट्र भाषेमत् लिहिलें तें श्रीयुत् शिवकर बापूजी तलपदे याम्नि सुधाकरुण. . .बंबई, तत्वविवेच प्रेस, १९०७. २२,५३६ पृ. २१ से. (आर्य धर्म मासिक पुस्तकांतून प्रसिद्ध झालेल्या विषयाचीं ग्रंथमाला, ६).
पूर्वार्द्ध ३०६ पृ.; उत्तरार्द्ध ३०७–५३६ पृ.
इ. आ., खिदि.

सत्यार्थ प्रकाश उत्तरार्द्ध. मुंबई, शामरावकृष्ण आणि मंडली, १९१०. ३०५ ते ५३६,८ पृ. २१ से.
ने. ला.

श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य महर्षि श्री स्वामी दयानंद सरस्वती कृत सत्यार्थ प्रकाश, द्वि. संस्क. कोल्हापुर, श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा, १९२६.
१७,२४०,२०६,११४ पृ. २४ से.
ने. ला.

श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री स्वामी दयानंद सरस्वती कृत सत्यार्थ प्रकाश (पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध सहित संपूर्ण स्वमंत-व्यामंतव्यासह), तृ. संस्क. कोल्हापुर, आर्य समाज, १९३८. ४०० पृ. २४ से.
ने. ला., सार्व.

स्वामी दयानंद सरस्वती यानी बुधवारांतील डियांच्या वाड्यांत ता. ४ जुलै १८७५ रोजीं रात्रीं व्याख्यान दिलें त्याचासारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., १८७५. ३ पृ. २४ से.
ने. ला.

मंगलवार ता. ६ जुलाई १८७५ रोजीं दयानंद सरस्वती यांच्या ईश्वर विषयक व्याख्यानावर झालेल्या वादविवादाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., १८७५.
३ पृ. २४ से. ने. ला.

दयानंद सरस्वती

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. ८ माहे जुलाई, रोजीं रात्रीं आठ वाजतां व्याख्यान दिलें त्याचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., १८७५. ५ पृ. २४ से.
ने. ला.

शनिवार ता. १० जुलाई, १८७५ रोजीं धर्माधर्मयाविषयावर दयानंद सरस्वती स्वामीनीं व्याख्यान दिलें त्यावर प्रश्नोत्तरे झाली तीं. पुणें, वि. स. अ. छा., १८७५.
६ पृ. २४ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. १७ माहे जुलाई रोजीं रात्रीं ८ वाजतां जन्म या विषयावर दिलेल्या व्याख्यानाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. यांचा छा, ति. न. १ पृ. २४ से.
ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. २० माहे जुलाई रोजीं रात्रीं ८ वाजतां यज्ञ व संस्कार या विषयावर दिलेल्या व्याख्यानाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., ति. न.
८ पृ. २४ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. २४ माहे जुलाई रोजीं रात्रीं ८ बाजतां इतिहास या विषयावर दिलेल्या व्याख्यानाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., ति. न.
८ पृ. २४ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. २५ माहे जुलाई रोजीं रात्रीं ८ बाजतां इतिहास या विषयावर दिलेल्या व्याख्यानाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., ति. न.
१२ पृ. २४ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. २७ माहे जुलाई रोजीं रात्रीं ८ बाजतां इतिहास या विषयावर दिलेल्या व्याख्यानाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., ति. न.
६ पृ. २४ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती याणीं जाहिराती बरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिड्यांचे वाड्यांत ता. २ माहे अगस्त रोजीं अह्निक किंवा नित्यकर्म व मुक्ति या विषयावर दिलेल्या व्याख्यानाचा सारांश. पुणें, वि. स. अ. छा., ति. न.
४ पृ. २४ से. ने. ला.

दयानंद सरस्वती

स्वामी दयानंद सरस्वती याणीं जाहिराती वरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिडयांचे वाडयांत ता. ३ माहे ग्रगस्त रोजीं ग्रह्निक किंवा नित्यकर्म व मुक्ति या विषयांवर दिलेल्या व्याख्यानांचा सारांश. पुणें, वि. स. ग्र. छा., ति. न.
३ पृ. २४ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती यांणीं जाहिराती वरहुकूम बुधवार पेठेंतील भिडयांचे वाडयांत ता. ४ माहे ग्रगस्त रोजीं ग्रह्निक किंवा नित्यकर्म व मुक्ति विषयावर दिलेल्या व्याख्यानांचा सारांश. पुणें, वि. स. ग्र. छा., ति. न.
७ पृ. २४ से. ने. ला.

नाथाजी ग्राकाप्पा माली

धर्म ग्राणि ब्राह्मण. कोल्हापुर, विश्ववंधु, १९१८.
५८,३४ पृ. १६ से. ने. ला.

ग्रार्य समाज ग्राणि राष्ट्रीय सभा, लेखक भाई परमानंद व रामचंद्र दत्तात्रेय वर्वे. नागपुर, श्रीधर नारायण छुद्दार, १९३२. ४,७१ पृ. १८ से.
ने. ला.

भीमाचार्य झलकीकर

वेदार्थोद्धारः दयानंद कृत वेद व्याख्यान खंडनात्मकः, मूल संस्कृति के साथ मराठी एवं संस्कृति एवं गुजराती ग्रनुवाद. बंबई, १८७५. ४,४,४ पृ. २१ से.
'वेद ही एकमात्र ग्राधिकारिक ग्रंथ है' स्वामी दयानंद के इस मत का ग्रालोचनात्मक खंडन.
संस्कृत, मराठी एवं गुजराती. ब्रि. म्यू.

सदाशिव कृष्ण फड़के

श्रीमद्दयानंद. पानवेल, लेखक, १९२८.
२०,२५६ पृ. छवि १८ से.
ने. ला.

हरिसखाराम तुंगार

ग्रार्य समाज म्हणजे काय ?, द्वि. संस्क. कोल्हापुर, लेखक, १९२४. २४ पृ. १८ से.
ने. ला.

प्रथम देव पूजा कि ईश्वरोपासना ? कोल्हापुर, लेखक, १९५४. २२ पृ. १८ से.
ने. ला.

महाराष्ट्र व ग्रार्य समाज. कोल्हापुर, लेखक, ति. न.
१९ पृ. १८ से. ने. ला.

मलयालयम

दयानंद सरस्वती, १८२४–१८८३

सत्यार्थ प्रकाश मलयालम भाषानुवाद. कालीकट, केरल ग्रार्य समाज मिशन, ग्रार्य समाज बुकडिपो, १९३३.
११,८६० पृ. २४ से. सार्व.

ग्ररबी

दयानंद सरस्वती

सत्यार्थ प्रकाश ग्ररबी भाषा में ग्रनुवाद, ग्रनुवादक जीवनलाल ताराचंद, गणपत राम एवं बाबूराम, तृ. संस्क. दिल्ली, सार्वदेशिक सभा, १९४६. ८५४ पृ. २४ से.
प्रथम संस्क, १९१२. द्वि. संस्क., १९३७.
ग्ररबी भाषा, ग्ररबी लिपि में.
मुखपृष्ठ नहीं है. सार्व.

उर्दू

दयानंद सरस्वती

काशीस्थ शास्त्रार्थ, ए रिपोर्ट ग्रॉव ए डिसकशन हेल्ड एट बनारस ग्रान द १२ कार्तिक १९२६ संवत् विट्वीन दयानंद सरस्वती ग्रान वन साइड एंड विशुद्धानंद सरस्वती, बालशास्त्री एंड ग्रदर बनारस पंडितस् ग्रान द ग्रदर साइड, ग्रान द वैदिक ग्रथारिटीज़ फार ग्राइडल वरशिप, वीयरिंग ग्रॉव सेक्रेड वीड्स एंड सच लाइक रिलिजस ग्राव्ज़र्वेंसेज़. बनारस, १८८०.
१४ पृ. २० से.
हिंदी ग्रौर हिंदुस्तानी में. ब्रि. म्यू.

संस्कार विधि, मूल हिंदी से पंडित देवीदयाल शर्मा कृत उर्दू तर्जुमा. ग्रमृतसर, १९०४.
८,२३५ पृ. १९ से. लिथो.
नागरी ग्रौर फारसी लिपि. ब्रि. म्यू.

संस्कार दीपिका का उर्दू तर्जुमा मूल संस्कृत सहित, संपा. ए. एन. कालिया. लाहौर, पिंडीदास, १९१५.
८,६३६ पृ. २१ से. लिथो.
१. ग्रान द फिलासफी एंड डिवीजंस ग्रॉव द सैक्रामेंट्स बाई ताराचंद.
२. ग्रान देयर नेसिस्सिटी बाई मुंशीराम.
ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश, उर्दू ग्रनुवादकर्ता रैमलदास जी एवं ग्रात्माराम जी. लखनऊ, १८९९.
३५,७५१ पृ. २४ से. लिथो.
ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश, लफ्ज़ी स्लीस वा मुहावरा मुस्तनद उर्दू तर्जुमा मुसन्नफा महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती. लाहौर, ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९३९. ८,३९१ पृ. २४ से.
फारसी लिपि. सार्व.

इमानुद्दीन, ग्रबू मुहम्मद

दला-इल ग्रल कुरान...
३ भाग (एक साथ). १८ से.
उर्दू में. ला. का.

गंगाप्रसाद उपाध्याय

मसावेह ग्रलासलाम. इलाहाबाद, ग्रार्य समाज, १९०३.
५०८ पृ. १८ से.
उर्दू भाषा, फारसी लिपि. सार्व.

गोपाल (पुत्र रामसहाय)

वेदार्थ प्रकाश ए रिलिजस ट्रीटाइज विद हिंदी एंड उर्दू ट्रांसलेशन बाई द ग्राथर ग्रसिस्टेड बाई मुंशी शंभुनाथ, बींग ए काउंटर ब्लास टु द ग्रोपिनियन ग्रॉव दयानंद सरस्वती. मेरठ, १८७८. —पृ.
संस्कृत, हिंदी, उर्दू. ब्रि: म्यू.

चमनलाल

नारायणी शिक्षा मारूफ वेह गिरहस्त ग्राश्रम जिसमें जुमलः ग्रमूरात खानःदारी वेदस्मृति दीगर क़ुतुब मुक़द्दसा ग्रौर ग्रक़्ली नक़्ली दुलायल ग्रौर ग्रख़बारात ग्रौर लेक्चरों से मुंतख़ब ग्रौर ग्रख़ज़ करके मैसबूत दर्ज है जिसको चमनलाल ने बइमदाद मुंशी जगन्नाथ प्रसाद व मुंशी इंद्रजीत के तालीफ़ व तसनीफ़ किया है. मेरठ, दर्पण प्रेसं, १८९०.
३५० पृ. २१ से. काशी.

जैमिनि महता

विदेशों में ग्रार्य समाज के प्रचार का इतिहास ग्रौर मेरा ग्रपना प्रचार. लाहौर, मरकेंटाइल प्रेस, १९३६.
२९६ पृ. १८.५ से.
फारसी लिपि. काशी.

द्वारका प्रसाद ग्रत्तार

संगीतरत्न प्रकाश, हिस्सा ग्रव्वल से पाँचवाँ. शाहजहाँपुर, लेखक, १९१०.
५ भाग. १८ से.
सर्वसज्जन महाशयों के हितार्थ संग्रह किया.
फारसी लिपि. काशी.

लेखराम 'ग्रार्यपथिक'

कुल्यात ग्रार्य मुसाफिर.
मुखपृष्ठ नही है.
फारसी लिपि. काशी.

सबूत तनासिख जिसमें ईसाई, मुहम्मदी ग्रौर बराहिमा, साहबान के उन तमाम मतबूग्रा एतराज़ात के जिनको वे ग्रपने ख़यालात में लाजवाब समझे हुए थे तहक़ीक़ी ग्रौर इलज़ामी जवाब है मज़ीद बरांख़ुद इस मसइला के सबूत में भी दलील क़ाता का एक काफी मैगजीन ग्रौर लायक़ व फ़ायक़ हुक्माकी राय फैज पैराये का ग्रच्छा खासा इल्मी खजाना है मुसन्निफा पं. लेखराम 'ग्रार्य मुसाफिर.' जालंधर, मुंशीराम जिज्ञासु, १९००. ४५१ पृ. २३ से.
फारसी लिपि. काशी.

दयानंद मतमूलोच्छेद हिस्सा दोयम बतरदीद दलामल मुंदरजा सब विवेक दर्पण जो दरग्रसल ग्रस्त विवेक दर्पण वास्ते गुमराह करने व वाकिफान मज़हब हुनूद के है तालीफ करदा बाबू शिवनंदन सहाय. बांकीपुर खड्ग विलास प्रेस, ति. न. १२४ पृ. १८.५ से. काशी.

सार्वदेशि ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, देहली निज़ामशाही ग्रौर ग्रार्यसमाज : ग्रार्य समाज क्या चाहता है ? रियासत निजाम हैदराबाद में हुकूमत के मजालिम ग्रौर ग्रार्य समाज के जायज़ मुतालिबात की राम कहानी. दिल्ली, लेखक, चंद्र प्रिंटिंग प्रेस, १९३९. १०० पृ. २४ से.
फ़ारसी लिपि. काशी.

योरोपीय भाषायें

ग्रंग्रेजी

दयानंद सरस्वती, १८२४–१८८३

ग्रार्याभिविनयः इंगलिश ट्रांसलेशन ग्रॉव द ग्रार्याभिविनय, द संध्या एंड द हवन ग्रॉव महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी. देहरादून, धर्मार्थ ट्रस्ट, १९४२. २३४,३६ पे. १८ से.
सार्व.

ग्रार्योद्देश्य रत्नमाला ग्रार द गार्लैंड ग्रॉव जेम्स ग्रॉव द ग्रार्यन मिशन, ट्रांसलेटेड इनटू इंगलिश बाई बाबा ग्रर्जुन सिंह लेट लैमेंटेड एडिटर "ग्रार्य" पत्रिका, सेकंड एडीशन. लखनऊ, ग्रार्य समाज, १९१९. २१ पे. १८ से.
सार्व.

ग्रार्योद्देश्य रत्नमाला, द गार्लैंड ग्रॉव द जेम्स ग्रॉव ग्रार्य समाज, ट्रांसलेटेड बाई ग्रर्जुन सिंह, थर्ड एडिशन. ग्रजमेर, वेदिक यंत्रालय, १९७१. २४ पे. १८ से.
खिदि.

ग्राटोबॉयग्रॉफी ग्रॉव पंडित दयानंद सरस्वती, रिटेन बाई हिम इक्सप्रेसली फॉर "द थियोसोफिस्ट", एडिटेड बाई एच. पी. ब्लावतस्की. ग्रड्यार, मद्रास थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, १९५२. २,६८ पे. पोर्ट्रेट १८.५ से.
ने. ला.

भ्रमोच्छेदन, ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ग्रॉव स्वामी दयानंद सरस्वतीज़ फेमस बुक, ट्रांसलेटेड बाई ग्रार. बी. रतनलाल. ग्रजमेर, परोपकारिणी सभा, १९७४.
२९ पे. १८ से. सार्व.

चाँदपुर फेयर, ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ग्रॉव स्वामी दयानंद सरस्वतीज़ फेमस डिसकोर्स 'सत्यधर्म प्रचार' ग्रार 'मेला चाँदपुर', ट्रांसलेटेड बाई ग्रार. बी. रतनलाल. ग्रजमेर, परोपकारिणी सभा, १९७४. ३९ पे. १८ से.
सार्व.

ग्लोरियस थाट्स ऑव स्वामी दयानंद; बींग ए ट्रांसलेशन ऑव सेवेरल थाउसैंड इंसपायरिंग एंड वैलुएबुल थाट्स ऑव द ग्रेट सोशल रिफार्मर क्लासीफाइड अंडर सेवेरल हंड्रेड सब्जेक्ट्स, बाई एन. बी. सेन. न्यू डेलही, न्यू बुक सोसाइटी ऑव इंडिया, १९१६. ६,२१७ पे. २२ से. (ग्लोरियस थाट्स सिरीज़).

ने. ला., ला. का., स. स. वि.

गोकरुणानिधि. द ओसेन ऑव मर्सी, ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव महर्षि दयानंद स्वामी सरस्वतीज़ "गोकरुणा-निधि", बाई दुर्गा प्रसाद. अमृतसर, अमृतसर प्रेस, १८८६. १,६२ पे. १६ से.

इ. आ.

गोकरुणानिधि. द ओसेन ऑव मर्सी ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वतीज़ "गोकरुणानिधि" बाई दुर्गा प्रसाद. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १८८९. ६८ पे. २१ से.

ब्रि. म्यू.

[गोकरुणानिधि] काऊ प्रोटेक्शन, ट्रांसलेटेड बाई स्वामी भूमानंद सरस्वती. वड़ौदा, जयदेव ब्रदर्स, १९३९. ३३ पे. १३ से.

सार्व.

[गोकरुणानिधि] काऊ प्रोटेक्शन, ट्रांसलेटेड बाई स्वामी भूमानंद सरस्वती. लाहौर, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३९. १६ पे. १८ से.

सार्व.

[गोकरुणानिधि-सेलेक्शंस] इक्सट्रैक्ट्स फ्राम 'गोकरुणानिधि' एंड 'सत्यार्थ प्रकाश' विद लेटर्स ऐंड अदर डाकूमेंट्स इन हिंदी. इन हरविलास शारदा वर्क्स ऑव महर्षि दयानंद ऐंड परोपकारिणी सभा, १९४२. पे. १–९६.

ब्रि. म्यू.

गोकरुणानिधि (ओसेन ऑव मर्सी फॉर द काऊ), ट्रांसलेटेड ऐंड एडिटेड बाई रतन लाल. न्यू डेलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, यन. डी. ५४ पृ. २१ से.

सार्व.

इंट्रोडक्शन टू द कमेंट्री आन वेदाज़, ट्रांसलेटेड फ्राम द ओरिजिनल संस्कृत बाई घासीराम. . . मेरठ, एस. कृपाल, १९२५. १२,५०७ पे. पोर्ट्रेट १७ से.

न्यू. प. ला.

नेचर ऑव वेदिक शारवाज़ ऐंड आथरशिप ऑव द फोनेटिक सूत्राज़, ट्रांसलेटेड बाई एस. के. गुप्ता. खुर्जा, भारती मंदिर, १९ ? २२ पे. २१ से.

टेक्स्ट्स इन संस्कृत ऐंड इंगलिश. ने. ला.

पंचमहायज्ञविधि. द फाइव ग्रेट ड्यूटीज़ ऑव द आर्यंस. . ., इंगलिश्ड ऐंड इक्सप्लेंड बाई दुर्गा प्रसाद. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १८९५. ४,१६,७६ पे. १५ से.

इंगलिश, संस्कृत ऐंड हिंदी. ब्रि. म्यू.

पंच-महा-यज्ञाः. द फाइव ग्रेट ड्यूटीज़ ऑव द आर्यंस. . ., इंगलिश्ड ऐंड इक्सप्लेंड बाई दुर्गा प्रसाद, विद हिंदी ट्रांसलेशन ऑव द टेक्स्ट्स, सेकंड एडि. लाहौर, १९१३. २७,१५१ पे. १६ से.

इन द पेजिनेशन, देयर इज़ ए गैप, पेज़ १० बींग फालोड बाई पेज़ ३३, बट नथिंग इज़ मिसिंग.

संस्कृत, इंगलिश, हिंदी. ब्रि. म्यू.

[पंचमहायज्ञाः] नित्यकर्म. द फाइवफोल्ड पाथ टू साल्वेशन, ए ट्रांसलेशन (इन पोइट्री) ऑव द फाइव ग्रेट यज्ञाज़ आर ड्यूटीज़ ऑव द वेदिक रिलिजन बाई राजकवि हीरालाल सूद. (बींग द संस्कृत टेक्स्ट ऑव द मंत्राज़ ऑव द पंच-महायज्ञाज़, एडिटेड विद इंगलिश ट्रांसलेशन (आर्य समाजी) नोट्स ऐंड मेट्रिकल पैराफ्रेज़ ऐंड हिंदी ट्रांसलेशन बाई हीरालाल सूद. आगरा, अजमेर प्रिंटेड, १९२७. १४,५७ पे. १६ से.

ब्रि. म्यू.

[पंचमहायज्ञाः] द फाइव ग्रेट सैक्रिफाइसेज़ ऑव द आर्यंस, ट्रांसलेटेड इनटू इंगलिश बाई गंगा प्रसाद उपाध्याय, थर्ड एडिशन. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०. १६ पे. १८ से.

सार्व.

[पंचमहायज्ञाः] डेली होमेज़ आर अग्निहोत्र हाऊ टू परफार्म इट, संस्कृत मंत्राज़ विद इंगलिश ट्रांसलेशन बाई गंगाप्रसाद उपाध्याय. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४२. २९ पे. १८ से.

सार्व.

[पंच-महा-यज्ञ-पद्धति] संध्या पद्धति. द प्रेयर बुक ऑव आर्यंस, बींग ए ट्रांसलेशन इन इंगलिश ऑव संध्या एंड गायत्री, विद ओरिजिनल मंत्राज़ इन संस्कृत एज़ वेल ऐज़ रुल्स फॉर देयर आबजर्वेंस विद साइंटिफिक इक्सप्लेनेशन. लाहौर, आर. सी. बेरी, एस. डी. २१,५५ पे. १२ × १७ से.

इ. आ.

संस्कारविधि विद कोटेशंस फ्राम वैरियस हिंदू सैक्रेड बुक्स. पोर्ट लुइस, १९६६. ८२ पे. २२ से.

ब्रि. म्यू.

सत्यधर्म विचार. ए ट्रंफ ऑव ट्रुथ; बींग ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव सत्यधर्मविचार. . . विद द आटोबॉयग्राफी ऐंड ट्रैवेल्स ऑव आवर स्वामी (आई. ई., दयानंद सरस्वती, ऐंड ऐन अपेंडिक्स, कानटेनिंग सेवेरल आर्टिकल्स अगेंस्ट द टीचिंग्स ऑव क्रिश्चियन रिलिजन आलसो इन इंगलिश), बाई दुर्गा प्रसाद. लाहौर, १८८९. ६,३३१ पे. १८ से.

ब्रि. म्यू.

[सत्यार्थ प्रकाश-सेलेक्शंस] द बिलीफ्स ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती, ऐज़ गिवेन इन हिज़ 'सत्यार्थ प्रकाश', ट्रांसलेटेड

बाई दुर्गा प्रसाद. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १८९३.
२,१० पे. २४ से. ला. का.

[सत्यार्थ प्रकाश-सेलेक्शंस] द विलीफ्स ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती ऐज़ गिवेन इन हिज़ सत्यार्थ प्रकाश ट्रांसलेटेड बाई. दुर्गाप्रसाद. अजमेर, वेदिक प्रेस, १८९७.
११ पे. २४ से. ब्रि. म्यू.

[सत्यार्थ प्रकाश-सेलेक्शंस] द नियोग डाक्ट्रिन ऑव आर्य समाज, बींग ए लिट्ल ट्रांसलेशन ऑव दैट पोर्शन ऑव 'सत्यार्थ प्रकाश' व्हिच ट्रीट्स ऑव द डाक्ट्रिन ऐंड प्रक्टिस ऑव नियोग विद सम रिमार्क्स बाई रुचिराम साहनी. लाहौर, पंजाब इकोनामिकल प्रेस, १८९७. ४० पे. २३ से.
ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश. महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती आन इंडियन रेलिजंस. ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव द इलेवेंथ चैप्टर ऑव द 'सत्यार्थ प्रकाश' विद ए समरी ऑव हिज़ विलीफ्स ऐंड ए स्केच ऑव हिज़ लाइफ़, बाई दुर्गा प्रसाद, प्रीचर ऑव वेदिक रिलिजन. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १९००.
१६,३०० पे. १७ से. ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश. महर्षि दयानंद सरस्वतीज़ इक्सपोजीशन ऑव वेदिक रिलिजन, बींग ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव द सेवेंथ, एथ, नाइंथ ऐंड टेंथ चैप्टर्स ऑव हिज़ 'सत्यार्थ प्रकाश', ऐंड हिज़ डिसकशंस विद द पंडित्स ऑव बनारस, विद मौलवी अहमद हुसेन ऑव जालंधर, ऐंड विद रेवरेंड स्काट ऑव बरेली, बाई दुर्गा प्रसाद. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १९०३.
८,६४,२३६ पे. १८ से.
इ. आ., ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश. फर्स्ट ,सेकंड, थर्ड, फिफ्थ चैप्टर्स... ट्रांसलेटेड इनटू इंगलिश बाई चरणदास. लाहौर, आर्यन प्रिंटिंग, पब्लिशिंग ऐंड जेनेरल ट्रेडिंग कं., १९०३, १९०४.
—पार्ट्स. २४ से.
चैप्टर्स १, २, ३ ऐंड ५ ओनली.
ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश. लाइट ऑव ट्रुथ आर ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव द 'सत्यार्थ प्रकाश', द वेल नोन वर्क ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती बाई चिरंजीव भारद्वाज. लाहौर, यूनियन प्रिंटिंग वर्क्स, १९०६. १४,८२८ पे. २४ से.
ब्रि. म्यू.

सत्यार्थ प्रकाश. ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव स्वामी दयानंद सरस्वतीज़ 'सत्यार्थ प्रकाश' बींग ए गाइड टू वेदिक हर्मेन्यूटिक्स ,बाई दुर्गा प्रसाद, (विद ए बायोग्रैफिकल स्केच, इनक्लूडिंग ए ट्रांसलेशन ऑव द आथर्स हिंदी आटोबॉयग्राफी, ऐंड ए पोर्ट्रेट. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १९०८.
१६,५६४ पे. प्लेट्स २५ से.
इ. आ., ब्रि. म्यू., सार्व.

[सत्यार्थ प्रकाश] लाइट ऑव ट्रुथ, आर ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव द 'सत्यार्थ प्रकाश', द वेल नोन वर्क ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती...बाई चिरंजीव भारद्वाज, सेकंड एडिशन. इलाहाबाद, आर्य प्रतिनिधि सभा, यू. पी. आगरा ऐंड अवध, १९१५. १३,३२९,८ पे २५ से.
इ. आ., कल., का. हि. वि., ने. ला.,

[सत्यार्थ प्रकाश] द लाइट ऑव ट्रुथ, आर द इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव द 'सत्यार्थ प्रकाश', द रिमार्केबुल क्लासिक ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती, ट्रांसलेटेड बाई चिरंजीव भारद्वाज, थर्ड एडिशन. लाहौर, राजपाल, १९२७.
१६,२,९,६८५ पे. २५ से.
ने. ला., सार्व.

सत्यार्थ प्रकाश. लाइट ऑव ट्रुथ, आर ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव द सत्यार्थ प्रकाश...बाई चिरंजीव भारद्वाज. मद्रास, आर्य समाज, १९३२. १४,६६३,८ पे. २५ से.
ब्रि. म्यू.

[सत्यार्थ प्रकाश] द लाइट ऑव ट्रुथ; इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव 'सत्यार्थ प्रकाश' बाई गंगा प्रसाद उपाध्याय, रिवाइज्ड एडिशन. अहमदाबाद, कला प्रेस, १९३९.
४,८५९ पे. १९ से.
का. हि. वि., सार्व.

[सत्यार्थ प्रकाश-सेलेक्शंस] इक्सट्रैक्ट्स फ्राम 'गोकरुणानिधि' ऐंड 'सत्यार्थ प्रकाश' विद लेटर्स ऐंड अदर डाकूमेंट्स इन हिंदी. इन हरविलास शारदा वर्क्स ऑव महर्षि दयानंद ऐंड परोपकारिणी सभा, १९४२. ९७–१२९ पे.
ब्रि. म्यू.

[सत्यार्थ प्रकाश-सेलेक्शंस] द विलीफ्स ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती, द ग्रेट वेदिक स्कालर एंड रिफार्मर. अजमेर, वेदिक पुस्तकालय, १९६८. १२ पे. १८ से.
खिदि.

[सत्यार्थ प्रकाश] ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव सत्यार्थ प्रकाश: लिटरली इक्सपोज़ ऑव राइट सेंस (ऑव वेदिक रिलिजन) ऑव महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती 'द लूथर ऑव इंडिया'; बींग ए गाइड टू वेदिक हर्मेन्यूटिक्स, बाई दुर्गा प्रसाद, एडिटर्स: वैद्यनाथ शास्त्री, जगदीश विद्यार्थी ऐंड भारतेंद्र नाथ, सेकंड एडिशन. न्यू डेलही, जनज्ञान प्रकाशन, १९७०.
४८,५७०,६ पे. २ पो. २५ से.
कवर-टाइटिल : लाइट ऑव ट्रुथ.
इनक्लूड्स पैसेजेज इन संस्कृत.
ला. का.

दयानंद सरस्वती

सेयिंग्स ऑव स्वामी दयानंद, एडिटेड बाई के, ज्ञानी. मद्रास, द आर्य समाज, १९३६. १६ पृ. १८ से.
कल.

स्वामी दयानंद सरस्वती वचनामृत (सेलेक्शंस फ्राम द वर्क्स ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती). मद्रास, गणेश एड कं., १९२५. ११६ पृ. २२ से.
ब्रि. म्यू.

स्वामी जी ऑन वेदाज़. लाहौर, पंजाब प्रिंटिंग, १९१२.
का. हि. वि.

द टीचिंग्स ऑव स्वामी दयानंद, एडिटेड एंड ट्रांसलेटड बाई भारतेंद्रनाथ. न्यू डेलही, जनज्ञान प्रकाशन, १९७०. ७९ पृ. १७ से.
सार्व.

वेदांति ध्वांति निवारण, ऑर नियो-वेदांतिज्म रिफ्यूटेड, ट्रांसलेटेड बाई बावा अर्जुन सिंह. अजमेर, १८९९. —पृ. १६ से.
ने. ला.

वेदांति ध्वांति निवारण ऑर नियो-वेदांतिज्म रिफ्यूटेड... ट्रांसलेटेड इन टू इंगलिश बाई बावा अर्जुन सिंह. अजमेर, वेदिक प्रेस, १९००. ३७ पृ. १४ से.
खिदि., ब्रि. म्यू.

...वेदिक टीनेट्स अकार्डिंग टू दयानंद. बाई स्वामी मंगल आनंद पुरी, सेकंड एडिशन. इलाहाबाद, एल. एस. वर्मा ऐंड कं., १९२६. ४,९१ पृ. फ्रा. पो. १३ से.
न्यू. प. ला.

विट ऐंड विज़डम ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती. कनटेंस थाउसैंड्स ऑव वैलुएबुल ऐंड इंसपायरिंग थाट्स ऑव स्वामी जी ऑन वैरियस आसपेक्ट्स ऑव ह्यूमन लाइफ़ ऐंड क्लासीफाइड अंडर २५० सब्जक्ट्स ऑव पापुलर इंटरेस्ट. एडिटड बाई एन. वी. सेन. न्यू डेलही, न्यू बुक सोसाइटी ऑव इंडिया, १९६४. २०० पृ. फ्रा. पो. २२ से.
ने. ला., न्यू. प. ला., सार्व.

वर्ल्ड्स इटर्नल रिलिजन. [ ], १९२०.
का. हि. वि.

अग्रवाल, एम. सी.

कांग्रेस ह्विदर ? (सत्याग्रह ऑव आर्य समाज इन पंजाब), बाई एम. सी. अग्रवाल, विद ए फोरवर्ड बाई रामगोपाल. देहली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५७. ३,१२ पृ. प्लेट. २० से.
ने. ला.

अमर सिंह

स्वामी दयानंद इन द लाइट ऑव ट्रुथ, ए ट्रू ऐंड क्रिट्रिकल बॉयग्राफी ऑव द फाउंडर ऑव आर्य समाज. लाहौर, जीवन प्रेस, १९२५. २३४ पृ. १८ से.
ने. ला.

व्यूज़ ऑन मीट डायट ऐंड फोर्जरीज़ सप्रेसिंग स्वामी दयानंदाज़ ओपीनियंस. लाहौर, द आथर, १९५१. ७९ पृ. १७ से. इंगलिश ऐंड हिंदी.
ने. ला.

अंबिकादत्त व्यास

दयानंद मत मूलोच्छेद, ए लेक्चर डेलिवर्ड एट बाँकीपुर, ऑन द १६ नवंबर १८८५, इन रीफ्यूटेशन ऑव द टीनेट्स ऑव दयानंद सरस्वती, एडिटेड विद ट्रांसलेशन इनटू इंगलिश ऐंड हिंदुस्तानी, एन इंट्रोडक्टरी प्रीफेस ऐंड न्यूज़पेपर नोटिसेस बाई साहब प्रसाद सिनहा. बाँकीपुर, खड्ग विलास प्रेस, १८८५. —पृ. २५ से.
ब्रि. म्यू.

आवो, एम, एस.

हैदराबाद ऐडमिनिस्ट्रेशन, ए क्रिटिकल सर्वे ऑव हैदराबाद ऐडमिनिस्ट्रेशन विद स्पेशल रिफरेंस टु द रिलिजस, कल्चरल ऐंड एजूकेशनल डिसएबिलिटिज़ ऑव आर्य समाज ऐंड हिंदूज़ इन द स्टेट. देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नो डेट. ६८ पृ. १८ से.
काशी.

प्रेसिडेंशियल ऐड्रेस डेलिवर्ड बाई एम. एस. अणे एट ऑल इंडिया आर्यन कांग्रेस. शोलापुर, १९३८. ७१ पे. १८ से.
कल.

दयानंद सरस्वती, फाउंडर ऑव द आर्य समाज. १९०१.
ब्रि. म्यू.

द आर्य कैटेकिज्म. लाहौर आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, अजमेर वेदिक प्रेस, एन. डी. ३८ पे. १४३ से. नो टाइटिल पेज.
खिदि.

आर्य समाज

आर्य, द समाज. (राउंड टेबुल. लंदन, १९१३. ६१४–६३६ पे. २४ से.)
न्यू. प. ला.

द आर्य समाज, बाई सम आर्य समाजिस्ट्स. लाहौर, १९१५. १५२ पे. २१ से.
ब्रि. म्यू.

द आर्य समाज, फाम द आउट साइडर्स प्वाइंट ऑव व्यू. लाहौर, आर्यप्रतिनिधि सभा, पंजाब, १९०२. ४६ पे. १४ से.
खिदि.

द आर्य समाज फ्राम द आउट साइडर्स प्वाइंट ऑव व्यू (रीप्रिंट ऑव पैराज़ ११५–११६ ऑव द पंजाब सेंसस रिपोर्ट). लाहौर, १९०४. ४६ पे. १३.५ से.

ब्रि. म्यू.

आर्य समाज, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी

टू...अंडरस्टैंडिंग ऑव आर्य समाज. बनारस, द आथर, १९२७. २६ पे. १८ से.
रीप्रिंटेड १९३३. काशी.

आर्य समाज कालेज सेक्शन, नैरोबी

द आर्य समाज—एन इंटरपटेशन. नैरोबी, द आथर एन. डी. २८ पे. १८ से. काशी.

द आर्यसमाज इन हैदराबाद पब्लिश्ड बाई आर्डर ऑव हिज़ इक्ज़ाल्टेड हाईनेस, द निज़ामम्स गवर्नमेंट. [१९३८]. ५५ पे. २३ से.

सार्व.

अरविंद घोष

बंकिम-तिलक-दयानंद. कलकत्ता, १९४०. ४,६८ पे. १८.५ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.
बंकिम-तिलक-दयानंद, सेकंड एडिशन. कलकत्ता, आर्य पब्लिशिंग हाउस, [१९४४]. ६८ पे. १९ से.
कंटेंट्स—वंदेमातरम् (इन बंगाली, इंगलिश दर्स ऐंड इंगलिश प्रोज़) वाई वी. सी. चटर्जी—ऋषि बंकिमचंद्र—बाल गंगाधर तिलक—दयानंद—द मेन ऑव दैट पास (रोमेश चंद्र दत्त).
ने. ला., न्यू. प. ला.

दयानंद ऐंड द वेद. मद्रास, आर्य कुमार सभा, १९२०. १६ पे. १७ से. कल.

दयानंद ऐंद ड वेद. मद्रास, आर्यकुमार सभा, एन. डी. १२ पे. १७ से. खिदि.

दयानंद द मैन ऐंड हिज़ वर्क. देलही, इंटरनेशनल आर्यन लीग, १९३५. १३ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

दयानंद विद द अप्रेशियेशन ऑव ए. ज. डेविस, सेकंड एडि. लाहौर, नंदकिशोर, १९२४. ३३ पे. २१ से.
स. स. वि.

अयोध्या प्रसाद

द जेम्स ऑव वैदिक विज़डम, सेलेक्टेड टेक्स्ट फ्राम द वेदाज़ विद इंगलिश ट्रांसलेशन, विद ए फोरवर्ड वाइ महेंद्रनाथ सरकार. कलकत्ता, कनकलाल साहा, १९३३.
२२४ पे. २१ से. सार्व.

वेदिक थाट्स, वेद शिक्षा. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, यन. डी. ६४ पे. १८ से.
सार्व.

भगवद्दत्त

द स्टोरी ऑव क्रियेशन एज़ सीन वाई द सीयर्स. देलही, इतिहास प्रकाशन मंडल, १९६८.
१८,३३२ पे. फोटोज़ २४ से.
खिदि.

द मेसेज ऑव द आर्य समाज, सेकंड एडि. नई देहली, आर्योदय हिंदी वीकली आफिस, यन. डी.
३७ पे. १७ से. खिदि.

भट्टाचार्य, जी. पी.

कांट्रीब्यूशन ऑव महर्षि दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, आर्य समाज, १९७२. १२८ पे. १८ से.
कल.

बोस, ए. सी.

आर्यन आइडियल्स, ए स्टडी ऑव आर्य समाज प्रिंसिपुल्स. कोल्हापुर, आर्य बुकडिपो, १९४१.
५८ पे. १८ से. सार्व.

क्रिस्टियानिटी अनमास्क्ड. नई देहली, आर्योदय (हिंदी विकली आफिस), एन. डी. २३० पे. १८ से.
खिदि.

मैक्समूलर इक्सपोस्ड. कलकत्ता, आर्य समाज, एन. डी. २४ पे. १८ से. खिदि.

द वेदाज़ एड द बाइबिल. न्यू देहली, आर्योदय, १९६७. ४६ पे. १७ से.
फर्स्ट एडिशन, १९६५. खिदि.

ए केस आफ री-इनकार्नेशन, कुमारी शांति देवी, ए नाइन ईयर्स ओल्ड गर्ल ऑव देलही, टू नरेटेड इंसीडेंस ऑव हर पास्ट लाइफ. देलही, इंटर-नेशनल आर्यन लीग, १९३६. २६ पे. १८ से.
सार्व.

चमूपति

ग्लिंपसेस ऑव दयानंद. लाहौर, दयानंद सेवासदन, आर्य पुस्तकालय, १९२५.
१०,१५८ पे. फ्रंट पोर्ट. १८ से.
ने. ला.

ग्लिंपसेस ऑव दयानंद, सेकंड एडि. देलही, शारदा मंदिर, १९३७. २,६७ प. २१ से.
का. हि. वि., ब्रि. म्यू.

टेन प्रिंसिपुल्स ऑव आर्य समाज. जालंधर, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६४.
३,१२४,२ पे. पोर्ट. १८ से.
खिदि., ने. ला.

चंद्र, एस.

द केस ऑव सत्यार्थ प्रकाश (लाइट ऑव ट्रुथ) इन सिंध, ए फोरटेस्ट ऑव पाकिस्तान इन ऐक्शन. देलही, द इंटर-नेशनल आर्यन लीग, १९४७. ४,१७० पे. २४ से.
कल., ने. ला., सार्व.

छज्जू सिंह

द लाईफ एंड टीचिंग्स ऑव स्वामी दयानंद सरस्वती. न्यू देलही, जनज्ञान प्रचाशन, सेकंड एडि. १९७१. १०,१६८,१८२ पे. २१ से. कल.

फर्स्ट एड., १९०३.
कल., ब्रि. म्यू., सार्व.

द टीचिंग ऑव द आर्य समाज. लाहौर, पंजाब प्रिंटिंग वर्क्स, १९०८. २,३०४ पे. १६ से.
टेक्स्ट इन इंगलिश एड संस्कृत. ने. ला.

क्लेम्स ऑव द आर्य समाज अनाद हिंदूज़; आर एन अपील टू द हिंदूज़ टू हेल्प द आर्य समाज, बाई ए वेलविशर आव द हिंदूज़, सेकंड एडि. इलाहाबाद, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९१५.
२८ पे. १८ से. ("ट्रक्ट नं. १० ऑव ए सिरीज़)
ब्रि. म्यू., सार्व.

धनपति पांडेय

आर्य समाज ऐंड इंडियन नेशनललिज्म-(१८७५–१९२०). न्यू देलही, एस. चंद ऐंड कं., १९७२.
२०३ पे. २३ से.
का. हि. वि., सार्व.

धर्मदेव वाचस्पति

कैटेकिज्म आन द वेदिक धर्म एड आर्य समाज. देलही, शारदा मंदिर, एन. डी. ९४ पे. १८ से.
सार्व.

महर्षि दयानंद ऐंड 'सत्यार्थ प्रकाश', ट्रिब्यूट्स पेड बाई मेनी प्रामिनेंट परसंस ऑव द ईस्ट एड द वेस्ट, कंपायल्ड एंड पब्लिश्ड बाई पंडित डी. डी. वी. वाचस्पति. देलही, इंटरनेशनल आर्यन लीग, १९४५. ४४ पे. १८ से.
ब्रि. म्यू.

ट्रिब्यूट्स टू महर्षि दयानंद ऐंड 'सत्यार्थ प्रकाश'. न्यू देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६६.
६३ पे. १८ से. सार्व.

दीवानचंद्र शर्मा

मेकर्स ऑव द आर्य समाज. . . लंदन, मैकमिलन, १९३५.
३ वालूम इन १. १८ से. ने. ला.

द वेदिक वे आव लाइफ. न्यू देलही, जनज्ञान प्रकाशन, यन. डी. ७७ पे. १७ से. कल.

दीवानचंद्र, लाला

द स्पिरिचुअल क्राइसिस ऑव द एज़. कानपुर, आर्यकुमार सभा, मद्रास, डायमंड प्रेस, यन. डी. १४ पे. १७ से. (आर्य ट्रक्ट नं., ६). कल.

दुर्गा प्रसाद

महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती. लाहौर, विरजानंद प्रेस, १८९२.
—पे. २३ से. ब्रि. म्यू.

दुर्गा प्रसाद उपाध्याय

स्वामी दयानंदाज़ कंट्रीब्यूशन टू हिंदू सालिडैरिटी. १९३९.
ब्रि. म्यू.

फ़ज़ल करीम खाँ दुर्रानी

स्वामी दयानंद; ए क्रिटिकल स्टडी ऑव हिज़ लाईफ एड टीचिंग्स. लाहौर, लवलिग लिटरेचर सोसाइटी, १९२९. १८४ पे. १६ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला., न्यू. प. ला.

गंगा प्रसाद उपाध्याय

आर्य समाज विश्व प्रचार सिरीज़ नं. १, ३, ६,८.
१. द आर्य समाज, ए वर्ल्ड मूवमेंट. पे. १६.
३. द हेदाज़, होली स्क्रिप्चर्स ऑव आर्यन्स, पे. ३२.
६. दवाज़ इन द वेदाज़, पे. १६.
८. स्वामी दयानंद आन द फार्मेशन एड फंकशंस ऑव द स्टेट. पे. ३२.
इलाहाबाद, आर्य समाज विश्व प्रचार सेरीज़ [१९५२ ?].
इमपरफेक्ट : वांटिंग नं. २, ४, ५, ७, ९.
ब्रि. म्यू.

द आर्य समाज ऐंड द इंटरनेशनल आर्यन लीग, देलही. देलही, १९४७. १६ पे. १८ से.
सार्व.

द आर्य समाज ऐंड डिप्रेस्ड क्लासेज़, सेकंड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०. १६ पे. १८ से.
सार्व.

द आर्य समाज ऐंड हिंदूज्म, सेकेंड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४१. १६ पे. १८ से.
सार्व.

आर्य समाज ऐंड क्रिस्टियानिटी, सेकंड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४१. १६ पे. १८ से.
सार्व.

द आर्य समाज एंड इस्लाम, सेकंड एड. इहालाबाद, आर्य समाज, १९४१. १६ पे. १८ से.
सार्व.

गंगाप्रसाद उपाध्याय

बिट्विन मैन ऐंड गॉड, थर्ड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०. १६ पे. १८ से.
सार्व.

द कास्ट सिस्टम, इट्स ओरिजिन ऐंड ग्रोथ, इट्स सोशल इविल्स ऐंड देयर रेमिडीज़, थर्ड एड. लाहौर, आर्य प्रतिनिधि सभा, १९२२. ८३ पे. २१ से.
कल.

द ग्रेट वग बीयर, सेकंड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०. १६ पे. १८ से. सार्व.

फाउंटेन हेड ऑव रिलिज़न—बीग ए कंपरेटिव स्टडी ऑव द प्रिंसिपल रेलिजंस ऑव द वर्ल्ड ऐंड ए मेनीफेस्टेशन ऑव देअर कामन ओरिजिन फ्राम द वेदाज़. [ ], आर्य प्रतिनिधि सभा, यू. पी., प्रिंटेड एट इलाहाबाद, १९११. १९८ पे. १८ से. कल.

द फाउंटेन हेड ऑव रेलिज़न. मद्रास, आर्य समाज, १९४१. १९० पे. १८ से. सार्व.

लैंडमार्क्स ऑव स्वामी दयानंदाज़ टीचिंग्स, फिफ्थ एड. इलाहाबाद, कला प्रेस, १९४७. ४,७९ पे. १८ से.
सार्व.

लाईफ आफ्टर डेथ. देलही, इंटरनेशनल आर्यन लीग, [१९५०]. ११४,१५ पे. १८ से.
सार्व.

मैरेज़ ऐंड मैरेड लाइफ. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४२. २१२ पे. १८ से. सार्व.

द ओरिज़िन, स्कोप ऐंड मिशन ऑव द आर्य समाज. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०.
१०,१७५ पे. १८ से. सार्व.

फिलॉसफी ऑव दयानंद. इलाहाबाद, गंगा ज्ञान मंदिर, १९५५. २,१२,४९२ पे. फ्रांट पोर्ट. २४ से.
बिबलियॉग्राफी. ने. ला.

फिलॉसफी ऑव दयानंद, सेकंड एड. इलाहाबाद, वेदिक प्रकाशन मंदिर, १९६८.
१६,५५० पे. फ्रांट. २४ से. काशी.

सोशल रीकांस्ट्रकशन बाई बुद्ध ऐंड दयानंद. इलाहाबाद, गंगा ज्ञान मंदिर, १९५६.
१२८ पे. प्लेट्स १८ से.
कल., ने. ला., स. स. वि.

शुद्धि, सेकंड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०.
१६ पे. १८ से. सार्व.

गंगाप्रसाद उपाध्याय

सुपर्स्टीशन, सेकंड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९७०. १३८ पे. १८ से. (रीलिज़स रेनॉसॉ सिरीज़, ८). सार्व.

स्वामी दयानंद ऑन द फार्मेशन ऐंड फंकशंस ऑव द स्टेट. इलाहाबाद, आर्य समाज विश्व प्रचार सिरीज़, [१९५२]. ३२ पे. २१ से. (आर्य समाज विश्व प्रचार सिरीज़, ८).
ब्रि. म्यू.

स्वामी दयानंदाज़ कांट्रीब्यूशन टू हिंदू सॉलीडेरिटी. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९३९. १०,१७५ पे. १९ से.
१९ से. सार्व.

द वेदिक कंशेप्शन ऑव गॉड, थर्ड एड. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०. १६ पे. १८ से.
सार्व.

वरशिप. इलाहाबाद, आर्य समाज, १९४०.
१०,१८२ पे. १९ से. (रिलिजस रेनॉसॉ सेरीज़, ५).
सार्व.

यज्ञ आर सैक्रीफाइस, द सिरीज़ प्रपोसेज टू गिव ब्रीफली एन आउट लाइन ऑव द एम्स, स्कोप ऐंड ऐक्टिविटीज़ ऑव द आर्य समाज, ह्विच क्लेम्स टू बी वन ऑव द मोस्ट पावरफुल रिलिजस आर्गनाइज़ेशंस ऑव द वर्ल्ड. इलाहाबाद, आर्य समाज, विश्व प्रचार, यन. डी. २४ पे. १८ से.
सार्व.

घनश्याम सिंह गुप्त

द केस ऑव आर्य समाज (रिगार्डिंग लैंग्वेज़ प्राव्लम इन पंजाव), सेकेंड एड. देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९५७. ५४ पे. ५ प्लेट्स टेबुल २२ से.
कवर-टाइटिल ने. ला.

ए रेफ्यूटेशन ऑव द 'सत्यार्थ प्रकाश' ऑव पंडित दयानंद सरस्वती, . . . पार्ट I. (एन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव ए गुजराती वर्क, वाई गुलाम मुहम्मद इब्न हाज़ी हफ़ीज़ सादिक. सूरत, १९१०. १३,१७९ पे. २३ से.
गुजराती ऐंड इंगलिश. ब्रि. म्यू.

गोकुलचंद नारंग

मेसेज़ ऑव द वेदाज़, सेकेंड एड. लाहौर, न्यू बुक सोसाइटी, १९४६. २७६ पे. १८ से.
फर्स्ट एड. १९०६. सार्व.

द लूथर ऑव इंडिया (दयानंद सरस्वती). [विद ए पोर्ट्रेट]. [ ], १९१२. ब्रि. म्यू.

ग्रिसवोल्ड, एच. डी.

द आर्य समाज [डिसकशन].
(जर्नल ऑव ट्रांस. ऑव विक्टोरिया इंस्टिटयूट वाल्यूम ३५, पे. ९२–१०७. लंदन, १९०३).

एथिस्टिक ऐंड रिफार्मिंग सेक्टस ऑव मॉडर्न इंडिया.
न्यू. प. ला.

द दयानंदी इंटरप्रेटेशन ऑव द वर्ड "देव" इन द ऋग्वेद.
लुधियाना, लुधियाना मिशन प्रेस, १८९७.
२३ पे. २४.५ से.
कवर-टाइटिल. न्यू. प. ला.

द प्राब्लम ऑव आर्य समाज. कलकत्ता, १८९२.
८ पे. २७ से.
कैप्शन-टाईटिल.

ए पेपर रेड एट द मसूरी कांफ्रेंस, सेप्टेंबर २६, १९०१.
रीप्रिंटेड फ्राम द इंडियन इवान. रिव्यू, जनवरी १, १८९२.
न्यू. प. ला.

गुरुदत्त विद्यार्थी

द लाईफ ऑव द स्पिरिट. . देलही, देलही सार्वदेशिक पुस्तकालय, एन. डी. १५९ पे. १८ से.
सार्व.

पेकूनिओमियाँ. देलही, सार्वदेशिक पुस्तकालय, एन. डी.
२२ पे. १८ से. सार्व.

लाईफ ऐंड वर्क ऑव पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी, एड. बाई लाला लाजपत राय. लाहौर, विरजानंद यंत्रालय, १८९१.
११,१७५ पे. २३ से. ब्रि. म्यू.

वर्क्स ऑव लेट पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी, रीवाइज्ड ऐंड एड. बई लाला जीवन दास. लाहौर, पंजाब प्रिंटिंग वर्क्स, १९०२.
पार्ट २. ४६ पे. २४ से. कल.

द वर्क्स ऑव लेट पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी, विद ए बायोग्राफिकल स्केच, थर्ड एड. लाहौर, आर्यन प्रिंटिंग ऐंड पब्लिशिंग, १९१२. ५०,१४० पे. २४.५ से.
कल.

हंसराज, लाला

द ग्रेट सीयर, आर द इंटरपटेशन ऑव द वेदाज़ बाई स्वामी दयानंद सरस्वती, १८९५.
ब्रि. म्यू.

हरविलास शारदा

दयानंद कम्मेमोरेशन वालूम, ए होमेज टू महर्षि दयानंद सरस्वती फ्राम इंडिया ऐंड द वर्ल्ड इन सेलिबरेशन ऑव द दयानंद निर्वाण अर्द्धशताब्दि. अजमेर, परोपकारिणी सभा, वैदिक यंत्रालय, १९३४.
४७.४१८ पे. फ्रांट पोर्ट्रेट ३४ प्लेट्स २५ से.
बी. एच. यू., ब्रि. म्यू., ने. ला., स. स. वि.

हरविलास शारदा

हिंदू सुपिरियारिटी, एन अटेंप्ट टु डिटरमिन द पोजीशन ऑव द हिंदू रेस इन द स्केल ऑव नेशंस. अजमेर, राजपूताना प्रिंटिंग वर्क्स, १९०६. ३२,४५० पे. २६ से.
कल.

लाइफ ऑव दयानंद सरस्वती; वर्ल्ड टीचर. अजमेर, पी. भगवानस्वरूप, १९४६. १२६,६२२ पे.
बॉयोग्राफी. बी. एच. यू., स. स. वि.

लाइफ ऑव दयानंद सरस्वती; वर्ल्ड टीचर, सेकेंड एड. अजमेर, परोपकारिणी सभा, १९६८.
९०,६१९ पे. २४ से. सार्व.

शंकर ऐंड दयानंद. अजमेर, हरविलास शारदा, १९४४.
४,७१ पे. १८ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद सरस्वती. अजमेर, द आथर, १९३३.
बी. एच. यू., ब्रि. म्यू.

वर्क्स ऑव महर्षि दयानंद एड परोपकारिणी सभा, ए रिप्लाई टु पं. अमरसिंह्स व्यूज़ ऑन मीट डायट ऐंड फोरजरीज सप्रेसिंग स्वामी दयानंदाज़ ओरीनियंस (विद इक्सट्रैक्ट्स फ्राम द वर्क्स ऑव दयानंद सरस्वती, इन हिंदी ऐंड विद ए पोर्ट्रेट्स, १९४२. बी. एच. यू., ब्रि. म्यू.

वेदिक प्रोपगंडा. त्रिनिदाद (सेंट्रल अमरीका), द आथर (प्रेसिडेंट ऑव हिंदू महासभा, सेन फ्रांसिस्को फेरांडो (सेंट्रल अमरीका) ऐंड प्रेसिडेंट आर्य सभा), [१९२८].
९१ पे. १८ से. कल.

हैदराबाद ऐंड आर्य समाज. कलकत्ता, आर्य समाज, यन. डी. १६ पे. १८ से.
कल.

(द) इंटरनेशनल आर्यन लीग, देलही

निज़ाम डिफेंस : इक्ज़ामिन्ड ऐंड इक्सपोज्ड : ए रीज्वाइंडर टू द पैम्फलेट "द आर्य समाज इन हैदराबाद, ट्रांस. बाई नीलकंठ राव. देलही, द आथर, [१९३८].
२,१४० पे. प्लेट्स २४ से.
काशी., ने, ला.

ईश्वरचंद्र आर्य

डीप्रेस्ड क्लासेस ऐंड आवर ड्यूटी. लाहौर, ट्रैक्ट सोसाइटी, १९१४. ३० पे. १७ से.
कल.

इज़ स्वामी दयानंददाज़ वेदिक गॉड वर्दी ऑव वरशिप ?

लाहौर, जीवन प्रेस, १९२५. ६५ पे. २१ से.
ब्रि. म्यू.

जैमिनि महता

द सब्लिमिटि ऑव द वेदाज, सेकंड एड. आगरा, ज्वाला प्रसाद आर्य, १९२५. ६८ पे. १८ से.
बैक टु द वेदाज—यम. के. गांधी. प्रीफेस
कल.

जंमेजय, के. सी.

सोल गाइड सिग्निफिकेंस ऑव गायित्री संध्या. लाहौर, आर्य समाज, यन. डी. ६८ पे. १८ से.
सार्व.

जीवनदास, लाला

पेपर्स फार थाटफुल, बीइंग एसेज़ आन आर्य समाज... स्वामी दयानंद सरस्वती, १९०२.
पेपर नं. २. ब्रि. म्यू.

ज्ञानी, के.

द वेदिक कास्ट सिस्टम ऐंड द पंचम प्राब्लम. मद्रास, आर्य समाज, यन. डी. ५६ पे. १८ से.
कल.

कहानचंद्र

इज़ नाट क्रिश्चियानिटी ए फाल्स ऐंड फैबुलस रिलीज़न ? लाहौर, वैदिक पुस्तकालय, १९१७.
३० पे. २१ से. कल.

कृष्णकुमार

द आर्यन पाथ. कानपुर, द आथर, १९३३.
१३६ पे. १८ से.
फिफ्टी ईयर्स आफ्टर द डेथ ऑव दयानंद.
सार्व.

लाजपत राय,

द आर्य समाज; एन एकांउट ऑव इट्स ओरिजिन, डाक्ट्रिन्स ऐंड एक्टिविटीज़ विद ए बायोग्राफिकल स्केच ऑव द फाइंडर, विद ए प्रिफेस बाई प्रो. किडनी वेब... लंदन, लांगमैन्स, ग्रीन ऐंड कं., १९१५. २४,३०५ पे. ५ प्लेटट्स ५ पोट्रे. १८ से.
विबलियॉग्राफी, पे. २८४–२८७.
ब्रि. म्यू., ने. ला., न्यू. प. ला., ला. क.

द आर्य समाज—एन एकांउट ऑव इट्स ओरिज़िन, डाक्ट्रिंस ऐंड एक्टिविटीज़, विद ए वायोग्राफिकल स्केच ऑव द फाउंडर विद ए प्रिफेस वाई प्रो. सिडनी वेब. लाहौर, उत्तरचंद कपूर ऐंड संस, १९३२. १७,३४० पे. १८ से.
सार्व.

लाजपतराय, लाला

द आर्य समाज, इट्स एम्स ऐंड टीचिंग्स.
(कांटेंमपोरेरी रिव्यू. लंदन, १९१०.
वाल्यूम ९७, पे. ६०८–६२०). न्यू. प. ला.

डीप्रेस्ड क्लासेज़ ऐंड आवर ड्यूटी. कलकत्ता, द आर्य समाज, १९२२. १६ पे. २१ से.
खिदि.

८,२१७ पे. २१ से.
विवलियोग्राफी : पे. २०५–२०६.
विबलियोग्राफिकल फुटनोट्स.

ए हिस्ट्री ऑव द आर्य समाज (एन एकाउंट ऑव इट्स ओरिजिन, डाक्ट्रिन्स ऐंड एक्टिविटीज़ विद ए बॉयोग्राफिकल स्केच ऑव द फाउंडर महर्षि दयानंद सरस्वती) इवलपैंडेड ऐंड एड. बाई श्री राम शर्मा. बांबे, ओरियंट लांगमैंस, १९६७.
ने. ला., स. स. वि.

ए हिस्ट्री ऑव द आर्य समाज (एन एकाउंट ऑव इट्स ओरिज़िन, डाक्ट्रिंस ऐंड एक्टिविटीज़ विद ए बॉयोग्राफिकल स्केच ऑव द फाउंडर), रीवाइज्ड ऐंड इक्सपैंडेड एड. वाई श्रीराम शर्मा. बांबे, ओरियंट लांगमैंस, १९६७.
वी. एच. यू., नें. ला., स. स. वि. सार्व.

राइटिंग्स ऐंड स्पीचेज़ ऑव लाजपत राय, एड. वाई विजयचंद जोशी. देलही, यूनिवर्सिटी पब्लिशर्स, १९६५.
२ वाल्यूम. २२ से.
कंटेंट्स : वाल्यूम १. १८८८–१९१९.
वाल्यूम २. १९२०–१९२८. ने. ला.

लाला लाजपत राय्स राइटिंग्स ऐंड स्पिचेज़, एड. वाई विजयचंद्र जोशी. देलही ,यूनिवर्सिटी पब्लिकेशंस, १९६६.
२ वाल्यूम. २२ से.
वाल्यूम १. १८८८–१९१९.
वाल्यूम २. १९२०–१९२८. स. स. वि.

द प्राब्लम ऑव नेशनल एजूकेशन इन इंडिया. लंदन, जी. एलेन ऐंड अनविन, १९२०.
२५६ पे. २३ से.
विबलियोग्राफी. ब्रि. म्यू.

द प्राब्लम ऑव नेशनल एजूकेशन इन इंडिया. देलही, पब्लिकेशंस डिविज़न, मिनिस्ट्री ऑव इनफार्मेशन ऐंड ब्राडकास्टिंग, १९६६. ४,१२२ पे. पोट्रेट. २५ से.
ब्रि. म्यू.

लिंगिग्सट्न, फ्रैंक

द ब्राह्म समाज ऐंड आर्य समाज इन देअर बियरिंग अपॉन क्रिश्चियानिटी, ए स्टडी इन इंडियन थीइज्म. लंदन. मैकमिलन ऐंड कं., १९०१. १६,१२० पे. १८ से.
न्यू. प. ला.

महेंद्रनाथ सरकार

निग्रो-हिंदुइज्म ऑव दयानंद.
(इन हिज़ "ईस्टर्न लाईट", १९३५.
पे. २०७–२२२.) ने. ला.

मल बहादुर

दयानंद; ए स्टडी इन हिंदुइज्म. होशियारपुर, विश्वेश्वरानंद वेदिक रिसर्च इंस्टिटयूट, १९६२.
१३,२३८ पे. २१ से. (सर्वदानंद यूनिवर्सल सिरीज़, ४०).
ब्रि. म्यू., ला. का., ने. ला., स. स. वि.

स्वामी दयानंद ऐंड हिज़ टीचिंग्स. शोलापुर, दयानंद कालेज, १९५६. ८,१३५ पे. १९ से. (सैंड्स फाउंडेशन लेक्चर्स, ४).
ने. ला., स, स. वि.

मंगल आनंद पुरी

वेदिक टीनेट्स. इलाहाबाद, एल. एस. वर्मा, १९२६.
६१ पे. १३ से. सार्व.
ग्लीनिंग्स फ्राम इंडियन क्लासिक्स : प्राबलम्स ऑव इंडिया, १८९९–१९००. ने. ला.

मुंशीराम 'जिज्ञासु'

द आर्य समाज ऐंड इट्स डीट्रैक्टर्स : ए विंडिकेशन, बाई मुंशीराम 'जिज्ञासु' ऐंड रामदेव. हरिद्वार, [नो पब.], १९१०.
५,२९० पे. २४ से. ने. ला.

मर्डक, जॉन

एन एकाउंट ऑव द वेदाज़; विद न्यूमरस इक्सट्रैट्स फ्राम द ऋग्वेद, सेकेंड एड. लंडन, क्रिश्चियन लिटरेचर सोसाइटी फार इंडिया, १८९७. ६,१५७ पे. २३ से.
द मोस्ट इंपार्टेंट हीम्स आर कोटेड इन फुल; इक्सट्रैक्ट्स ऑर आलसो गिवेन फ्राम द ब्राह्मणाज़, ऐंड द क्लेम्स ऑव द आर्य समाज आर कांसिडर्ड इन एन अपेंडिक्स.
न्यू. प. ला.

. . वेदिक हिंदुइज्म ऐंड द आर्य समाज, एन अपील टु एजूकेटेड हिंदूज़. लंदन, द क्रिश्चियन लिटरेचर सोसाइयटी फॉर इंडिया, १९०२. ४,१०० पे. २१ से. (ग्रेट इंडियन क्वेश्चंस ऑव द डे, २).

इक्सप्लेनेटरी रिमार्क्स फ्राम सम ऑव द बेस्ट ओरियंटल स्कालर्स ऐंड ट्वंटी-नाइन ऑव द मोस्ट इंपार्टेंट हीम्स आर ट्रांसलेटेड इन होल आर इन पार्ट.
ने. ला., न्यू. प. ला.

मैक्समूलर, फ्रैडरिक

बॉयोग्राफिकल एसेज़, राममोहन राय, केशवचंद्र सेन, दयानंद सरस्वती. . . न्यूयार्क, सी. स्क्रिबनर्स संस, १८८४.
३,२८२ पे. १९ से. ब्रि. म्यू.

नरदेव वेद्यालंकार

रिलिजस अवेकनिंग इन साउथ अफ्रिका, ट्रांस. बाई सुखराज छोटइ, फोरवर्ड बाई गंगा प्रसाद उपाध्याय. डरबन, आर्य प्रतिनिधि सभा (नटाल), यन. डी.
२,११६ पे. २७ से.
कल., काशी.

नारायण स्वामी

वेदिक संध्या आर द डेली प्रेयर ऑव एन आर्य, ट्रांस. ऐंड ऐंप्लीफाइड बाई प्रो. एम. सुधाकर. अजमेर, वेदिक यंत्रालय, यन.डी. ४० पे. १७ से.
कल., सार्व.

[रीसरेक्शन ऑव जेसस क्राइस्ट आफ्टर डेथ]. मथुरा, द आथर (प्रेसिडेंट दयानंदाज़ फर्स्ट बर्ड सेंटेनरी कमेटी)' [१९२४]. ९९ पे. १८ से.
नो टाइटिल पेज. कल.

नरेंद्र आनंद सरस्वती, स्वामी

सिनाप्सिस ऑव फिलॉसफी ऑव दयानंद, फोरवर्ड बाई के. एस. रामस्वामी शास्त्री. विजयवाड़ा, हिंदू विज्ञान प्रचार समिति, १९५०. २३,१०५ पे. इल. १९ से. (हिंदू विज्ञान प्रचार समिति पब्लिलेशंस, ७).
न्यू. प. ला., ब्रि. म्यू.

नेविनसन, हेनरी डब्ल्यू.

द आर्य समाज (दैट इज आर्यन सोसाइटी). द गुरुकुल, हरिद्वार, इंडिया.
(नेशन. लंडन, १९०८.
वाल्यूम २, पे. ७५३–७५४).
न्यू. प. ला.

ओमप्रकाश त्यागी

अनटचेबिलिटी. न्यू देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७२. २७ पे. १८ से.
सार्व.

द ओनली वे. देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा; यन. डी. ३२ पे. १७ से. सार्व.

ओमन, जॉन कैंपबेल

द आर्य समाज ऐंड इट्स फाउंडर.
(इन हिज़ : कल्ट्स, कस्टम्स ऐंड सुपर्स्टिशन्स ऑव इंडिया. लंदन, १९०८. २३ से. पे. १२९–१३०).
न्यू. प. ला.

पाडले, पी. डी.

ए केस स्टडी ऑव द इनडाउड आर्य समाज इन हिंदी टाउन जबलपुर, डिपार्टमेंट ऑव आर्गनाइज्ड रिसर्च लियोनॉर्ड थियोलॉजिकल कालेज, १९५३,
५,९६ पे. टेबुल्स १८ से. (स्टूडेंट्स रिसर्च मोनोग्राफ, २).
बिबलियोग्राफी. ने. ला.

पाणिनि

[वेदांग प्रकाश], व्यवहार भानु, ट्रांस. इनटू इंगलिश बाई द लेट बाबा अर्जन सिंह ऐंड रिवाइज्ड बाई बाबा छज्जू सिंह. लाहौर, आर्यन प्रिंटिंग पब्लिशिंग ऐंड जनरल ट्रेडिंग कं., १९०४. ६४ पे. २३ से.
पार्ट ३. ब्रि. म्यू.

[वेदांग प्रकाश], व्यवहार भानु, एन इंगलिश ट्रांस. ऑव स्वामी दयानंद सरस्वतीज़ फेमस बुक इक्सप्लेनिंग ह्यूमन कंडक्ट, ट्रांस. बाई आर. बी. रतनलाल. अजमेर, परोपकारिणी सभा, १९७४. ७२ पे. १८ से.
पार्ट ३. सार्व.

परमेश्वरन, सी.

दयानंद ऐंड द इंडियन प्राब्लम, एन एबसोल्यूटली नान-सेक्टैरियन ऐंड इंपार्शल इक्सपोजीशन ऑव द लाइफ, वर्क ऐंड मिशन ऑव द ग्रेट इंडियन रिफार्मर, इन स्पेसिफिक ऐंड डाइरेक्ट रिलेशन टु द फर्स्ट काज़ आर द रूट प्राब्लम, ऑव ह्विच ऑल द प्राब्लम्स ह्विच एजीटेट ऐंड वेक्स द पब्लिक माइंड इन इंडिया ऐट द प्रज़ेंट टाइम आर मेयर शैडोज़. लाहौर, स्वामी वेदानंद तीर्थ, १९४४. २४,४०५ पे. १७ से.
बी. एच. यू., ने. ला.

द सिंध बैन आन 'सत्यार्थ प्रकाश'; ए रैशनल डिमांड फॉर इट्स रिमूवल. लाहौर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, १९४५. ६,४१ पे. १८ से.
कल.

परोपरिणी सभा, अजमेर

स्वामी दयानंद सरस्वती ऐंड 'सत्यार्थ प्रकाश' बाई ए मेंबर ऑव द परोपकारिणी सभा. अजमेर, द सभा, १९४४.
बी. एच. यू.

प्रताप सिंह शूरजी वल्लभदास

ट्वेल्फ्थ सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलन पोर्टलुइस (मॉरिशस) प्रेसिडेंशियल एड्रेस ऑव श्री प्रताप सिंह शूरजी वल्लभ दास, २४ टू २६ अगस्त १९७३. न्यू देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३. १० पे. २१ से.
सार्व.

राधेश्याम पारिख

कंट्रीब्यूशन ऑव आर्य समाज इन द मेकिंग ऑव मॉडर्न इंडिया, १८७५–१९४७. न्यू देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९७३. १०,३७६,६ पे. २३ से.
रोमन ऐंड पर्सियन स्क्रिप्ट.
ए थीसिस एप्रूव्ड फार द डिग्री ऑव पी. एचडी. बाई द यूनिवर्सिटी ऑव राजस्थान. सार्व.

रघुनाथ प्रसाद पाठक

आर्य ऐंड द्रविड़. न्यू देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, यन. डी. १५ पे. २४ से.
सार्व.

दयानंद द मैन ऐंड हिज़ मिशन. देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६६. २२ पे. १८ से.
सार्व.

टीचिंग्स ऑव स्वामी दयानंद (टाक्स ऐंड सरमंस). होशियारपुर, विश्वेश्वरानंद इंस्टीटयूट, १९७३. २०,८३ पे. २७ से. सार्व.

रामभज दत्त

अग्निहोत्री डिमालिश्ड, बींग ए थारो रिफ्यूटेशन ऑव हिज़ 'दयानंद अनवील्ड ऐंड इट्स रीज्वाइंडर'. [ ], १८९२. ब्रि. म्यू.

रामनाथ पुरी

ए न्यू लाइट इन इंडिया. [ए हिस्ट्री ऑव द आर्य समाज ए न्यू रिलिजन इन इंडिया].
(ओवरलैंड मंथली. सेनफ्रांसिस्को, १९०८. २४ से. वाल्यूम ५२, पे. २६–२९).
न्यू. प. ला.

रोम्यां रोलां

दयानंद ऐंड आर्य समाज. न्यू देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, यन. डी. २० पे. १८ से.
सार्व.

द रूल्स ऐंड स्कीम ऑव स्टडीज़ ऑव द गुरुकुल सैंक्शंड बाई द आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब, टूगेदर विद ऐंन इंट्रोडक्शन बाई लाला रल्ला राम. लाहौर, पंजाब प्रिंटिंग वर्क्स, १९०२. २०,१९ पे. २१ से.
ब्रि. म्यू.

द रुल्स ऑव द आर्य प्रतिनिधि सभा नार्थ वेस्ट प्राविंसेज़ ऐंड अवध. लखीमपुर, आर्य भाष्कर प्रेस, १८९७. १० पे. २१ से,
ब्रि. म्यू.

समाद्दार, आर. एन.

महात्मा दयानंद सरस्वती [ए बॉयोग्राफी बेस्ड इन पार्ट ग्रान दयानंदाज़ ग्राटोबॉयोग्राफी]. कलकत्ता, १८६८.
३,४४ पे. १६ से. ब्रि. म्यू.

समर्पणानंद सरस्वती

मणि-सूत्र (द थ्रेड रनिंग थ्रू आल द मंडल्स ऑव ऋग्वेद).
१८ पे. १८ से. खिदि.

सत्यप्रकाश

अग्निहोत्र, आर ऐन एनशियेंट प्रासेस ऑव फ्यूमिगेशन (ए स्टडी फाम द केमिकल स्टैंड प्वाइंट). देलही, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९३७. १४,१९९ पे. १८ से.
सार्व.

ए क्रिटिकल स्टडी ऑव फिलासफी ऑव दयानंद (विद ए पोर्ट्रेट). [ ], १९३८.
ब्रि. म्यू.

ऋषि दयानंद. न्यू देलही, इंडियन बुकडिपो, यन. डी.
२,१०४ पे. पोर्ट १८.५ से.
ने. ला.

विसिट वेरिटस. इलाहाबाद, वेदिक प्रकाशन मंदिर, १९७१. ४,३३१ पे. प्लेट मैप्स २२ से. (रत्न कुमारी स्वाध्याय संस्थान सिरीज़, १).
ने. ला., सार्व.

शिवसागर रामगुलाम

इलेवेंथ सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलन, अलवर (राजस्थान), प्रेसिडेंशियल अड्रेस ऑव डा. सर शिवसागर रामगुलाम, प्राई-मिनिस्टर ऑव मॉरिशस, १९ मई, १९७२.
१६ पे. १७ से. सार्व.

शिवकृष्ण कौल

वेक अप हिंदूज़ (ए प्ली फार मॉस रिलिजन), विद ए फोरवर्ड बाई पं. शिव शर्मा. लाहौर, शिव शर्मा, १९३७.
११,१८१ पे. १८ से. सार्व.

श्रद्धानंद सन्यासी

रिलिजस इनटॉलरेंस. आगरा, आर्य पब्लिशिंग डिपो, यन. डी. ३२ पे. १८ से. सार्व.

श्रीराम शर्मा

आर्य समाज ऐंड इट्स इंपैक्ट ग्रान कंटेमपोरेरी इंडिया इन द नाइंटींथ सेंचुरी. [ ], १९६५.
बी. एच. यू.

महात्मा हंसराज : मेकर ऑव द मॉडर्न पंजाब, सेकंड एड. [ ], १९६५.
बी. एच. यू.

शंकरनाथ, पंडित

द बाइबिल इक्सपोज्ड विद कमेंट्स. कलकत्ता, द ग्राथर' आर्यावर्त प्रेस, १९०३.
२ पार्ट्स. २१ से. कल.

क्राइस्ट—हू ऐंड ह्वाट ही वाज़ ? लंदन, लाला टेकचंद १९२७.
—पार्ट्स. १८ से.
पार्ट १. क्राइस्ट ए हिंदू डिसाइपुल नव बुद्धिस्ट सेंट विद एपेंडिक्स ऐंड कमेंट्स. ३०८ पे.
कल., खिदि.

क्राइस्ट—हू ऐंड ह्वाट ही वाज़ ? कलकत्ता, द ग्राथर, १९२८.
—पार्टस. १८ से.

पार्ट २. क्राइस्ट—ए प्योर वेदांतिस्ट. ही नाइदर प्रोक्लेम्ड हिमसेल्फ एज़ गॉड आर गॉड इनकार्नेंट नार ए सेकंड परसन इन द ट्रिनिटी. १८३,८,८ पे.
कल.

ड्यूटी टुवर्ड्स ग्रावर डिप्रेस्ड ब्रद्रेन. कलकत्ता, आर्य प्रतिनिधि सभा, बंगाल ऐंड बिहार, १९२६.
४८ पे. १६ से. कल.

द हिंदू संगठन ऐंड ग्रावर डिप्रेस्ड ब्रदेन. कलकत्ता, आर्य समाज, १९२५. ४८ पे. १८ से.
ए ट्रीटाइज़ डीलिंग विद द इसेंशिऐलिटी ऑव रीमूविंग द अनटचेबिलिटी ऐंड अपलिफ्टिंग द सोशल ऐंड मॉरल स्टेटस ऑव द सोकाल्ड डिप्रेस्ड क्लासेज़.
कल., खिदि.

द सैक्रेड ड्यूटी ऑव अपलिफ्टिंग ग्रावर डिप्रेस्ड ब्रद्रेन. कलकत्ता, द ग्राथर, १९२६. ४८ पे. १८ से.
काशी.

वेदाज़ एज़ द रिवीलेशन, सेकंड एड. कलकत्ता, द ग्राथर, १९२८. ४८ पे. १८ से. कल.

ह्वाट इज़ आर्य समाज ? टू ऐड्रेसेज़ टू द एजूकेटेड इंडियन जेंटिलमेन ऐंड ऑन द प्रिंसिपुल्स ऑव द आर्य समाज ऐंड वेदिक डाक्ट्रिन्स एज़ प्रीच्ड ऐंड बिलीव्ड बाई महर्षि श्री स्वामी दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, आर्यावर्त प्रेस, १९०४.
८० पे. १८ से.
बाउंड विद अदर पैंफलेट्स. खिदि., ने. ला.,

ह्वाट इज़ आर्य समाज ? टू ऐड्रेसेज़ टू द एजूकेटेड इंडियन जेंटिलमेन ऐंड ऑन द प्रिंसिपुल्स ऑव द आर्य समाज ऐंड वेदिक डाक्ट्रिंस एज़ प्रीच्ड ऐंड बिलीव्ड बाई महर्षि श्री स्वामी

शंकरनाथ, पंडित

दयानंद सरस्वती. कलकत्ता, द ग्राथर, आर्यावर्त प्रेस, १९०७. ४६ पे. २१ से.
खिदि., ने. ला.

शिवनंदन प्रसाद कुलियार

स्वामी दयानंद ग्रनवील्ड. [ ], १८९१.
ब्रि. म्यू.

स्वामी दयानंद सरस्वती, हिज लाइफ ऐंड टीचींग्स. मद्रास, जी. ए. गणेश ऐंड कं., १९११.
८०,८ पे. १६ से.
पार्ट ग्रॉव ए सिरीज़ इनटाइटिल्ड "बॉयोग्राफी ग्रॉव एमिनेंट इंडियंस". बी. एच. यू., ब्रि. म्यू.

शिवनारायण अग्निहोत्री

द ट्रूथ, वर्च्यू ऐंड इनलाइटेनमेंट इन द आर्य समाज, ग्रार, ए रीज्वाइंडर टू ए रिप्लाई टू पंडित 'दयानंद ग्रनवील्ड'. [ ], १८९१. ब्रि. म्यू.

सूरजभान

दयानंद, हिज़ लाईफ ऐंड वर्क. [ ], १९३४. ब्रि. म्यू.

दयानंद, हिज़ लाईफ ऐंड वर्क. जालंधर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, १९५४.
४,१६३ पे. पोर्ट. १८ से. ने. ला.

स्वामी दयानंद--ए ग्रेट सोशल रिफ़ार्मर. हरियाणा, पब्लिक रिलेशंस डिपार्टमेंट, १९७४.
८० पे. २४ से. सार्व.

स्वामी दयानंद सरस्वती ऐंड सत्यार्थ प्रकाश, बाई ए मेंबर ग्रॉव द परोपकारिणी सभा. ग्रजमेर, परोपकारिणी सभा, १९६८. २८ पे. २३ से.
खिदि.

ताराचंद, डी. गजरा

ग्रग्निहोत्र, ए सजेशन फार द रिसर्च स्टूडेंट. इलाहाबाद, आर्यन ट्रैक्ट सोसाइटी, १९१५. १६ पे. १८ से.
सार्व.

ब्रूटल ट्रीटमेंट ग्रॉव एनीमल्स, सेकंड एड. शिकारपुर (सिंध), हरि सुंदरी साहित्य मंदिर, यन. डी.
३० पे. २१ से. सार्व.

हिंदू मिशन. शिकारपुर (सिंध), हरि सुंदरी साहित्य मंदिर, यन. डी. ६६ पे. २१ से.
सार्व.

ताराचंद, डी. गजरा

द की ग्रॉव द डे, ग्रार, द ग्रर्ली मार्निंग प्रेयर ग्रॉव एन आर्य समाजिस्ट. शिकारपुर (सिंध), हरि सुंदरा साहित्य मंदिर, १९३२. १० पे. २१ से.
सार्व.

थावरदास लीलाराम वासवानी

ऋषि दयानंद. पूना, गीता पब्लिशिंग हाउस, १९५८. ८० पे. १८ से. ने. ला.

ऋषि दयानंद, सेकंड एड. [ ], १९६०.
बी. एच. यू.

टॉर्च बीयरर. सम रिफ्लेक्शंस ग्रॉन ऋषि दयानंद ऐंड द ग्रार्यन ग्राइडियल. [ ], १९२६.
ब्रि. म्यू.

वायस ग्रॉव ग्रार्यावर्त (एसेज ग्रॉन दयानंद सरस्वती). [ ], १९२६. ब्रि. म्यू.

विद्यानाथ शास्त्री

द ग्रार्य समाज, इट्स कल्ट ऐंड क्रीड, न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९६५.
४,२९९ पे. २२ से. ने. ला.

द ग्रार्य समाज, इट्स कल्ट ऐंड क्रीड, सेकंड एड. न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९६७.
६,२९९ पे. २३ से.
बी. एच. यू., सार्व.

जेम्स ग्रॉव ग्रार्यन विज़डम. न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९६८. १८४ पे. १८ से.
सार्व.

सम प्वाइंट्स ग्रॉन द पोलिटिकल फिलॉसफी ग्रॉव द वेदाज़. न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९७२.
२६ पे. १६ से. सार्व.

वैन काउ-स्लाटर. न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९६७. १८ पे. १८ से.
सार्व.

साइंसेज इन द वेदाज़. न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९७०. ६,२३१ पे. २४ से.
पब्लिश्ड ग्राउट ग्रॉव द फंड्स ग्रॉव 'दयानंद वेद प्रचार निधि', फाउंडेड बाई लेट पं. हरदयाल शर्मा (फिज़ी).
सार्व.

वेदिक संध्या; डेली ग्रार्यन प्रेयर. न्यू देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९७०. ४० पे. १७ से.
सार्व.

वासुदेव, डी. यन.

स्वामी दयानंद सरस्वती. न्यू देल्ही, दयानंद संस्थान, जनज्ञान प्रकाशन, १९७३. ८,८० पे. २३ से.
ए शार्ट लाइफ. खिदि.

वेद

ऋग्वेदादिभाष्य-भूमिका, इंट्रोडक्शन टू द कमेंट्री ग्रान द वेदाज़ बाई स्वामी दयानंद सरस्वती..., ट्रांसलेटेड फ्राम ग्रोरिज़िनल संस्कृत इनटू इंगलिश बाई घासीराम. मेरठ, द ट्रांसलेटर, १९२५. १२,५०७ पे. १८ से.
इ. ग्रा., ब्रि. म्यू., ने. ला., न्यू. प. ला.

[ऋग्वेदादिभाष्य-भूमिका], इंट्रोडक्शन टू द कमेंट्री ग्रान द वेदाज़, ट्रांसलेटेड फ्राम द ग्रोरिज़िनल संस्कृत बाई घासीराम, सेकंड एड. देलही, सार्वदेशिक ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९५८. ३१२ पे. १८ से.
—पार्टस.
पार्ट १. वेदाज़.
ला. का., सार्व.

वेद-ऋग्वेद

'विज्ञान-दीपक', द वेदिक ट्रिनिटी ग्रार ऐन इक्सपोज़ीशन ग्रॉव ए मंत्र ग्रॉव द ऋग्वेद. लखनऊ, द ग्रार्य समाज, १९१६. १२ पे. २२ से. कल.

विश्वनाथ शास्त्री

इम्मॉर्टल सेइंग्स ग्रॉव दयानंद. लाहौर, ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, १९३५. ४० पे. १८ से.
स.र्व.

विश्वनाथ सहाय

वेदाज़ लॉस्ट. बुक १–४. ग्रजमेर, द वेदिक प्रेस, १९०३. ९८ पे. १८ से. सार्व.

विश्वप्रकाश

लाइफ ऐंड टीचिंग्स ग्रॉव स्वामी दयानंद (विद ए पोर्ट्रेट). [ ], १९३५. ब्रि. म्यू.

विष्णुलाल शर्मा

हैंडबुक ग्रॉव द ग्रार्य समाज. [ ], ग्रार्य ट्रैक्ट सोसाइटी ग्रॉव द यूनाइटेड प्राविंसेज़ ग्रॉव ग्रागरा ऐंड ग्रवध, बनारस, तारा प्रिंटिंग वर्क्स, १९०६. ५६ पे. २१ से.
खिदि.

हैंडबुक ग्रॉव द ग्रार्य समाज. इलाहाबाद, इंडियन प्रेस, १९१२. ३,१२१ पे. १८ से.
ने. ला.

व्रजमोहन शर्मा

स्वामी दयानंद, हिज़ लाइफ ऐंड टीचिंग्स. [ ]. १९३७. ब्रि. म्यू.

व्यासदेव, स्वामी

साइंस ग्रॉव सोल (ए प्रैक्टिकलइक्सपोजीशन ग्रॉव एंशियंट मेथड ग्रॉव विज़ुग्रलाइजेशन ग्रॉव सोल—ग्रात्मविज्ञान), सेकंड एड. ऋषिकेश, योग निकेतन ट्रस्ट, १९७२. २४६,५ पे. फोटोज़ २४ से.
फर्स्ट एड., १९६४. खिदि.

राइट, हेनरी सी.

द बाइबिल ग्रनमॉस्क्ड. न्यू देल्ही, ग्रार्योदय हिंदी वीकली, यन. डी. ९२ पे. १८ से.
खिदि.

जोरावर सिंह निगम

द वेदिक रिलिज़न ऐंड इट्स इक्सपाउंडर स्वामी दयानंद सरस्वती. इलाहाबाद, लीडर प्रेस, १९१४. १४,१२० पे. १८ से.
ब्रि. म्यू., काशी.

पत्रिका

ग्रार्य, वाल्यूम १— , [१९२—]—. लाहौर, ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब [१९२ ?]. मासिक पत्र.

भाग ४, ग्रंक १०, फरवरी १९२४—"ग्रार्य्य का ऋष्यंक".
ग्रा. पु.

'ग्रार्य जगत्' का ऋग्वेद भाष्य विशेषांक, महात्मा हंसराज जन्म दिवस पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में. नई दिल्ली, ग्रार्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, १९७४.
वर्ष ३७, २१ ग्रप्रैल, १९७४. ग्रंक १५, १६, १७.
सार्व.

ग्रार्य प्राण, वर्ष १—. , [१९६४—]. मुंगेर, संपा. १९६४.
—भाग. २४ से.
मासिक.
संपादक—बद्रीनारायण शर्मा. ने. ला.

ग्रार्य मर्यादा, वर्ष १—. , [१९६६—]. नई दिल्ली, ग्रार्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, १९६६.
संपादक—जगदेव सिंह.
वर्ष २, ग्रंक १३. वेदस्वरूप निर्णय (विशेषांक), ले. मदनमोहन विद्यासागर.

आर्य मर्यादा

वर्ष ७, अंक ३७. वेदाविर्भाव विशेषांक.

वर्ष २, अंक ३५, १६ अगस्त, १९७०. वेद में पुनरुक्ति दोष नहीं है (वि.).

वर्ष ४, अंक ३८. "यजुर्वेद अध्याय ३२ का स्वाध्याय" (वि.)

वर्ष ३, अंक ३६. "व्यवहार भानु:" (वि.), ८ अगस्त, १९७१.

खिदि.

आर्य-मित्र, संयुक्त प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा का साप्ताहिक मुखपत्र, संपादक बाबूराम, वर्ष १—[१८९७]. आगरा, भगवानदीन, आर्य भास्कर प्रेस, १९—.

साप्ताहिक.

१९ दि. १९३५, वर्ष ३९, अंक १–४८, २ जनवरी, १९३६, १९ दि. १९३६ तक.

वर्ष ४०, अंक २–४८ जनवरी १९३७ दि. १९३७.

काशी.

आर्य-मित्र, वाल्यूम १—. [१८९—].

लखनऊ, आर्य प्रतिनिधि सभा, [१८—].

ऋष्यंक वर्ष २० (४१–४२), अक्टूबर १९१९.

वर्ष ७२, अंक ९–१०. ऋषिबोधांक, संपा. उमेशचंद्र स्नातक, ८ मार्च १९७०.

वर्ष ६९, अंक ४१. ऋषि निर्वाणांक (वि.) संपा. सच्चिदानंद शास्त्री.

वर्ष ७१, अंक ७. १६ फरवरी १९६९ जागृति अंक.

वर्ष ७१, अंक ७. २५ फरवरी १९६८ वेदांग प्रकाश अंक.

वर्ष ७०, अंक ३६–३७. ऋषि निर्वाण अंक.

वर्ष ७५, अंक २०–२१. ऋषिबोधांक.

वर्ष ७३, अंक ७–८.

(सप्ताहिक).

खिदि.

'आर्य मित्र', वर्ष ७०, अंक ६. वेदांग प्रकाश.

साप्ताहिक.

पा. क.

आर्य मित्र—दयानंद जन्म शताब्दी अंक दयानंदाब्द १००.

पूर्णचंद हरिशंकर शर्मा, संपादक

८,१९१ पृ. २६ से.

काशी.

आर्य संसार वार्षिक विशेषांक. गुरुदत्त लेखावली, दिसंबर १९७३. संपा. उमाकांत उपाध्याय. कलकत्ता, आर्य समाज, १९७३. ९४ पृ. २७ से.

सार्व.

आर्य सिद्धांत, भाग १—. [१८८८—].

संपादक भीमसेन शर्मा और ज्वालादत्त शर्मा, प्रयाग, आर्य धर्म सभा, वैदिक यंत्रालय, १८८७.

मासिक पत्र.

आर्य सिद्धांत

भाग १-३ (१-१२); ५ (१-१२); भाग ४ (१-१०).

सनातन आर्य मत मंडन, नवीन पाखंड मत खंडन, सत्सिद्धांत प्रवर्तक, असत् सिद्धांत निवर्त्तक, प्राचीन शास्त्र परिचयात्मक, आर्य समाज सहायक.

काशी.

वर्ष १–२, वर्ष ९, अंक १, जनवरी १८९८—.

वर्ष ११, अंक ३, मार्च १९०१. खिदि.

वर्ष ६, अंक १–२, १८९२—, वर्ष ८, अंक १२. खिदि.

वर्ष ३, अंक २, अक्टू. १८८९—, भाग ५ (११–१२), अगस्त १८९२. खिदि., ब्रि. म्यू.

आर्यावर्त मासिक पत्र, वर्ष १— , [१९०८].—

मुस्तफापुर, पो. दानापुर, बांकीपुर, विहारबंधु छापाखाना, [१९०८]—. —वाल्यूम २४ से.

पंडित जगन्नाथ शर्मा वेदरत्न कतृक, संपादित और प्रकाशित. बाबू भगवान दास जी प्रधान आर्य्य समाज खिदिरपुर, कलकत्ता के विशेष धन व्यय से मुद्रित व प्रकाशित.

अंक २, खंड २०—, १९०९.

अंक ३, खंड २०, .

अंक ५, खंड २०.

अंक ६, खंड २०.

अंक ७, खंड २०.

खिदि.

आर्यों का त्रैतवाद, वर्ष १—, [अक्टूबर १९७०—].

अलीगढ़, रमेश कुमारी गुप्त, १९७०—.

संपा. रामेश्वरदयाल गुप्त.

वर्ष १, अंक १. अक्टू. १९७०.

वर्ष २. अंक २. फरवरी १९७१.

वर्ष ७, अंक ३. सिसंबर १९७१. खंड ५ देवयज्ञ.

खिदि.

आर्योदय, वर्ष १— . [१९—]—. नई दिल्ली, आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब, [१९—].

संपा. रघुवीर सिंह, सर भारतेंद्र नाथ.

आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब का मुखपत्र.

वर्ष ४, अंक २९, ३०, ३१. अप्रिल १९६३.

महाशय कृष्ण स्मृति अंक.

११ फरवरी, १९६४. सत्यार्थ प्रकाश अंक (उत्तरार्द्ध).

२३ अगस्त १९६४. स्वाध्याय अंक.

२६ फरवरी, १९६७–६८. कायाकल्प विशेषांक, लेखक समर्पणानंद.

वर्ष १०, अंक ६–७. १७ सितं. १९६७. सत्संग पद्धति (वि.).

१४ जनवरी, १९६८. दयानंद चरित (वि.), ले. देवेंद्रनाथ मुखोपाध्याय.

खिदि., सार्व.

कान्यकुब्ज प्रकाश, वर्ष १—. [१८८४—]. लखनऊ, बलभद्र मिश्र, कान्यकुब्ज मंडली, १८८४—
मासिक.
अंक २, नं. २—३ अप्रैल-मई १८८५.
खंड ३, नं. ३. मई १८८६. खिदि.

जनज्ञान, वर्ष १—. [१९६८—]. नई दिल्ली, दयानंद संस्थान, १९६८—.
मासिक.
संपा. राकेश रानी.
वर्ष १, अंक २. माँ गायत्री (१० मई, १९६९).
अगस्त १९६९. प्रत्येक वेद के १००, १०० मंत्र भाषार्थ सहित.
नवंबर १९६९. सत्यार्थ प्रकाश.
अप्रैल १९७०. योगजीवन, ले. हुक्मकंद जी.
अक्टू. १९६९.
जून १९६९. वैदिक गीता (वि.).
वर्ष २, अंक ७. नवंबर १९६९. ज्ञान प्रकाश—सत्यार्थ प्रकाश,.
वर्ष ५, अंक ३—४, जुलाई—अगस्त १९७२. वेदामृत (वि.).
मार्च १९७०. वैदिक आध्यात्म ज्योति.
दिसम्बर १९६८.
वर्ष ७, अंक ३, अगस्त १९७४. अथर्ववेदीय चिकित्सा शास्त्र.
वर्ष २, अंक ९, वर्ष ६, अंक ५, नवंबर १९७३.
दयानंद संस्थान का मुखपत्र. खिदि.

तपोभूमि, वर्ष १— [१९५?]—. मथुरा, सत्य प्रकाशन, [१९५—]—.
वर्ष १५, अंक ७. सांख्यदर्शन अंक. अगस्त १९६८.
वर्ष १६, अंक ४. ऐतरेयोपनिषद्, तैत्तिरियोपनिषद्.
वर्ष १६, अंक १—२. उपनिषद अंक २—५. मार्च १९६९.
वर्ष १७, अंक १०. नवंबर १९७०. रामचरितमानस अंक.
वर्ष १७, अंक ११, दिसंबर १९७०. आर्य समाज परिचय अंक.
वर्ष १८, अंक १२. हनुमतचरित (वि.).
वर्ष २०, अंक ९, अक्टूबर १९७३. संगीत रत्नाकर (वि.).
वर्ष २१, अंक ६, ७, १०.
खिदि.

दयानंद-संदेश, वर्ष १—. [१९७३]—. —. दिल्ली. दयानंद संदेश कार्यालय, १९७३—.
आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट का मासिक पत्र.
वर्ष १. अंक ६—७. अप्रैल—मई १९७४.
खिदि.

दयानंद-संदेश, वर्ष १—. [१९७३—]. —. दिल्ली, 'दयानंद संदेश' कार्यालय, [१९७३—].
संपा. राजवीर शास्त्री.

दयानंद संदेश,
वर्ष १, अंक ६—७, अप्रैल-मई १९७४.
आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट का मासिक पत्र.
सृष्टि-संवत् विशेषांक. सार्व.

देशहितैषी, वर्ष १—. [१८८२ मई]—. अजमेर. आर्यसमाज, प्रयाग वैदिक यंत्रालय, [१८८२—].
वर्ष ४, अंक १—११, (मई १८८४ मार्च १८८५).
खिदि.

नवजीवन, वर्ष १—. [१९०९—]. आगरा, आर्यकुमार परिषद्, [१९०९]—.
वर्ष ३, १९११.
वर्ष ४, अंक २—३, मई-जून, १९१२.
खिदि.

"प्रकाश" लाहौर का जन्म शताब्दि ऋष्यंक, संपा. कृष्ण. लाहौर, दयानंद जन्म शताब्दि समारोह, १९२४.
१०४ पृ. २२ से.
प्रकाश पत्रिका का विशेषांक. ब्रि. म्यू.

बनिता हितैषी, वर्ष १—. [१८९३—]. कानपुर, बनिता हितैषी कार्यालय, १८९३.
मासिक.
संपादिका—श्रीमती भाग्यवती.
वर्ष ३, मार्च १८९५—अक्टू. १८९५.
खिदि.

भारत भगिनी, वर्ष १—. [१८८९]—. लाहौर. पंजाब एकॉनामिकल प्रेस, [१८८९]—.
मासिक.
संपादिका श्रीमती हरदेवी.
वर्ष १२, अंक १, ३, ४, ५, ७, १०, ११, १२, (१९००).
वर्ष १३, अंक १, २, ४, ७—१२, (१९०१).
वर्ष १४, अंक १, २, ११, (१९०३)
स्त्री शिक्षा संबंधी पत्रिका. खिदि.

भारत महिला, वर्ष १—. [१९१५—]. मेरठ, भास्कर प्रेस, १९१५—.
मासिक.
संपा. रघुवीरशरण दुबलिस.
—वर्ष, संख्या ९—.
देवियों के लिये उपयोगी पत्रिका. खिदि.

भारत सुदशा प्रवर्तक, वर्ष १—. [१८८०]—. फर्रुखाबाद, आर्य समाज [१८८०].—.
मासिक.

भारत सुदशा प्रवर्तक

वर्ष ५, अंक १६, मार्च १८८४–, वर्ष ७, अंक ६, दिसं. १८८५.
वर्ष ७, अंक ७, जन. १८८६––.
वर्ष ६, दिसंबर १८८७.
वर्ष ६, अंक १, जनवरी १८८८––दिसंबर १८८८.
जनवरी १८९३––नवम्बर १८९५.
जनवरी १८९६––दिसंबर १८९७ (वर्ष १७–१९).
जनवरी १८९८––दिसंबर १८९९ (२०–२१).
वेदादि सत्य शास्त्रानुकूल सनातन धर्मोपदेश और देशोन्नति कारक व्याख्यान तथा अन्यान्य पदार्थविद्या समाचारावली इतिहास और साहित्य आदि विषय आदि.

खिदि.

भारत हितैषी, वर्ष १––. [१९०४]––. इटावा, वेद प्रकाश यंत्रालय, [१९०४]––.
संपा. सत्यव्रत शर्मा द्विवेदी.
वर्ष १, अंक १–३. खिदि.

भारतोद्धारक, वर्ष १––. [१८९७––] मेरठ, स्वामि यंत्रालय, [१८९७––].
मासिक.
वर्ष १, अंक १–८ (सितंबर १८९७––फरवरी १८९८).
स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती स्थापित "वैदिक पुस्तक प्रचारक फंड" का मासिक पत्र. खिदि.

योग विद्या, वर्ष १––. [१९६३––]. मुंगेर (बिहार), योग विद्यालय, [१९६३––].
वर्ष ४, अंक ५, मई १९६६.

खिदि.

राजधर्म, वर्ष १––. [१९६९––]. दिल्ली, आर्य युवक परिषद्, [१९६९––].
पाक्षिक.
वर्ष १, अंक २–३, सितंबर १९६९.
वर्ष १, अंक ७–८ (१५ फरवरी १९६९).
वर्ष १, अंक २४ (२५ अक्टूबर १९६९). आसन प्राणायाम विशेषांक.
वर्ष २, अंक ७–८, १ मार्च १९७० का विशेषांक––जीवन संग्राम.
वर्ष २, अंक १८. पंचयज्ञ प्रकाश, लेखक समर्पणानंद सरस्वती
वर्ष २, अंक २४, नवंबर १९७०. वैदिक अर्थ व्यवस्था (वि.).
वर्ष ४, १९७२. आखिर जीत हमारी (वि.).

खिदि.

वेद प्रकाश; वेदोक्त धर्म प्रतिपादन और तद्विरुद्ध मत निराकरण विषयक, वर्ष १––. [१८९७––]. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, १८९७––.

वेद-प्रकाश

मासिक.
संपा. तुलसीराम स्वामी.
वर्ष १–३; वर्ष ५, अंक १२; वर्ष ६, अंक ११;
वर्ष ११, अंक ११; वर्ष १६, अंक ३; वर्ष १७, अंक ८–१२;
वर्ष १८, अंक १–१२; वर्ष १९, अंक १–१२.

खिदि.

वर्ष १६, जनवरी १९१२. कल.

वेद प्रकाश, वर्ष १––. [१८९७––]––. मेरठ, स्वामि यंत्रालय, (१८९––)––.
मासिक.
संपा. छुट्टनलाल स्वामी.
वर्ष २०, मास १, पौष १९७२ (जन. १९१६)––वर्ष २४, मई १९२०.

खिदि.

अगस्त १९५३––श्रीमद्दयानंद ग्रंथ संग्रहः.

कल.

वेद वाणी, वर्ष १––. [१९––]––. सोनीपत (हरयाणा), रामलाल कपूर ट्रस्ट, [१९––]––.
मासिक.
वर्ष २२, अंक १२ (अक्टूबर १९७०).
वर्ष २३, अंक १ (नवंबर १९७०).

खिदि.

वैदिक विजय, वर्ष १––. [१९––]––. जींद (हरियाणा), गुरुकुल कालवा, [१९––]––.
संपा. बलदेव आचार्य.
वर्ष २, अंक १–२ (सितं.–अक्टू.)––.
वर्ष २, अंक ५. (५ जन.). खिदि.

वैदिक विज्ञान, वर्ष १––. अक्टूबर [१९३२––]. अजमेर, [१९३२––].
संपा. विश्वनाथ विद्यालंकार.
वर्ष १, अंक १–४, (जनवरी १९३२––जनवरी १९३३).
काशी.

शारदा, वर्ष १––. [१९१३]––. प्रयाग. चंद्रशेखर, (१९१३)––.
मासिक.
––वर्ष. २४ से.
मासिकी संस्कृत पत्रिका.
संपा. श्री चंद्रशेखरः.
वर्ष १, अंक १––. खिदि.

श्रद्धानंद, वर्ष १—. [१९३३]—. देलही, भारतीय श्रद्धानंद शुद्धि सभा, [१९३३]—.
वर्ष ४, अंक ५, ८, १२, (१९३६),
श्रद्धानंद का हिंदू अंक.
वर्ष ५, अंक २, (नवं. १९२६).
वर्ष ६, अंक ८–१२, (१९३८).
वर्ष ७, अंक १–५, (अक्टू. १९३८—फर. १९३९).
वर्ष ९, अंक ४, (जन. १९३९).

खिदि.

संस्कृति संदेश, वर्ष १—. [१९७०]—. मुजफ्फरनगर, वैदिक योजाश्रम, [१९७०]—.
मासिक.
संपा. वलदेव नैष्ठिक.
वर्ष ४, अंक ११. अगस्त १९७३.
वर्ष ५, अंक १०, जुलाई १९७४.

खिदि.

सार्वदेशिक, वर्ष १—. [१९६—.] नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, १९६—.
साप्ताहिक.
वर्ष १, अंक ३७, ३० अगस्त १९६६. वेदकथा विषेशांक.
वर्ष १, अंक ४३. आर्यविजय अंक.
वर्ष २, अंक ३४. महर्षि दयानंद जीवन (वि.); २० अगस्त १९६७.
वर्ष ३ अंक १४.
वर्ष ३, अंक २०. ३१ मार्च १९६९. लेखराम जीवन (वि.).
वर्ष ३ अंक ३७, ८ अगस्त १९६८. वैदिक सिद्धांत (वि.).
वर्ष ४, अंक २१. हम क्या खाएँ : ले. गंगाप्रसाद उपाध्याय (वि.).
वर्ष ४, अंक ४३, २७ अगस्त १९६९. गृहस्थ धर्म (वि.).
वर्ष ५, अंक ६. महर्षि पत्र व्यवहार (वि.).
वर्ष ७, अंक १, अक्टूबर १९७१. महर्षि दयानंद (वि.).
वर्ष ७, अंक १०, दिसंवर १९७१.

खिदि.

सुधारक, वर्ष १—. [१९५४]—. रोहतक, गुरुकुल, झज्जर, [१९५४]—.
मासिक.
वर्ष १४, अंक २, १० अक्टू. १९६६.
वर्ष १५, अंक ५, १९ जन. १९६८. चिकित्सा (वि.).
वर्ष १६, अंक ६, : भारत की एक विभूति महर्षि दयानंद सरस्वती (जीवन कथा), ले. वेदानंद.
वर्ष १७, अंक १, १० सितं. १९६९.

खिदि.

सुधा सागर, वर्ष १—. [१८९४]—. कानपुर, मेडिकल प्रेस, [१८९४]—.
मासिक.
संपा. महदेव प्रसाद शर्मा.
वर्ष ३, अंक ८, (मार्च-मई १८९६).

खिदि.

स्मारिका आर्य समाज शताब्दी समारोह, अमृतसर, २८, २९, ३० दिसंवर, १९२३, संपा. वेदप्रकाश मल्होत्रा. जालंधर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, १९७३. १३७, २४ पृ. २८ से.
हिंदी + अंगरेजी. सार्व.

स्मारिका १९७४.—१२वाँ सार्वदेशिक आर्य महासम्मेलन, मॉरिशस. नई दिल्ली, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सम्मेलन, १९७४. १३४ पृ. छवि २८ से.
मुखपृष्ठ—मॉरिशस में उतरा जब कारवाँ हमारा.

खिदि.

अंग्रेजी

द आर्य : ए मंथली जर्नल डिवोटेड टू आर्यन फिलॉसफी, आर्ट, लिटरेचर, साइंस ऐंड रेलिजन एस वेल एस टू वेस्टर्न मॉडर्न फिलॉसफी, वाल्यूम १—. १८८२—. लाहौर, आर. सी. बेरी, मैनेजर ऑव द आर्य मैग्ज़िन, १८८२—. —वाल्यूम. २४ से.
वाल्यूम १, नं. ११, जन. १८८३; नं. १२, फर. १८८३.
वाल्यूम १ : १८८२–८३, मार्च टू फरवरी—इंडेक्स.
वाल्यूम २, नं. १, मार्च १८८३—नं. ११, जन. १८८४.
वाल्यूम ४, नं. १, मार्च १८८५—नं. १२, फर. १८८६.

काशी.

हरविंगर, वाल्यूम १—. [१८४—]—. लाहौर, विरजानंद प्रेस, [१८९—]—.
फोर्टनाइटली.
वाल्यूम ९, नं. ७–८, अप्रैल १, १५, १८९९—.
वाल्यूम ११. नं. १०, मई १९०१.
पब्लिश्ड फोर्टनाइटली टू ऐडवोकेट मोनोथीइज्म, वेजीटेरिअनिज्म, टेंपरेंस, सोशल रिफॉर्म, गिविंग ए ट्रांसलेशन ऑव द ऋग्वेद ऐंड इंपार्टेंट न्यूज़. खिदि.

ब्राह्मसमाज

वाङ्‌ल

राममोहनराय, १७७४–१८३३.

गीतावली, नवीन संस्करण. कलकत्ता, १८४६.
२८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

बंगीय संगीत रत्नमाला वा राम मोहन राय रचित गीतावली, संपा. आशुतोष घोषाल. कलकत्ता, १८८५.
७० पृ. बं, सा. प.

तुहफत-उल-मुयाहिद्दीन (ए प्रजेंटेशन टू द बिलीवर्स इन वन गॉड, ट्रांसलेटेड इनटू बंगाली फ्राम द इंगलिश ट्रांसलेशन बाई मौलवी ओबेद्यौला ऑव द ओरिजिनल पर्सियन वर्क बाई राजा राममोहन राय ऐंड ज्योतींद्रनाथ दास). कलकत्ता, १९४९. २,३० पृ. १८ से.
ने. ला.

पथ्य प्रदान (ए कांट्रोवर्सी आन द हिंदू रिलिजन विद नंदलाल ठाकुर, द आथर ऑव द 'पाखंडपीडन'). कलकत्ता, १८२३. ७,२,६१ पृ. १९ से.
ब्रि. म्यू.

ब्रह्मोपासना व अनुष्ठान, प्रार्थना पत्र प्रभृति एवं ब्रह्म संगीत. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९७०.
१२,११८ पृ. १८ से. ने. ला.

ब्रह्मोपासना विधि. ढाका, हेना प्रेस, १९२६.
४८ पृ. १७ से. ने. ला.

यीशू प्रणीत हितोपदेश, राजा राममोहन राय कर्तृक संगृहीत, बांङ्लानुवाद एवं व्याख्या. राखाल दास हालदर. कलकत्ता, १८५९. २,१७५ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

युगगीत (राममोहन), संपा. देवकुमार दत्त. कलकत्ता, ए. आई. सी. प्रेस, १९५४.
५६ पृ. चित्र १९ से. (राममोहन स्मृति, २).
ने. ला.

राजा राममोहन राय कृत ग्रंथेर चूर्णक. कलकत्ता, १८४४.
—भाग.
भाग १. ३७. पृ.
भाग २. २८ पृ.
बं. सा. प,

राममोहनराय

राजा राममोहन रायेर प्रणीत ग्रंथावलि. कलकत्ता, १८७३.
भाग १. २१ से.
ब्रि. म्यू.

राममोहन रायेर ग्रंथावली. कलकत्ता, १९१२.
भाग १. १,१३२ पृ. २१ से.
ने. ला., ब्रि. म्यू.

राममोहन ग्रंथावली. कलकत्ता, वंगीय साहित्य परिषद्. १९४३–५२.
७ भाग. २५ से.
भाग १. भट्टाचार्यर साहित्य विचार, पंचोपनिषद् (ईश, कठ, केन, मांडूक्य, मुंडक, उपनिषद्) वेदांतचंद्रिका लेखक मृत्युंजय विद्यालंकार, वेदांत ग्रंथ, वेदांत सार.
भाग २. गोस्वामीर साहित्य विचार, कविता कारेर साहित्य विचार, सुब्रह्मण्य शास्त्रीर साहित्य विचार, उत्सवानंद विद्यावागीशेर साहित्य विचार.
भाग ३. सहमरण.
भाग ४. आत्मनात्मविवेक ब्रह्मनिषत् गृहस्थलक्षण, ब्रह्म संगीत, ब्रह्मोपासना, गायत्री अर्थ, गायत्रिणा ब्रह्मोपासना विधानम्, क्षुद्रपत्री, प्रार्थनापत्र, वज्रसूची.
भाग ५. ब्राह्मण सेवधि पादरी व शिष्य संवाद (दूसरा पत्र).
भाग ६. चारि प्रश्न, ले. नंदलाल ठाकुर, चारि प्रश्नेन उत्तर, कायस्थेर सहित मद्यपान विषयक विचार, पाषंड पीडन, ले. नंदलाल ठाकुर.
भाग ७. गौडीय ब्राह्मण, संपा. ब्रजेंद्रनाथ वंद्योपाध्याय एवं सजनीकांत दास. ने. ला.

राममोहन ग्रंथावली भाग ६. चारिप्रश्न, ले. नंदलाल ठाकुर, चारि प्रश्नेर उत्तर, पाषंड पीडन, ले. काशीनाथ तर्क पंचानन, कायस्थेर सहित मद्यपान विषयक विचार, संपा. ब्रजेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय एवं सजनीकांत दास. कलकत्ता, १८४५.
१८७ पृ. २५ से. ने. ला.

राजा राममोहन रायेर संस्कृत व बांङ्ला ग्रंथावली, संपा. राजनारायण बसु और आनंदचंद्र वेदांत वागीश.
इलाहाबाद, कलकत्ता, १९०५. ४,८३६ पृ. २० से.
पुनर्मुद्रण. ने. ला., ब्रि. म्यू.

राममोहनराय

राममोहन रायेर श्रेष्ठ प्रबंध, संपा. कल्याणभंज चौधरी. (कलकत्ता) बांङला प्राची, १९७२. १६,६० पृ. २२ से. ने. ला.

राममोहन स्मृति. कलकत्ता, ब्राह्म समाज, ति. न. ५६ पृ. २४ से. ए. सो.

वेदांतसार व आत्मानात्मविवेक. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९७०. ८,१०४ पृ. १७ से. ने. ला.

वेदांतसार. कलकत्ता. ब्राह्म समाज, ति. न. ५७–१०६ पृ. २४ से. ए. सो.

श्रेष्ठ प्रबंध, संपा. कल्याणभंज चौधरी. इच्छापुर, बांङला प्राची, कलकत्ता, जे. एन. घोष ऍंड संस, १९७२. १६,६४ पृ. २२ से. ११ प्रबंधों का संग्रह. ने. ला.

संगीतावली. कलकत्ता, १८८८. ५४ पृ. ने. ला., वं. सा. प.

संगीतावली (राजा राममोहन रायेर ब्राह्म समाजेर संगीत). कलकत्ता, १८८९. ७,५४ पृ. २१८ से. ब्रि. म्यू.

सत्साहित्य ग्रंथावली, १९१०–१२, संपा. उपेंद्रनाथ मुखोपाध्याय. कलकत्ता, पूर्णचंद्र मुखोपाद्याय, १९१०–१२. ३ भाग. २४ से. ने. ला.

अनंगमोहन राय

राजर्षि राममोहन. कलकत्ता, कराली कुमार कुंडु, ब्राह्म मिशन प्रेस, १९३३. ५८ पृ. १७ से. ने. ला.

अनिलचंद्र घोष

राजर्षि राममोहन जीवनी व रचना. ढाका, सत्येंद्रचंद्र राय, प्रेसीडेंसी लाइब्रेरी, १९३१. १३६ पृ. १८ से. ने. ला.

बाङलार ऋषि—(राममोहन राय). ढाका, सत्येंद्र चंद्र राय, प्रेसीडेंसी लाइब्रेरी, १९३२. २०२ पृ. १८ से. ने. ला.

अनुष्ठान पद्धति, तृतीय संस्क. कलकत्ता, १८८७. ११६ पृ. १८ से. इ. आ., ने. ला.

अमरचंद्र भट्टाचार्य

राममोहन राय व मूर्ति पूजा, द्वि. संस्क. कलकत्ता. साधारण ब्रह्म समाज, १९७१. २८,१९५ पृ. १८ से. प्रथम संस्क. ढाका, १९३७. ने. ला.

अमरागड़ी ब्राह्मसमाजेर इतिवृत्ति. कलकत्ता, १९००. भाग १. ने. ला.

अमरेंद्रनाथ बसु

बाङलार नवरत्न—शिक्षा विस्तारे. कलकत्ता, गोल्ड क्वीन ऍंड कं., १९२९. १०४ पृ. १८ से. ने. ला.

अमृतनाथ गुप्त

ब्रह्मविषयक गीत समूह. कलकत्ता, १८५७. २२ पृ. १८ से. इ. आ.

अमृतलाल बंद्योपाध्याय

राजा राममोहन राय. कलकत्ता, विश्वास पब्लिशिंग हाउस, १९६७. ४,९० पृ. २२ से. ने., ला.,

अमृतलाल बसु

जीवनी संग्रह . . . राजा राममोहन राय . . . कलकत्ता, १९१४. ११६ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

. . . राजा राममोहन राय. कलकत्ता, कुमुदबंधुयंत्रालय, १८८४. ९० पृ. १६ से. ने. ला.

अयोध्यानाथ पाकरासी

ब्रह्म विद्यालय, ब्रह्म विषयक उपदेश. कलकत्ता, १८७०. १३६ पृ. इ. आ.

आत्मतत्त्व विद्या. कलकत्ता, १८५२. ३८ पृ. इ. आ.

आत्मा समाधान. ब्राह्मसमाजेर गीत, ले. प्रसन्न कुमार दास (जयनगर). कलकत्ता, १८७७. २३ पृ. १८ से. इ. आ.

आत्मीय सभार सभ्यदिगेर वृत्तांत. कलकत्ता, १८६७. ३६ पृ. १७ से. इ. आ.

आदि ब्राह्म समाजेर मंडली संगठनेर प्रस्तावना. कलकत्ता, रणगोपाल चक्रवर्ती, १९१५. ४० पृ. बं. सा. प.

आश्चर्य स्वप्न दर्शन, ब्रह्मसमाजेर उपदेश. कलकत्ता, १८६९. २,६३,८ पृ. १७ से. इ. आ.

ईशानचंद्र राय

आत्मज्ञान राममोहन. कलकत्ता, साधारण ब्रह्म समाज, १९७२. ६,४३ पृ. १८ से.
ने. ला.

ईशानचंद्र वसु

ब्राह्मधर्मेर असांप्रदायिकता. कलकत्ता, १८७२. १४ पृ. १८ से.
इ. आ.

ब्राह्मसमाजेर प्रथम उपासना पद्धति, व्याख्यान व संगीत. कलकत्ता, १८९६. १२६ पृ. १८ से.
बं. सा. प.

ब्राह्मसमाजेर साद्ध व साधना. कलकत्ता, १९१४. १७७,४ पृ. १८ से.
बं. सा. प.

उपनिषद्—मांडूक्योपनिषद्

मांडूक्योपनिषद् भूमिका, ले. राजा राममोहन राय. ढाका, लेखक, हेना प्रेस, १९२६. १६ पृ. १८ से. इस ग्रंथ का प्रणयन १८१७ ई. में हुआ था.
ने. ला.

वाजसनेयसंहितोपनिषदेर भाषा विवरणेर भूमिकार चूर्णक, मांडूक्योपनिषदेर भाषा विवरणेर भूमिकार चूर्णक, महात्मा राजा राममोहन रायेर...विचारेर चूर्णक. कलकत्ता, १८४५. १-२३, २४-४४, ४५-९१ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

उपनिषद्-तलवकार उपनिषद्

सामवेदेर तलवकार उपनिषदेर भाषाविवरण करागेल, मूल संस्कृत, वंगलानुवाद, अनु. राममोहन राय. कलकत्ता, १८१६. १७ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

भगवान वेदव्यास ब्रह्मसूत्रेर द्वारा इहा व्यक्त करियाछेन... इति यजुर्वेदीय उपनिषद् समाप्ता, बांङला व्याख्याकार राजा राममोहन राय. कलकत्ता, १८१६. २०,४,१३ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

उपनिषद्-संग्रह

उपनिषद् : ईश, केन, कठ, मुंडक, मांडूक्य, अनु. राममोहन राय. कलकत्ता, साधारण ब्रह्म समाज, १९७०. २८,१९४ पृ. १८ से.
ने. ला.

ऋतेंद्रनाथ ठाकुर

ब्राह्म समाजेर लक्षण. कलकत्ता, १९१७. १० पृ. १७ से.
बं. सा. प.

ऋषिदास

राममोहन राय. कलकत्ता, अशोक प्रकाशन, १९७२. ६,११६ पृ. चित्र २२ से.
ने. ला.

ऋषिदास

राममोहन राय. कलकत्ता, अशोक पुस्तकालय, १९७३. ८,२७१ पृ. २२ से. इंडेक्स.
ने. ला.

कार्तिकचंद्र चक्रवर्ती

धर्म तत्व प्रश्नोत्तर. कलकत्ता, १८९९. ४,२९ पृ. १८ से.
इ. आ.

कालीप्रसन्न वसु

संगीतमाला, ब्राह्मसमाजेर गीत. कलकत्ता, १८६८. ११ पृ. १८ से.
इ. आ.

कालीशंकर दास

धर्म विज्ञान बीज कलकत्ता १८७५–७८. २ भाग. १८ से.
इ. आ.

कृष्णबिहारी सेन

नवविधान कि ? कलकत्ता, ब्राह्मसमाज, १८९६. १७१ पृ. १८ से.
इ. आ.

केशवचंद्र के ? कलकत्ता, १८९४. २८ पृ. १८ से. केशवचंद्र सेन एवं उनकी शिक्षाओं पर एक व्याख्यान.
इ. आ.

केशवचंद्र सेन.

आचार्येर उपदेश. कलकत्ता, १८७७. ४१ पृ. १७ से. आठ उपदेश.
इ. आ.

आचार्येर प्रार्थना. कलकत्ता, भारतवर्षीय ब्राह्म मंदिर, १९३९–४१. ४ भाग. १८ से.
ने. ला.

जीवन-वेद. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटि, १९३४. १५२ पृ. १८ से.
ए. सो.

जीवन-वेद, अष्टम संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रकाशन समिति, १९५४. १६० पृ. १९ से.
ने. ला.

ज्ञानलतिका. कलकत्ता, १८९९. ५८ पृ. १८ से. मूल अंगरेजी से बांङलानुवाद.
इ. आ.

नव संहिता अर्थात् नवविधानस्थ आर्यगणेर जन्य पवित्र विधि निचय, चतुर्थ संस्क. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रस्ट सोसाइटी, १९२०. १३८ पृ. १८ से.
ए. सो.

केशव चंद्र सेन

नवसंहिता, षष्ठ संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रकाशन समिति, १९५६. १४० पृ. १८ से.
ने. ला.

पत्रावली. कलकत्ता. नवविधान प्रेस, १९४१. २६७ पृ. १८ से.
ने. ला.

पुनर्जमप्रदविश्वास. ढाका, १८७१. ६१ पृ. १८ से.
मूल अंगरेजी से वांङलानुवाद.
इ. आ.

ब्राह्मगीतोपनिषद्--प्रथमार्द्ध--केशवचंद्र सेनेर उपदेश. कलकत्ता, १८८६. १२५ पृ. १८ से.
बं. सा. प.

ब्राह्मसंगीतोपनिषद्, चतुर्थ संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रेस, १९३१. २०५ पृ. १८ से.
ने. ला.

ब्राह्मगीतोपनिषद्, षष्ठ संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रकाशन समिति, १९६६. ३३० पृ. १९ से.
ने. ला.

ब्रह्मोपासना प्रणाली. कलकत्ता, १८६९. २० पृ. १६ से.

ब्रह्मोपासना प्रणाली. कलकत्ता, १८७२. ३७ पृ. १८ से.

ब्रह्मोपासना प्रणाली, तृतीय संस्क. कलकत्ता, १८७७. ३६ पृ. १८ से.
इ. आ.

ब्रह्मोत्सव, कलकत्ता, १८६८. ३३ पृ. १७ से.
इ. आ.

ब्राह्मधर्मेर मतसार. कलकत्ता, १८७३. १४ पृ. १६ से.
इ. आ.

ब्राह्मसमाज विषयक व्याख्यान, व्याख्याता केशनचंद्रसेन आदि. कलकत्ता, १८७३. २८ पृ. १८ से.
इ. आ.

ब्राह्मिकादिगेर प्रति केशवचंद्र सेनेर उपदेश. कलकत्ता. १८८७. ७६ पृ. १७ से.
बं. सा. प.

महापुरुष केशवचंद्र सेनेर नयाख्यान. कलकत्ता, १८७७. २५ पृ. १७ से.
मूल अंगरेजी से वांङलानुवाद.
इ. आ.

माघोत्सव, तृतीय संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रेस, १९४६.
भाग १. १६८ पृ. १८ से.
ने. ला.

केशव चंद्र सेन

विधान भगिनिसंघ. कलकत्ता, नवविधान प्रेस, १९३२. ३८० पृ. १८ से.
ने. ला.

साधु समागम, तृ. संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रकाशन समिति, १९३६. १३३ पृ. १८ से.
ने. ला.

क्षितिमोहन सेन

युगगुरु राममोहन. कलकत्ता, साधनाश्रम हीरक जयंती उत्सव कमेटी, १९५२. ३४ पृ. १८ से.
ने. ला.

क्षितींद्रनाथ ठाकुर

ब्राह्मधर्मेर विवृत्ति. कलकत्ता, १९१०. ३०१ पृ. १९ से.
बं. सा. प.

भगवत कथा, तृ. संस्क. कलकत्ता, १९२४. १०,७७ पृ. १८ से.
बच्चों के लिये.
ब्रि. म्यू.

गिरीन चक्रवर्ती

आमादेर राममोहन. कलकत्ता, अशोक पुस्तकालय, १९५३. ७० पृ. १८ से. (महामावन ग्रंथमाला, १).
ने. ला.

गिरीशचंद्र नाग

राजा राममोहन राय व ताँहार महत्व. ढाका, १९३३. ८,१८२ पृ. १८ से.
ब्राह्मसमाज शताब्दी समये विरचित.
ने. ला., ब्रि. म्यू.

चंद्रशेखर वसु

वक्तृताकुसुमांजलि. दरभंगा ब्रह्मसमाजे भगवद्गीतार दर्शन-व्याख्यान. कलकत्ता. १८९५. २,१९९ पृ. १८ से.
इ. आ.

वेदांत प्रवेश--वेदांत दर्शन विषयक व्याख्यान. कलकत्ता, १८७५. १७९ पृ. १८ से.
इ. आ.

सृष्टि. कलकत्ता, १८७५. ११९,६ पृ. १८ से.
इ. आ.

चिरंजीव शर्मा

गीत रत्नावली. कलकत्ता, १८८४. ४४,४२० पृ. १८ से.
इ. आ.

चैत्र मेला--द्वितीय वार्षिक सभा. कलकत्ता, चैत्रमेला ब्रांच समाज, १८६८. ७५ पृ. १८ से.
इ. आ.

जयनाथ चौधुरी

राजा रामोहन रायेर धर्ममत. मैमनसिंह, १८६२.
८,३०६ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

जीवनेर उद्देश्य. कलकत्ता, १८६८.
२६ पृ. १८ से. इ. आ.

ठाकुरदास सेन

भक्ति विरोधीगेर आपत्ति खंडन. कलकत्ता, १८६६.
५२ पृ. १८ से. इ. आ.

ढाका ब्राह्मसमाजेर इतिहास. ढाका, १८७५.
२० पृ. १६ से. इ. आ.

त्रैलोक्यनाथ देव

अतीतेर ब्राह्मसमाज. कलकत्ता, १९२१.
१४४ पृ. १८ से. बं. सा. प.

दीनानाथ बंद्योपाध्याय

गुरुगीता. कलकत्ता, १८८७. २५ पृ. १८ से.
इ. आ.

दीप्त-शिरार अभिषेक, तत्त्वबोधिनी पत्रिका होइते उद्धृत.
कलकत्ता, १८६१. १४ पृ. १७ से.
ब्रि. म्यू.

देवेंद्रनाथ ठाकुर

कालिकाता ब्राह्मसमाजेर वक्तृता. कलकत्ता, १८६२.
१११ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्रह्मोपासना. कलकत्ता, १८७२. १४ पृ.
इ. आ.

ब्राह्म धर्म. ब्राह्मसमाजेर उपदेश. कलकत्ता, १८५२.
८३,७ पृ. १८ से.

ब्राह्म धर्म, ब्राह्मसमाजेर उपदेश, षष्ठ संस्क.. १८७०.
६६ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्राह्मधर्मेर मत व विश्वास, ब्रह्मसमाजेर दश व्याख्यान, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १८६५. ६,६५ पृ. १८ से.

ब्राह्मधर्मेर मत व विश्वास, ब्रह्मसमाजेर दश व्याख्यान, तृ. संस्क. कलकत्ता, १८७०. ६,६५ पृ. १८ से.
इ. आ.

ब्राह्मधर्मेर व्याख्यान, शक १७८२–८३. कलकत्ता, १८६६–७२.
२ भाग. इ. आ.

ब्राह्मधर्मेर व्याख्यान. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९६५. ८,२६४ पृ. २१ से.

१. ब्राह्मधर्मेर व्याख्यान प्रकरण.
२. मासिक ब्राह्मसमाजेर उपदेश. ने. ला.

देवेंद्रनाथ ठाकुर

ब्राह्मसमाजेर पंचविंशति वत्सरेर परीक्षित वृत्तांत.
कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९५३.
३८ पृ. १८ से.
नवीन संस्करण. ने. ला.

ब्राह्मसमाजेर वक्तृता. कलकत्ता, १८५८.
भाग १–६. बं. सा. प.

मासिक ब्राह्मसमाजेर उपदेश. कलकत्ता, १८६८.
५८ पृ. इ. आ.

देवेंद्रनाथ भट्टाचार्य

राजा राममोहन. कलकत्ता, द्विजेंद्र नाथ दे, १९१७.
४३ पृ. १८ से.
राजा राममोहन, द्वि संस्क. कलकत्ता, १९२०.
४५ पृ. ने. ला., बं. सा. प.

द्विजेंद्रनाथ ठाकुर

तत्त्वविद्या. कलकत्ता, १८६७.
३ भाग. १८ से. इ. आ.

दशोपदेश, एक थेके दश माघ, शक १७६१, संपा. आनंदचंद्र वेदांत वागीश. कलकत्ता, १८७०. ७३ पृ. १८ से.
इ. आ.

द्वैताद्वैतवादिर विचार मीमांसा. कलकत्ता, १८६१.
२७ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

धर्म व नीति. कलकत्ता, १८७३. १६ पृ.
इ. आ.

धीरेंद्रनाथ चौधुरी

महापुरुष प्रसंग—राजा राममोहन राय, देवेंद्रनाथ ठाकुर, केशवचंद्र सेन. कलकत्ता, शेख अबुल लतीफ, १९१०.
८० पृ. १६ से. ने. ला.

नंदकुमार कविरत्न भट्टाचार्य

विवाद भंगार्णव (रेफ्यूटेशन ऑव राजा राममोहन राय, पथ्यप्रदान ऐंड इन सपोर्ट ऑव नंदकुमार ठाकुर 'पाखंडपीडन').
कलकत्ता, १८४७. १११ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

नंदमोहन चट्टोपाध्याय

महात्मा राजा राममोहन राय संबंधीय क्षुद्र-क्षुद्र गल्प.
कलकत्ता, १८८१. ४८,पृ. १८ से.
ने. ला., ब्रि. म्यू., बं. सा. प.

नगेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय

अनंतेर उपासना. कलकत्ता, साधारण ब्राह्मसमाज, १९६५. ६,६२ पृ. १८ से.

नगेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय

प्रथम संस्करण : "अनंतेर उपासना एवं साकार व निराकार उपासना". ने. ला.

महात्मा राममोहन रायेर जीवन चरित. कलकत्ता, १८८१. १५३ पृ. १८ से. ने. ला., ब्रि म्यु.

महात्मा राममोहन राय, संशोधित व परिवर्द्धित चतुर्थ संस्क. कलकत्ता, इंडियन पब्लिशिंग हाउस, १९१०. २८,७४२ पृ. चित्र २० से. ने. ला.

महात्मा राजा राममोहन रायेर जीवन चरित, तृ. संस्क. कलकत्ता, १९१२. २,३५८ पृ. १९ से. ने. ला., ब्रि. म्यू.

राजा राममोहन राय, तृ. संस्क. कलकत्ता, १८९७. ५९० पृ. २२ से. बं. सा. प.

राममोहन रायेर जीवनी व तदीय शिक्षा, संपा. नगेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय. कलकत्ता, मनमोहन पांडे, १९०८. ३१ पृ. १८ से. ने. ला.

ननिभूषण दासगुप्त

धर्मेर आदर्श व ब्राह्मसमाज. कलकत्ता, ब्रह्म समाज मंदिर, १९५७. १२ पृ. १७ से. ने. ला.

नरपूजा, मूर्तिपूजा विरुद्धे मत प्रकाश. कलकत्ता, १८६९. १२ पृ. १८ से. इ. ग्रा.

नवकांत चट्टोपाध्याय

महात्मा राजा राममोहन रायेर संक्षिप्त जीवनी. ढाका, लेखक, १८९५. ६८ पृ. १७ .से. ने. ला.

नवविधान मत व संगीत समालोचन ब्राह्म समाज कर्ता कथा. ढाका, १८८१. ४, ९८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

परमेश्वरेर महिमावर्णन, ब्राह्मसमाजेर ६ उपदेश. कलकत्ता, १८५४. २७ पृ. १८ से. ब्रि .म्यू.

पूर्व बाङला ब्राह्मसमाजेर विगत आंदोलन. ढाका, १८७९. २,११८ पृ. १८ से. कूच विहार राजा एवं केशवचंद्र सेनेर मेये विए कादिना. ब्रि. म्यू.

पूर्व बांङला ब्राह्म समाजेर १८८३–८४ सनेर वार्षिक विवरण. ढाका, १८८४–८५. —पृ. २१ से. ब्रि. म्यू.

प्यारीमोहन चौधुरी.

उपासना तत्व, धर्म विषयक लेख. कलकत्ता, १८७७. ६५ पृ. इ. ग्रा.

सत्यरत्न, तृ. संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रेस, १९५२. ११७ पृ. १८ से. ने. ला.

प्रतापचंद्र मजूमदार, १८४०–१९०५.

आशीश, तृ. संस्क. कलकत्ता, नवविधान, १९६४. ६,१४५ पृ. १८ से. ने. ला.

प्रफुल्लचंद्र राय

जातीय मुक्तिर पथ अंतराय. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज. २६ पृ. १८ से. ने. ला.

प्रभात कुसुम. कलकत्ता, १८६९. १०३ पृ. १७ से. इ. ग्रा.

प्रमथनाथ रायचौधुरी

नाना चर्चा...राम मोहन राय... कलकत्ता, कमला बुकडिपो, १९३२. २७६ पृ. १८ से. ने. ला.

प्रात्यहिक ब्रह्मोपासना. कलकत्ता, १८५०. १६,३५ पृ. १८ से. इ. ग्रा.

प्रात्यहिक ब्रह्मोपासना. कलकत्ता, १८५९. १६,३५ पृ. १७ से.

प्रात्यहिक ब्रह्मोपासना, तृ. संस्क. कलकत्ता, १८६२. ७७ पृ. १६ से.

प्रात्यहिक ब्रह्मोपासना, षष्ठ संस्क. कलकत्ता, १८७९. ७७ पृ. १७ से. ब्रि. म्यू.

प्रार्थना एवं ब्रह्म संगीत. कलकत्ता, १८६१. २८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

प्रार्थनांजलि, ब्राह्मसमाजेर प्रार्थना. कलकत्ता, १८७८. २,६१ पृ. १८ से. इ. ग्रा.

बेचाराम चट्टोपाध्याय

संगीत मुक्तावली, ब्रह्मविषयक संगीत. कलकत्ता, १८५६–७३. ३ भाग. १८ से. इ. ग्रा.

ब्रह्म विद्या नियम—ट्रैक्ट. शाहजहाँपुर, रोहिल खंड थियोसोफिकल सोसाइटी, १८८३. १८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

ब्रह्म साधना, ब्राह्मसमाजेर उपदेश, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १८७०. ३४ पृ. १८ से. इ. ग्रा.

ब्रह्म संगीत, ब्रह्म विषयक गीत समूह. कलकत्ता, तत्त्वबोधिनी सभा यंत्रालय, १८५३. ३५ पृ. १८ से.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत, ब्रह्म विषयक गीत. कलकत्ता, १८५६.
८० पृ. १८ से.
संस्कृत, बांगला. ब्रि. म्यू.

ब्रह्म संगीत. वर्द्धमान, १८६१. ७२ पृ. १८ से.

ब्रह्म संगीत, सप्तम संस्क. कलकत्ता, १८६८.
१०,६६ पृ. १८ से.

ब्रह्म संगीत, अष्टम संस्क. कलकत्ता, १८७६.
१४,१२५ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्रह्म संगीत. कलकत्ता, १८८६.
८ भाग, २३६ पृ. १६ से.
बं. सा. प.

ब्रह्म संगीत, साधारण ब्राह्म समाजेर अध्यक्ष सभार अनुमतेनुसारेण प्रकाशित. कलकत्ता, १८७६.
२५,२४३ पृ. १८ से. ने. ला., ब्रि. म्यू.
—द्वि. संस्क., कलकत्ता, १८८३.
तृ. संस्क. कलकत्ता, १८८५.
ने. ला., ब्रि. म्यू.

ब्रह्म संगीत, दशम संस्क. कलकत्ता, बंगाल प्रिंटिंग वर्क्स, १९२१. ९५२ पृ. १८ से.

ब्रह्म संगीत, एकादश संस्क. कलकत्ता, १९३१.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत, उच्छ्वास तरंगिणी. कलकत्ता, ढाका, नवविधान सभा, १९०२. ६१ पृ. १७ से.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत व संकीर्तन, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १८७२.
१३,१८९ पृ. १८ से.

ब्रह्म संगीत व संकीर्तन, चतुर्थ संस्क. कलकत्ता, १८७६.
२०,२९१ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्रह्म संगीत व संकीर्तन, षष्ठ संस्क. कलकत्ता, १८९३.

ब्रह्म संगीत व संकीर्तन, सप्तम संस्क. कलकत्ता, १८९८.

ब्रह्म संगीत व संकीर्तन, नवीन अष्टम संस्क. कलकत्ता, मंगलगंज मिशन प्रेस, १९०२.

ब्रह्म संगीत व संकीर्तन, नवम संस्क. कलकत्ता, ब्राह्म मिशन प्रेस, १९१२. ८३० पृ. १८ से.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन. कलकत्ता, १८८०–८१.
३ भाग. १८ से.
—भाग २, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १८८१.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन. कलकत्ता, १८८०.
२ भाग.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, कलकत्ता, १८९५.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १९००.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, दशम संस्क. कलकत्ता, १९०८.
भाग १.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, द्वि. संस्क. कलकत्ता, मंगलगंज मिशन प्रेस, १९१३. ९५ पृ. १७ से.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, एकादश संस्क. कलकत्ता, १९१८.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, द्वादश संस्क. कलकत्ता, नरेंद्रनाथ मुखर्जी, १९३३. १०९८ पृ. १८ से.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत ओ संकीर्तन, त्रयोदश संस्क. कलकत्ता, नवविधान प्रकाशन कमिटी, १९५६.
१६,५६,७५२ पृ. १८ से. ने. ला.

ब्रह्म संगीत, साधारण ब्राह्मसमाजेर संगीत, षष्ठ संस्क. कलकत्ता, १८९४. ४७,६८८ पृ. २१ से.
इ. आ.

ब्रह्मोत्सव, पूर्व बांङला नवविधान ब्राह्मसमाजेर चालिसतम उत्सव. कलकत्ता, १९२०. ने. ला.

ब्रह्मोपासना, द्वि. संस्क. कलकत्ता. १८६८.
३५ पृ. १६ से. इ. आ.

ब्रह्मोपासना पद्धति. कलकत्ता, १८६८.
१५ पृ. १६ से. इ. आ.

ब्रह्मोपासना पद्धति. कलकत्ता, १८६८.
१५ पृ. १६ से. इ. आ.

ब्रह्मोपासना प्रणाली व प्रार्थनामाला. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज पुस्तक प्रचार कमिटी प्रकाशन, १८८५.
३६ पृ. १८ से. बं. सा. प.

ब्रह्मोपासना प्रणाली, आर्डर ऑव सर्विस इन द ब्राह्म समाज, फार द कांग्रीगेशन ऐंड फेमिली. इलाहाबाद, १८९०.
८ पृ. १८ से.
बांङला + अंगरेजी. ब्रि. म्यू.

ब्रह्मोपासना प्रणाली, आर्डर ऑव सर्विस इन द ब्राह्म समाज फार द कांग्रीगेशन ऐंड फेमिली, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १९१५. ९ पृ. १८ से.
बांगला + अंगरेजी. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्म. कलकत्ता, १८५२. १०८ पृ. १८ से.
बं. सा. प.

ब्राह्म धर्म, (ए कैटेसिज्म ऑव द डाक्ट्रिंस ऑव द ब्रह्मिष्ट्स); लेखक राममोहन राय, चतुर्थ संस्क. कलकत्ता, १८५६.
११६ पृ. १८ से.
मूल संस्कृत के आधार पर. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्म, प्रथम खंड, तात्पर्य सहित, संस्कृत एवं बांङला व्याख्या सहित, व्याख्याकार देवेंद्रनाथ ठाकुर. कलकत्ता, १८६१.
२२६ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्म, प्रथम व द्वितीय खंड, बंगानुवाद सहित, नवम संस्क. कलकत्ता, १९२५.
२ भाग. १३ से. ने. ला.

ब्राह्म धर्म व ब्राह्म समाज. कलकत्ता, १८७०.
२८ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्राह्म धर्म प्रतिपादक श्लोक, हिंदू, ज्यूस, क्रिश्चियन, मुहम्मडन, पारसी ग्रंथ थेके बांङला अनुवाद. कलकत्ता, ब्राह्म समाज, १८६६. ६६ पृ. १८ से.
संस्कृत + अंगरेजी.

ब्राह्म धर्म प्रतिपादक श्लोक, हिंदू, ज्यूस, क्रिश्चियन, मुहम्मडन, पारसी ग्रंथ थेके बांगला अनुवाद, पंचम संस्क. कलकत्ता, १९०४. २२४ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्म प्रतिपादक श्लोक संग्रह, हिंदू, बौद्ध, सिख, ज्यूस, क्रिश्चियन, मुहम्मडन, पारसी एवं चीनी धर्म थेके, बांगलानुवाद, सप्तम संस्क. कलकत्ता, १९३४.
ने. ला.

ब्राह्मधर्मेर अनुष्ठान. कलकत्ता, १८६१.
—पृ. १७ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्मेर अनुष्ठान, तृ. संस्क. कलकत्ता, ति. न.
४८ पृ. १७ से. वं. सा. प.

ब्राह्मधर्मेर मत व विश्वास, तृ. संस्क. कलकत्ता, १७६१.
६५ पृ. १८ से. वं. सा. प.

ब्राह्म धर्मेर व्याख्यान, प्रथम प्रकरण. कलकत्ता, १८६१.
१५६ पृ. १८ से. वं. सा. प.

ब्राह्मधर्मेर व्याख्यान,—ब्राह्म धर्मेर २६ व्याख्यान, अगस्त १८६० जून १८६१ पर्यंत. कलकत्ता, १८६१.
१२,१५६ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्मेर व्याख्यान. कलकत्ता, १८६२.
भवानीपुर ब्राह्म समाज पृ. १२.
जोड़ासाँकू ब्राह्म समाज, पृ. १२.
रामकृष्णपुर ब्राह्म समाज, पृ. २०.
हालीशहर ब्राह्म समाज, पृ. ११.
बं. सा. प.

ब्राह्म धर्मेर व्याख्यान. कलकत्ता, ब्राह्म समाज १८६० थेके १८७६ पर्यंत, तृ. संस्क. कलकत्ता, १८७८.
६,२६५,५,१२४,६६,५१ पृ. २१ से.
ब्रि. म्यू.

ब्राह्म समाज, आदि ब्राह्म समाज, भवानीपुर शताब्दी स्मृति. कलकत्ता, भवानीपुर आदि ब्राह्म समाज, १९५२.
७६ पृ. २० से. ने. ला.

ब्राह्म समाज, मुँगेर.

मुँगेरेर ब्राह्म समाज. कलकत्ता, १८७३.
१६ पृ. १७ से. इ. आ.

ब्राह्म समाजेर इतिवृत्त, बांङाले. कलकत्ता, १८७१.
४०५ पृ. २० से.
ने. ला., वं. सा. प.

ब्राह्म समाजेर मासिक उपदेश. कलकत्ता, १८६८.
५८ पृ. १७ से. वं. सा. प.

ब्राह्म समाजेर शशिपद व मनेर बल, लेखक जनइक ब्राह्म साहित्य सेवी (छद्म नाम). कलकत्ता, १९२१.
१४७,३१ पृ. १८ से. वं. सा. प.

भक्ति. ब्रह्म विषयक उपदेश. कलकत्ता, १८६८.
२७ पृ. १७ से. इ. आ.

मणि बागची

राममोहन. कलकत्ता, जिज्ञासा प्रकाशन, १९५८.
१६,१७६ दृ. चित्र ३१ से. ने. ला.

यादवचंद्र चक्रवर्ती

महात्मा राजा राममोहन रायेर जीवन चरित. कलकत्ता, १८५६. ४,१०० पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

योगानंद दास

आमादेर ब्राह्म समाज, द्वि. संस्क. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९६५. १६ पृ. १८ से.
प्रथम संस्करण, १९३६. ने. ला.

राममोहन व ब्राह्म आंदोलन वा बाङला जातीय इतिहासेर मूल भूमिका, द्वि. संस्क. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, ति. न. ८,२४१ पृ. १८ से.
ने. ला.

बाङलार जातीय इतिहासेर मूल भूमिका वा राममोहन व ब्राह्म आंदोलन. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९४७.
६,२१६ पृ. १८ से. ने. ला.

रजनीकांत गुप्त

चरित कथा...राममोहन राय...चतुर्थ संस्क.
कलकत्ता, १९१९. १७,११७ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

चरित कथा, राजा राममोहन राय, जगन्नाथ तर्कपंचानन, रामकमल सेन, डेविड हेअर, सारा मार्टिन, च. संस्क., १९३८.
ने. ला.

रमानाथ मारिक

सत्य प्रेमालाप, प्रार्थना संगीत. कलकत्ता, १८७८.
४,१४,८८ पृ. १८ से. इ. आ.

रवींद्रनाथ ठाकुर

चारित्र पूजा, नवीन संस्क. (पुनर्मुद्रण). कलकत्ता, विश्व भारती ग्रंथालय, १९५४. १०३ पृ. १८ से.
ने. ला.

राजनारायण वसु

राममोहन राय. कलकत्ता, १८८५.
३४ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

प्रकृत असांप्रदायिकता. कलकत्ता, १८७३.
११ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्राह्म धर्मेर उच्चादर्श. कलकत्ता, १८७५.
४,४७ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्राह्म समाजेर वक्तृता. कलकत्ता, १८६१.
१२४ पृ. १८ से.
बं. सा. प., ब्रि. म्यू.

वक्तृता. कलकत्ता, १८५५. १०८ पृ.
इ. आ.

वक्तृता. कलकत्ता, १८८५–८६.
२ भाग. २० से. इ. आ.

वक्तृता. ब्रह्मसमाजेर व्याख्यान. कलकत्ता व मिदनापुर, १८४६–६७. कलकत्ता, १८७१.
२ भाग, ११२, ११८ पृ. २० से.
ब्रि. म्यू.

हिंदूधर्मेर श्रेष्ठता. कलकत्ता, १८७२.
४,६०,२८ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

रत्नेश्वर गुप्त

भारत सौभाग्य, चट्टग्राम जिलार ब्राह्मसमाजेर व्याख्यान.
कलकत्ता, १८७७. २,१५ पृ. १७ से.
इ. आ.

रामचंद्र शर्मा

परमेश्वरर उपासना विषये प्रथम व्याख्यान. कलकत्ता. १८२८.
प्रथम व्याख्यान, भाद्रपद ६, शक १७५०. ७ पृ.
द्वितीय व्याख्यान, भाद्रपद १३, शक १७५०. १० पृ.
ततीय व्याख्यान, भाद्रपद २०, शक १७५०. ८ पृ.
चतुर्थ व्याख्यान, भाद्रपद ३०, शक १७५०. ८ पृ.
पंचम व्याख्यान, आश्विन ७, शक १७५०. ६ पृ.
षष्ठ व्याख्यान, आश्विन १३, शक १७५०. ६ पृ.
सप्तम व्याख्यान, आश्विन २०, शक १७५०. ७ पृ.
ष्टम व्याख्यान, आश्विन २७, शक १७५०. ७ पृ.
नवन व्याख्यान, कार्तिक १०, शक १७५०. ६ पृ.
दशम व्याख्यान, कार्तिक १७, शक १७५०. ७ पृ.
द्वादश व्याख्यान, अग्रहायण १, शक १६५०. ७ पृ.
बं. सा. प.

लावण्यप्रभा वसु

दैनिक, ब्राह्मसमाजेर दैनिक व्याख्यान. कलकत्ता, १८९९. २१४ पृ. १८ से.
इ. आ.

वस्तु विचार, ब्राह्मसमाजेर ८ व्याख्यान. कलकत्ता, १८४५. ३६ पृ. १क से.
इ. आ.

विजनबिहारी भट्टाचार्य

वाङलार मनीषी. कलकत्ता, , वृंदावन धर ऐंड संस, १९४०. ४,१३० पृ. छवि १८ से.
ने. ला.

विजयकृष्ण गोस्वामी

ब्राह्मसमाजेर वर्तमान अवस्था. कलकत्ता, १८७२.
२,५३ पृ. १८ से. इ. आ.

ब्राह्मसमाजेर वर्तमान अवस्था, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १८८५. २,५५ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

वक्तृता व उपदेश. ढाका, १८९१.
भाग १. २,१२८ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

विधान संगीत—नवविधान ब्राह्मसमाजेर संगीत, द्वि. संस्क.
ढाका, १९१८. १६,२३२ पृ. १८ से.
ने. ला., ब्रि. म्यू.

विश्वासवृत्ति, ब्राह्मसमाजेर संस्कृत संगीत व वाङगानुवाद.
कलकत्ता, १८७९. ८४ पृ. १८ से.
संस्कृत + वाङला. ब्रि. म्यू.

ब्रजेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय

साहित्यसाधक चरित माला—भाग १—राममोहन राय . . .
—चतुर्थ संस्क., १९४६. ने. ला.

शरतकुमार राय

राजर्षि राममोहन. कलकत्ता, १९३३.
२,११२ पृ. ६ चित्र १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

शशिभूषण वसू

राजा राममोहन रायेर जीवनी, द्वि. संस्क. कलकत्ता,
१९२५. २,१०३ पृ. चित्र १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

शिवनाथ शास्त्री

आत्म परीक्षा. कलकत्ता, साधनाश्रम, १९५२.
१०२ पृ. १८ से. ने. ला.

धर्म्म जीवन, द्वि. संस्क. कलकत्ता, ब्राह्म मिशन प्रेस,
१९१३.
भाग १. ३०८ पृ. १८ से.
ने. ला.

धर्म जीवन. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९७१.
भाग ४. ४,१४८ पृ. १८ से.
ने. ला.

माधोत्सवेर उपदेश, संशो. संस्क. कलकत्ता, साधारण
ब्राह्म समाज, १९५७. ३८० पृ. १८ से.
ने. ला.

समाज रक्षा व सामाजिक उन्नति, द्वि. संस्क. कलकत्ता,
ब्राह्म मिशन प्रेस, १८९५, १७ पृ. १८ से.
ने. ला.

शैलेंद्रनाथ विशि

राजा राममोहन राय. कलकत्ता, लेखक, १९५०.
६,६२ पृ. १८ से. ने. ला.

श्रीनाथ चंद्र, १८५१–१९३८.

ब्राह्म समाजेर चल्लीस वत्सर. कलकत्ता, १९१३.
४४६ पृ. बं. सा. प.

ब्राह्म समाजेर चल्लीस वत्सर, द्वि, संस्क. कलकत्ता,
साधारण ब्राह्म समाज, १९६८.
८,३५२ पृ. छवि २२ से.
ने. ला.

षट्त्रिंश व्याख्यान. कलकत्ता, १८५४.
२५६ पृ. १८ से.
तत्त्वबोधिनी पत्रिका थेके पुनर्मुद्रित.
इ. आ.

संगीत पुष्पाहार, ब्राह्म समाजेर गीत. ढाका, १८८१.
भाग १. ४,६४ पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

संगीत संग्रह, ब्राह्म समाजेर गीत. ढाका, १८८३.
भाग १. ३१,२६३ पृ. १८ से.
इ. आ.

संगीत सुधा सिंधु. ब्राह्मसमाजेर गीत, द्वि. संस्क.
कलकत्ता, १८७७. १६,१४२ पृ. १८ से.
इ. आ.

सतीशकुमार चट्टोपाध्याय

ब्रह्म गीतोपनिषदेर परिचय व केशवचंद्रेर साधनाय हिंदु धर्म.
कलकत्ता, नवविधान, १९६७. ४६ पृ. १८ से.
ने. ला.

समन्वय मार्ग. कलकत्ता, एम. सी. सरकार ऐंड संस,
१९६१. ४१६ पृ. २१ से. ने. ला.

सतीशचंद्र गंगोपाध्याय

विद्रोही राजा राममोहन. कलकत्ता, युवक पुस्तकालय,
१९३३. ९२ पृ. १८ से.
ने. ला.

सतीशचंद्र चक्रवर्ती

आमादेर देश व ब्राह्म समाज. कलकत्ता, साधारण
ब्राह्म समाज, १९६५. १६ पृ. १८ से.
ने. ला.

ब्रह्म संगीत, द्वादश संस्क. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म
समाज, १९४९. ६३५ पृ. १८ से.
ने. ला.

साधनाश्रम

साधनाश्रमेर इतिवृत्त, १८९२–१९५१. कलकत्ता,
साधनाश्रम, १९५२. १९५ पृ. १८ से.
ने. ला.

सीतानाथ तत्वभूषण

ब्रह्म जिज्ञासा. कलकत्ता, १९११.
२०२ पृ. १८ से. बं. सा. प.

ब्रह्म जिज्ञासा, तृ. संस्क. कलकत्ता, ज्योतिरींद्रनाथ दास,
१९६२. २०,२०२ पृ. १८ से.
ने. ला.

सुकमल दासगुप्त

एक जे छिलो राजा. कलकत्ता, ईस्टर्न ट्रेडिंग कं., ति. न.
४,८० पृ. २१ से. ने. ला.

सुधाकण चक्रवर्ती

श्रीशचंद्र चक्रवर्ती. कलकत्ता, १९६०.
ने. ला.

सुनीतिहार, नवविधान ब्राह्म समाजेर संगीत. कलकत्ता, १८९७. ५६ पृ. १८ से.
इ. ग्रा.

सौमेंद्रनाथ ठाकुर

भारतेर शिल्प विप्लव व राममोहन. कलकत्ता, रूपा ऐंड कं., १९६३. ११७ पृ. २२ से.
ने. ला.

इंडेक्स

राजा राममोहन राय, अनु. सोमेंद्रनाथ वसु. नई दिल्ली, साहित्य अकादमी, १९७२. ६,५८,४ पृ. २१ से. (भारतीय साहित्यकार पुस्तकमाला).

मूल अंग्रेजी से बाङलानुवाद. ने. ला.

सौरींद्रमोहन चट्टोपाध्याय

राजा रामोहनराय. कलकत्ता, मंडल ऐंड संस, १९७०. ४,१७७ पृ. १८ से.

(यात्रा नाटक). ने. ला.

स्तुति माता, ब्राह्मसमाजेर संगीत. कलकत्ता, १८६२. ११,२९० पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

स्त्रीर प्रति उपदेश, तृ. संस्क. कलकत्ता, १८६६. ७८ पृ. १६ से. इ. ग्रा.

हेमेंद्रनाथ ठाकुर

माघोत्सव, पट्त्रिंश संवत्शरीक उपहार, १८४३–१८६५, संपा. हेमेंद्रनाथ ठाकुर, ३६–तम सभा. कलकत्ता, १८६५. २१३ पृ. २१ से.
ब्रि. म्यू.

गुजराती

बंगदी (ए कलेक्शन ऑव प्रेयर्स ऐंड हीम्स फार फेमिली यूज़).
बंबई, १८७३. १२४ पृ. १५ से.
इ. ग्रा.

नारायण हेमचंद्र

ब्राह्म धर्म मतसार (द प्रिंसिपुल्स ऑव द ब्राह्मिस्ट रिलिज़न). बंबई, १८८२. ३० पृ.

मूल बाङला से गुजराती अनुवाद.
इ. ग्रा.

नवीनचंद्र राय

सद्धर्म सूत्र : मूल हिंदी से गुजराती व्याख्या, व्याख्याकार नारायण हेमचंद्र. बंबई, १८७७. २४ पृ.

मूल हिंदी से गुजराती अनुवाद. इ. ग्रा.

तैलगु

नरसिंहम्मु पालपर्ति

ब्राह्म धर्म अनुष्ठान पद्धति. काकीनाड़ा, आंध्र प्रदेश ब्राह्म समाजमु, १९६२. ८,८० पृ. १८ से.
ने. ला.

नारायण मूर्ति

तत्व ज्ञानमु. सिकंदराबाद, वैदिक साहित्य प्रचुरनलु, ति. न. ८,४४ पृ. १८ से. ने. ला.

न्यायदर्शन परिचयमु. सिकंदराबाद, वैदिक साहित्य प्रचुरनलु, १९७०. ४,८६ पृ. १८ से.
ने. ला.

संकल्प सिद्धि. सिकंदराबाद, वैदिक साहित्य प्रचुरनलु, १९६९. ४,५१ पृ. १८ से.
ने. ला.

स्वात्मनिरीक्षणमु. सिकंदराबाद, वैदिक साहित्य प्रचुरनलु, ति. न. ४,२८ पृ. १८ से.
ने. ला.

परिशुद्धास्तिक मतमु. राममहेंद्रवरमु, आंध्र ब्राह्म सभा, १९५८, २,३० पृ. १४ से.
ने. ला.

प्रकाशरायडु, तल्लाप्रगड़

ब्राह्मधर्म्मम्. चिरला, चिरला प्रार्थना समाजमु, १९७०. १२,४६ पृ. १८ से. ने. ला.

मराठी

एक जगद्वासी आर्य

धर्म विवेचन अर्थाध् परमार्थिक धर्म आणि व्यावहारि धर्म यांचे विवेकपूर्वक निश्चयात्मक व सारांश रूपाने कथन. मुंबई, १८६८. १२,१३२ पृ. १६ से.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन

आदि शास्त्र व ईश्वर ज्ञान (टीचिंग्स ऑव द ब्राह्म समाज), अनु. विट्ठलकृष्ण खेडकर. बंबई, १८७५. ३६ पृ. १८ से.

बंगला से मराठी में अनुवाद. इ. ग्रा.

आदिशास्त्र व ईश्वर ज्ञान, अनु. विट्ठल कृष्णाजी खेडकर, द्वि. संस्क. मुंबई, सुबोध प्रकाश, १८८५. ४,२० पृ. १८ से.

केशवचंद्र सेन यांच्या ब्राह्मधर्मावरील २ व्याख्यानांचे भाषांतर.
ने. ला.

दादोबा पांडुरंग तर्खडकर

पारमहंसिक ब्राह्मधर्म (पद्यात्मक). मुंबई, गणपत कृष्णजी, १८८०. २,१३ पृ. १६ से.

ने. ला.

पारमहंसिक ब्राह्मधर्म (पद्यात्मक). मुंबई, १८८८. २,८,२ पृ. २१ से. ने. ला.

देवेंद्रनाथ ठाकुर

श्री ब्राह्मधर्म. पुणें, ज्ञानचक्षु, ब्राह्मसंवत् ५८. २,(५२×२) + (८×२) पृ. १७ से.
मूल बङला से मराठी पद्यात्मक भाषांतर.

ने. ला.

धर्म शिक्षा (प्रिंसिपुल्स ऑव द ब्राह्मिस्ट रिलीजन कंपायल्ड फ्राम द बंगाली बाई विट्ठल कृष्णजी खेडकर. बंबई, १८७३. ८,७१ पृ. १८ से.

इ. आ.

बलवंत भाऊ नागरकर

नवसंहिता अथवा आर्य लोकांचें नियमशास्त्र. मुंबई, आंग्लो वर्नाक्यूलर, १८८८.
८,३५,१८६,२ पृ. १७ से. ने. ला.

बावण बापू कोरगांवकर

ब्राह्मधर्म प्रथम खंड––अनुशासन (नीतिशास्त्र सार). मुंबई, लेखक, १९२७. ४,१०८ पृ. १७ से.

ने. ला.

ब्राह्म धर्म प्रतिपादक वाक्य संग्रह––हिंदु, यहूदी, खिस्ती, मंहमदी, आणि, पारसी धर्म पुस्तकांतून निवडलेला; गद्य भाषांतरासह. बंबई, १८७०. ८,६८ पृ. १८ से.

इ. आ., ब्रि. म्यू.

रामकृष्ण गोपाल भंडारकर

ब्राह्म विवाह विधि. मुंबई, बा. बा. कोरंगावकर, १९१९. २,३४ पृ. १६ × २४ से. पोथी.

ने. ला.

शाहाजी प्रतापसिंह, महाराज

ब्रह्म स्मृति. महाराष्ट्र आणि हिंदी भाषेंत अव्रानी भाषेचा तरजुमा उपासनेचा. पूना, ज्ञानचक्षु, १८८३. ६,२६४,२ पृ. २२ से.
मराठी + हिंदी.
१. उपासना, २. व्याख्यान. ३. धर्मतत्व, ४. ब्राह्मोज्ञान.

ब्रि. म्यू.

सदाशिव कृष्ण फडके

नव युगधर्म किंवा, हिंदुस्तानांतील आधुनिक धार्मिक चलवलीचा विवेचक इतिहास––प्रथम खंड––ब्राह्म समाज व देव-समाज. पुणें, लेखक, १९२७.
४४,८८० पृ. २१ से. ने. ला.

सीताराम यादव जह्वेरे

ब्राह्म धर्माचा नीच मानलेल्या जातींस संदेश. मुंबई, १९०४. २,१४ पृ. २१ से.

ने. ला.

आत्म तत्व विद्या (ए ब्राह्मिष्ट फिलासॉफिकल ट्रीटाइज़ आन ब्राह्म धर्माचा नीच मानलेल्या जातींस संदेश. मुंबई, १९०४. २,१४ पृ. २१ से.

ने. ला.

हिंदी

आत्मतत्व विद्या (ए ब्राह्मिष्ट फिलासॉफिकल ट्रीटाइज़ आन द नेचर ऑव गॉड), अनु. दीन देवी. सूल्तानगंज (लाहौर), १८७२. ५६ पृ. १८ से.
मूल बङला से हिंदी अनुवाद.

इ. आ., ब्रि. म्यू.

कृष्णदास, लाला

भेदाभेद निरूपण (ब्रह्म विषयक चर्चा). अमृतसर, १८७६. ८० पृ. १८ से.
गुरुमुखी लिपि. इ. आ.

कुंजबिहारी लाल

इंतखाव ब्रह्मदर्शन तथा इंतखाव प्रेम सरोवर. लाहौर, १८७४. ४८ प. २१८ से.

इ. आ.

जानकी देवी

ब्रह्म विद्या का सार. दिल्ली, १८७४. १६ पृ. इ. आ.

नवीन चंद राय

आचारादर्श अर्थात् ब्राह्मस्मृति हिंदूवंशीय ब्राह्मगण के निमित्त. लाहौर, १८६२. २८ पृ. १८ से.

ब्रि. म्यू.

तत्त्वबोध. मुंबा, १८८५. —पृ. १८ से.

ब्रि. म्यू.

धर्मदीपिका, द्वि. संस्क. शाहजहाँपुर, शुभचिंतक प्रेस, १८८४. १२ पृ. १२ से.
भाग १. आ. पु.

ब्राह्म धर्म के प्रश्नोत्तर. लाहौर, मित्रविलास प्रेस, १८७३. १०२,७ पृ. इ. आ.

सद्धर्मसूत्रम्, मूल संस्कृत एवं हिंदी भाषावनूाद सहित, अनु. नवीनचंद राय. लखनऊ, १८८३.
३६ पृ. १८ से. ब्रि. म्यू.

प्रार्थना पुस्तक (ब्राह्मधर्म संबंधी प्रार्थना). कलकत्ता, १८७०. २३ पृ. १६ से.
इ. ग्रा.

ब्रह्मोपासना की पद्धति. कलकत्ता, १८७२. २४ पृ. १६ से. इ. ग्रा.

ब्राह्म ग्रंत्येष्ठि ग्रौर श्राद्ध पद्धति. लाहौर, १८७५.
इ. ग्रा.

ब्राह्मधर्म का मतसार. लाहौर, १८७६. १६ पृ. १५ से. इ. ग्रा.

ब्राह्म संगीत (ब्राह्म धर्मोपदेश पद्य में). लाहौर, १८७४. ७२ पृ. १६ से. इ. ग्रा.

ब्राह्म समाज : प्रार्थना पुस्तक, द्वि. संस्क. कलकत्ता, १८७०. २३ पृ. १४ से.
ब्रि. म्यू.

भीमसेन शर्मा

ब्राह्मम‍त परीक्षा (सद्धर्मी लोग वेदों को कैसा मानते हैं ?). इलाहाबाद, १८९१. १६ पृ.
पैम्फलेट के जवाद में ब्राह्म धर्मोपदेश.
इ. ग्रा.

भोलानाथ साराभाई

ग्रथ ईश्वर प्रार्थना, ग्रनु. श्यामलाल सिंह. ग्रहमदाबाद, १८८०. १६,२०२ पृ. १८ से.
मूल गुजराती से हिंदी ग्रनुवाद. ब्रि. म्यू.

रामदत्त

उपनयन पद्धति, भाषा टीका. पं. विष्णु दत्त. लाहौर, १८७४. २० पृ. इ. ग्रा.

उपनयन पद्धति. वंबई, लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस, १८९३. २,१०४,४ पृ. २८ से.
ग्रा. पु., भा. भ. पु.

लाहिड़ीचंद्र

ब्रह्मस्तव, टीका. मोहिनीलाल गुप्त. लखनऊ, नवलकिशोर प्रेस, १८९०. ग्रा. पु.

विवाह पद्धति. लाहौर, १८७४. ४० पृ. १७ से.
इ. ग्रा.

श्यामलाल सिंह

ईश्वरोपासना, ब्राह्मसमाजी प्रार्थना व गीत. ग्रहमदावाद, १८८०. २,८० पृ. १८ से.
ब्रि. म्यू.

संगीतमाला. लाहौर, १८७७. २०,११२ पृ. १७ से.
ब्राह्मधर्म संबंधी गीत.
फारसी लिपि. इ. ग्रा.

हरिनामचंद्र जोशी

हिंदू धर्म विवर्द्धन. लाहौर, १८८४. ५६ पृ. १८ से.
लाहौर में ब्राह्म समाज के दसवें वार्षिकोत्सव पर हरिनामचंद्र जोशी का हिंदू धार्मिक कुरीतियों पर सारगर्भित भाषण.
इ. ग्रा.

हेमचंद्र

ब्राह्मधर्म. कलकत्ता, ब्राह्म समाज, १८१७.
ल, वि, वि.

ग्रंग्रेजी

राममोहन राय

एन ग्रपॉलजी फार द परस्यूट ग्रॉव फाइनल ब्युटीटचूड, इंडिपेंडेंटली ग्रॉव ब्राह्मनिकल ग्राब्जर्वेंसेज़. कलकत्ता, बैप्टिश मिशन प्रेस, १८२०. (१८ पे.). २१.५ से.
वैरियस पेजिंग.
संस्कृत ऐंड इंगलिश. ब्रि. म्यू., न्यू. प. ला.

एन ग्रपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक इन डिफेंस ग्रॉव द "प्रिसेप्ट ग्रॉव जेसस". भवानीपुर (कलकत्ता), शामाचरन सुत्तज्ञान, १८५४. २९ पे. २० से.
फर्स्ट प्रिंटेड एट कलकत्ता इन १८२०.
रीप्रिंटेड, लंडन, १८२३. ने. ला.

बंगाली ग्रामर इन द इंगलिश लैंग्वेज. कलकत्ता, यूनिटेरियन प्रेस, १८२६. २,१४० पे. २१ से.
ब्रि. यू., ला. का., ने. ला.

ए बॉयग्राफिकल मेम्वायर ग्रॉव द लेट राजा राममोहन राय . . . विद इक्सट्रैक्ट्स फ्राम हिज़ राइटिंग्स. फ्राम डा. लैंट कारपेंटर्स रिव्यू ग्रॉव राजा राममोहन राय [ऐंड ग्रदर सोर्सेज़]. कलकत्ता, एशियाटिक प्रेस, १८३५. ११२ पे. १८ से. ब्रि. म्यू.

ब्रीफ रिमार्क्स रिगार्डिंग मॉडर्न इनक्रोचमेंट्स ग्रान द एंशियंट राइट्स ग्रॉव फीमेल्स एकार्डिंग टू द हिंदू लॉ ग्रॉव इनहेरिटेंस. कलकत्ता. यूनिटेरियन प्रेस, १८२२. १६ पे. २० से. ब्रि. म्यू., ने. ला.

ब्रीफ रीमार्क्स रिगार्डिंग मॉडर्न इनक्रोचमेंट्स ग्रान द एंशियंट राइट्स ग्रॉव फीमेल्स एकार्डिंग टू द हिंदू लॉं ग्रॉव इनहेरिटेंस.

विद ए प्रिफेस बाई रामप्रसाद राय. कलकत्ता, १८५६.
१६ पे. १६ से.
बाउंड विद अदर ट्रैक्ट्स.
त्रि. म्यू., ने. ला.

ए डीफेंस ऑव हिंदू थीइज्म इन रिप्लाई टू द अटैक ऑव एन ऐडवोकेट फार आइडोलेटरी एट मद्रास. कलकत्ता, [नो. पब.], १८१७. २,२०,२६ पे. २१ से.
लेटर ऑव शंकर शास्त्री एड्रेस्ड टू द एडिटर ऑव द मद्रास कोरियर, पे. १-२०. ने. ला., न्यू. प. ला

डायलॉग बिटवीन ए थीइस्ट ऐंड एन आइडोलेटर; ब्राह्म पौट्टलिक संवाद, ऐन १८२० ट्रैक्ट प्रावेबली बाई राममोहन राय एडिटेड विद एन इंट्रोडक्शन बाई स्टीफेन एन. हे.
कलकत्ता, के. एल. मुखोपाध्याय, १९६३.
४,२०० पे. फ्रांट (पोर्ट्रेट) १८ से.
बिबलियोग्राफिकल फुटनोट्स.
ओरिजिनल बंगाली टेक्स्ट ऐंड इंगलिश ट्रांसलेशन आन पैरलेल पेजेज. ने. ला.

डायलॉग बिटविन ए थीइस्ट ऐंड एन आइडोलेटर (ब्राह्म पौत्तलिक संवाद), एन १८२० ट्रैक्ट प्राबेबली बाई राममोहन राय, एडिटेड बाई स्टीफेंस एच. हे. कलकत्ता, के. एल. मुखोपाध्याय, १९६४.
६,२०० पे. फ्रांट. १८ से.
बंगाली ट्रांसलेशन इन आल्टरनेटिव पेजेज.
इंगलिश ऐंड बंगाली. ने. ला.

द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय, एड. बाई जोगेंद्र चंदर घोष, कंपायल्ड बाई ईशान चंदर घोष. कलकत्ता, ईशान चंदर घोष (ओरियंटल प्रेस, लंदन, विलियम्स ऐंड नॉरगेट), १८८५-८७.
२ वाल्यूम. फ्रांट. पोर्ट्रेट २१ से.
कंटेंट्स—द प्रीसेप्ट ऑव जेसस द गाइड टू पीस ऐंड हैप्पिनेस ...एन अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक इन डिफेंस ऑव द प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस—सेकंड अपील...फाइनल अपील... प्रिलिमिनरी रिमार्क्स टू द इक्सपोज़ीशन ऑव द जुडीशियल ऐंड रेवेन्यू सिस्टम्स ऑव इंडिया कंटेनिंग ए ब्रीफ स्केच ऑव द एंशियंट ऐंड मॉडर्न बाउंडरीज़ ऐंड हिस्ट्री ऑव इंडिया—क्वेश्चंस ऐंड आंसर्स आन द जूडिशियल सिस्टम ऑफ इंडिया—क्वेश्चंस ऐंड आंसर्स आन द रेवेन्यू सिस्टम ऑव इंडिया.—ए पेपर आन द रेवेन्यू सिस्टम ऑव इंडिया...आंसर्स टू एडीशनल क्वेरीज रिस्पेक्टिंग द कंडिशन ऑव इंडिया—एपेंडिक्स टू द इक्सपोजीशन ऑव द जूडिशियल ऐंड रेवेन्यू सिस्टम ऑव इंडिया—रिमार्क्स आन सेटिलमेंट इन इंडिया बाई योरोपियंस. —इक्सट्रैक्ट फ्राम ए स्पीच ऑन सेटिलमेंट ऑव योरोपियंस

इन इंडिया.—स्पीच ऐट द यूनिटैरियन एसोशियेशन ऑव लंदन. इक्सट्रैक्ट फ्राम ए लेटर, डेटेड सेप्टेम्बर ५, १८२०.—इक्सट्रैक्ट फ्राम ए लेटर टू ए जेंटिलमैन ऑव बाल्टीमोर, डेटेड अक्टूबर, २७, १८२२.—इक्सट्रैक्ट फ्राम ए लेटर डेटेड दिसंबर ६, १८२२.—लेटर टु डा. टी. रीज़.—लेटर टु मि. बकिंघम. —लेटर टु मि. जे. बी. इस्टलिन.—लेटर टु मिसेज उडफोर्ड. —लेटर टु मि. विलियमरॉथबोन.—लेटर टु मि. उडफोर्ड.—पेटिशन अगस्ट रजि. ३ ऑव १८२८—
जनरल इंडेक्स.
लाइब्रेरी हैज़. वाल्यूम २ ऐंड ३.
त्रि. म्यू., ला. का., ने. ला.

द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय, एड. बाई जोगेंद्र चंदर घोष. कलकत्ता, श्रीकांत राय, १९०१.
—वाल्यूम. १९ से.
ईच विद सेपरेट फैसिम टाइटिल-पेज.
कंटेंट्स—वाल्यूम १. नॉट रीसिव्ड.
वाल्यूम २. इक्सपोज़ीशनऑव द प्रैक्टिकल ऑपरेशन ऑव द जूडिशियल ऐंड रेवेन्यू सिस्टम ऑव इंडिया ऐंड ऑव द जनरल कैरेक्टर ऐंड कंडीशन ऑव इट्स नेटिव इनहैबिटेंट्स; रिमार्क्स ऑन सेटिलमेंट इन इंडिया बाई यूरोपियंस. ट्रांसलेशन ऑव ए कॉनफरेंस बिट्वीन एन ऐडवोकेट फॉर ऐंड एन अपोनेंट ऑव द; प्रैक्टिस ऑव बर्निंग विडोज़ एलाइव फ्राम द ओरिजिनल बंगला ब्रीफ रिमार्क्स रिगार्डिंग मॉडर्न इनक्रोटमेंट्स आन द एंशियंट राइट्स ऑव फीमेल्स एकार्डिंग टू द हिंदू लॉ ऑव इनहेरिटेंस. एसे आन द राइट्स ऑव हिंदूज ओवर ऐंसेस्ट्रल प्रापर्टी, एकार्डिंग टू द लॉ ऑव बंगाल. लेटर्स आन द हिंदू लॉ ऑव इनहेरिटेंस. पेटीशंस अगेंस्ट द प्रेस रेगुलेशंस. अपील टू द किंग इन कौंसिल. ए लेटर आन इंगलिश एजूकेशन. स्पीचेज़ ऐंड लेटर्स
—वाल्यूम ३. पार्ट १. द प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस, द गाइड टू पीस ऐंड हैप्पिनेस, एन अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक इन डिफेंस ऑव द प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस, सेकंड अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक इन डिफेंस ऑव द प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस; पार्ट २. फाइनल अपील टू द क्रिश्चिय पब्लिक इन डिफेंस ऑव द प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस; पार्ट ३. ए लेटर ऑन द प्रास्पेक्ट ऑव क्रिश्चियानिटी, द कामन बेसिस ऑव हिंदुइज़्म ऐंड क्रिश्चियानिटी, ए डायलॉग बिटवीन ए मिशनरी ऐंड थ्री चाइनीज कनवर्ट्स. जनलर इंडेक्स. त्रि. म्यू.

द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय, विद एन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव "तुहफतुल मुवाहिद्दीन". इलाहाबाद, पाणिनि आफिस, १९०६.
२६,६७८ पे. फ्रांट प्लेट, पोर्ट्रेट १९.५ से
ईच एसे हैज़ ए स्पेशल टाइटिल-पेज. कंटेंस ऑल हिज़

इंगलिश राइटिंग्स ह्विच वेयर एड. बाई नि. जोगेंद्र चंदर घोष. . .एड कंपायल्ड ऐंड पब्लिश्ड बाई ईशान चंदर घोष.
ब्रि. म्यू. न्यू. प. ला,

द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय. कलकत्ता, ब्राह्मसमाज सेंटेनरी समिति, १९२८.
—वाल्यूम्स. २२ से.
पार्ट ऑव ए सिरीज़ इनटाइटिल्ड "ब्राह्मक्लासिक्स."
इंपर्फेक्ट. वांटिंग आल आफ्टर वाल्यूम १.
ब्रि. म्यू.

द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय (सोशल ऐंड एजूकेशनल). कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९३४.
३,८,१८६,३० पे. २२ से.
द लास्ट थर्टी पेज़ेज़ कंटेन "राजा राममोहन रायज़ ट्रैक्ट्स ऑन सती, १८१८–३१".
सेंटेनरी एडिशन.
ए. सो., ने. ला.

द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय, एड. बाई कालीदास नाग ऐंड देवज्योति वर्मन. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९४५—.
—वाल्यूम. फ्रंट. २५ से.
लाइब्रेरी हैज़ : वाल्यूम १ (१९४५).
वाल्यूम ४ (१९४७).
वाल्यूम ५ (१९४८).
वाल्यूम ६ (१९५१).—पार्ट २ ऐंड ३ (१९४७).
ने. ला.

एसे ऑन द राइट्स ऑव हिंदूज़ ओवर ऐंसेस्ट्रल प्रापर्टी, एकार्डिंग टू द लॉ ऑव बंगाल. कलकत्ता, बैप्टिस्ट मिशन प्रेस, १८३०. ४७ पे. २० से.
ने. ला.

एसे ऑन द राइट ऑव हिंदूज़ ओवर ऐंसेस्ट्रल प्रापर्टी, एकार्डिंग एपेंडिक्स कंटेनिंग लेटर्स ऑन द हिंदू लॉ ऑव इनहेरिटेंस, सेकंड एड. लंदन, स्मिथ एल्डर ऐंड कं., १८३२. —पे. २० से.
ब्रि. म्यू, ने. ला.

इक्सपोज़िशन ऑव द प्रैक्टिकल ऑपरेशन ऑव द जुडीशियल ऐंड रेवेन्यू सिस्टम्स ऑव इंडिया ऐंड ऑव द जेनरल कैरेक्टर ऐंड कंडीशन ऑव इट्स नेटिव इनहैबिटेंट्स, विद नोट्स ऐंड इलस्ट्रेशंस, आलसो ए ब्रीफ प्रिलिमिनरी स्केच ऑव द एंशियट ऐंड मॉडर्न बाउंडरीज़ ऐंड ऑव द हिस्ट्री ऑव दैट कंट्री, इल्यूसिडेटेड बाई ए मैप. लंदन, स्मिथ एल्डर ऐंड कं., १८३२.
१६,१३० पे. मैप २२ से.
ब्रि. म्यू., ला. का, ने. ला.

द फादर ऑव मॉडर्न इंडिया कम्मेमोरेशन वाल्यूम ऑव द राममोहन राय सेंटेनरी सेलिब्रेशंस, १९३३, कंपायल्ड ऐंड एड. बाई सतीशचंद्र चक्रवर्ती विद ए पोर्ट्रेट. कलकत्ता, राममोहन राय सेंटनरी कमिटि, १९३५.
३८,५७२ पे. २३ से.
ब्रि. म्यू.

फाइनल अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक, इन डिफेंस ऑव द "प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस", एड. बाई [टी. आर.] आर. हंटर. लंदन, १८२३. २२ से.
ब्रि. म्यू.

द लास्ट डज़ इन इंग्लैंड ऑव द राजा राममोहन राय, एड. बाई यम. कार्पेंटर. लंडन, १८६६. २३ से.
ब्रि. म्यू.

द लास्ट डेज़ इन इंगलैंड ऑव द राजा राममोहन राय, ऐंड. बाई मैरी कार्पेंटर, . . .इलस्ट्रेटेड थर्ड एड. कलकत्ता, १९१५. १७,२५८ पे. २३ से.
ब्रि. म्यू.

द प्रिसेप्ट्स ऑव जेसस, द गाइड टू पीस ऐंड हैप्पिनेस, इक्सट्रैक्टेड फ्राम द बुक्स ऑव न्यू टेस्टामेंट ऐसक्राइव्ड टू द फोर इवैंजेलिस्ट्स. टू ह्विच आर ऐडेड द फर्स्ट ऐंड सैकंड अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक, इन रिप्लाई टू द आब्जर्वेशंस ऑव डा. मार्शमैन, बाई राममोहन राय. लंदन, न्यूयार्क, बी. वेट्स, १८२५.
१९,३१८ पे. फ्रांट पोर्ट २२ से.
ला. का.

राजा राममोहन राय, हिज़ लाईफ, राइटिंग्स एड स्पीचेज़. मद्रास, जी. ए. नाटेशन एड कं., १९२५.
६,६४,२७५ पे. फ्रांट (पोर्ट.) १९ से.
ब्रि. म्यू, ने. ला., न्यू. प. ला.,

ए राममोहन राय सिंपोज़ियम . कलकत्ता, यच. सी. दास, १८९६. ६,६८ पे. १६ सें. . . .
रीप्रिंटेड फ्राम द 'राममोहन राय नंबर' ऑव द "क्वीन".
ब्रि. म्यू.

ए रिव्यू ऑव द मुंडक उपनिषद्, ट्रांसलेटेड इनटू इंगलिश बाई राममोहन राय, टू ह्विच इज़ प्रिफिक्स्ड, ऐन एसे आन . . . रिलिजन (बाई कृष्णमोहन बंद्योपाध्याय). कलकत्ता, १८३३. १६ से.
ब्रि. म्यू.

सेकंड अपील टु द क्रिश्चियन पब्लिक इन डिफेंस ऑव द "प्रीसेप्ट्स ऑव जेसस" (अगेंस्ट द क्रिटिसिज्म ऑव जॉन मॉर्शमैन.) कलकत्ता, १८२१. २२ से.
ब्रि. म्यू.

राममोहन राय

ए सेकंड कॉंफरेंस बिट्वीन ऐन ऐडवोकेट ऐंड ऐन अपोनेंट ऑव द प्रैक्टिस ऑव बर्निंग विडोज़ एलाइव, ट्रांसलेटेड फ्राम द ओरिजिनल बंगाली. कलकत्ता, बैप्टिस्ट मिशन प्रेस, १८२०. २,५० पे. १९ से.

न्यू. प. ला.

ए सेकंड डिफेंस ऑव द मोनोथिइस्टिकल सिस्टम ऑव द वेदाज़, इन रिप्लाई टू ऐन अपालॉजी फार द प्रजेंट स्टेट ऑव हिंदू वरशिप. कलकत्ता, नो पब्लिशर, १८१७. २,५८ पे. २० से.

ब्रि. म्यू., ने. ला.,

सेलेक्शंस फ्रॉम ऑफिशियल लेटर्स ऐंड डाकूमेंट्स. कलकत्ता, [ ]. ३११ से. २५ से. टाइटिल पेज मिसिंग.

ए. सो.

ट्रांसलेशन ऑव ऐन अब्रिजमेंट ऑव द वेदांत (ऑर रादर ऑव हिज़ ओन बंगाली एसेज़े फाउंडेड ऑन सेलेक्ट पैसेज़ेज एडिटेड फ्राम द 'वेदांत सूत्राज़' ऑव बादरायण) ऑर रिज़ोलूशन ऑव ऑल द वेद्स, बाई राममोहन राय. कलकत्ता, १८१६. १४ पे. २८ से.

ब्रि. म्यू.

ट्रांसलेशन ऑव ऐन एब्रिज़मेंट ऑव द वेदांत, ऑर, रिज़ोल्यूशन ऑव ऑल द वेडद्स. . .लाइकवाइज़ ए ट्रांसलेशन ऑव द केन उपनिषद्. . .बाई राममोहन राय. लंदन, टी. ऐंड जे. ह्वायट, १८१७. २ भाग. २२ से. दिस इज़ ऐन इंगलिश रिप्रिंट ऑव द कलकत्ता ऐडिशन ऑव १८१६, प्रीसीडेड बाई ए शार्ट नोटिस ऑव राममोहन राय बाई एन एनॉनिमस एडिटर.

ब्रि. म्यू.

ट्रांसलेशन ऑव ए कॉंफरेंस बिट्वीन ऐन ऐडवोकेट ऐंड ऐन अपोनेंट ऑव द प्रैक्टिस ऑव बर्निंग विडोज़ एलाइव, फ्राम द ओरिजिनल बंङ्ला. [कलकत्ता?], १८१८. २,२८ पे. १८ से.

ब्रि. म्यू, न्यू. प. ला.

ट्रांसलेशन ऑव सेवरल प्रिंसिपल बुक्स, पैसेज़ेज़ ऐंड टेक्स्ट्स, ऑव द वेदाज़ ऐंड ऑव सम कांट्रोवर्सियल वर्क्स ऑव ब्राह्मनिकल थऑलॉजी, बाई राजा राममोहन राय, सेकंड एड. लंदन, पार्बरी, एलेन ऐंड कं., १८३२. ८,२८२ पे. २२ से.

ब्रि. म्यू., ला. का., न्यू. प. ला.

ट्रांसलेशन ऑव सेवेरल प्रिंसिपल बुक्स. . .ऑव द वेदाज़, ऐंड ऑव सम कंट्रोवर्सियल वर्क्स ग्रान ब्राह्मनिकल थियॉलजी, बाई राममोहन राय. . .कलकत्ता, सोसाइटी फार द रिसस्सि-

राम मोहनराय

येशन ऑव इंडियन लिटरेचर, १९०३. ३३,३ लीफ, ४३-७६,२,२५१ पे. २३ से.

न्यू. प. ला.

तुहफतुल मुवहिद्दिन ऑर गिफ्ट टू डीस्ट्स. . .ट्रांसलेटेड बाई मौलवी ओवेद्दुल्ला अल ओवेद. कलकत्ता, आदि ब्राह्म समाज, १८८४. ६,२१ पे. २१ से.

ब्रि. म्यू.

तुहफतुल मुवहिद्दिन ऑर ए गिफ्ट टू डीस्ट्स, ट्रांसलेटेड इनटू इंगलिश बाई ओवेद्दुल्ला अल ओवेद. कलकत्ता, १९४९. २५ पे. १९ से.

ए. सो.

ए लेक्चर ऑन द लाइफ. . .ऑव राममोहन राय, एड. बाई राखालदास हाल्दर. कलकत्ता, जी. पी. राय ऐंड कं., १८७९. २७ पे. १८ से,

ब्रि. म्यू.

अमल होम

राममोहन राय : द मैन ऐंड हिज़ वर्क. . ., कंपायल्ड ऐंड एड. बाई अमल होम (. कलकत्ता, राममोहन राय सेंटेनरी कमेटी, १९३३. ७,१६२ पे. पोर्ट्रेट २८ से.

ब्रि. म्यू., ने. ला.

अमिय कुमार सूर

राजा राममोहन राय, द रिप्रजेंटेटिव मैन. कलकत्ता, कलकत्ता टेक्स्ट बुक सोसाइटी, १९६७. १८,४५०,७९ पे. प्लेट (पोर्ट.) २२ से. बिबलियॉग्राफी ऐट एंड ऑव ईच चैप्टर. बिबलियॉग्राफिकल फुटनोट्स.

ने. ला.

आस्पलैंड, आर. बी.

द फ्यूचर एक्सेशन ऑव गुड मेन ऑव आल क्लाइम्स टू क्रिश्चियानिटी ऐंड देयर फाइनल कांग्रिगेशन इन हेवेन. . .ए सरमन ऑन अकेज़न ऑव द. . .डेथ ऑव राजा राममोहन राय विद ए बॉयोग्राफिकल स्केच. लंदन, रोलैंड हंटर, १८३३. ३६ पे. १९ से.

ब्रि. म्यू., ने. ला.

बालकृष्ण नीलजी पितले

ए ब्रीफ स्केच ऑव द लाइफ ऑव केशव चंद्र सेन. बांबे, १८८८. १६ पे. २१ से. रीप्रिंटेड फ्राम द "कल्चर".

ब्रि. म्यू.

बनर्जी, डी. एन.

केशव चंद्र सेन (१८३८-८४) (इन हिज़ इंडियंस नेशन बिल्डर्स. लंदन, १९१९. पे. ५३-६९. २१ से.)

न्यू. प. ला.

बनर्जी, जी. सी.

केशव ऐज़ सीन वाई हिज़ अपोनेंट्स : ए सिरीज़ ऑॅव कनफेशंस.
इलाहाबाद, इंडियन प्रेस, १९३०. १३१ पे. १८ से.
ए. सो.

केशव चंद्र ऐंड राम कृष्ण... इलाहाबाद, इंडियन प्रेस, १९३१.
३,४,३,४०२ पे. प्लेट्स पोर्ट. १६ से.
ए डिसकशन ऑॅव द टीचिंग्स ऑॅव द रिलिज़स सोसाइटी, आदि ब्राह्म समाज.
विब. पे. ३९१–४०२. न्यू. प. ला.

बेनी माधव दास

पिलग्रिमेज थ्रू प्रेयर. कलकत्ता, विमल चंद्र दास, १९६३.
५,२१० पे. २२ से. ने. ला.

विनयेंद्रनाथ सेन

लेक्चर्स ऐंड एसेज़ (सरमंस). कलकत्ता, नवविधान ट्रस्ट, १९२७.
—वा. १८ से.
लाइब्रेरी हैज़. वा. ३.
कंटेंट्स : द स्पिरिट ऑॅव सैक्रिफाईस, इन गॉड्स कॉर्नफिल्ड, वैनिश्ड फॉर होम, प्रताप चंदर मजूमदार, बैकवर्ड आर फारवर्ड, द टिटैनिक डिज़ास्टर. ने. ला.

भट्टाचार्य, एस.

हिट्री ऑॅव ब्राह्म समाज. कलकत्ता, १९११–१२.
२ वा. १८ से. ने. ला.

मिशन ऑॅव ब्राह्म समाज, सेकंड एड. कलकत्ता, १९१०.
ने. ला.

बाइबिल-गॉस्पेल्स-सेलेक्शंस

द प्रिसेप्ट्स ऑॅव जेसस... टू व्हिच ऑॅर ऐडेड, द फर्स्ट, सेकंड ऐंड फाइनल अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक इन रिप्लाई टू द आब्जर्वेशंस ऑॅव डा. मार्शमैन वाई राममोहन राय, १८२४.
ब्रि. म्यू.

द प्रिसेप्ट ऑॅव जेसस... टू व्हिच ऑॅर ऐडेड द फर्स्ट, सेकंड ऐंड फाइनल अपील टू द क्रिश्चियन पब्लिक इन रिप्लाई टू द आब्जर्वेशंस ऑॅव डा. मार्शमैन वाई राममोहन राय, १८३४.
ब्रि. म्यू.

द प्रिसेप्ट ऑॅव जेसस... टू व्हिच ऑॅर ऐडेड द फर्स्ट, सेकंड ऐंड फाइनल अपील टू द क्रिचियन पब्लिक इन रिप्लाई टू द आब्जर्वेशंस ऑॅव डा. मार्शमैन, बाई राजा रामपमोहन राय, १९५८.
ब्रि. म्यू.

बिमलचंद्र घोष

फ्रैगमेंट्स इन इक्सपोज़ीशन ऑॅव नवविधान. देहरादून, विधान मंडली, १९३४.
—वा. पोर्ट. १७ से. (शरद घोष पब्लिकेशन).
बिब्लियॉग्रॉफी. फुटनोट्स.
कंटेंट्स : वा. ४—स्टडीज़ इन क्रिश्चियानिटीज़.
ने. ला.

सिंथेसिस ऑॅव रिलिजंश, ए न्यू इक्सपोज़ीशन, एड. वाई प्रभात बसु. देहरादून, ए. घोष. १९५५.
६,३६६ पे. फ्रांट पोर्ट. २७ से.
ने. ला.

बिपिनचंद्र पाल, १८५८–१९३२

ब्राह्म समाज ऐंड द बैटिल ऑॅव स्वराज इन इंडिया. कलकत्ता, ब्राह्म मिशन प्रेस, १९२६. ६७ पे. १८ से.
ने. ला.

ए ब्रीफ एकाउंट ऑॅव द ब्राह्म समाज. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९६४. ६ पे. १८ से.
रीप्रिंट.
एडाप्टेड फ्राम 'ए ब्रीफ एकाउंट ऑॅव द ब्राह्म समाज, आर द हिंदू चर्च ऑॅव द डिवाइन यूनिटी,' बाई विपिनचंद्र पाल.
ने. ला.

मेम्वायर्स ऑॅव माई लाइफ ऐंड टाइग्स. कलकत्ता, मॉडर्न बुक एजेंसी, १९३२–५१.
२ वा. प्लेट्स पोर्ट. २२ से.
वा. २. हैज़ इंप्रिंट : कलकत्ता, वाई. प्रकाश.
न्यू. प. ला.

मेम्वायर्स ऑॅव माई लाइफ ऐंड टाइम्स, सेकंड एड. कलकत्ता, विपिनचंद्र पाल इंस्टिटयूट, १९७३.
१२,६७६ पे. प्लेट्स पोर्ट.
प्रिवियस एड. पब्लिश्ड इन २ वा.
ने. ला.

ए शार्ट एकाउंट ऑॅव द लाइफ ऑॅव राजा राममोहन राय ऐंड सरमंस ऑॅन डिवाइन वरशिप ऐंड डिवाइन पर्सनालिटी. मद्रास, ब्राह्म आर्फन एसाइलम प्रेस, १९०३.
१०,१३,१० पे. १८ से. ब्रि. म्यू.

बोस, आर, सी.

ब्राह्मिज्म; ऑॅर, हिस्ट्री ऑॅवरिफार्म्ड हिंदूज्म, फ्रॉम इट्स ओरिजिन इन १८३०... टू द प्रजेंट टाइम. विद ए पार्टिकुलर एकाउंट ऑॅव बाबू केशव चंद्र सेन्स कनेक्शन विद द मूवमेंट. न्यूयॉर्क, फैंक ऐंड वैगनाल्स, १८८४.
२२२ पे. १७ से. न्यू. प. ला.

ब्रैडेन, चार्ल्स एस.

राममोहन राय--फादर ऑव द न्यू इंडिया. (ओपेन कोर्ट. शिकागो, १९३४ वा. ४८, पे. १४७-१५५). न्यू. प. ला.

ब्राह्म समाज

इलाहाबाद ऐंड नागपुर कांग्रेस, कानफरेंसेस ऐंड कनवेंशंस. [कलकत्ता], १९११. ने. ला.

ऐन अपील टू द ब्रिटिश नेशन फॉर द प्रमोशन ऑव एजुकेशन इन इंडिया. कलकत्ता, सी. एच. मैनुयेल, १८६१. १४ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म धर्म, विद द कमेंट्री सुवोधिनि, बंगाली ट्रांस. ऐंड नोट्स, येथ एड. कलकत्ता, १९१९. ४०५ पे. १३ से. ने. ला.

ब्राह्म धर्म : तात्पर्य सहित. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९३७. ३६८ पे. १९ से. इंगलिश ऐंड बंगाली. ए. सो.

ब्राह्म मैरेज़ रिचुअल. मद्रास, सदर्न इंडिया ब्राह्म समाज, १९०२. २० पे. ११ से. एड. ऑव १०० कापीज़. ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज. एशियाज मेसेज़ टू यूरोप. ए लेक्चर..., सेकंड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८५. ५३ पे. १६ से. ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज : इंडिया आस्क्स--हू इज़ क्राइस्ट ? ए लेक्चर बाई केशबचंद्र सेन. कलकत्ता, इंडियन मिरर प्रेस, १८७९. १८ पे. १९ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म समाज; इट्स पोज़ीशन ऐंड प्रास्पेट्स. ए लेक्चर. भवानीपुर (कलकत्ता), श्यामाचरन सरकार, १८५५. १४ पे. १८ से. ने. ला.

द ब्राह्म समाज. द मिशनरी इक्सपेडीशन (बाई केशबचंद्र सेन). कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८१. ३२ पे. ११ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म समाज. द न्यू संहिता, आर द सैक्रेड लॉज़ ऑव द आर्यंस ऑव द न्यू डिसपेंसेशन, फोर्थ एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १९१०. ९७ पे. १७ से. ने. ला.

कलकत्ता कांग्रेस ऐंड कॉफरेंसेज़. कलकत्ता, ब्राह्म समाज, १९०७. ने. ला.

ब्राह्मसमाज

ए कांग्रिगेशन ऑव थीइस्टिक टेक्स्ट्स (ट्रांसलेटेड इनटू बंगाली) फ्राम द हिंदू, जेविश, क्रिश्चियन, मुहम्मडन ऐंड पारसी स्क्रिप्चर्स ऐंड पब्लिश्ड फॉर द ब्राह्म समाज. कलकत्ता. वाल्मीकि प्रेस, १८६९. ६६ पे. १६ से. द सेलेक्शन फ्राम द हिंदू स्क्रिप्चर्स ऑर इन द संस्कृत ओरिजिनल, द रेस्ट इन इंगलिश. ब्रि. म्यू.

ए डिफेंस ऑव ब्राह्मिज्म, ऐंड द ब्राह्म समाज. वींग ए लेक्चर डेलिवर्ड ऐट द मिदनापुर समाज हाल ऑन द २१ जून, १८६३, सेकंड एड. कलकत्ता, आदि ब्राह्म समाज प्रेस. १८७०. २७ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

इन रिप्लाई टू ए ट्रैक्ट काल्ड "प्रेयर फॉर द क्रिश्चियन लाइफ" डेडीकेटेड टू द मेंबर्स ऑव द ब्राह्म समाज. कलकत्ता, १८५६. --पे. १८ से. ने. ला.

लीडर्स ऑव द ब्राह्म समाज. मद्रास, जी. ए. गनेश ऐंड कं., १९२९. २४८ पे. १८ से. ने. ला.

ए लेक्चर इन रिप्लाई टू द क्वेरी. "ह्वाट इज़ ब्राह्मिज्म. कलकत्ता, वाल्मीकि प्रेस, १८७१. ५,३६ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

मद्रास कांग्रेस ऐंड कांनफरेंस. मद्रास, द आथर, १९०९. ने. ला.

ए मैनुअल ऑव ब्राह्म रिचुअल ऐंड डिवोशंस बाई सीतानाथ तत्वभूषण. कलकत्ता, इक्ज़क्यूटिव कमिटि, साधारण ब्राह्म समाज, १९२४. २,८५ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

ऑर्डर ऑव सर्विस इन द ब्राह्म समाज, फॉर द कांग्रिगेशन ऐंड फेमिली, ट्रांस. इनटू इंगलिश फ्राम द बंगाली 'ब्रह्मोपासना प्रणाली'. इलाहाबाद, सुख संवाद प्रेस, १८९०. ८ पे. २१ से.

ऑर्डर ऑव सर्विस इन द ब्राह्म समाज, फॉर द कांग्रिगेशन ऐंड फेमिली, ट्रांस. इनटू इंगलिश फ्राम द बंगाली 'ब्रह्मोपासना प्रणाली', सेकंड एड. कलकत्ता, मंगलागंज मिशन प्रेस, १९१५. ९ पे. २० से. ब्रि. म्यू.

ए रिप्लाई टू द ब्रिटिश नेशन फॉर द प्रमोशन ऑव एजूकेशन इन इंडिया. कलकत्ता, सी. एच. मैनुएल, १८६१. १४ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

सूरत कांग्रेस ऐंड कांफरेंसेज़. सूरत, द आथर, १९०८. ने. ला.

ब्राह्म समाज—आदि ब्राह्म समाज

द आदि (दैट इज़ ओरिजिनल) ब्राह्म समाज, इट्स व्यूज़ ऐंड प्रिंसिपुल्स. कलकत्ता, आदि ब्राह्म समाज प्रेस, १८७०.
१३ पे. २२ से.
रीप्रिंटेड फ्राम द 'तत्त्वबोधिनी' पत्रिका.
ब्रि. म्यू.

ब्राह्म समाज—ब्रांच ब्राह्म समाज इन इंडिया

द ईयर्ली थीइस्टिक रिकार्ड पब्लिश्ड ऑन द आकेज़न ऑव द फर्स्ट (सेकंड–फिफ्थ) एनिवर्सरी ऑव द ब्रांच ब्राह्म समाज इन इंडिया १८८०–८१ (१८८२–१८८५). ढाका, न्यू प्रेस, १८८१–१८८५.
५ नं. २२ से. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म-समाज-ईस्ट बंगाल ब्राह्म मिशन सोसाइटी.

द ऐनुअल फ्राम द ईस्ट बंगाल ब्राह्म मिशन सोसाइटी... पब्लिश्ड ऑन द थर्टी-सेकेंड एनिवर्सरी ऑव द ईस्ट बंगाल ब्राह्म समाज. ढाका, न्यू प्रेस, १८७८.
४४ पे. २१ से.
इंगलिश ऐंड बंगाली. ब्रि. म्यू.

ब्राह्म समाज, इंडिया

ऑल इंडिया थीइस्टिक कांफ्रेंस,. लाहौर, १९२९.
प्रेसिडेंशियल ऐड्रेस, डेलिवर्ड बाई रामानंद चटर्जी.
कलकत्ता, प्रभास प्रेस, १९१२. २४ पे. २३.५ से.
ने. ला.

ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी

राजा राममोहन रायज़ मिशन टू इंगलैंड, बेस्ड ऑन अनपब्लिश्ड रेकार्ड्स. कलकत्ता, एन. एम. रायचौधरी, १९२६.
८,६६ पे. प्लेट पोर्ट १८ से.
विव. फुटनोट्स.
इनक्लूड्स ऑटोबायोग्राफिकल स्केच बाई राममोहन राय.
ने. ला., न्यू. प. ला.

राममोहन राय ऐज़ ऐन एजूकेशनल पॉयनियर.
(बिहार ऐंड उड़ीसा रिसर्च सोसाइटी जर्नल. पटना, १९३०.
२२ से. वा. १६, पे. १५४–१७५).
न्यू. प. ला.

राममोहन राय.
(कलकत्ता रिव्यू. कलकत्ता, १९३३.
२१ से. वा. ४४. पे. २३३–२५६).
न्यू. प. ला.

ब्रजेंद्र नाथ सील

राममोहन राय, द यूनिवर्सल मैन. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९५६. २,४० पे. २२ से.
ने. ला.

कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी,

ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी (ट्रैक्ट्स) नं. ४,५. कलकत्ता, द आथर, १८८१. —पे. ब्रि. म्यू.

केशवचंद्र सेन इन इंगलैंड, सेकंड रिवा. ऐंड इन. एड. कलकत्ता, १९१५.
२ वा. १७ से. ने. ला.

योग; आर कम्यूनियन विद गॉड, थर्ड ऐड. कलकत्ता, द आथर, १८९९. ४५ पे. १८ से.
ने. ला.

कलकत्ता-ब्रह्मानंद केशब चंदर सेन सेंटेनरी कमेटी

प्रेयर्स...सेंटेनरी पब्लिकेशन. कलकत्ता, द आथर, १९४३. ८,२५,३९४ पे. २७ से.
ब्रि. म्यू.

कार्पेंटर, लैंट

फ्यूनरल सर्मन ऑन द डेथ ऑव राजा राममोहन राय; गिवेन इन ब्रिस्टल...बाई द रेव. एल. कार्पेंटर. कलकत्ता, यूनिटेरियन सोसाइटी फॉर द प्रोपेगेशन ऑव द गॉस्पेल इन इंडिया, १८५७. —पे. १८ से.
रीप्रिंट. ब्रि. म्यू.

ए रिव्यू ऑव द लेबर्स, ओपीनियंस ऐंड कैरेक्टर ऑव राजा राममोहन राय...रीप्रिंटेड विद स्लाइट ओमिशंस फ्राम द ब्रिस्टल एड. कलकत्ता, पी. एम. क्रेनेनबर्ग, १८५७.
२१ पे. १८ से. ब्रि. म्यू.

द लास्ट डेज़ इन इंगलैंड ऑव द राजा राममोहन राय, एड. बाई मेरी कार्पेंटर ऑव ब्रिस्टल. लंदन. ट्रूबनर, १८६६.
६,५,९७–२५५ पे. फ्रांट (पोर्ट) प्लेट्स २२ से.
ने. ला.

चंद्रावरकर, गणेश लक्ष्मण

द रिलिज़न फॉर मॉडर्न इंडिया (ऐज़ प्रीच्ड ऐंड प्रोपाउंडेड बाई द ब्राह्म समाज ऐंड प्रार्थना समाज). बांबे, जी. व्ही. करहडे, १९६०. १०,६७ पे. १९ से.
ने. ला.

कोलेट, सोफिया डॉबसन, १८२२–९४

इंडियन थीइज्म, ऐंड इट्स रिलेशन टू त्रिश्चियानिटी. लंदन, स्ट्रैशन ऐंड कं., १८७६. ७,८६ पे. १६ से.
न्यू. प. ला.

लाइफ ऐंड लेटर्स ऑव राजा राममोहन राय, कंपा. ऐंड एड. बाई द लेट एस. डी. कोलेट ऐंड कंप्लीटेड बाई ए फ्रेंड. लंदन, हेरॉल्ड कोलेट, १९००. ८,१६४ पे. १८ से.
लिस्ट ऑव सोर्सेज़, पे. १६३–६४.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

कोलेट, सोफियाँ डॉबसन

द लाइफ एँड लेटर्स ऑव राजा राममोहन राय, एड. वाई दिलीप कुमार विश्वास ऐंड प्रभातचंद्र गांगुली. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९६२.
१४,५६२ पे. कलर्ड फ्रांट. पोर्ट. प्लेट्स टेबुल २२ से.
बिवलियॉग्राफी. ने. ला.

एडिफेंस ऑव ब्राह्मिज्म ऐंड द ब्राह्म समाज, बीइंग ए लेक्चर डेलिवर्ड ऐट द मिदनापुर समाज हाल ऑन २१ जून, १८६३. मिदनापुर, १८६३. --पे. १८ से.
ने. ला.

देवेंद्रनाथ टैगोर १८१७–१९०५

ब्राह्मधर्म ऑव महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर, ट्रांस. इनटू इंगलिश बाई हेमचंद्र सरकार. कलकत्ता, द ट्रांसलेटर, १९२८.
१६,२४४ पे. २१ से. (ब्राह्म क्लासिस).
ने. ला.

टू डाकूमेंट्स रीप्रिंटेड. कलकत्ता, नवविधान प्रेस, १९३५.
१२ पे. १६.५ से.
रीप्रिंटेड फ्राम द 'नवविधान', मार्च २१ ऐंड २८.
न्यू. प. ला.

ड्रूमॉड, डब्ल्यू. एच.

ए लर्नेड इंडियन इन सर्च ऑव रिलिज़न : ए डिसकोर्स [आन पैराज़ ८६. ८, ६. १०] आकेज़ंड वाई द डेथ ऑव द राजा राममोहन राय. लंदन, १८३३.
ब्रि. म्यू.

मार्क्विस ऑव ज़ेटलैंड ऑन केशवचंद्र सेन. इलाहाबाद, जी. सी. बनर्जी, १९३८. १७ पे. २१ से.
रीप्रिंटेड फ्राम द आर्थर्स "द हार्ट ऑव आर्यावर्त".
ब्रि. म्यू.

द्विजदास दत्त

विहोल्ड द मैन; आर, केशव ऐंड द साधारण ब्राह्म समाज; ए कनफेशन. कलकत्ता, द आथर, १९३०.
१७,२८९ पे. १९ से.
ए. सो., ने. ला., न्यू. प. ला.

ए फ्यू थाट्स ऑन द ब्राह्म समाज, सजेस्टेड बाई. पी. के. रेज़ पैंफलेट्स ऑन स्पिरिचुअल, एजुकेशन एंड रिलिजन ऑव द ब्राह्मसमाज, बाइ एन ओल्ड ब्राह्म. कलकत्ता, १९११.
२० से.
ने. ला.

ए फ्यू थॉट्स ऑन ब्राह्म समाज, सजेस्टेड बाई डा. पी. के. रायज़ पैंफलेट्स ऑन स्प्रिचुअल एजुकेशन ऐंड रिलीज़न ऑव द ब्राह्म समाज.वाई ऐन ओल्ड ब्राह्म, रीवाइज्ड एड. कलकत्ता, १९११.
ने. ला.

फ्लेचर, कार्टरेट जॉन हॉलफोर्ड

द पोज़ीशन ऐंड प्रास्पेक्ट्स ऑव क्रिश्चियानिटी इन इंडिया. ए लेटर. . . विद एन एपेंडिक्स कंटेनिंग ए स्केच ऑव द लाइफ ऑव फाउंडर (राममोहन राय) ऐंड सम इलस्ट्रेशन्स ऑव द प्रिंसिपुल्स ऑव द ब्राह्म समाज, द नेटिव हिंदू चर्च ऑव द वन ट्रू गॉड. ऑक्सफोर्ड, १८७६. २१ से.
ब्रि. म्यू.

फॉक्स, विलियम जॉनसन

ए डिसकोर्स ऑन अकेज़न ऑव द डेथ ऑव राजा राममोहन राय. लंदन, सी. फॉक्स, १८३३. ५६ पे. २३ से.
ब्रि. म्यू., न्यू. प. ला.

गौरीप्रसाद मज़ूमदार

केशवचंद्र सेन ऐंड द स्कूल्स ऑव प्रोटेस्ट्स ऐंड नॉन-प्रोटेस्ट्स. पटना, १९२६. ४४४ पे. २२ से.
ब्रि. म्यू.

घोष, के. सी.

. . केशवचंद्र सेन ऐंड द न्यू रिफार्मेशन. इलाहाबाद, जी. सी. बनर्जी, [१९२६]. ४,१२४ पे. १८ से.
ब्रि. म्यू.

. . . केशवचंद्र सेन ऐंड द न्यू रिफार्मेशन. इलाहाबाद, द आथर, [१९३ ?]. ४,१२४ पे. १८ से. (नव-विधान पब्लिशिंग कमेटी. केशव सेंटेनरी सिरीज़).
कवर-टाइटिल. न्यू. प. ला.

गिरीशचंद्र नाग

एप्रीसियेशंस ऑव राजा राममोहन राय ऐट होम ऐंड अब्रॉड. ढाका, ईस्ट बंगाल ब्राह्म समाज, १८२८–२९.
३,४,१११ पे. पोर्ट. १७ से.
ने. ला.

गुप्त, जे. एन.

द कॉल ऑव मदरलैंड. कलकत्ता, आर. पी. मित्र ऐंड संस. १९२८. ४,११९ पे. पोर्ट. १८ से.
ने. ला.

हेमचंद्र बंद्योपाध्याय

ब्राह्म थिइज्म इन इंडिया. कलकत्ता, स्टैनहोप प्रेस, १८६९.
१२ पार्ट इन वन. २३ से. ने. ला.

हेमचंद्र सरकार

ब्राह्म प्रेयर बुक. कलकत्ता, द आथर, १९२२.
९६ पे. १८ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.
रिलिजन ऐंड ब्राह्म समाज. कलकत्ता, १९०६.
६७ पे. १८ से. ने. ला.

हेमचंद्र सरकार

द रिलिजन ऑव द ब्राह्म समाज, सेकंड एड. (रीवाइज्ड ऐंड इनलार्ज्ड). कलकत्ता, पूरनचंद्र दास, १९११. ३,६७ पे. १८ से. ने. ला.

शिवनाथ शास्त्री. कलकत्ता, राममोहन राय पब्लिकेशन सोसाइटी, १९२९. ८२ पे. पोर्ट. २२ से. न्यू. प. ला.

हुर्रोलाल राय

मैन, द सन ऑव गॉड (ए लेक्चर डेलिवर्ड बाई बाबू हुर्रोलाल राय...इन द हाल ऑव द पुत्तलडांगा ब्राह्म समाज, ऑन फ्राईडे द २९ मई १८६३). [कलकत्ता, प्रेसिडेंसी प्रेस, १८६३]. २९ पे. १८ से.
कैप्शन-टाइटिल. न्यू. प. ला.

द इंडियन नेशनल कांग्रेस, १९०६

द कलकत्ता कांग्रेस ऐंड कांनफरेंसेज़ : ए कलेक्शन ऑव द प्रेसिडेंशल, इनॉगरल ऐंड अदर स्पीचेज़. मद्रास. जी. ए. नाटेशन, १९०७. २१६,३२ पे. १८ से. ने. ला.

इकबाल सिंह, १९१२—

राममोहन राय; ए बॉयोग्रॉफिकल इन्क्वायरी इनटू द मेकिंग ऑव मॉडर्न इंडिया. बांबे, एशिया पब्लिशिंग हाउस, १९५८.
—वा. फ्रांट. (पोर्ट.) २२ से. ने. ला.

जमुना नाग

राजा राममोहन राय, इंडियाज़ ग्रेट रिफार्मर. न्यू देलही, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, १९७२.
४,१६७ पे. फ्रांट (पोर्ट). २१ से.
बिब. पे. १६१–१६४. ने. ला.

जतींद्रकुमार मजूमदार

राजा राममोहन राय ऐंड प्रॉग्रेसिव मूवमेंट्स इन इंडिया; ए सेलेक्शन फ्रॉम रिकार्ड्स १७७५–१८४५, एड. विथ एन हिस्टॉरिकल इंट्रोडक्शन बाई जतींद्रकुमार मजूमदार. कलकत्ता, आर्ट प्रेस, १९४१. १०६,५५२ पे. पोर्ट. २४ से. ए. सो., ने. ला.

राजा राममोहन राय ऐंड द लॉस्ट मोगल्स; ए सेलेक्शन फ्रॉम ऑफिसियल रिकार्ड्स, १८०३–१८५९, एड, विद ए हिस्टॉरिकल इंट्रो. बाई जतींद्र कुमार मजूमदार. कलकत्ता, आर्ट प्रेस, १९४९.
६६,३४६ पे. पोर्ट. २४ से. ने. ला.

जोगानंद दास

राममोहन राय, द मॉडर्नाइज़र. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९५८. २,१४ पे. २१ से. ने. ला.

जयकिशन सेन

ए ब्रीफ इक्सपोज़ीशन ऑव द प्रिंसिपुल्स ऑव द न्यू डिसपेंशेशन. कलकत्ता, विधान प्रेस, १८८२.
२,३१ पे. १६ से. ने. ला.

ज्ञानांजन नियोगी

...द वायस ऑव द इनफिनिट...,सेकंड एड. कलकत्ता, द ब्रदरहुड, १९२४. १६ पे. १८ से.
कवर-टाइटिल. न्यू. प. ला.

ज्ञानेंद्रचंद्र बंद्योपाध्याय

केशवचंद्र ऐंड रामकृष्ण (विद ए पोर्ट्रेट). इलाहाबाद, १९३१. १०,४०२ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

केशवचंद्र ऐंड रामकृष्ण, सेकंड एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटि, १९४२.
११,३७४ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

केशब चंदर सेन

एशियाज़ मेसेज टू यूरोप (२० जनवरी, १८८३) [बाई] केशवचंद्र सेन. कलकत्ता, द ब्रदरहुड, १९१९, ६८ पे. १८ से. (द ब्रदरहुड लाइब्रेरी, ३८).
कवर-टाइटिल. न्यू. प. ला.

द बाइबिल ऑव लाइफ बींइंग ऐन इंगलिश ट्रांसलेशन ऑव मिनिस्टर केशवचंद्र सेन्स 'जीवन-वेद', ऑर स्पीरिचुअल ऑटोबॉयोग्राफी बाई ह्वी. राय. गिरिधी, द आथर, १९२८. ४,१२३ पे. १८ से. ने. ला.

द बुक ऑव द पिलग्रिमेज़ेज, डायरीज़ ऐंड रिपोर्ट्स ऑव मिशनरी इक्सपेडिशंस. कलकत्ता, नवविधान पब्लिलेशन कमिटि, १९४०.
४,२७५ पे. फोल्ड मैप २२ से. ने. ला.

ब्रह्मजितोपनिषद्, डिस्कोर्सेस ऑन योग ऐंड भक्ति (इन बंगाली), ट्रांस. इनटू इंगलिश बाई जैमिनिकांत कोर. कलकत्ता, नवविधान पबलिकेश, १९५५.
५,६,२५३ पे. २२ से.
बिबलियॉग्रफी.
सप्लिमेंटरी रीडिंग्स पे. २५२–५३.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन

ब्रह्मानंद केशव, लाइफ ऐंड वर्क्स, एड. बाई प्रेमसुंदर वसु. भागलपुर, प्रेमसुंदर वसु, १९३७.
२ [वा.] १८ से. (हरिसुंदर मेमोरियल सिरीज़).
कंटेंट्स : वा. १. १८३८–१८६६.
लाइब्रेरी हैज़. वा. १. ने. ला.

द ब्राह्म समाज. द एपॉस्टल्स ऑव द न्यू डिसपेंसेशन. ए लेक्चर बाई केशवचंद्र सेन. कलकत्ता, विधु प्रेस, १८८१.
२९ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज. केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स इन इंडिया. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रस्ट सोसाइटी, १८८३.
४२० पे. १६ से. ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज केशवचंद्र सेन्स प्रेयर्स . कलकत्ता, ब्राह्म ट्रस्ट सोसाइटी, १८८४.
पार्ट १. ६,१४२ पे. २१ से.
ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज. केशवचंद्र सेन्स एसेज़ : थियोसॉफिकल ऐंड एथिकल, सेकंड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८५.
पार्ट I. १५४ पे. १८ से.
ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज. केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स इन इंडिया. लंदन, कैसेल ऐंड कं., १९०१.
२ वा. २१ से. ब्रि. म्यू.

द ब्राह्म समाज. केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स. (कलकत्ता), १९०३–१०. ने. ला.

द ब्राह्म समाज; डिसकोर्सेज़ ऐंड राइटिंग्स. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १९०४. २,१०५ पे. १८ से.
ने. ला.

द ब्राह्म समाज, फोर्थ एड. कलकत्ता, १९०९.
पार्ट I. १८ से. ने. ला.

द ब्राह्म समाज. केशवचंद्र सेन इन इंगलैंड, सेकंड एड. (इन-लार्ज्ड). कलकत्ता, १९१५.
२ वा. इन वन. १८ से.
रीप्रिंट ऑव द मिनिस्टर्स राइटिंग्स अपीयर्ड इन द 'न्यू डिसपेंसेन', पबलिश्ड मार्च २४, १८८१. टू दिसंबर २३, १८८१. ब्रि. म्यू., ने. ला.

द ब्राह्म समाज, फिफ्थ एड. कलकत्ता, १९१६.
—पे. १८ से. ने. ला.

केशवचंद्र सेन

क्राइस्ट ऐंड क्रिश्चियानिटी : ए लेक्चर डेलिवर्ड ऐट सेंट जेम्स हॉल, लंदन ग्रान. . .मई २८, १८७०. लीड्स, जी. गूइंग, १८७०. ८ पे. २२ से.
ब्रि. म्यू.

कांसेंस ऐंड रिनंसियेशन; ऑर, विवेक ओ वैराग्य, ट्रांस. फ्रॉम ओरिजिनल बङ्गला बाई जे, के, कोर. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटि, १९३६.
२,१६ पे. १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला., न्यू. प. ला.

डायरी इन सीलोन. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८८. ६७ पे. १६ से. ब्रि. म्यू.

डायरी इन इंगलैंड; फ्राम फरवरी १५ टू मई ३१, १८७०. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८६.
२,१०१ पे. १२ १९ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

डायरी इन मद्रास ऐंड बांबे. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८७. ८० पे. १६ से.
ब्रि. म्यू.

गॉड-विज़न इन द नाइटींथ सेंचुरी. कलकत्ता, इंडियन मिरर प्रेस, १८८०. २५ पे. २० से.
ए लेक्चर डेलिवर्ड ऑन द ओकेज़न ऑव द फिफ्थ एनिवर्सरी ऑव द ब्राह्म समाज ऐट द टाउनहाल कलकत्ता ऑन सनडे, जनवरी २४, १८८०.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

द न्यू वेद; ऑर, जीवन-वेद (इन इंगलिश). (इक्सटेंपोर सरमंस इन बंगाली, डेलिवर्ड बाई केशवचंद्र सेन ऐट द भारत-वर्षीय ब्राह्म मंदिर, कलकत्ता). करांची, एच. हीरासिंह [१९३०]. ६,६,१४९ पे. पोर्ट. १८.५ से.
ट्रांस. बाई जामिनीकांत कोर.
रीप्रिंटेड फ्राम वैरियस सोर्सेज़.
न्यू. प. ला.

जीवन-वेद; ऑर, लाइफ स्क्रिप्चर्स—ऑटोबॉयोग्राफी ऑव मिनिस्टर केशवचंद्र सेन, ट्रांस. फ्राम बंगाली बाई बी. मजूम-दार. कलकत्ता, १९१५.
३,१५० पे. १८ से. ब्रि. म्यू.

जीवन-वेद; ऑर, लाइफ—इट्स डिवाइन डायनमिक्स; बीइंग सिक्सटीन डिसकोर्सेज़ इन बंगाली, ट्रांस. इनटू इंगलिश बाई जामिनीकांत कोर, सेकंड एड. कलकत्ता, नव-विधान पब्लिकेशन कमिटि, १९५५.
२५,१९०,१२ पे. २२ से.
ला. का., ने. ला.

केशवचंद्र सेन

जीवन-वेद; बीइंग सिक्सटीन डिसकोर्सेज इन बंगाली ऑन लाइफ—इट्स डिवाइन डायनमिक्स, ट्रांस. इनटू इंगलिश फ्रॉम द बंगाली बाई जामिनिकांत कोर, थर्ड एड. कलकत्ता, नवविधान ट्रस्ट, १९६६.
३,२२,१५३,१० पे. पोर्ट. २२ से.
बिब. ऐंड फुटनोट्स. ने. ला.

केशवचंद्र सेन इन इंगलैंड : डायरी सरमंस, ऐड्रेसेज ऐंड एपॉस्टिल्स. कलकत्ता, १८८१–३२.
२ वा. १८ से. ने. ला.

केशवचंद्र सेन इन इंगलैंड : सरमंस ऐड्रेसेज ऐंड एपॉस्टिल्स, थर्ड एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटि, १९३८. १८,५६० पे. पोर्ट. २७ से.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन्स एसेज : थियोलॉजिकल ऐंड एथिकल. कलकत्ता ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८६.
२ वा. १२ से.
वन कापी ऑव वा. १ इज ऑव सेकंड एड. ऐंड अदर कापी इज ऑव फोर्थ एड., वन कापी ऑव पार्ट २ इज ऑव थर्ड एड. ऐट द हेड ऑव टाइटिल : द ब्राह्म समाज.
–फिफ्थ एड., १९१६. ४,२७८ पे. १८ से.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन्स लेक्चर II ऑन द थीइज्म ऑव द ब्राह्म समाज ऐंड फार्म्स ऑव इंडियन इनफिडेलिटी, डेलिवर्ड ऐट द भवानीपुर समाज. भवानीपुर (कलकत्ता), शामाचरन सरकार, १८५५. १९ पे. १८ से.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स इन इंडिया. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८३. २,४२ पे. १७ से.
कंटेंट्स : जेसस क्राइस्ट, यूरोप ऐंड एशिया-ग्रेट मेन, रिगार्डिंग फेथ, द फ्यूचर चर्च, इंसपिरेशन, बिहोल्ड द लाईट ऑव ह्यूमन इन इंडिया, आवर फेथ ऐंड आवर इक्सपिरियेंसेज, फिलॉसफी ऐंड मैडनेस इन रिलिजन, एम आई एन इंसपायर्ड प्रॉफेट इंडिया, आस्क्स : हू इज क्राइस्ट ? गॉड विजन इन द नाइटींथ सेंचुरी, वी एपॉस्टल्स ऑव द न्यू डिसपेंसेशन, दैट मारवेलस मिस्ट्री—द ट्रिनीटी.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स इन इंडिया, थर्ड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८९९. २,४०६ पे. १८ से.
ने. ला.

केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स इन इंडिया. लंदन, गैसेल ऐंड कं. लिमि., १९०१. २,४९२ पे. १८ से.
ऐट हेड ऑव टाइटिल : द ब्राह्म समाज.
न्यू. प. ला.

केशवचंद्र सेन

केशवचंद्र सेन्स लेक्चर्स इन इंडिया, फोर्थ एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिलेशन कमिटि, १९५४.
१२,५५१ पे. २७ से. ने. ला.

केशवचंद्र सेन्स नाइन लेटर्स ऑन एजूकेशनल मेजर्स टू द राइट ऑनरेबुल लॉर्ड नार्थब्रूक, वाइसराय ऐंड गवर्नर जनरल ऑव इंडिया इन १८७२, कंपा. बाई जी. सी. बनर्जी. इलाहाबाद, [ग्लोब प्रेस], १९३६. ६२ पे. १८ से.
फर्स्ट पब्लिश्ड इन द इंडियन मिरर.
न्यू. प. ला.

लेक्चर्स ऐंड ट्रैक्ट्स, एड. बाई सोफिया डॉबसन कोलेट. लंडन, स्ट्राहन, १८७०.
२ [वा.] इन वन. १८ से.
एट हेड ऑव टाइटिल : द ब्राह्म समाज.
ने. ला.

लाइफ ऐंड वर्क्स ऑव ब्रह्मानंद केशव, कंपा. बाई प्रेमशंकर वसु, सेकंड एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिलेशन कमिटि, १९४०. ८,५६१ पे. २२ से.
ब्रि. म्यू.

द मिनिस्टर्स प्रेयर्स. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १९१४, १९१५.
२ वा. फ्रांट (पोर्ट). १९ से.
वा. १ इज ऑव फोर्थ एड. ने. ला.

द मिनिस्टर्स वर्ड्स. ए सेलेक्शन फ्रॉम द राइटिंग्स ऐंड स्पीचेज ऑव केशव चंदर सेन. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८९३.
२ वा. २१ से. ब्रि. म्यू.

मिस्टिसिज्म इन मॉडर्न इंडिया. मदारीपुर, द ऑथर, १९३७. १२३ पे. २१ से.
ब्रि. म्यू.

द मिस्ट्री ऑव ट्रू फेथ. करॉची, नवविधान मंदिर, १९३१. १४ पे. १८.५ से.
कवर-टाइटिल. न्यू. प. ला.

. . . द न्यू डिसपेंसेशन; ए लेक्चर डेलिवर्ड ऑन द ऑकेजन ऑव द फिफ्टी फर्स्ट एनिवर्सरी ऑव द ब्राह्म समाज ऐट द टाउनहाल ,कलकत्ता ऑन सटरडे, द २२ जनवरी, १८८१. कलकत्ता, विधान प्रेस, १८८१.
२९ पे. २१ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.

द न्यू डिसपेंसेशन, ऑर द मिनिस्टर्स इक्सपोजीशन ऑव इट. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८४.
४७ पे. १६ से. ब्रि. म्यू.

केशवचंदर सेन

द न्यू डिसपेंसेशन, [आर द मिनिस्टर्स इक्सपोज़ीशन ऑन इट], थर्ड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८६६. ३,४७ पे. १६ से.
फर्स्ट अपीयर्ड इन द 'संडे मिरर' ऐंड वीकली जर्नल 'न्यू डिसपेंसेशन'. ने. ला.

द न्यू डिसपेंसेशन, आर द रिलीज़न ऑव हॉमनी; कंपा. फ्रॉम केशव चंदर सेन्स राइटिंग्स. कलकत्ता, विधान प्रेस, १६०३. ५,३०८ पे. १८ से.
ने. ला.

द न्यू डिसपेंसेशन, आर द रिलीज़न ऑव हॉमनी, कंपा. फ्राम केशव चंदर सेन्स राइटिंग्स. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १६१०.
२ वा. १८ से. ने. ला.

द न्यू डिसपेंसेशन (द ब्राह्म समाज), सेकंड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १६१५, १६१६.
२ वा. १८ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.

द न्यू संहिता, आर द सैक्रेड लॉज़ ऑव द आर्यंस ऑव द न्यू डिसपेंसेशन. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८४. १०७ पे. १८ से.
रीप्रिंटेड फ्राम द 'लिबरल' ऐंड 'न्यू डिसपेंसेशन'.
ब्रि. म्यू.

द न्यू संहिता, सेकंड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८८६. १०७ पे. १८ से.
ब्रि. म्यू.

द न्यू संहिता. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १६१५. २,१३६ पे. १२ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.

प्रेयर्स; सेंटेनरी पब्लिकेशन. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन ऑफिस, १६४३.
८,२५,३६४ पे. २१ से.
एट हेड ऑव टाइटिल : महाराजा ऑव पीठापुरम् एडिशन.
ने. ला.

साधुसमागम; डिसकोर्सेज ऑन पिलग्रिमेज टू प्रॉफेट्स (इन बंगाली), ट्रांस. इनटू इंगलिश बाई जामिनीकांत कोर. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटी, १६५६.
२४,७६ पे. २२ से.
बिबलियॉग्रॉफी.
रेफरेंसेज़ : पे. १८–१६. ने. ला.

सोशल रिफार्मेशन इन इंडिया. कलकत्ता, नवविधान पब्लिलेशन कमिटी, १६३३. १६,६ पे. १८ से.
एन एड्रेस, रीप्रिंटेड फ्राम द 'इंडियन मिरर'.
ब्रि. म्यू.

केशवचंदर सेन

स्पिरीचुअल प्रॉग्रेस; सेइंग्स ऐंड राइटिंग्स. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटी, यन. डी.
४,१०६ पे. १५ से. ने. ला.

थीइस्टिक फॉर्म ऑव डिवाइन सर्विस, विद ए शार्ट ऐड्वाइज़ टू यंगमेन. ढाका, १६१५. ६ पे. १७ से.
ब्रि. म्यू.

द थिइस्ट्स प्रेयर बुक. ट्वल्व प्रेयर्स. लंदन, पी. ग्रीन, १६०१. २२ पे. १८ से. ब्रि. म्यू.

द थिइस्ट्स प्रेयर बुक. लंदन, फिलिप ग्रीन, १६०४.
३२ पे. १६ से. ब्रि. म्यू.

टू फेथ. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन, यन. डी.
२,३६ पे. फ्रांट पोर्ट. २४ से.
ने. ला.

द वायस ऑव केशव : सेकंड सिरीज़. कलकत्ता, भारतवर्षिय ब्राह्म मंदिर, १६७०.
४,६८ पे. फोटो २१ से. ने. ला.

द वायस ऑव केशव. उड़ीसा, केशव वर्थ सेंटेनरी सेलिब्रेशन कमिटी, १६६३ ?
६,१०६ पे. पोर्ट २२ से. ला. का.

योग; आर, कम्यूनियन विद गॉड, थर्ड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८६६. २,४५ पे. १७ से.
रीप्रिंटेड फाम द न्यूयॉर्क 'इंडिपेंडेंट'.
ने. ला.

योग : आब्जेक्टिव ऐंड सब्जेक्टिव योग; आर, कम्यूनियन विद गॉड, सिक्स्थ एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटी, १६४०. ८,२७ पे. २२ से.
सप्लिमेंटरी रीडिंग्स : पे. २६–२६.
रीप्रिंटेड फ्राम द न्यूयॉर्क 'इंडिपेंडेंट'. ने, ला.

केशब चंदर सेन मेमोरियल कमेटी, कलकत्ता.

केशब चंदर सेन मेमोरियल. फुल रिपोर्ट ऑव द पब्लिक मीटिंग हेल्ड ऐट द टाउनहाल, कलकत्ता, आन द जनवरी ३०, १८८४. कलकत्ता, टी. एस. स्मिथ, सिटी प्रेस, १८८४.
२५ पे. २१.५ से. न्यू. प. ला.

खड्ग सिनहा घोष

. . . स्पिरिचुअल आउटलुक ऑव द एज़ ऐंड केशब चंदर सेन. कलकत्ता, द ब्रदरहुड, १६२०. ३५ पे. १७.५ से.
(लाला रल्लाराम पब्लिलेशन, २).
रीप्रिंटेड फ्रॉम आर्टिकिल्स अपियरिंग इन 'द वर्ल्ड' ऐंड द 'न्यू डिसपेंसेशन' १६१६. न्यू. प. ला.

कृपलानी, कृष्ण आर.

मॉडर्न इंडिया; राममोहन राय टू रवींद्रनाथ टैगोर. पूना, द यूनिवर्सिटी, १९६५.
४,५४ पे. पोर्ट. २१ से.

कृष्णबिहारी सेन

टैगोर मेमोरियल लेक्चर्स, १९६५. नें. ला.

नवविधान की ? कलकत्ता, कुमुद बिहारी सेन, १८९६.
३,१७१ पे. १६ से. ने. ल

लियोनार्ड, जी. एस.

ए हिस्ट्री ऑव द ब्राह्म समाज फ्रॉम इट्स राइज़ टू द प्रजेंट डे. कलकत्ता, न्यूमैन कं., १८८९. १७९ पे. १८ से.
ए. सो., ने. ला.

ए हिस्ट्री ऑव द ब्राह्म समाज. कलकत्ता, १९३५.
२४३ पे. १५ से. ए. सो., ने. ला.

लिलिंग्स्टन, फ्रैंक

द ब्राह्म समाज ऐंड द आर्य समाज इन देयर बियरिंग अपॉन क्रिश्चियानिटी : ए स्टडी इन इंडियन थीइज़्म. लंदन. १९०१. १६,१२० पे. १८ से.
ने. ला., न्यू. प. ला.

मैकनिकोल, एन.

राजा राममोहन राय. लंदन, क्रिश्चियन लिटरेचर सोसाइटी फॉर इंडिया, मद्रास प्रिंटेड, १९०६.
३१ पे. २१ से. ब्रि. म्यू.

महादेव गोविंद रानाडे

रिलिज़न ऐंड सोशल रिफॉर्म : ए कलेक्शन ऑव एसेज़ ऐंड स्पीचेज़ ऑव महादेव गोविंद रानाडे, कलेक्टेड ऐंड कंपा. बाई एम. बी. कोलस्कर. बांबे, गोपाल नारायण ऐंड कं., १९०२. ४२,३०४ पे. फ्रांट २१ से.
ने. ला.

महेंद्रनाथ सरकार

राममोहन ऐंड द न्यू इरा.
(इन हिज़ 'ईस्टर्न लाइट्स', १९३५. पे. १८३–२०६).
ने. ला.

मैत्र, हरेंद्र एन.

द ब्राह्म समाज इन इंगलैंड.
(ईस्ट ऐंड वेस्ट. बांबे, १९१४.
२४ से. वा. १३. पे. ४९–६०).
न्यू. प. ला.

मजूमदार, बी.

गॉड-मैन केशव ऐंड कूचबिहार मैरेज़. कलकत्ता, पी. सी. मुकर्जी ऐंड संस, १९१२.
२,२,१४३,७ पे. १८ से. ने. ला.

प्रोफेसर एफ. मैक्समूलर ऑन रामकृष्ण ऐंड द वर्ल्ड ऑन केशव चंदर सेन. कलकत्ता, लारेंस प्रिंटिंग वर्क्स, १९००.
६,२०४ पे. १८ से. ब्रि. म्यू., ने. ला.

मनिलाल छोटेलाल पारिख

द ब्राह्म समाज; ए शार्ट हिस्ट्री. राजकोट, द आथर, १९२९. ११,२८७ पे. १८ से.
ने. ला.

ब्रह्मर्षि केशव चंदर सेन. राजकोट, १९२९.
१२,२४५ पे. पोर्ट्र. २१ से. ब्रि. म्यू.

मनोहर मुकर्जी

राजर्षि राममोहन राय. राजकोट, द आथर, १९२७.
३,८,१८६ पे. पोर्ट. १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

ए फ्यू नोट्स ऑव माई ८० ईयर्स लाइफ्स इक्सपीरियंस, बाई मोनोहर मुकर्जी. उत्तरपारा, मनोहर मुकर्जी, १९३५.
६,८३ पे. फ्रांट. १९ से. ने. ला.

मार्शमैन, जे.

ए डिफेंस ऑव द डीटी ऑव जेसस क्राइस्ट, इन रिप्लाई टू राममोहन राय. लंदन, १९८२२. २१ से.
ब्रि. म्यू.

मैक्समूलर, फ्रेडरिक

बॉयोग्राफिकल एसेज़. राममोहन राय, केशव चंद्र सेन, दयानंद सरस्वती . . . न्यूयॉर्क, सी. स्क्राइबनर ऐंड संस, १८८४.
३,२८७ पे. १२ से. न्यू. प. ला.

(द) मिनिस्टर्स प्रेयर्स, थर्ड एड. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १९००. ४,११८ पे. १८ से.
ने. ला.

मूर, ऐड्रिने

राममोहन राय ऐंड अमरीका [विद बिबलियोग्रॉफीज़]. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९४२.
१२,१९० पे. २४ से.
कंटेंट्स : पार्ट १. राममोहन राय, पार्ट २. द वर्क ऑव राममोहन राय ऐंड पेरीओडिकल कंटेनिंग आर्टिकल्स डीलिंग विद हिम, ए बिबलियोग्राफी. पार्ट ३. एसेस ऑव द अमेरिकन पब्लिक टू लिटरेचर कनसर्निंग राममोहन राय. पार्ट ४. जनरल बिबलियोग्राफी ऑव बुक्स ऐंड आर्टिकल्स. पार्ट ५. बिबलियोग्रॉफी ऑव गाइड बुक्स.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

मुनिंद्रनाथ राय

द स्पिरिट ऑव ब्राह्मिज्म; ऑर द थिइस्टिक मूवमेंट ऑव मॉडर्न इंडिया. मैमनसिह, द आथर, १९२६.
११,१७४ पे. पोर्ट. १९ से.

ने. ला., न्यू. प. ला.,

नलिनचंद्र गांगुली

राजा राममोहन राय. कलकत्ता, वाई. एम. सी. ए. पब्लिशिंग हाउस, १९३४.
६,२२६ पे. फ्रांट, इले., प्लेट्स., पोर्ट., बिब. १८ से.
(बिल्डर्स ऑव मॉडर्न इंडिया सिरीज़).

ने. ला.

नवविधान ट्रस्ट, कलकत्ता.

मोहितचंद्र सेन. कलकत्ता, १९६६.
१८,१७६,६१ पे. फ्रांट. १८ से.

ने. ला.

नवकांत चट्टोपाध्याय

शार्ट लाइफ ऑव राजा राममोहन राय ऐंड सम रिमार्क्स ऑन द हिंदू रीवाइवेलिस्ट्स ऐंड द ब्राह्म समाज, कंपायल्ड ऐंड पब्लिश्ड बाई एन. के. चट्टोपाध्याय. ढाका, श्यामंतक प्रेस, १८९०. —पे. १८ से.

ब्रि. म्यू.

निर्वरप्रिय घोष

द इवोल्यूशन ऑव नवविधान. ऑन द फाउंडेशन ऐंड डेवेलपमेंट ऑव द मूवमेंट बाई केशव चंद्र सेन. कलकत्ता, बी. एन. मुकर्जी, १९३०. १७४ पे. १८ से.

ब्रि. म्यू., ने. ला.

द इवोल्यूशन ऑव नवविधान, सेकंड एड. बंबई, नवविधान चित्तबिनोदिनी ट्रस्ट, १९७२.
८,२६७ पे. प्लेट्स, पोर्ट. १८.५ से.
बिब. : पे. २४५–२५०.
बिब. फुटनोट्स.
थीसिस (एम. ए.) शिकागो यूनिवर्सिटी.

ने. ला.

फिलॉसफी ऐंड मैडनेस इन रिलिजन, लेक्चर डिलिवर्ड ऐट द टाउनहॉल, कलकत्ता ऑन, सटरडे, द मार्च ३, १८७७. कलकत्ता, १८७७.
—पे. १८ से. ने. ला.

पीयूष कांति दास

राजा राममोहन राय ऐंड ब्राह्मिज्म. काकद्वीप, १९७०.
४,१४४ पे. २१ से.
"रिफरेंसेज़" पे. १३६–३४४. ने. ला.

पोर्टर, जॉन स्कॉट

द ग्रोथ ऑव द गॉस्पेल : ए सर्मन . . . ऑकेजंड बाई द . . . डेथ ऑव द राजा राममोहन राय. बेलफास्ट, १८३३.

ब्रि. म्यू.

पाजिटिव थियॉलॉजी ऑव ब्राह्म समाज, ए लेक्चर डेलिवर्ड ऐट द भवानीपुर समाज ऑन द जनवरी १६, १८५६.
भवानीपुर (कलकत्ता), शामाचरन सरकार [१८५६].
२,१५ पे. १९ से.
बाउंड विद अदर पैम्फलेट्स. ने. ला.

प्रमथलाल सेन

केशव चंदर सेन. कलकत्ता, एस. राय, सेक्रेटरी, द ब्रदरहुड, १९१५. २,५३ पे. पोर्ट. १८.५ से.
कवर-टाइटिल.
रीप्रिंट ऑव एन आर्टिकिल ह्विच अपीयर्ड इन द "ईस्ट ऐंड वेस्ट", १९०२. न्यू. प. ला.

प्रसन्नकुमार राय

ए फ्यू थाट्स आन द ब्राह्म समाज सजेस्टेड बाई डा. पी. के. रायस् पैम्फलेट आन स्प्रिचुअल एजूकेशन ऐंड रिलीजन ऑव द ब्राह्म समाज बाई ऐन ओल्ड ब्राह्म, १९११. [ ]
५३ पे. २१ से. ने. ला.

—ऐनअदर एड, रिवाइज्ड ऐंड रीप्रिंट [१९११].

ने. ला.

प्रशांतकुमार सेन

बॉयोग्रॉफी ऑव ए न्यू फेथ. कलकत्ता, थाकर स्पिंक, १९५०.
—वा. इलस्ट्रेशन. २३ से. ला. का.

बॉयोग्रॉफी ऑव ए न्यू फेथ. कलकत्ता, थाकर स्पिंक ऐंड कं., [१९५०–५४].
२ वा. फ्रांट पोर्ट फोटोज़ २३ से.
बिबलियोग्रॉफी, वा. १. पे. ४३१–४३६.

ए. सो., ला. का., ने. ला., न्यू. प. ला.

द सेंटेनरी ऑव द ब्राह्म समाज; ऐन अपील टु द ब्राह्म पब्लिक ऐंड टू आल फेलो-थिइस्ट्स. पटना, स्टूडेंट्स इंपोरियम, १९२७. ३,४६ पे. १८ से.

ने. ला.

केशव चंदर सेन. कलकत्ता, केशव चंदर सेन वर्थ सेंटेनरी कमिटी, १९३८. १०,१५७ पे. २२ से.
[विद पोर्ट.]. ब्रि. म्यू., ने. ला.

प्रतापचंदर मजूमदार, १८४०–१९०५

द क्राइसिस इन द ब्राह्म समाज : ए स्टेटमेंट्स ऑन द कंट्रोवर्सी बिटवीन द ब्राह्म समाज ऑव इंडिया ऐंड नाइन अपोजिंग ब्राह्म मिशनरीज़ विद ए लेटर्स टू ऑल वेल विशर्स ऑव द इंडियन थीइस्टिक चर्च. कलकत्ता, पी. सी. मजूमदार, १८८४. ३५ पे. २१ से.
बाउंड विद अदर पैम्फलेट्स. ने. ला.

द फेथ ऐंड प्राग्रेस ऑव द ब्राह्म समाज. कलकत्ता, कलकत्ता सेंट्रल प्रेस, २८८२. १३,४१० पे. १७ से.
ने. ला.

द फेथ ऐंड प्रॉग्रेस ऑव द ब्राह्म समाज, सेकंड एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटी, १९३४. १०,२०६ पे. २१ से. ने. ला.

हार्ट-बीट्स, विद ए बॉयोग्रॉफिकल स्केच ऑव द आथर बाई सैमुअल जे. बारोज़. बोस्टन. जी. एच. एलिस, १८९४. ४२,२८८ पे. फ्रांट. (पोर्ट.) १७ से.
न्यू. प. ला.

हार्ट-बीट्स, विद ए बॉयोग्राफिकल स्केच ऑव द आथर बाई सैमुअल जे. बारोज़. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटी, १९३५.
३५,२३८ पे. फ्रांट. (पोर्ट.) १८ से.
ने. ला.

केशव चंदर सेन ऐंड हिज़ टाइम्स. कलकत्ता, द ब्रदरहुड, १९१७. ३९ पे. १८ से.
कवर-टाइटिल. ने. ला.

लेक्चर्स इन अमेरिका ऐंड अदर पेपर्स. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमिटी, १९५५.
२,१४,३१९ पे. फ्रांट प्लेट २२ से.
ने. ला.

द लाइफ ऐंड टीचिंग्स ऑव केशब चंदर सेन. कलकत्ता, जे. डब्ल्यू. थामस, १८८७. १५,५३२ पे. २२ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

द लाइफ ऐंड टीचिंग्स ऑव केशव चंदर सेन, थर्ड एड. कलकत्ता, नवविधान ट्रस्ट, १९३१.
१६,३५९ पे. प्लेट्स पोर्ट. २२ से.
ब्रि. म्यू.

द ओरियंटल क्राइस्ट. बोस्टन, जी. एच. एलिस, १८८३. १९३ पे. २० से. ने. ला.

द ओरियंटल क्राइस्ट. बोस्टन, जी. एच. एलिस, १८९३. १९३ पे. २० से. न्यू. प. ला.

द ओरियंटल क्राइस्ट. बोस्टन, जी. एच. एलिस, १९१०. १९३ पे. २० से.
न्यू. प. ला.

प्रतापचंदर मजूमदार

द थिइस्टिक ऐनुअल, एड. बाई पी. सी. मजूमदार. कलकत्ता, १८८७२. –– पे. १८ से.
ने. ला.

विल द ब्राह्म समाज लास्ट द सब्सटेंस ऑव एन इक्सटेंपोर लेक्चर डेलिवर्ड. . .ऐट द फिफ्टियेथ एनिवर्सरी ऑव द ब्राह्म समाज इन द ब्राह्म मंदिर, जनवरी, १८८०. कलकत्ता, पी. सी. डे, १८८०. १५ पे. २० से.
ने. ला.

. . . कलकत्ता, द ब्रदरहुड, १९१३.
३१ पे. १८ से. ने. ला.

प्रेमसुंदर बसु

लाइफ ऐंड वर्क्स ऑव ब्रह्मानंद केशव, सेकंड एड. कलकत्ता, नवविधान पब्लिकेशन कमेटी, १९४०. ८,५९१ पे. २२ से. ने. ला.

राखालदास राय

थर्टीन ट्रैक्ट्स पब्लिश्ड मंथली फ्राम जून १८६० टू जून १८६१ इन विंडिकेशन ऑव द ब्राह्म समाज. कलकत्ता, जी. सी. राय ऐंड कं., ब्रदरहुड समाज प्रेस, १८६०, १८६१. ––वा.
ब्रि. म्यू.

रामचंद्र वसु

ब्राह्मिज्म; ऑर हिस्ट्री ऑव रिफार्म हिंदुइज्म विद ए पार्टिकुलर एकाउंट ऑव. . .केशव चंदर सेन्स कनेक्शन विद द मूवमेंट. न्यूयॉर्क, फंक ऐंड वैगनल्स, १८८४.
२२२ पे. २२ से. ब्रि. म्यू.

राममोहन राय सेंटेनरी कमेटी, कलकत्ता

द फादर ऑव मॉडर्न इंडिया; कम्मेमोरेशन वाल्यूम ऑव द राममोहन राय सेंटेनरी सेलिब्रेशंस, १९३३, कंपा. ऐंड एड. बाई सतीशचंद्र चक्रवर्ती. कलकत्ता, द आथर, १९३५. ३८,५७२ पे. प्लेट्स २५ से. ने. ला.

राममोहन राय : द मैन ऐंड हिज़ वर्क, कंपा. ऐंड एड. बाई अमल होम. कलकत्ता, द आथर, १९३३.
८,१६२ पे. फ्रांट (पोर्ट.) इल. २३ से. (सेंटेनरी पब्लिसिटी बुकलेट, १). ने. ला.

रामानंद चटर्जी

राममोहन राय ऐंड मॉडर्न इंडिया. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, [१९३ ?]. २,३६ पे. २२ से.
रिटेन ऐज़ ऐन इंट्रोडक्शन टू द सेकंड एड. ऑव द इंगलिश वर्क्स ऑव राजा राममोहन राय, पब्लिश्ड इन १९०६. . . . इन १९१८ इट वाज़ पब्लिश्ड एज़ ए बुकलेट. . .
ने. ला., न्यू. प. ला.

रामप्रसाद चंद

सेलेक्शंस फ्रॉम ऑफिसियल लेटर्स ऐंड डाकूमेंट्स रिलेटिंग टू द लाइफ ऑव राजा राममोहन राय बाई रामप्रसाद चाँद ऐंड यतींद्र कुमार मजूमदार. कलकत्ता, कलकत्ता ओरियंटल बुक एजेंसी, १९३८.
वा. १. १७९१—१८३०. पे. ८६,५७० पे. २२ से.
नो मोर पब्लिश्ड. ब्रि. म्यू.

रमेशचंद्र मजूमदार, १८८८——

ऑन राममोहन राय. कलकत्ता, एशियॉटिक सोसाइटी, १९७२. ६७,५ पे. २२ से.
टेक्स्ट इन इंगलिश ऐंड बंगाली. ने. ला.

साधारण धर्म सिरीज़ मद्रास, ओरियंटल पब्लिशिंग कं. लि., १९११. वा. १. १८ से.
न्यू. प. ला,.

समद्दार, आर. एन.

राजा राममोहन राय. कलकत्ता, आई. ए. इसाक, १९११. ६,२२४ पे फ्रांट (पोर्ट.) १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

सतीशचंद्र चक्रवर्ती

राममोहन राय, द फादर ऑव मॉडर्न इंडिया, कंपा. ऐंड एड. बाई सतीशचंद्र चक्रवर्ती. कलकत्ता, राममोहन राय सेंटेनरी सेलिब्रेशन कमेटी, १९३५.
४०,५७२ पे. फ्रांट प्लेट्स २५ से.
कम्मेमोरेशन वाल्यूम ऑव द राममोहन राय सेंटेनरी सेलिब्रेशंस, १९३३. ने. ला.

राममोहन राय सेंटेनरी, १९३३. रिपोर्ट्स ऑव सेलिब्रेशंस हेल्ड इन द वैरियस पार्ट्स ऑव इंडिया ऐंड अब्राड अदर दैन दोज़ ऑव द सेंट्रल सेलिब्रेशन कमेटी, कलकत्ता.
कलकत्ता, राममोहन राय सेंटेनरी आफिस, १९३४.
६,३२८ पे. १८ से. ने. ला.

राममोहन राय, द मैन. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९७३. २,३१ पे. १८ से.
ट्रांस. बाई प्रो. विनय भूषण रक्षित ऑव द डिसकोर्स डेलिवर्ड ऐट द राममोहन राय मेमोरियल सर्विस ऑन सितंबर २७, १९३३ इन कनेक्शन विद द राममोहन राय डेथ सेंटेनरी सेलिब्रेशंस, १९३३. ने. ला.

सौमेंद्रनाथ टैगोर

राजा राममोहन राय. न्यू देलही, साहित्य अकादमी, १९६६. ६३ पे. २२ से. (मेकर्स ऑव इंडियन लिटरेचर).
बिब. पे. ६१—६३. ने. ला.

सौमेंद्रनाथ टैगोर

द थीइस्टिक डाइरेक्टरी ऐंड ए रिव्यू ऑव द लिबरल रिलिजस थॉट ऐंड वर्क इन द सिविलाइज्ड वर्ल्ड. बंबई, तत्वविवेचक प्रेस, १९१२. १४,१६४ पे. १८ से.
ने. ला.

सीतानाथ तत्त्वभूषण दत्त

ब्रह्मजिज्ञासा, आर ऐन इन्क्वायरी इनटू द फिलॉसाफिकल बेसिस ऑव थीइज्म, ट्रांस. फ्राम द बंगाली विद सप्लिमेंटरी चैप्टर्स, बाई सीतानाथ तत्वभूषण. कलकत्ता, १९१६.
—पे. १६ से. ने. ला.

ब्रह्म साधना, आर इनडेवर आफ्टर द लाइफ डिवाइन, सेकंड एड. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९७१.
१०,१३५ पे. १८ से. ने. ला.

द देवालय, इट्स एम्स ऐंड आब्जेक्ट्स, विद ए शार्ट स्केच ऑव द लाइफ ऐंड वर्क ऑव इट्स फाउंडर—(शशिपद बंद्योपाध्याय), थर्ड एड. कलकत्ता, १९१९.
—पे. १८ से. ने. ला.

केशवचंद्र सेन.
(इंडियन रिव्यू. मद्रास, १९१९. २४ से.)
न्यू .प. ला.

ए मैनुअल ऑव ब्राह्म रिचुअल ऐंड डिवोशंस. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९२४. ८५ पे. १८ से.
ने. ला.

द फिलॉसफी ऑव .ब्राह्मिज्म इक्सपाउंडेड विद रिफरेंस टू इट्स हिस्ट्री. लेक्चर्स डेलिवर्ड बिफोर द थियोलॉजिकल सोसाइटी, कलकत्ता इन १९०६—१९०७. मद्रास, हिगिनबोथम ऐंड कं., १९०९. १४,१,३३८ पे, १८ से.
न्यू. प. ला.

द फिलॉसफी ऑव ब्राह्मिज्म इक्सपाउंडेड विद रिफरेंस टू इट्स हिस्ट्री. लेक्चर्स डेलिवर्ड विफोर द थियॉलाजिकल सोसॉइटी, कलकत्ता, १९०६—०७, सेकंड एड. कोकानड, पीठापुर महाराजाज़ कालेज, १९२७.
१३,३४१,१३ पे. १८ से. ने. ला.

शिवनाथ शास्त्री, १८४७—१९१९

द ब्राह्म समाज; रिलिजस प्रिंसिपुल्स ऐंड ब्रीफ हिस्ट्री, एब्रिज्ड एड. बाई देवप्रसाद मित्र. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९५८. २,४५ पे. २२ से.
ने. ला.

हिस्ट्री ऑव द ब्राह्म समाज. कलकत्ता, आर. चटर्जी, १९११.
२ वा. १८ से. ए. सो., ने. ला.

शिवनाथ शास्त्री

हिस्ट्री ऑव द ब्राह्म समाज, सेकंड एड. कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १९७४.
१२,६६८ पे. २२ से.
बिब. फुटनोट्स. ने. ला.

द मिशन ऑव द ब्राह्म समाज ऑर, द थीस्टिक चर्च ऑव मॉडर्न इंडिया. कलकत्ता, पूरनचंद्र दास, १९१०.
१०६ पे. १८.५ से. ए. सो., ने. ला.

स्लेटर, थॉमस इबनेजर

केशव चंद्र सेन ऐंड द ब्राह्म समाज; बीइंग ए ब्रीफ रिव्यू ऑव द इंडियन थीइज्म फ्रॉम १८३० टू १८८४, टूगेदर विद सेलेक्शंस फ्राम मि. सेन्स वर्क्स. मद्रास, सोसाइटी फॉर प्रमोटिंग क्रिश्चियन नॉलेज, १८८४.
१६,१९६,१४७ पे. १८ से.
ब्रि. म्यू., ने. ला.

सम नोटेड इंडियंस ऑव मॉडर्न इंडिया, कंप. फ्राम वैरियस सोर्सेज. मद्रास, द क्रिश्चियन लिटरेचर सोसाइटी, १८९२.
१६४ पे. फ्रांट. पोर्ट. १८ से. ने. ला.

शुधांशुमोहन बनर्जी

वेदांत ऐज़ ए सोशल फोर्स (द क्वेस्ट ऑव ए सेंचुरी फ्रॉम राममोहन टू श्री अरविंद), बाई शुधांशु मोहन बनर्जी. कलकत्ता, द यूनिवर्सिटी, १९७२.
४,१९६,६ पे. २० से. ने. ला.

सुरेशचंद्र वसु

द लाइफ ऑव प्रताप चंदर मजूमदार. कलकत्ता, नवविधान प्रेस, १९२७. ४१० पे. १७ से.
ने. ला.

तंत्र-महानिर्वाण तंत्र

...महानिर्वाण तंत्र, विद द कमेंट्री ऑव हरिहरानंद भारती. मद्रास, गनेश ऐंड कं., १९२९. २७,४७३ पे. २६ से. (तांत्रिक टेक्स्ट्स, वा. १३).
टेक्स्ट इन संस्कृत.
द प्रसेंट टेक्स्ट इज़ बेज़्ड ऑन दैट ऑव भक्त कृष्णगोपाल ऐंड ऑव द राजा राममोहन राय. न्यू. प. ला.

टिनलिंग, जे. एफ. बी.

ऐन इवैंजलिस्ट्स टूर राउंड इंडिया; विद एन एकाउंट ऑव केशव चंदर सेन ऐंड द मॉडर्न हिंदू रिफार्मर्स, सेकंड एड. लंदन, १८७०. ब्रि. म्यू.

उपनिषद्

ट्रांसलेशन ऑव द ईशोपनिषद् ऑव द चैप्टर्स ऑव द यजुर्वेद: एकार्डिंग टू द कमेंट्री ऑव सेलिब्रेटेड शंकर आचार्य, इस्टैब्लिशिंग द यूनिटी ऐंड इनकंप्रिहेंसिबिलिटी ऑव द सुप्रीम बीइंग; ऐंड दैट हिज़ वरशिप एलोन कैन लीड टू इटर्नल ब्यूटी-

उपनिषद

ट्यूड, बाई राममोहन राय. कलकत्ता, पी. पेरिया, १८१६. ५,२३,८ पे. २३ से.
ब्रि. म्यू., न्यू. प. ला.

ट्रांसलेशन ऑव केन उपनिषद्, वन ऑव द चैप्टर ऑव द सामवेद, बाई राममोहन राय. कलकत्ता, १८१८.
७,११ पे. १८ से. ब्रि. म्यू.

ट्रांसलेशन ऑव कठ-उपनिषद्, ऑव द यजुर्वेद, एकार्डिंग टू द ग्लॉस ऑव द सेलिब्रेटेड शंकर आचार्य, बाई राममोहन राय. [कलकत्ता, १८१९]. ४,४० पे. २० से.
ब्रि. म्यू.

ट्रांसलेशन ऑव द मुण्डक-उपनिषद् ऑव द अथर्ववेद, एकार्डिंग टू द ग्लॉज़ ऑव सेलिब्रेटेड शंकर आचार्य, बाई राममोहन राय. कलकत्ता, १८१९. ३,२५ पे. २६ से.
ब्रि. म्यू.

मैक्समूलर ऑन रामकृष्ण ऐंड केशव. इलाहाबाद, इंडियन प्रेस, १९३०. २,१३ पे. १८ से.
एन आर्टिकिल इन द 'इंटरप्रेटर ऐंड द यंग मैन', नवंबर, १८९६. ए रीप्रिंट. न्यू. प. ला.

उपेंद्रनाथ बाल

राममोहन राय; ए स्टडी ऑव हिज़ लाइफ, वर्क ऐंड थाट्स. कलकत्ता, वी. राय ऐंड संस, १९३३.
३४५,६ पे. पोर्ट. २४ से.
ए. सो., ब्रि. म्यू.

राममोहन राय—सम फैक्ट्स कनेक्टेड विद हिज़ अर्ली लाइफ. (कलकत्ता रिव्यू. कलकत्ता, १९३६. सिरीज. ३, वा. ६१, पे. २९७–३२०).
न्यू. प. ला.

वेदांतचंद्रिका. ऐन अपॉलॉजी फॉर द प्रजेंट सिस्टम ऑव हिंदू वरशिप, डायरेक्टेड अगेंस्ट द डाक्ट्रिन ऑव राममोहन राय. कलकत्ता, १८१७.
बंगाली ऐंड इंगलिश. ब्रि. म्यू.

वेदाज

द बंगाली ट्रांसलेशन ऑव द वेदांत, ऑर रिज़ोल्यूशन ऑव ऑल द वेद्स...टुगेदर विद ए प्रीफेस बाई द ट्रांसलेटर [राममोहन राय]. कलकत्ता, द आथर, ट्रांसलेटर, १८१६. ब्रि. म्यू.

द ट्रांसलेशन ऑव एन अब्रिजमेंट ऑव द वेदांत...लाइकवाइज़...बाई राममोहन राय. कलकत्ता, १८१७.
ब्रि. म्यू.

ट्रांसलेशन ऑव सेवरल प्रिंसिपल बुक्स, पैसेजेज़ ऐंड टेक्स्ट्स ऑव द वेद ऐंड ऑव सम कंट्रोवर्सियल वर्क्स ऑन ब्राह्मनिकल

वेदाज

थियॉलजी, बाई राममोहन राय. कलकत्ता, सोसाइटी फॉर द रिसस्सियेशन ग्रॉव इंडियन लिटरेचर, १९०४. २५१ पे. २४ से.

ने. ला.

विनयेंद्रनाथ सेन

लेक्चर्स ऐंड एसेज़. कलकत्ता, १९२७.
——वा.
वा. ३. सरमंस. ने. ला.

वेयर, हेनरी

करेसपांडेंस रिलेटिव टू द प्रास्पेक्ट्स ग्रॉव क्रिश्चियानिटी ऐंड द मींस ग्रॉव प्रमोटिंग इट्स रिसेप्शन इन इंडिया [टू लेटर्स रिटेन बाई विलियम एडम ऐंड राममोहन राय इन ग्रांसर टू क्वेश्चंस सेंट बाई एच. वेयर]. लंदन, द ग्राथर, सी. फॉक्स ऐंड कं., १८२५. १४० पे. १८ से.

ब्रि. म्यू.

यतींद्रकुमार मजूमदार

राजा राममोहन राय ऐंड प्रॉग्रेसिव मूवमेंट इन इंडिया. ए सेलेक्शन फ्राम रेकार्ड्स १७७५–१८४५, एड. विद ए हिस्टॉरिकल इंट्रोडक्शन बाई जतींद्रकुमार मजूमदार. कलकत्ता, ग्रार्ट प्रेस, १९४१. १०६,५५२ पे. २३ से. पोर्ट. ब्रि. म्यू.

फ्रेंच

रायमोहन राय

वर्टलिंग वैन वर्श् चेइडेन व्रनामे वोएकेन प्लाटसेन एन टेक्सटेन वैन दे वैदाज, एन वैन ईनिगे ट्विस्ट प्रिफ्टेन वोवेर ब्राह्मनिश्चे गाड्लेलीर्दहेइद. . .नारहेट इंगेल्श्च वैन दिएन शिग्रज्वेर दूर पी. पी. रूर्द वैन ईसिंग. कम्पेन, क्वेन हुल्स्ट, १८४०. ८,२५० पे.

ब्रि. म्यू., न्यू. प. ला.

गॉवलेट द, ग्रलविएल्ला

लं एवोल्यूशन रेलिजिएँसे कन्टेम पोरेरे चेज़ लेस एँग्लेस लेस् ग्रमेरिकेंस एटलेस हिन्दूज. पेरिस, १८८३. ४३१ पे. २२ से. ने. ला.

मिल्लोउए, लिग्रानडी

ले मूवमेंट रेलिजिग्रक्स दैन्स इ' इंडे मॉर्डन. ले दीज़्मे लिंडो एट लेस ब्राह्म-समाज'. ल रेनॉसॉ डी बुद्धिज़्म दैंस. इ' इण्डे. (इन मुसे जूइमेट. ग्रन्नलेस, बिवलिग्रॉथेक डी वलगरिज़ेशन, पेरिस, १०७. वर्ष २६, पृ. ८१–९७.)

लंजुइनेस,

ग्रॉव्जरवेशंस सुर क्वेलक्वेस वौरेजेस डी राममोहन राय. (जनरल शियाटीक . I सेरीज़, वा. ३, पे. २४३–२४९, पेरिस, १८२३). न्यू. प. ला.

पत्रिका

ब्राह्म पब्लिक ग्रोपीनियन १८७८–८०.

ने. ला.

ब्रह्मविद्या, वर्ष १. कलकत्ता, ब्राह्मसमाज, १९१२—
वर्ष १–७; ११–१६.
——नवीन संस्करण. कलकत्ता, १९३५—

ने. ला.

ब्राह्म (द) ईयर बुक फॉर ब्रीफ रेकार्ड्स ग्रॉव वर्क ऐंड लाइफ इन द थीइस्टिक चर्चेज़ ग्रॉव इंडिया, एड. बाई एस.डी. कोलेट. लंदन, विलियम्स ऐंड नॉरगेट, [१८७६.—]
वा. १–५; १८७६–८० न्यू. प. ला.
वा. ६–७; १८८१–८२. ने. ला.

देवालय रिव्यू, ए क्वार्टरली जर्नल डिवोटेड टू रिलिजस, सोशल ऐंड एजूकेशनल प्रॉग्रेस ग्रॉव ग्रॉल कम्यूनिटीज़ ऐंड फॉस्टरिंग लव ऐंड फेलोशिप एमंग डिफरेंट डिनामिनेशन्स ऐंड टू द स्प्रेड ग्रॉव द ग्राइडियल ग्रॉव द देवालय ऐंड इट्स फाउंडर. कलकत्ता, देवालय ग्राफिस, १९१८—.
वा. ११, नं. ३, १९२८. ने. ला.

(**द**) **इंडियन मेसेंजर** : मेनली डिवोटेड टू रिलिजस, सोशल, मारल ऐंड एजूकेशनल टॉपिक्स. कलकत्ता, ब्राह्म मिशन प्रेस, [१८—]—.
वा. २९–३२–; ३५–४१ : १९१२–१९१३.

ने. ला.

द लिबरल ऐंड द न्यू डिसपेंसेशन, वा. १—, (१८–)—. कलकत्ता, ब्राह्म ट्रैक्ट सोसाइटी, १८—.
—वा. ने. ला.

नवविधान. : वा. १—. १८८०— कलकत्ता, बी. एन. मुकर्जी, फार द न्यू डिसपेंसेशन चर्च, १८८०—
—वा. ने. ला.

साधारण ब्राह्म समाज, वा. १—. १८— कलकत्ता, साधारण ब्राह्म समाज, १८—
—वा. ने. ला.

थीइस्टिक क्वाटर्ली रिव्यू, १८७६–८०. कलकत्ता,
सेंट्रल प्रेस कं., १८७६–८०.
क्वार्टरली.
वा. १–५, १७७६–८०––
एड. बाई पी. सी. एम. ने. ला.

दथीइस्टिक एनुअल फार... पब्लिश्ड ऑन द आकेज़न ऑव
द एनिवर्सरी ऑव द ब्राह्म समाज...१८७४––
कलकत्ता, कलकत्ता सेंट्रल प्रेस कं. लि., १८७४––
वा. ४४ ऐंड ४६ एनिवर्सरी, १८७४ ऐंड १८७६.
आलसो इन्क्लूड्स "ब्राह्म ईयर बुक". ने. ला.

यूनिटी ऐंड द मिनिस्टिर पब्लिश्ड एवरी संडे. वा. १४–२०.
कलकत्ता, १८६६–१६०६.
इनकंम्प्लीट फाइल. न्यू. प. ला.

द वर्ल्ड ऐंड न्यू डिसपेंशेशन, वा. १––, १८६०––.
कलकत्ता, के. पी. नाथ फार न्यू डिसपेंसेशन चर्च, १८६०––
––वा. ने. ला.

तत्त्वबोधिनी पत्रिका, १८६२,. ने. ला

शीर्षक तालिका

अ

आ

फ

ब

भ

म

य

र

ल

व

श

स

तिथी
पु०सं० 112
भारती पुस्तकालय